.प्राधकार सं प्रकाशित Publishep by Authority

सं० 16]

मई बिल्ली, शनिवार, अप्रैल 16, 1983 (चैत्र 26, 1905)

No. 16]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 16, 1983 (CHAITRA 26, 1905)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग Ш-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियम्ब्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, विनांक 18 मार्च 1983 सं० ए० 32011/1/82-प्रणा०-I—कार्मिक ग्रौर प्रणासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 5/4/81-सी० एस०-II(जिल्द-II)दिनांक 20-2-1982 के अनुसरण में उद्योग मंत्रालय ग्रौद्योगिक विकास विभाग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० का स्थायी स्टनोग्राफर ग्रड-ग श्री एम० एम० एल० दुआ को राष्ट्रपति द्वारा 5-3-83 (पूर्वाह्न) से ग्रागामी भावेशों तक वीर्षकालीन भवधि के लिए संघ लोक सेवा भायोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 मार्च 1983

सं० ए०-32014/2/83-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा ग्रायोग के के० स० स्टे० से० संवर्ग के III चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायक श्री वी० के० श्राहूजा को राष्ट्रपति द्वारा 16-3-83 से 31-5-83 तक श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर पूर्णतः श्रस्थाई श्रौर तवर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया किया जाता है।

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः श्रस्थाई ग्रीर तदर्थ श्राधार पर है ग्रीर इससे उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का ग्रथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा ।

य० रा० गांधी ग्रवर सचिव (प्रशा०) संघ सोक सेवा द्यायोग

गृष्ट मंत्रालय . का. एवं प्र. सू. विभाग कोन्द्रीय अन्त्रेषण व्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 24 मार्च 1983

सं० ए०-12025/1/81-प्रशा०-5--निदेशक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा श्री महेन्द्र प्रकाश शर्मा, लोक ग्रिभयोजक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो का त्यागपत्र विनांक 1 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से स्वीकार करते हैं।

प्रार० एस० नागपाल प्रशासनिक भ्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

महानिवेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल			1 2	3	4
नई दिल्ली-110003, वि			सर्वश्री	,	
सं० पी० सात-1/81-स्थापना भाग 5—राष्ट्रपति, के० रि० पु० ब० के निम्नलिखित निरीक्षकों को पुलिस उप-मधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पव पर अस्थाई रूप में अगले आदेश होने तक सहर्ष पदोन्नति करते हैं। इन कर्मैचारियों ने उनके नाम के आगे लिखे यूनिट में वर्षाई गई तारीख से अपना कार्यभार संभोल लिया है:—			25. विजेन्द्र पाल सिंह	जी० सी०	21 10 01
			४३. १५७७ पाल ।सह	जाग्सार (इम्फाल)	31-10-81
			26. के०सी० यादव	(भ्रम्भाष <i>)</i> 33 वा०	26-10-81
			27. शिव स रू प सिंह	68 वा०	24-10-81
			27ः गाप संख्यास्य 28ः श्रीम प्रकाश	33 वा ०	26-10-81
			29. राजेन्द्र पाल सिंह	35 ना ँ 46 वा०	3-11-81
			30. के० म्रार० वगरा	काठ आ ० 61 वा ०	5-11-81
and of money a state		6.	31. तेजा सिंह	23 वा ०	5-11-81
	C		32. मदन गोपाल सिंह	23 वा ०	26-10-81
क्रम ग्रधिकारीकानाम	जिस युनिट से	कार्यभार	33. घी० पी० सक्सेना	22 पाउ महा-	26-10-81
सं०	पदस्थ किए	संभालने की	55. याच्याच्यावसा	_{पर्≀} - निदेशालय -	
	गए	तारीख	० ४ जारेज जागा	। गयसालयः 38 वा०	(मपराह्न)
1 2	3	4	34. सोन् राम		31-10-81
सर्वेश्री			35. लक्ष्मणा सिंह नेगी	32 वा०	26-10-81
1. गुरजाप सिंह	2 সা ০	28-10-81	36. भ्रम० टी ० प्रभाकर णा	28 বা ০	26-10-81
2. श्याम सुन्दर	2 ((- 10 वा०	9-12-81	37. वी० के० तिवारी	जी० सी <i>०</i> (२—०)	23-10-81
3. रामनारायण सिंह	2 वा ०	24-10-81		(गोहाटी)	
4. जयसिंह	_ · · · 19 वा०	30-10-81	38. दयाल करनी	36 वा ०	9-1-82
1		(अपराह्न)	39. सज्जन सिंह्	जी० सी०	9-11-81
5. जगमीहृन सिंह	58 वा ०	5-1-82	^	दुर्गापुर	
6. विजेन्दर सिंह	′ 64. वा ०	4-11-81	40. भानी राम	67 वा०	2-11-81
o. नगर्भरायत् 7. राम जीवन	68 वा ०	24-10-81	41. बलबीर सिंह	4 वा०	30-11-81
8. नारायण सिंह	44 वा o	21-10-81	42. पी० गंगाधर पिल्ली	33 वा ०	2-11-81
् ठः वारायगाराष्ट्	## 41°	(भ्रपराह्म)	43. जी०पी० बहुगुणा	जी० सी० इम्फाल	28-10-81
9. सबाई सिंह	8 वा०	16-11-81	44. डी० प्रार० खुराना	जी० सी०	4-12-81
10. वी० बी० भम्बानी	70 वा०	30-10-81	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	मुकामा	
11. जे० पी० एस० व्रिपाठी	61 वा०	10-11-81	45. राजेन्द्र सिंह	1 वा०	6-11-81
12. साहिब राम यादव	47 वा ०	2-11-81			(भ्रपराह्न)
13. सोभाचन्द	18 वा०	17-11-81	46. बुधराम शर्मा	41 বা ০	30-10-81
14. जयनारायण मार्य	3 वा ०	23-10-81	47. शिवराज सिंह	ी 51 वा ०	1-11-81
15. शादी राम	12 वा ०	31-10-81	48. मान खान	, 51 सा० 61 सा०	5-11-81
16. राम सरूप	42 वा ०	12-11-81	49. ए० शम्सुधम	जी ः सी०	26-10-81
17. श्रजीत सिंह	21 वा०	1-11-81	and de de land	(भ्रवाडी)	-01001
	•	(भ्रपरा ह्न	50. के० बलबीर सिंह	30 वा॰	13-11-81
18. प्रताप सिंह्	27 वा०	23-10-81			
		(भ्रपराह्न)	'51. श्रोमप्रकाश यावव	45 वा॰	11-11-81 (10071-6)
19. रण पाल सिंह	36 ৰা ০	2-11-81	eo was fre	g e seta	(भपराह्म)
		(मपराह्न)	52. कुन्दन सिंह 53. सन्दिक पोस्ट	25 ব ি	28-11-81
20. बी०पी० भरथवाल	63 वा ०	9-11-81	53. ललित मोह्न	58 বা ০	7-11-81
21. रत्नसिंह	9 वा०	3-11-81	r. 4. 44	40 e ro	(भंपराह्म)
-	,	(ग्रपराह्न)	54. डी ०सी० नागर	49 বা ০	10-11-81
22. चैल बिहारी	43 वा०	12-11-81	55. गीलबर्ट पाल -	3 वा०	8-11-81
23. भैरव दत्त	जी० सी०	31-10-81	56. मोहन लाल मीना	25 वी ०	8-11-8 1
	(दुर्गापुर)	(भ्रपराह्न)	57. चरणजीत सिं ड्	भार <i>०</i> टी <i>०</i>	20-11-81
24. जय राम मिश्रा	जी० सी०	25-10-81		सो॰ (1)	
= 27 11 31 11 11	(गोहादी)	= = -	58. विनोद कुमार	40 বা০	17-11-81

1	2	3	4	1	2	3	4
59.	गिरघारी सिंह नपावाल	41 वा०	30-10-81	90. U	च ० एन ० यादव	51 वा०	3-11-81
	निहाल सिंह	जी० सी०	16-11-81	-	ापत सिंह राठीर	51 वा०	7-11-81
•••		 (मुकामा)			लसी दत्त	36 वा॰	30-10-81
61.	रामसिंह	50 वा०	14-11-81	•			(भ्रपराह्न)
	बदरी प्रसाद	जी० सी०	24-10-81	93. জী	ro पी ० यादव	৪ বা ০	30-10-81
	, , , , , ,	(दीमापुर)		94. गो	पाल सिंह मेहुता	6 व ि	21-11-81
63.	रषुबीर सिंह	37 वा ०	5-11-81				(भपराह्न)
	•		(भ्रपराह्न)	95. रा	म कुमार	26 वा ०	2-11-81
A.A	रधुबीर सिंह	37 वा०	7-11-81	96. नष	र सिंह	महा० निदे	21-10-81
	उमेष सिंह	3 वा०	6-11-81			मालप	(श्रपराह्न)
	किशन लाल	49 वा ०	21-10-81	97. रा	जेन्द्र सिंह	1 सिन०	22-10-81
	ची० एस० राठौर	9 वा ०	10-1-82			[नल।	
	भोंकार मल यादव	जी० सी०	16-11-81	98. ता	खत सिंह	2 सिन-	26-10-81
00.	भागगर गरा सायन		10 11 01		•	नल ।	
	A	(हैवराबाद) जी० सी०	0.11.01	99. वि	धि सिंह	6 ব্যা০	30-10-81
69.	पी० गोपालकुष्णन		9-11-81		•		(भ्रपराह्म)
	A	(पल्ली०)	01 10 01	100. ₹	र ुच् वा सिंह	1 सिगनल	22-10-81
	बी० भार० यादव	39 ৰা৹	31-10-81	•	र्शन सिंह	53 घा ०	6-11-81
	सुमेर सिंह	13 वा०	6-11-81	102.	ी० बी० शर्मा	जी० सी०	4-11-81
72.	वी०के० चक्रवर्सी	70 वा०	31-10-81			(राम०)	,
	A	0.5 ====	भपराह्न.	103. t	रुम० एस० नेगी	10 वा॰	8-3-82
	एस० डी० एस० प्रसवाय	35 वा०	27-11-81		गी० एल० मायुर	8 বাণ	1-2-82
	राजेन्द्र सिंह मेहरा	66 वा०	31-10-81		नखन सिंह∄	48 बा०	23-1-82
	वेबेन्द्र सिंह	47 वा०	28-1-82		•	•	् (भ्रपराह्म)
	एस० सलीमूरीन	62 वा०	15-11-81	106. ₹	रसेम सिंह	4.3 व्या०	5-3-82
	मरसिंह खतरी 	5 বা ০	16-11-81		गबर सिंह	56 ষা ০	20-1-82
78.	ह रीचन्द	13 वा ०	16-6-79 -(भ्रदोक)		। शयन्त सिंह	44 410,	23-1-82
			·(અહાળ)	109. 7	ी० एस० तौमर	36 वा ०	16-1-82
		-	7 10 01	110. ₹	रुन्द्र कुमार	38 বা ০	19-1-82
=0	योगेन्द्र सिंह बालविया	6	7-10-81	·	•		(भ्रपराह्न)
	एम० एल० चतुर्वेदी	7 वा ० ए० डब्ल्यू०	13-11-81 26-10-81	111. ₹	शिराम	41 वा०	6-2-82
00.	14. 14. 18.4	एस॰ (1)	201001	112. f	वक्रम सिंह	जी∘ सी•	1-2-82
		जे० सी०				(दीमा०)	<u>-</u>
		(हैदराबाद)		113. \$	ाब्दुल सलम खान	13 वा०	29-1-82
81.	भुरजीत सिंह	45 वा ०	12-11-81	114.	ो० के० कुरवीला	65 वा ०	5-2-82
O Į.	8		(भ्रपराह्म)		-		(भपराह्न)
82.	धन्ना राम	47 वा०	24-10-81	115. \$	गोम प्रकाश यादव	61 वा॰	27-1-82
Ų 2 .	4111 1111	···	(भ्रपराह्म)	116. 8	ी० वाई० फीलिप्स	64 বাত	17-2-82
83.	टी० एल० माहुतीनवार	53 বা ০	16-11-81	117. 5	स ्प० एस० शेखावत	40 वा०	30-1-82
	As dar albuman		भपराह्म.	118. T	तुम्गी राम	42 वा०	4-2-82
84.	वीवान सिंह	60 वा ०	7-11-81	119.	• .	60 वा०	26-2-82
	मनवर सिंह	1वा०	17-11-81		तमजी सिंह	69 वा०	28-1-82
	हरी सिंह	23 वा ०	17-11-81	_	गवती प्रसाद कटारिया	'10 वा०	26-1-82
	के० एन० राय	34 वा०	15-6-82				(ग्रपराह्म)
	छेबी सिंह	48 वा ०	30-10-81	129 1	ाय <u>ु</u> राम [ु] यादव	जी० सी ०	21-1-82
	- 71 . 11 6			1 A 4.	· Parallara	जार सार (दुर्गा०)	# I- 1-04

4 0		
1 2	3	4
सर्वेश्री		
123 एम० पी० यादव	36 वा ०	22-3-82
124 ग्रमीर सिंह	9 वा ०	17-3-82
125 चन्वरभान	48 বা ০	20-3-82
126. मलगार सिंह	63 वा ०	16-4-82
		(भपराह्न)
127. निरंजन सिंह	65 वा ०	22-3-82
128 बाल किशन	66 वा॰	14-3-82
129. सुभाष चन्द यादव	18 वा०	8-4-82
130. इन्द्रसिंह यादव	9 वा०	3-4-82
131. मन्ना लाल	46 वा ०	6-4-82
132. कर्म सिंह	68 वा ०	26-3-82
133. के० एस० बिष्ट	13 वा ०	29-3-82
		(ग्रपराह्न)
134. जगमे ह र सिंह	33 वा ०	27-3-82
		(ग्रपराह्न)
135. एस० एस० तौमर	64 वा०	16-8-82
136. भाई० एम० देवभ्रप्पा	31 সা০	6-3-82
137. ग्रो०पी० डामर	70 वा ०	14-6-82
		(भपराह्न)

दिनांक 23 मार्च 1983

सं० घो० दो० 1599/81-स्थापना — राष्ट्रपति ने डाक्टर डी० मुखोपाध्याय, जनरल ड्यूटी ध्राफिसर ग्रेड- (डी० एस० पी०/कम्पनी कनांडर) 2 बाहिनी, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का त्याग पत्र विनांक 11 फरवरी, 1983 ध्रपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

> ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महा रजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 मार्च 1983

सं० 11/66/79-प्राण०—I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रणासिनक सेवा के पंजाब काडर के ग्रधिकारी श्रीर पंजाब, भण्डी गढ़ में जनगण्ना कार्य निवेशालय में प्रतिनियुक्ति पर जन-गणना कार्य निवेशक के पद पर कार्यरत श्री डी० एन० धीर की सेवाश्रों को, तारीख 28 फरवरी, 1983 के भपराह्म। से पंजाब, चण्डीगढ़ सरकार को सहर्ष प्रत्यावितित करते हैं

पी० पद्मनाभ भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त मक्षालय धार्थिक कार्यविभाग वैकनोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 24 मार्च 1983

नस्ती क० बी॰ एन० पी०/जी०/7/83--श्री एच० एस० रोनॉड, स्यायी कनिष्ठ पर्यवेशक को दिनांक 24-3-83 से 24-4-83 तक अल्पावधि के अवकाश रिक्ति में तद बाधार पर तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं मुद्रपट्ट निर्माण) के पद पर रुपए 650-1200 के बेतनमाम में नियुक्त किया जाता है।

मु० वै० चार महाप्रबन्धक

कागज प्रतिभूति कारखाना होशंगाबाद, दिनांक 11 मार्च 1983

सं० 7(59)/13630— इस कार्यालय की मधिसूचना सं० 7(59)/5969 दिनांक 27-8-1982 के तारतस्य में श्री राजकुमार को र० 840-40-1000-द० मव०-40-1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य रसायनभ के रूप में की गई सदर्थ नियुक्ति की भ्रवधि को दिनांक 16-2-1983 से छः माह की भ्रवधि भ्रथवा पद के नियमित भ्राधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, श्रीर बढ़ाया जाता है।

श० रा० पाठक महाप्रबन्धक

वाणिज्य मंस्रालय

मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली , बिनांक 25 मार्च 1983

म्रायात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 1/16/83-प्रशा० (राज०) 1845—राष्ट्रपति, श्री राजेन्द्र सिंह (के० स० स०/ एस० जी० एस० एस०, 1981) को केन्द्रीय सिंचवालय सेवा की प्रवरण श्रेणी में तथा मुख्य नियंत्रक, धायात-निर्यात के कार्यालय में संयुक्त मुख्य नियंत्रक धायात-निर्यात के पद पर कार्य करने के लिए बिल्कुल तवर्थ श्रीधार पर 17 जनवरी, 1983 के पूर्वाह्र से 3 मास की अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

ए० एन० चटर्जी संयुक्त मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात इस्ते मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र प्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-20, दिमांक 21 मार्च 1983

सं० सी० ई० आर०/2/83/3—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 20 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयूशि करते हुए मैं, एसद्वारा, वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/2/77, दिनांक 15-4-1977 में, निम्नलिखित अन्य संशोधन करता हूं अर्थात् :—

उक्त ग्रधिसूचना में,

पैराग्राफ 7 के बाव निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, मर्थात् :---

7क—⊷वस्त्र आयुक्त एक भ्रादेश को छोड़कर क	द्वारा लिखिस जार्र गेई भी 'उत्पादक '		1	2	3	4
उत्पादित नहीं करेगा।"			19.	एस० सी० कुमार	उप महानिदेशक	2-1-76
•		सुरेश कुमार	10.	An	भारतीय पूर्ति	2 1-70
••	r	षस्त्र भागुक्त			मिशन,	
	·				वाशिगटन	
ਪੁਰਿ ਸ਼ੂਘਾ ਸਿਧਟ	ान महानिवेशालय	,				
• 1	मनुभाग-)		20	एम० सी० पाण्डा	ऋय निदेशक	1-0-76
(44)41	मार्थान)		40.	एमण साठ पाल्छ।	क्य । नदशक भारतीय पूर्ति	1-8-76
न ई दिल्ली, दिनां प	र 22 मा र्च 1983	l			भारताय पूरत मिणन वाणिगटन	
सं० प्र०1/42(40)-I	II—राष्टपति. पर्ति	सथा निपरान	9.1	पर्य ५ पत्य ५ स्टान्ट	निवेशक (पूर्ति)	1.0.77
सं० प्र०1/42(40)-IIIराष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के निम्नलिखत म्रधिकारियों को उनके नामों -				21. एस० एल० कपूर 22. एम० के० भटनागर	निवेशक (पूर्ति)	1-9-77
ते सामने दिए गए दिनांक	•			एस० के० भट्टाचार्य	ानवशक (पूरत) प्रोक्योरमेंट	2-12-77
तेवा ग्रेड-2) के स्थाई पव			<i>∡3</i> ,	एस० याच महायाम	श्रानवारमद इंजीनियर	1-2-78
:		2141 - 244			क्ष्णानवर विश्व ब्रैंक	
			0.4	धार ० सी० मलिक		00 0 50
				भार० सा० मालक भयाम किशोर मलिक	निदेशक (पूर्ति) चित्रेणक (पर्चि	28-2-78
क्रम ग्रधिकारीका	वर्तमान स्थाना-	स्थाई होने		जोगनद्र पाल महेन्द्र	निवेशक (पूर्ति) सेवा नि वृत्त	1-3-78
र्सं० नाम	पन्न पद	की तारीख		णागन्द्र पाल महन्दू एन० एन० खामितकार	•	15-3-78
1 2	3	4	27.	एन० एन० खामितकार	सूचना श्रौर प्रसारण मंत्री	15-3-78
सर्वश्री					त्रसारण मन्ना के विशेष कार्य	
1. बी० ए० शेनाय	मृत्यु हो गई	25-10-70				
2. एम० ए० बी० चुगताई	सेवा-निवृत्त	20-12-70			ग्रधिकारी चिकार (वर्ष्ट्र)	
3. सी० सी० दत्त	निदेशक (पूर्ति)	1-3-71		एस० कोटेम्बर	निदेशक (पूर्ति)	15-3-78
4. डी० ग्रार० नागपाल	सेवा-निवृत्त	1-3-71		टी० ए० ग्रवतारमणी	निदेशक (पूर्ति)	15-3-78
5. वी० नागराज	श्रपर कार्यकारी	18-4-71		एस० एल० जिंदल	निदेशक (पूर्ति)	1-5-78
	प्र धिकारी		31.	भार० ४ ब्ल्यू०	निदेशक (पूर्ति)	30-6-78
	ए० एस० आर०	ان د ر		सूर्यवंशी गिरधारी लाल	उपनिदेशक	1 10 80
	दी० यू०		32.	।गरधारा लाल		1-10-78
6. भ्रमर लाल	निदेशक (पूर्ति)	21-4-72			(पूर्ति) उप संचिव,	00 0 50
7. ग्रार० एन० घोष	निदेशक (पूर्ति)	21-4-72	33.	भ्रोम प्रकाश	उप साचव, रक्षा मंत्रालय	30-6-79
8. देवकी मोहन	निवेशक (पूर्ति)	21-4-72				07.0.00
9. बी० एस० चाबला	उप निवेशक	21-4-72	34.	माम चन्द्र 	निदेशक (पूर्ति)	27-3-80
•	(पूर्ति)				एस० बार	तासुब्रामणियम
10. ए० के० कल्याणरामन	निदेशक (पूर्ति)	21-4-72			उप निवेध	गक (प्रशा०)
11. एम० सुन्दररामन	निदेशक (पूर्ति)	~ 7-73				
12. फ्रार० जी० बदलानी	निदेशक (पूर्ति)	1-7-73				
13. धार०सी० छावड़ा	निवेशक (शिका-	1-7-73			खान मन्नालय	
	यस संया अन			(खा	न विभाग)	
	संपर्क)			भारतीय भूवी	प्रामिक सर्वेक्षण	
14. एच० एल० ग्रनेजा	निदेशक,	1- <i>7</i> -73		XXXXXII.70001	6, दिनांक 23 मार्च	1003
• •	भारतीय					
	पूर्ति मिशन,			॰ 2491बी/ए०-19012		
	लन्दन			ानिक सर्वेक्षण के वि		
15. भार० बी० पट्टाभिरामन	मृत्युहो गई	1-12-74	श्री भर्रावेद विश्वास को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में वेत नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-4			
16. ग्रो०पी० श्रीवास्तव	निवेशक (पूर्ति)	1-7-75				
17. एन ः ग्रं कर	निदेशक (पूर्ति)	1-7-75		0-व॰रो॰-40-1200 र		
-				ागामी भादेश होने तक		क पूर्वाह्न से
18. सुघोशू कुमार मस्लिक	सेवा निवृत्त	22-8-75	नियम	ल किया जा रहा है।	1	

विनांक 25 मार्च 1983

सं० 2591 बी/ए०-19012 (2-कें०बी०मार०) / 81-19 बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकी विद् श्री कें० वेंकटेश्वर राव ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकी विद् के पद का कार्यमार 25-5-1982 (भ्रपराह्म) से त्याग-पन्न पर छोड़ दिया है

> एस० के० मुखर्जी महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून-248001, दिनांक 19 मार्च 1983

सं० सी० 5928/718-ए०—श्री ए० बी० सरकार, स्थानापन्न मधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, (इस समय मैप क्यूरेटर के पद पर प्रतिनियुक्ति पर हैं) विनांक 14 जनवरी, 1983 (मपराह्न) से दिनांक 14 फरवरी, 1983 तक श्री जी० सी० श्रृड्डी, स्थापना एवं लेखा ग्रधिकारी, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर सं० 102 (पी० एल० श्रो०) मुत्रण वर्ग (पू० स०) कलकत्ता में स्थानापन्न एवं लेखा ग्रधिकारी (सा० सि० से० ग्रुप 'बी') के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 21 मार्च 1983

सं० सी०-5929/579-ए०—निम्नलिखित प्रधिकारी, सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरूत्पादन (सा० सि० सेवा ग्रुप 'बी' पद) के पद पर बिनांक 10 फरवरी, 1983 से मूल रूप में नियुक्त किए जाते हैं:—

- 1. श्री एस० के० सरकार
- 2. श्री बी० एस० ढींगरा
- 3. ए० एस० भारताज

जी० सी० भ्रग्नवाल मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

म्राकाशवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 22 मार्च 1983

सं 1/4/83-एस०-2---महानिदेशक, ग्राकाशवाणी, एतव्हारा श्री जी० पी० शर्मा, लेखाकार, ग्राकाशवाणी, इन्दौर को भाकाशवाणी रेवा में विनांक 11-3-1983 (पूर्वाह्म) से प्रशासनिक मधिकारी के पद पर तदर्थ भाधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० वी० सेषाद्रि उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1983

सं० ए०-47011/1/82-स्टोर-I--श्री एम० एल० मीना का मेडिकल स्टोर डिपो, गोहाटी से स्थानांसरण हो जाने के फलस्वरूप, उन्होंने 30-11-1982 (श्रपराह्म) को उपसहायक महानिदेशक (एम० एस०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है सथा 3-1-1983 से गवर्नमेंट मेडिकल स्टोर डिपो, मब्रास में उप सहायक महानिदेशक (एम० एस०) के पद का कार्यभाल संभाल लिया है।

श्री ग्रार० मंडल का मेडिकल स्टोर डिपो, मद्रास से स्थानांतरण हो जाने के फलस्वरुप, उन्होंने 31-12-1982 (ग्रपराह्म) से उप सहायक महानिदेशक (एम० एस०) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है ग्रीर 13-1-1983 (पूर्वाह्म) से गवर्नमेंट मेडिकल स्टोर डिपो, गोहाटी में उपसहायक महानिदेशक (एम० एस०) के पद का कार्यभार संभास लिया है।

रमेश जन्द्र उप निदेशक प्रशासन (स्टोर्स)

भारतीय डाक तार विभाग प्रधान प्रबन्धक, दूरवाणी का कार्यालय

बेंगलूर-560009, दिनांक 31 विसम्बर 1982

विषय---सेवा सूचना---सी० सी० एस० (टी० एस०) केन्द्रीय ग्रसैनिक सेवा (सेवा समाध्ति) नियम, 5(1) 1965 ।

सं० पी० एफ०-7127/9 केन्द्रीय धरौनिक सेवा नियम, 5 धारा 1 (प्रस्थायी सेवा), 1965 के मन्तर्गत मैं, श्री सी० वेंकटस्वामी, सहायक इंजीनियर (कर्मचारी वर्ग), बेंगलूर टेलीफोन्स, बेंगलूर-9, यह सूचना धेता हूं कि श्री पी० राजमानिकम, चौकीदार की सेवाएं इस सूचना के पावती के एक महीने की मवधि के पश्चात् समाप्त की जाती है।

सी० वेंकटस्वामी सहायक इंजीनियर (कर्मचारीवर्ग) बेंगलूर दूरवाणी, बेंगलूर

सिंचाई मंत्रालय केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री ग्रनुसंधानशाला नई दिल्ली, दिनांक 25 मार्च 1983

सं० 1/92/82-स्थापना-I—केन्द्रीय सिविल सेवाएं (ग्रस्थाई सेवा) नियमावली, 1965 के नियम, 5 के उपनियम (1) के अनुसार मैं, सी० सुधीन्द्र, निवेशक, केन्द्रीय मृवा एवं सामग्री अनुसंधानशाला एतदहारा श्री रमेशचक, क्लीनर को यह नोटिस देता हूं कि उसकी सेवाएं इस नोटिस के उसे प्राप्त होने की तारीख से अथवा यह नोटिस उप-

स्थापित किए जाने की तारीख से, जैसी भी स्थिति हो, एक महीने की भविध पूरी होने पर समाप्त हो जाएंगी।

> सी० सुधीन्द्र निदेशक, केन्द्रीय मृदा एवं सामग्री श्रनुसंधानशाला

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक विभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 15 मार्च 1983

सं० पी० ए०/79(4)/80-म्नार०-III—-नियंत्रक भाभा परमाणु म्रमुसंधान केन्द्र श्रीमती रोशन बरजोर मिस्त्री, सहायक मैट्रन को मैट्रन पद (रुपए 650-1200) पर कार्य करने हेतु इस म्रमुसंधान केन्द्र में तदर्थ रूप में 27-12-1982 (पूर्वाह्न) से 5-2-1983 (म्रपराह्न) तक नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79(4)/80-प्रार०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री बाल कृष्ण महादेव नाइक, सेलैं० ग्रेड लिपिक को सहायक कार्मिक अधिकारी १ पद प्रर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 9-2-1983 (पूर्वाह्न) से 11-3-1983 (प्रपराह्न) तक की समयाविध के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

विनोक 18 मार्च 1983

सं० पी० ए०/76(1)/83-प्रार०-III—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डाक एवं तार विभाग, अस्वई टेलीफोन्स अस्वई से प्रतिनियुक्ति पर प्राए कनिष्ठ लेखा श्रधिकारी श्री श्रायंविष विट्ठल सहस्रबुद्धे को भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक लेखा प्रधिकारी पद पर (रुपए 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960) के वेतन क्रम. में 8 मार्च, 1983 (पूर्वाह्न) से 7 मार्च 1985 (प्रपराह्न) तक अथवा श्रमिम आदेशों तक जो भी पहले हों, नियुक्त करते हैं।

बी० सी० लाल उप-स्थापना भ्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना श्रभियांत्रिकी प्रभाग

बम्बई-5, विनांक 23 मार्च 1983

सं० विषम्रप्र०/3 (282)/83-स्थापना-I-4194—विद्युत परियोजना श्रभियांत्रिकी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भारतीय डाक श्रौर तार विभाग, बम्बई के कनिष्ठ लेखा ग्रधिकारी, एस० टी० कमांक 24923 श्री के० बाशा मोहिद्दीन को इस प्रभाग में प्रतिनियुक्ति के शर्तों पर फरवरी 28, 1983 के पूर्वाह्म से ग्रागमी ग्रादेश तक रुपए 650-30-740-35-

880-यः रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा मधिकारी नियुक्त करते हैं।

ग्रार० व्हि० बाजपेयी सामान्य प्रशासन ग्रधिकारी

बम्बई-5, दिनांक 4 मार्च 1983

सं० विपन्नप्र०/4(910)/82-प्रशासन/3122—श्री एस० जी० मुस्तफा, सहायक लेखा ग्रधिकारी ने उनका उनके मूल विभाग में प्रत्यावासन हो जाने के फलस्वरूप इस प्रभाग में फरवरी 28, 1983 के पूर्वाह्म से श्रपने पद का कार्यभार छोड दिया।

. ब० वि० <mark>थत्ते</mark> प्रशासन ग्रधिकारी

ऋय और भंडार निदेशालय

बम्बई-40001, विनांक 19 मार्च 1983

सं० डी० पी० एस०/2/1(8)/82-प्रशा०/11014— परमाणु खनिज प्रभाग की राजनंबगांव में स्थित बोडल खनन की भंडार यूनिट (क्रय ग्रौर भंडार निदेशालय) से स्थानान्तरण होने पर, स्थाई भंडारी तथा स्थानापन्न सहायक भंडार प्रधिकारी, श्री के० सी० एस० पिल्लै को इसी निवेशा-लय की भारी पानी परियोजना, मनुगुरु की भंडार यूनिट (डी० पी० एस०) में तारीख 14 फरवरी, 1983 से भगले न्नादेश होने तक इसी पद पर नियुक्त किया गया है।

> एस० कृष्णन प्रशासनिक श्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद, दिनांक 23 मार्च 1983

सं० जा० ६० स०/का० प्र० भ० /1603/814 सक्षम प्राधिकारी जी वैज्ञानिक सहायक 'ग' श्री ए० वी० कामत को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ६० 775/- प्रति माह के प्रारम्भिक वेतन पर दिनांक 1-10-1982 से ध्रगले ब्राधेशों पर्यंत अस्थाई श्राधार पर एस० बी० श्रेणी में स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी कृते प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

(परमाणु खनिज प्रभाग) हैदराबाद, दिनांक 22 मार्च 1983

सं० प० खा० प्र•-16/3/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतदद्वारा श्री बी० एच० एल० जी० शास्त्री, सहायक कार्मिक श्रधिकारी की छुट्टी बढ़ जाने के फलस्वरूप श्री टी०पी० जार्ज, सहायक की सहायक कार्मिक प्रधिकारी के पद पर तवर्थ नियुक्ति की 12-2-1983 से 11-3-1983 तक बढ़ाते हैं।

दिनांक 24 मार्च 1983

सं० प० ख० प० -1/25/82-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतदहारा श्री हरेकृष्णा मोहन्ता को 14 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक अस्थाई रूप से परमाणु खनिज प्रभाग में वैज्ञानिक श्रिधकारी/श्रिभियंता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 मार्च 1983

सं० प० खा० प्र0-1/1/81-भर्ती—परमाणु कर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतद्वारा श्री कें वालाचन्द्रन की परमाणु खनिज प्रभाग में 21 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से अगले श्रादेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/अभियंता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं

टी० डी० घाडगे वरिष्ठ प्रशासन व लेखा प्रधिकारी

धन्तरिक्ष विभाग इसरो मुख्यालय

बंगलीर-560009, विमांक 7 मार्च 1983

सं० मुख्या०प्रशा० 12-25 : इसरो परिषद के सदस्य (वित्त एवं प्रशासन), इसरो सम्पर्क सैल, बम्बई में श्री बी० के० एकनाथ, प्रशासन सहायक 'ख' को प्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो सम्पर्क सैल, बम्बई में र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक प्रशासन श्रीधकारी के पद पर दिनांक फरवरी, 11, 1983 के पूर्वाह्म से भागामी भादेश तक नियुक्त करते हैं।

एम० पी० भार० पाणिकर वरिष्ठ प्रशासन ग्रिक्षकारी

महानिदेशक नागर वमानन का कार्यालय .

नई दिल्ली, दिनौंक 17 मार्च 1983

सं० ए०-32014/2/82-ई० सी० (खण्ड-III)—राष्ट्र-पति ने नागर विमानन विभाग के श्री श्रार० के० नाज संचार सहायक को दिनांक 1-3-1983 (पूर्वाह्न) से ६० 650-1200 के वेतनमान में सहायक संचार श्रीधकारी के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है तथा उन्हें वैमानिक संचार स्टेशन, दिल्ली में तैनात किया है।

दिनांक 23 मार्च 1983

सं० ए०-32013/12/83-ई० सी०—इस विभाग की 10 जनवरी, 1983 की अधिसूचना सं० ए०-32013/4/80-ई० सी० (पार्ट) के ऋम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित तीन अधिकारियों को दिनांक 11 मार्च 1983 से सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

- 1. श्री पी० के० सिंघल, वरिष्ठ संचार प्रधिकारी।
- 2. श्री ग्रार० एस० गहलोत, वरिष्ठ तकनीकी भ्रधिकारी।
- श्री बी० एन० एस० राव, वरिष्ठ तकनीकी ग्रिध-कारी ।

भो० पी० भ्रमवाल सहायक निवेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 19 मार्च 1983

सं० 13/24/82-स्थापना-I— प्रध्यक्ष, बन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, श्री दुर्गी शंकर भट्ट को दिनोंक 3 जुलाई, 1975 से स्थायी रूप से हिन्दी श्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> रजते कुमार कुल सचिव वन भनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय

विदेश संचार सेवा

बम्बई, विनांक 25 मार्च 1983

सं० 1/78/83-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतवदारा बम्बई शाखा के स्थानापन्न सहायक अधिकारी, श्रीश्रिकी० एम० वानखेडकर को 11 मार्च, 1983 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोद्रा उप निवेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

निर्माण, महानिदेशक केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग , नई विल्ली, दिनांक मार्च 1983

सं० 33/1/81-ई०सीं०-9---राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा ग्रायोग की नामित श्री बी० पी० एस० ग्राहूजा को उपवास्तुक के ग्रस्थाई पद पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप 'क') के० लो० नि० विभाग में रुपए 1200/- प्रतिमाह वेतन पर संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिशों पर रुपए 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300/- के वेतनमान में (ग्रतिरिक्त भक्तों सहित) सामान्य नियम एवं शितों पर 26-2-1983 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं।

(2) श्री म्राहूजा को नियुक्ति की तिथि में 2 वर्ष की भवधि के लिए परीवीक्षा पर रखा जाता है।

ए० के० नारंग प्रशासन उपनिदेशक

भ्रायकर भ्रपीलीय श्रधिकरण बम्बई-400020, दिनांक 21 मार्च 1983 ⁻

सं० एफ०-48-ए० डी०/ए० टी०-1983—2. श्री श्रार० के० घोष सहायक श्रधीक्षक, श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण बम्बई न्यायपीठ, बम्बई, जिन्हें श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण, श्रहमदाबाद न्यायपीठ, श्रहमदाबाद में, तदर्थ श्राधार पर, श्रस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 6-8-1982 से 31-1-1983 के श्रवधि के लिए कार्य करते रहने की श्रनुमति प्रदान की गई थी, देखिए इस कार्यालय के दिनांक 5-10-1982 की श्रधिसूचना क्रमांक एफ०-48/ए० डी०/ए० टी०/1982 को श्रव श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण, श्रहमदाबाद, न्यायपीठ, श्रहमदाबाद में तदर्थ श्राधार पर श्रस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्रोर तीन माह की श्रवधि के लिए दिनांक 1-2-1983 से 30-4-1983 तक या जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं की जाती जो भी पहले हो स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमति दी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ श्राधार पर है श्रौर यह श्री श्रार० के० घोष को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी श्रौर उनके द्वारा तदर्थ श्राधार पर प्रदक्त सेवाएं न तो वरीयता के श्रिभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जाएगी भौर व दूसरी उच्चसर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पान्नता ही प्रदान करेगी।

सं० एफ०-48/ए० डी०/ए० टी०/1983—श्री एस० व्ही० नारायणन, वरिष्ठ श्रागुलिपिक, श्रायकर अपीलीय प्रधिकरण, हैदराबाद न्यायपीठ हैदराबाद, जिन्हें तदर्थ श्राधार पर श्रस्थाई दक्षता में, सहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर अपीलीय प्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में छः महीने के लिए दिनांक 1-6-1982 से 30-11-1982 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की गई थी, देखिए इस कार्यालय के दिनांक 14 जुलाई, 1982 की श्रधिमुचना क्रमांक एफ०-48-ए० डी०/ए० टी०/82, को श्रब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर श्रायकर प्रपीलीय श्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में श्रीर छः महीने की श्रवधि के लिए दिनांक 1-12-1982 से 31-5-1983 तक या जब तक कि उक्त पद पर नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रधान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्त तदर्थ आधार पर है और यह श्री एक व्हीं नारायणन को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जाएगी और न दूसरी उच्चत्तर श्रेणी में प्रोन्नत किए जाने की पावता ही प्रदान करेगी।

टी० डी० सुग्ला म्रध्यक्ष प्रारूप आर्ड.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

उध्यालिय, सहायक श्रायकार <mark>श्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 7-82/600--श्रतः मुझ, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं वृधि भूमि है तथा जो ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है, (इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

ताराज पुलाइ, 150 में अवान, ताराज पुलाइ, 1502 को पूर्विका संगरित का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित संपत्ति का उचित बाजार स्ल्य, जनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशक्ष में अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्कि व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती ऊषा जैन पत्नी श्री सुरेश जैन, निवासी सी०-29, पंचशील इन्कलेव, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री राजकुमारी मलहोन्ना परिनी मेजर एम० एल० मलहोन्ना, निवासी जेड-1/ए, राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली।

(म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीये।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 3 बीघे ग्रौर 9 बिश्वे, मुस्तातील नं० 3, किला नं० 21(1-17) एम० नं० 2, किला नं० 25 (1-1), 16(0-11), स्थापित ग्राम देवली, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-2-1983

प्रकृप कार्ड. टी., एन., एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन त्यना

भारत सर्काह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एनयू०/1/एस० प्रार०-3/ 7-82/603—प्रतः मुक्षे, नरेन्द्र सिंह

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर. संपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,00%/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एम०-15 है, तथा जो ग्रटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कार्यालय, नई दिल्ली में तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वो कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत मंपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृशयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्त- विक कप से किथात नहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण ने हुई किसी माम की नावस उन्त विध-विश्व के वधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कमी करने ना उससे वचने में सुन्धा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अस्य झास्तियों को, प्रिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था डिपाने में सुद्धिया के तिस्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंदत व्यक्तियों, सुधीत्ः— (1) श्री विलायती राम मित्तल सुपुत्र स्व० श्री कुन्दन लाल मित्तल, निवासी एफ०-345, कोटला मुबारक पुर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

(2) श्रीमती द्याशा बंसल पत्नी
प्रेम कुमार बंसल,
श्री प्रेम कुमार बंसल सुपुत
श्री सिरीराम, मार्फत श्री सुरिन्दर कें बंसल,
निवासी एम०-69,
ग्रेटर कैंलाश-2,
नई दिल्ली।

(श्रन्त्रारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वेक्ति अमितरारों में से किसी व्यक्तित कुशारः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित् में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो० नं० एम-15, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, पहली मंजिल के पीछ भाग ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-^I दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-2-1983

प्ररूप आहें.. दी. एन., एस.. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) μ र्जन रेंज I , नई दिल्ली $^{\circ}$ नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार० 3/7-82/611—ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० एस-252 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का

- 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1982
 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान
 प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त रांपित का जिचत बाजार मूल्य,
 उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्मह
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरित्वां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिचित
 में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्वने में सुविधा के लिए; और/या
 - (का) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्— (1) श्रीमती मधु खुराना पत्नी श्री मनोहर लाल खुराना, निवासी एस-252, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

(2) मैं ० इन्डकोन इंजीनियरिंग (प्रा०) लि०, 305, मामसरोसर, 90 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेष :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्विति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

पहली मंजिल प्रो० नं० एस-252, ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली एरिया-300 वर्ग गज ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्ष0) भ्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-11002

तारीख: 15-2-83

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 फन्वरी 1982

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/7-82/624—प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मुलतान पूर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम में 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्व, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निलिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरभ से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सूजिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा ⊈69-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ः—— (1) श्री ग्रमर नाय कान्धारी सुपुत श्री कर्म चन्द कान्धारी, निवासी सी-427, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री वितय मेहरा, चांद मेहरा, पवन मेहरा, सुपुत्रगण श्री सी० एल० मेहरा, नवीन मेहरा दीपक, मेहरा सुपुत्रगण श्री ए० के० मेहरा श्रीर ग्रमित मेहरा सुपुत्र श्री वाई० पी० मेहरा, निवासी एस-555, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पृवांकित सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

रानत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की तामिस से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ज) इस स्वना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्युक्त करणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को अक्त प्रिभावित की नध्याय 20 का में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सादादी 4 बीघे 10 विश्वे, खसरा नं० 299-मिन, ग्राम सुलतान पुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-32- 1983

मोहर 🕄

प्रकल बाह्री, बी. एवं. एवं

भायकर गिर्भानयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के भर्भान सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (गिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/7-82/625—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रधात 'उकत मिधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० वृध्य भृमि है, तथा जो ग्राम सुलतान पुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिषस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के आधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर धेने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्ध; और/वा
- (ख) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्यू आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्दाने में ब्रिया के लिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपवारा (1) को अधीन निम्नतिसिक व्यक्तियों, अर्थात् क्ष— (1) श्रीमती सुरक्षा कान्धारी पहनी श्री एस० के० कान्धारी, निवासी सी-427, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री विनय मेहरा, चांद मेहरा ग्रीर पवन मेहरा सुपुत्रगण श्री सी० एल० मेहरा, नवीन मेहरा ग्रीर दीपक मेहरा सुपुत्रगण श्री ए० के० मेहरा ग्रीर अमित मेहरा सुपुत्र श्री वाई० पी० मेहरा, निवासी एस-555, ग्रेटर कैलाश-2,

(अन्तरिती)

को वह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकींगे।

स्वक्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त किथ्-नियम के कथाय 20-क में परिभावित हैं, बही कर्थ होगा, जो उस कथाय में विया गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि तावादी 13 बीघे ग्रीर 19 बिग्ने, खसरा नं० 295/3 (1ब0), 296/1 (1-0), 296/2(1-16), 297/1(0-17), 298/1(0-10),, 298/2(3-6), 298/3(1-0), 347(4-10), के साथ ट्यूब-बैल ग्रीर ग्रन्य समानो से बना हुआ, ग्राम सुलतानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्लो ।

नरेन्द्र सि**ह** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-2-1983

मोहर 🕄

प्रकृत कार्य टी _स प्रकृत <u>प्रकृतकारण</u>

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

किंदिलिय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-र्रे, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/I/एस श्रार-37-82/626—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है, की भारा 269-इन के अभीन सक्षम प्राधिकारी दिये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 है. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० ृष्टि भूमि है, तथा जो ग्राम छतरपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्क्रीकरी श्रधिकारी के नायीलय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मूके यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ्स बिम्नलिकित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में गस्त- बिक कप में किथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण के हुई निसी भाव की वायत, अक्त जिभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुजिभा के लिए; और /वा
- (स) ऐसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

(1) श्री एस० सोहन सिंह श्रानन्द मुपुत्र श्री हरबन्स सिंह, एस० हरबिन्दर पाल सिंह सुपुत्र एस० सोहन सिंह श्रानन्द श्रीर श्रीमती निरुपण कौर पत्नी एस० हरबिन्दर सिंह पाल सिंह, निवासी एन-3, साउथ एक्सटेंगन,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीश चन्द्र रखेजा सुपुत श्री डी० श्रार० रखेजा, निवासी श्रार-63, ग्रेटर कैलाश-, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना चाड़ी करके पुनोंक्त सम्पृत्ति के अर्थन के जिल्ह कार्यनाहियां करता हुं।

चक्त सम्पृत्ति के वर्षत के सुम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप;⊶ -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवत्भू
 िकसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास्
 लिसित में किए वा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्यास 20-क में प्रिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया जसा है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 14 बीघे भीर 7 विष्वे खसरा न० 1461 (4-16), 1464/1-2) 1464/2 (3-4), 1465 मिन (4-15), के साथ फार्मे हाऊस, फीटिंग भीर फिक्सचर्जे ग्राम छक्षर पुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I दिल्ली, नई दिल्ली

ता**रीख** : 15-2**-**1983

मोहर ः

प्ररूप मार्ड दी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० फ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भार०-3/ 7-8.2/638—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थागर सम्पृत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो स्राम खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उप.बद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में पूर्ण वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रकरण), श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वों क्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कृष्ति नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उफ्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कमी करने मा उससे अचने में सूब्धा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अस उक्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मीभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के मभीना, निम्निवित माहितामों, अर्थात् :— (1) श्रीमती मालाश्री जौली पत्नी कैंप० राज मोहन जौली, निवासी श्राई-ई-सोनाली, 8/2-ए०, ग्रलीपुर पार्क रोड, कलकत्ता-700027 ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० जगदीश चन्द्र मलहोत्रा सुपुत स्व० डा० श्राया राम मलहोत्रा, श्रीमती संतोष मलहोत्रा पत्नी डा० जगदीश चन्द्र मलहोत्रा, श्री राहुल मलहोत्रा श्रौर रोहित मलहोत्रा सुपुत्रगण श्री जगदीश चन्द्र मलहोत्रा, निवासी सी-167, डिफेंस कालोनी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन् में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासु लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादाधी 4 बीघे भौर 16 बिश्वे, (1 एकड़) खसरा नं० 318, स्थापित ग्राम खानपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकथ श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-- दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-2-1983

माहुर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-भ (1) के मुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 7-82/657—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं अधि भूमि है, तथा जो ग्राम भाटी, कहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीक'रण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्वेश्य से उक्त अंतरण जिखित में वास्तिवृक इन्यू से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के निए; और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिम्नीलिखित व्यक्तियों, सूर्यात् ः— 3—26GI/83 श्री तिलोकी नाथ खन्ना
 सुपुत स्व० एत० गोकल चन्द,
 निवासी 21-ए,
 नई दिस्ली।

(श्रन्सरक)

(2) कुमारी गीता उत्तम स्पुत्नी श्री हरकिशन उत्तम, निवासी 15, बीरबल रोड, जंगपुरा एक्टेंशन, नई दिल्ली ।

(ब्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त श्रृट्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

कृषि भूमि तादादी 20 बीघे धौर 5 बिख्वे, खसरा न० 945 (1-19), 1995/962 (6-0), 961 मिन (3-4) 946 मिन (2-9), 963 मिन (2-0), 944(4-13), 946 मिन (2-9), 263 नि (2-0), 944(4-13), के साथ चार दिवारी, बाग, तथा ध्रन्य सामानों से बना हम्ना, स्थापिल ग्राम भाटी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

1,1 0

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-2-1983

मोहर 🖫 ्

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/7-82/658--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम भाटी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तिलोकी नाथ खन्ना सुपुत्र स्व० एल० गोकल चन्द, निवासी 21 ए, श्रीरंगजेब रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी रेशमा उत्तम
सुपुन्न श्री हरी किशन उत्तम,
निवासी 15, बीरबल रोड,
जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से . 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त - अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

कृषि भिम तादादी 20 बीघे और 2 बिग्वे, खसरा नं० 963 मिन (4-8), 1996/962 (3-1), 1013 (4-6), 1018 (1-18), 1021(3-3) 1020 (3-6) कि साथ ट्यूब वैल, बाग, चारवीवारी और अन्य सामानों से बना हुआ, ग्राम भाटी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 15-2-83

मोहर 🖫

प्रकप थाई• टी• एन• एस•---

भ्रायकर संघितियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संघीत सूचता

भारत सरमार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/ए क्यू०/1/एस० ग्रार-3/7-82/659—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, भायकर श्रिकित्यम, 1961 र (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिकित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिकी सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- र॰ से श्रीधक है

भौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाइपुर क्षहसील महरोली, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबदा ग्रनुसूची भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीयति श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीयरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उपनत बाजार मन्य से कम के दृष्यमान

को पूर्वोक्त सस्पत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विष्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रक्ष् प्रतिपात से अधिक है भौर भग्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण् से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अपने में सविधा के लिए; और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, व्यक्ति धन्न- (1) श्री मोहन लाल बाधरा सुपुत्र स्व० ईश्वर दास बाधरा, निवासी त्रिवेनी गार्डेन, नई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) श्री के० के० खुलर
सुपुत्र श्री एम० एल० खुलर,
निवासी सी-4/13,
सफदरजंग डवलपमेंट एरिया,
नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ; को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हार;
- (ख) इस पुजना के राजनका में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के राम सिक्ति में किए जा सर्वेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पथों का, वा स्वतः प्रश्नित्यम, के प्रध्याय 20-क में परिवादित है, वहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गया है

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 17 बीघे श्रौर 3 बिश्वे खसरा नं० 505(4-15), 506(6-17) 507(2-18) 508(0-6), 511(2-7), स्थापित ग्राम गदाईपुर तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 15-2-83

प्रक्ष वार्षः, टी : एव : एव : -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार नायुक्त (निर्देशण)

श्रर्जन रेंज-।, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए क्यू०/1/एल० आर०-3/7-82/660—आतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख प्रधीन नजन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० अधि भूमि है तथा जो ग्राम भाटी, सहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यांत्रय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908) (1908 का 16) के ग्रधीन तातीख जुलाई, 198,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मृभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्रिया के निए;

अतः ज्ञा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री विलोकी नाय खन्ना सुपुत्र स्व० एल० गोयल चन्द, निवासी 21-ए, ग्रौरंगजेब लेन, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) फुमारी भावन। उत्तम सुपुत्नी श्री हर किशन उत्तम, निवासी 15, बीरबल रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिस्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विम की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितककृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसिस में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उकत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि ताद।दी 20 बीघे, खसरा नं० 1022(5-1), 1023(2-2), 1017(2-10), 1015(2-6), 1010 (2-14), 1011(1-17), 1012(3-10) के साथ घार-दीवारी बगीचा तथा भ्रन्य सामान से बना हुआ, स्थित ग्राम भाटी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिली

तारीख : 15-2-1983

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/1/एस० आर०-3/ 7-82/661--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रुत्त से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम भाटी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीनरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के - वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा , को जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫 🗕

(1) श्री जिलोकी नाथे खन्ना मुपुत्र स्थ० एल० गोकल घन्द, निवासी 21-ए, श्रीरंगजेब लेन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रेनू उत्तम, पत्नी श्री हरिकशन उत्तम निवासी 15-बीरबल रोड, जंगपूरा एकसक्टेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आपी करके पूर्वीक्त संपीत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- ै(क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पक्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनसधी

कृषि भूमि 26 बीघे खसरा नं० 947(4-15), 950 (1-6) 961 年 (4-10), 951(6-18), 957(314), 959 (2-16), 946 मिन (1-8), 958(013) के साथ ट्यूब बैल, सर्वेंट क्यार्टर, चार दीवारी बाग तथा अन्य समानों से बना हुन्ना स्थित न्नाम भाटी, तहसील महरौली, नर्ध दिल्ली।

> नरेन्द्र सिष्ठ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखा : 15-2-1983

मोहरू 🖁

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयुक्त र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० प्रार०-3/7-82/663---प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है') कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० छिष भूमि है तथा जो ग्राम भाटी, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक अनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्राधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्यू से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित नाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (नंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिनक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दारियक में कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के सिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कड़ अधिनियम, वा धन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्युद्धिती बुवारा प्रकट नहीं किया बया था या किया आना आहिए था, कियाने में बहुत्या के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् ६—— (1) श्री दिलोकी नाथ खन्ना सुपुत्र स्थ० गोक्तल चन्द, निवासी 21-ए, श्रीरंगजेब लेन, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्री हरी किशन उत्तम सुपुत्र स्व॰ श्री हन्डासल उत्तम, निवासी 15-बीरबल रोड, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना वारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हूं।

अन्त सम्पृतिक के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्ब कुभू किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बुध्याय 20-क में परिआवित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

वन्स्ची

कृषि भूमि तिदादी 21 बीचे खरुरा नं० 954(8-8), 949(1-11), 953(1-1), 952(2-18), 955(4-2), 952(3-0) के साथ चार दीवारी बाग पेड़ तथा प्रन्य सामानों से बना हुआ, ग्राम भाटी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, विल्ली, नई दिल्ली

तरीख: 15-2-1983

मोहर 🖫

प्रकप माई• टी• एन• एस•-

भायकर प्रधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269व (1) के प्रधीत मुचना

भारत ब्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० भार०-3/7-82/664—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह भायकर प्रश्नित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रश्निकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतान पुर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित, उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी साथ की वाबत, खकत स्रिश्चिम के सभीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने ना उससे बचने में मुबिधा के सिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी माय या किसी धन या अभ्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में कुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमती सुमल कनोडिया पत्नी श्री विश्वन लाल कनोडिया, निवासी बी-368, न्यू फेंड्स कालोनी, मई दिल्ली ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री बजरंग लाल एण्ड सत्स (एष० यू० एफ०) द्वारा कर्ती सुभाष चन्द गुप्ता, निवासी सी- 9, सी० सी० कालोनी, विल्ली, रामनिवास एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०), द्वारा कर्ता राम निवास गुप्ता, निवासी सी-1, सी० सी० कालोनी, दिल्ली, भीमसेन, एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) द्वारा कर्ता भीम सेन गुप्ता, निवासी बी-5, सी० सी० कालोनी, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वांग समात्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस मूजना के राजपत में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी स्थक्तियों पर
 सूजना की तामील हे 30 दिन की संवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 स्थितयों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास शिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसर्ने प्रपृक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के घड्याय-20क में परिभाषित है, यही धर्य होगा जो उस घड्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 5 बीघे श्रौर 1 बिण्ये, खसरा नं० 736, के साथ चारदीवारी, कोठा, ट्यब वैल, (हैण्ड पम्प), प्लांट श्रौर पेड़, ग्राम सुलतान पुर, नई विल्ली।

नरेन्द्र सिह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
भर्जन रेंज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तापीख: 15-2-1983

मोहर 🖫

प्रसम् अवद्दे, टी. एम्. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सन्।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-3/ 7-82/669—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एम-30 है, तथा जो ग्रेटर कैलाई-1, नई विल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्विक्त संपर्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविद्या के लिए; और√या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को सभीन, निम्नील्लित व्यक्तियों, स्थातः :--- (1) श्रीमती सेवा पालिस पत्नी श्री ए० झार० पालित, निवासी एम-30, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ मानिक रंजन दत्त सुपुत्र स्व० डा० गिरीश चन्द्र क्स, निवास एफ-7, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पृथांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किती व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्याहै।

अनुसूची

पहली मंजिल और ऊपर का बना हुआ तथा दूसरी मंजिल जो सर्वेंट क्यार्टर मकान के बाहरी भाग गराज के ऊपर बना है प्रो० नं० एम-30, ग्रेटर कलाश-1, नई दिल्ली, एरिय 500 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-2-1983

मोहर 🤢

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 फरवरी 1983

निवेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० प्रार०-3/ 7-82/700-प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं वी-2, ब्लाक बी-1 है, तथा जो मोहन को-आपरेटिय इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, लिं० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गर्द है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तुविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्री हरदयाल सिंह सुपुत्र श्री भगर जीत सिंह, निवासी ए-246, पंचिशाला पार्क, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मन मोहन कौर पत्नी श्री हरदयाल सिंह, निवासी एख-246, पंचिषाला पार्क, नई दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (म) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में <u>दिया</u> ग्या है।

नगसर्वी

इण्डस्ट्रीयल प्लाट नं० बी-2, ब्लाक नं० बी-1, ले-ग्राउट प्लान मोहन को-प्रापरेटिव इण्डस्ट्रीयल इस्टेट लि०, नई विल्ली, तादादी-728.66 वर्ग गज।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

तारीख: 15-2-1983

मोहर 😘

प्ररूप आहें, टी. एन. एस.-----

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्राई० ए० एस० /एक्यु०/1/एस० ग्रार०-3/ 7-82/705— ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह अश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 8 ए/ब्लाक बी है, तथा जो कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

का 16) के श्रधान, ताराख जुलाइ 1982
को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के
दूष्यमान अधिफत के लिए मस्तरित की गई है घौर मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाडार गुन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से यखिक है और
अन्तरः (प्रग्तरकों) घौर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच
ित प्रनरण के निष् तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित
बहेसाने उसे प्रन्तरण लिखा में गस्तिक रूप से कथित
नो किया गया है।——

- (क) यंन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उबत ब्रिक्टिनियम, के अधीन कर देने के घग्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, घोर/बा
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, ग्रा घन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविद्या के सिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रक्षिनियम की बारा 269-ग के बनुतरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवादा (1) की अभीन जिम्मुलिसित् व्युक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती सुशीला वती पत्नी स्व० श्री नवहरीया राम, निवासी बी-8-ए, कैसाश कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केवल सिंह सन्धु ग्रौर कलविन्दर सिंह सिंधु, निवासी-43 हिलकाफ्ट किसेंट बाइलिंग लन्डन, डब्स्यु०-5, माफैंत श्री राम ग्रसरा, ई-157 ग्रशोक विहार, भाग-1, दिल्ली-52।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरु करता हूं।

उषड सम्पत्ति के प्रजैत से सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप >--

- (क) इस पूचराके राजपत्र में प्रकाशक की जारीख से 45 दिन की अविध्या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तिणों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवई किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रपृक्त प्रयद्यों श्रीर पढ़ों का, को उक्त सथि-नियम के श्रष्टशाय 20-क में परिभाषित है, बही सथ होगा, जो उन अञ्चाद में दिया गया है!

अनुसूची

2-1/2 मंजिला मकान का एरिया 496 वर्ग गज, (344.6 वर्ग मीटर), नं० 8-ए, ब्लाक-बी,कैलाण कालोनी, नई दिल्ली ।

नरेन्त्र सिंह्
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्भन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-2-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/ 7-82/706—भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं वी-4/113है, तथा जो लाजपत नगर, अमर कलोनी नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया वया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिख व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री श्रमर सिंह द्वारा ग्रटार्नी रिव वर्मा, डब्स्यू० जेड०-108, मीनाक्षी गार्डेन, नजफगढ़ रोड, नई दिस्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा कुमारी पत्नी श्री राजपाल निवासी बी- 4/113, लाजपत नगर, श्रमर कालोनी, नई विल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

बना हुम्रा प्लाट नं० बी-4/113, ग्रमर कालोनी, लाजपत नगर, नई दिस्ली, एरिया 100 वर्ग गज ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I नई दिल्ली

तारीख: 15-2-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस्.-----

नायकर निश्वित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/7-82/716—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 10009/18 है, तथा जो प्लाट नं० 2, डब्ल्यू० ई० ए० करोलवाग, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के रिष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रिष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिकत उद्विषय से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिये; बौर/बा
- (क) एसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मनिल वासुदेवा
सुपुत्र स्व० वी० एन० वासुदेवा,
द्वारा श्रटानी श्रीमती पूनम वासुदेवा,
सुनिल वासुदेवा श्रीप राजीव वासुदेवा
सुपुत्र श्री वी० एन० वासुदेवा,
43, पृथ्वीराज रोड,
नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सुशील कुमार सचदेवा, राजीव सचदेवा
सुपुत्रगण श्री मनमोहन लाल,
निवासी 3470, निकलसन रोड,
दिल्ली ग्रौर
हरविन्दर पाल सिंह,
सुरिन्दर पाल सिंह सुपुत्र एस० गुरवक्श सिंह,
निवासी 38/43, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :∸-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वतः की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त । जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

मन्स्चीं

मकान नं० 10009, प्लाट नं० 2, ब्लाक नं० 18, एरिया 240 वर्ग गज, खसरा नं० 769/767, डब्ल्यू०-ई-ए-करोल काग, नई विल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, नई दिल्ली

सारीख: 15-2-1983

मोहर ः

प्रकप आई॰ टी॰ एत॰ एस॰---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 **♥** 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

. कार्यालय, सहायक द्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाय 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सुलतानपुर, महरीली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लीमें रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरिजियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्षा से कविन नहीं किया गरा है।---

- (क) बन्तरण से हुई किसी काय की धावत, ठक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के दिनए;

वदः वस, उक्त अधिनियम की भाग 269-व के जनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम् की भाग 269-व् की उपभाग (1) को मुभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) श्रीमती सन्तोष कुमारी पत्नी श्री योगिन्द्र मोहन, निवासी सी-4/11, राणा प्रताप बाग, दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

(1) श्री सी० पी० महन्त सुपुत श्री के० डी० महन्त निवासी ए/13, कैलाश कालोनी, नई बिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह स्वान कारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्स अभिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया मुद्दा है।

अनस ची

कृषि भूमि खसरा नं॰ 3(1-8), 10(4-10), ग्राम सुलतानपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-2-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरबरी 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू०/एस० आर०-3/7-82/533 682/-82-83-यत: मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम श्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री बादले सुपुत्र नानवा, सुलतान श्रीर तेजा सुपुद्धाण श्री भण्डू, निवासी ग्राम श्राया नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं० नवरंग कर्माशयल कं० प्रा० लि०, 219, चितरंजन एवन्यू, कलकत्ता द्वारा श्री जसपाल सिंह।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए * कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं , वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

1/2 भाग कृषि भूमि नं० 1826(4-16) 1536 2(2-4) श्रौर पुरे भूमि का खसरा नं० 1839/1(2-8). ग्राम श्राया नगर, तहसील महरौली नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I नई दिल्ली-110002

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

तारीख: 25-2-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 फरकरी 1983 निर्देश सं० अ.ई० ए० सी०/एकपू०/1/एम अ.ए-१/7-82 558 अतः मझे नरेन्द्र सिंह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में रिश्त है (ग्रीर इससे उपाद्क शर्र ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिल्ली है) रिजरट्री बर्ता श्रीक रिश्त के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजरट्री करण श्रीक्षित्यम, 1808 (1908 का 16) के श्राधीन, तोरीख जलाई, 1882

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त स्वीक्त्यों, सुर्वात् (1) श्री रतन लाल सुपुत्र श्री मान सु , निवासी ग्राम जोनापुर, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्राशा घहल पत्नी श्री हरवीप सिंह, निवासी 125-ए, नीति बाग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतार उक्त स्थात्रर सम्पन्ति में हिस- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

1/4 भाग कृषि भूमि तादावी 19 बीघ श्रोर 1 बिश्वे, एम० तं० 32, किला नं० 23/2(2-0), एम० नं० 47, फिला नं० 3(4-9), 4(4-16), 15/1(1-15), 6/2(1-15), 7(4-16), ग्राम जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-!, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-2-1983

मोहर 🗧

प्ररूप वाह. थीं. एन्. एस.-----

शायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के सभीन् सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भारकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निवेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/7-82/559—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत निधिनयम' कहा गया है, की धारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रांर जिल्ली सं० कृषि भूमि है तथा जो प्राम-जौनपुर, तहसील महरीली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, गृंदूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई 1982 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक क्य से व्यायन नहीं किया नवा है हि—

- (क) अन्तरक वे हुई किसी बाय की बायत उकत विध-नियम के ब्रुधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हें बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (स) ऐसी किसी बाब या किसी धन या बन्य झास्तियों को., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के विषः;

करः वन, उक्त विधिनियम, की धारा 269-म के मनुबर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हिन्स

(1) श्री रतन लाल सुपुन्न श्री मनसुख निवासी ग्राम जोनापुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

(2) श्री गुरमीत सिंह सुपुत्र एस० स्वर्ण सिंह, निवासी 125-ए, नीति बाग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्थिक्त ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत् विभिन्नियम के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वेही वृथे होगा वो उस कृश्याय में दिया गया हैं।!

मन्स्ची

कृषि भूमि तादादी धौर 19 बीघे 1 और बिश्वर एम० नं०) 32, किला नं० 23/2(2-0), एम० नं० 47, किला नं० 3(4-9), 4(4-16), 15/1(1-15), 6/2(1-15), 7(4-16), ग्राम जोनापुर, तहसील महरौली, नई दि ल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी उपहर (रिकास)

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजॅम रेंज-I, मई विस्ली

तारीख : 25-2-83

प्रकृष आई. टी. एन्. एस. -----

प्रायकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० यू० ए० सी० (एक्स/1/एस० ग्रार०-3/7-82/563— अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह बायकर प्रिवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रवीत सक्षम पाधिकारी को, ये विज्ञाप रत्ने का कारण है कि स्थावर मंगि, त्रिमा उजित बाजार मूच्य 25,000/-६+ से अधिक है और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाटी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विज्ञा है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्याक्य, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

मधान, ताराख जुलाइ, 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान
प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि बधापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निजिस्ति उद्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस., उक्त अधिनियम् के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी घाय या किसी घन या ग्रम्थ ग्रास्तियों की, जिन्हें घारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 4 प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयः या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त बीभीनवस की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बीभीनयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन मिन्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् :-----26GI/83

(1) श्री राम करन सुपुत्र श्री उमराव, निवासी ग्रसोला, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० राजीव लोचन
सुपुत्र श्री श्रो० पी० खारी,
निवासी ए-21/93,
लोधी कालोनी, नई दिल्ली,
द्वारा ग्रटार्नी श्री राधे श्याम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ज्याक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी खसरा नं० 273 (7-13), ग्राम भाटी, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

1271

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- , नई दिल्ली

तारीख: 25-2-1983

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्यू० /एस० ग्रार०-3/7-82/ 562—ग्रतः सुक्षे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है,

स्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो ग्राम भाटी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप सं विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूदिधा के लिए;

अतः अबः, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निसिश्त व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राम करन सुपुष्त श्री उमराष,
श्रीमती रथी पत्नी श्री रामस्वरूप,
रामकली सुपुत्र श्री ग्रर्जुन,
रोमाल, मिश्री, मुकती, फूलसिंह
सुपुत्र श्री बरकत, रोमाली श्रीर श्रसफीं
सुपुत्रीगण श्री बरकत ग्रौर मुंशी
सुपुत्र श्री राम फल।

(म्रन्तरक)

(2) डा० राजीय ल**छन**सुपुत्र श्री श्रो० पी० खारी,
निवासी ए-21/93,
लोधी कालोनी,
नई दिल्ली द्वारा राधेश्याम ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्वीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

कृषि भूमि खसरा नं० 274(8-00), 296(1-4), ग्राम भाटी, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-I, नई दिल्ली

-तारीख : 25-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायक र मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज-I; नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983 निदेश सं० भाई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/ 7-82/561—-भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाटी, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखम में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रशिनियम के भ्रष्ठीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में मुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी भाष ना किसी बन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्द अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री रामकरन सुपुत्र श्री उमराव,
पत्नी श्री राम स्वरूप ,
रामकली सुपुत्री श्री ग्रर्जुन, रुमाली,
मिश्री, फूर्लासह, सुपुत्र श्री बरकत,
रूमाली श्रीर शसकीं सुपुत्रगणश्री बरकत,
मुंशी सुपुत्र श्री राम फल।

(श्रन्सरक)

(2) डा॰ राजीव लोचन सुपुत्र श्री श्रो॰ पी॰ खारी, निवासी ए-21/93, लोधी कालोनी, नई दिस्ली, द्वारा जनरल घटानी श्री राधेश्याम।

(मन्सरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सम्बद्ध सम्परित को कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:---

- (क) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयिक्तयों में से किसी ध्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो. उवत श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

कृषि भूमि खसरा नं० 275(8-10), 290(0-15), 297(0-4), स्थापित ग्राम-भाटी, तहसील महरौली, नई विल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-I, नई दिल्ल?

तारीख: 25-2-1983

प्रइत्य आही. टी. एन्, एस. - -- -भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

् कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3 7-82/583--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/÷ रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बिजवासन तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे जपाबद्ध भ्रतुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिट्टीकरण भधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वीक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गुवा 📢:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क वं वायित्व में कमी करने या उससे यजने में स्िशा के लिए; गौर/या
- (क) एरेरी किसी बाय या किसी धन या अन्य असिस्तयों को, जिन्हें भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, डिप्पाने में सुनिधा के लिए:

जतः जव, उक्त वीधीनयम की भारा 269-ग की जनसरण कें, में, उक्त मेंभृतियम की भारा 269-वृकी उपभारा (1) को अभीन, मिश्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री गोपाल, जीतराम भौर छत्तर सिंह सुप्रत्नश्री कृशन लाल, निवासी ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नर्ध विल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सतीन्दर खन्ना सुपुत्र स्व० राम सर्रेन दास, धरुन खन्ना सुपुत परमानन्द खन्ना, मतुल खन्ना सुपुत श्री बिश्वार नाथ खन्ना, भ्रौर भ्रजय खन्ना सुपुत्र स्व० श्री जगदीश चन्द खन्ना, निवासी 66ए/6, रोहतक रोड, नई विल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाह्यं करता हु ।

जक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन्की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त **स्यक्तियों** में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी बन्ध व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वकाकारण:--इसमें प्रयुक्त प्रकाशीर पदों का, जो उनक मधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही कर्थ होगा जो उत्तर कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी मुस्तातिल नं० 105, किला नं० 1(4-9), 10(4-1), एम० नं० 88, किला नं (2-10), एम० नं० 105, किला नं० 26(0-5) के साथ 'वेले' ग्राम बिजवाणन, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

मरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्ष) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीखा : 25-2-1983

मोहर

शक्य बार्ष टी एन एक ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सङ्घायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से विधिक है

25,000/ रु. स नाम्क हुं

और जिसकी सं० कृषि भूमि हैं, तथा जो ग्राम बिजवागन,
तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम,
1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगीत का उचित बाजार
मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और
अन्तरिती (अन्तरित्तियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्दिय से उक्त अन्तरण
लिखत में वास्तिक रूप से कथिब नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुव किसी आय की बाबस, उनता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कसी करने या उससे नचने में सुनिधा के सिए; बहि/व
- (श) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भरतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 कः :1) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं ंक्या गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा के निए।

(1) श्री गोपाल, जीत राम, वातर सुपुत्र श्री कृशन लाल, निवासी ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्सरक)

(2) श्री रिसी राज श्रीर रिवराज मुपुत्र श्री बलदेव राज, निवासी 33-की, पूचा रीड, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

कां बहु सुषना वारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां गुरू कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी आकंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अधिकत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पत्रिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वम्स्ची

कृषि भूमि तावादी 4 बीघे भौर 16 बिख्वे, खसर नं० 105/9, स्थापित ग्राम बिजलाशन, तहसील महरौली, नई दिस्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकरम भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-र्र, नई विल्ली

जतः अव, उक्त जीभीनयुज की भारा 269-म के जनूसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

तारीब : 25-2-1983

मोहरः

प्ररूप आहें टी, एन, एस, ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निर्शक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० भार० ए० सी०/क्यू०/1/एस० गार०-3/7-82/ 584--भतः मुझ, नरेन्द्रकृ सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्थान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रन्भूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह बिक्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोकन नम्पाल का छचित बाजार मूल्य, उसके

प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के द्यायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उकत् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पिकतुयों अधीन, निम्निलिखित स्पिकतुयों

(1) श्री काली राम सुपुत इमारत, निवासी ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

(बन्तरक)

(2) श्री सतीन्दर खन्ना सुपुत श्री राम सरन दास, अच्न खन्ना सुपुत श्री परमानन्द खन्ना, भ्रतुल खन्ना, सुपुत श्री विश्वनाथ खन्ना ग्रौर अजय खन्ना स्व० सुपुन्न श्री जगदीण वन्त्र खन्ना, निवासी 66ए-6, रोह्नक रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पृशांकत सम्परित के मुर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्र्युक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त जिम्मियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि एम० नं० 105, किला नं० 11(4-9), 20(4-9), ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली। नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 25-2-1983

मोहर 🖇

प्रकर्ष बाइ . टी . एव् . एस् 🖯 ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीकण) प्रार्जन रेज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० ग्रांर० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3 7-82/643—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह !

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा, मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखत उद्विष्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया इरी:——

- (क) अभ्यारण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कुसी करने या उक्तसे अजने में सुविधा क के भिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन मा जन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीम आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थं अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया एया आ या किया जाना जाहिए आ छिपाने में सिन्धा के निए;

जतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग़ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :--- (1) श्री सिरी राम सुपुत्र श्री नियादर, निवासी ग्राम डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) मैं० रास्ता एण्ड कं०, मार्फत ई-283, ग्रेटर कलाश-।।, , नई घिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत सम्परित के अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्पित्तयों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मान्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादावी 9 बीघे 12 बिघवे, मुस्ताप्तिल नं० 46, किला नं० 14(4-16), 17(4-16), ग्राम—-डेरा मंडी सहसील महरौली, नई विल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

तारीख: 25-4--1983

प्रकृप सार्ष हो । एव । एव १ -----

ब्रायकर **ब**र्थि**नियम, 1961 (1961 का 43) की बार**ः । **269-घ (1) के ब्रचीन सूचना**

नास्त्र वरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) $% \frac{1}{2} \left(\frac{1}{2} + \frac{1}{2} +$

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० धार०-3/7-82/642----श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम डेरा मंडी, तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से दुई किसी साथ को बाबत, प्रश्न अधि-नियम के अधीत कर देने के अध्यारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्चिम के लिए; और/या
- (ख) ऐसी जिसी घाय या जिसी घन या घम्य धारितयों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रजितियम, 1922 (1923 छा 11) या उन्त अजितियम, या धन-कर प्रधिनिवम, 1957 (1957 को 27 के ब्योजनार्थ यन्तरिती हारा प्रकट नहीं दिया बटा या या जिया जाना चाहिए था, जियाने में संविधा के लिए;

श्रतः प्रत्र, जनतः प्रश्वितियमं की सारः 269—गं के श्रतुसरण में, में, जनतः प्रक्रितियमं की भारः 26% च की उपवारा (1) के अधीन् निम्नसिक्ति व्यक्तियों, सर्थात्ः — (1) श्री सिरी राम सुपुत्र नियादर, निवासी ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्सरक) 🥆

(2) मैं० रास्ती एण्ड कं०, मार्फत ई-283 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक स्ण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हैं।

वन्स्ची

कृषि भूमि ताबादी 6 बीघे ग्रीर 10 बिश्वे, एम० नं० 46, किला सं० 7(1-4), 18(0-10), 24(4-16), ग्राम डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 25-2-1983

प्रकप बाइ . टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काशण) $\frac{1}{2}$ मई विल्ली नई दिल्ली, विनांक 25 फरवरी 1983

निदेश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० धार०-3/7-82/645---- श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम श्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावस नुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की जानत उनक श्रीकांनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधितन में कमी जरने या उससे स्थन में श्रीसजा के लिए; बॉर/मा
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या कन्य जास्तियों कर जिन्ही भारतीय कायकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम्, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 6--26GI/83

(1) श्री धरम सिंह सुपुत्र श्री निहाल, गोपाल श्रीर खचरू सुपुत्र श्री हरजान, निवासी ग्राम श्राया नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं नवरंग कर्माशयल कं प्रा० लि०, 219, चित्तरंजन एवन्यू, कलकत्ता ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ड्रित-वद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्री के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

कृषि भूमि तावादी 3 बीघे 12 बिश्वे, खसरा 1506/1(2-6), 1507/1(1-6) और 288/63783 भ कृषि भूमि ग्राम भ्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सक्षम प्राधि सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्र ग्रर्जन रेंज-।, नई दिल्ल

सारीख: 25-2-1983

मोष्ठर 🕄

TSLI IT THE

प्ररूप काई.टी.एन.एस. -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के विभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर नाय्क्स (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983 निदेश सं० धाई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० भार०-3/

7-82/646--- घतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं कृषि भूमि है सथा जो ग्राम भ्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को प्वेंक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रवयमानं प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृत्रे यह विववास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से क्रियत नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे नचने में सुविधा क लिए: शरि/या
- (क) ऐसी किसी जाग या किसी धन मा अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ातः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए---

(1) श्री प्रेम सिंह सुपुत्त श्री मेवा, निवासी ग्राय नगर, महरौली, नई विल्ली।

(धन्तरक)

(2) मैं वनवरंग कर्माणयल कं प्रा० लि०, 219, चितरंजन एक्न्यू, कलकता, द्वारा जसपाल सिंह ।

(भन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बदा किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भाषीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे। .

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त गर्ब्दों घौर पदों का, जो सक्त ग्रिक्ष-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिचाणित है, यही अर्थ होगा जो छस अडमाम में वित्र। गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तावादी 14 बीघ और 13 बिग्ने, खसरा नं 1911(2-4) 1912(3-3), 1914 (3-18), 1917(2(1-9), 1918(3-19) स्थापित ग्राम श्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-2-1983

प्रकृप भार्द . टी. एन्. एस्.-----

भागुकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिमांक 25 फरवरी, 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० म्रार०-3/ 7-82/647; --म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम भ्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपायद भ्रनुसूचि में भौर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में र्राजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए जन्तरित की गद्द हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतिरितियों) के बीच एसे जंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन्, निम्नुलिखित व्यक्तिस्यों, अभीत् ४-- (1) श्री भीम सिंह सुपुत्र श्री मेवा, निवासी द्याया नगर, नद्र दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० नवरंग कमिशयल कं० प्रा० लि०, 219, चित्तरंजन एवन्यू, कलकराा द्वारा श्री जसपाल सिंह।

(भ्रन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा न्या हैं।

अनुसूची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तादादी 14 बीघे और 13 बिख्वे, खसरा नं० 1911(2-4), 1912(3-3), 1914(3-18), 1917/2(1-9), 1918(3-19), स्थापित ग्राम ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह स्वभम प्राधिकारीण सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-।, नई विल्ली-110002

सारी**ख** : 15-2-1983

मोहर ः

प्ररूप बार्ष, टी..एन .एस..------

नायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुभान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निर्वेश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० घार०-3/7-82/648— घतः मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वित्है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वेक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिवियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय काँ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, बर्धात् :—— (1) श्री नैन सिंह सुपुत्र श्री मेवा ॄसिंह, निवासी ग्राम श्रीया नगर, नई दिल्ली ।

(भन्तरक)

(2) मैं व्ययंग कर्माणयल कंव्र प्राव्हित् 219, चित्ररंजन एयेन्यू,

कलकत्ता द्वारा जसपाल सिंह।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तावादी 14 दीये और 13 विस्थे, खसरा नं० 1911(2 4), 1912(3-3), 1914(3-18), 1917/2(1-9), 1918(3-19), स्थापित ग्राम ग्राया नगर, सहसील महरौली, नई विस्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रव्यिक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-।, नई दिल्ली-110002

सारीख: 25-2-1983

प्रकृष आर्ह्ा टी , एन् , एस , ⊭ ≅ - -- -

भारकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को सभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायुकर जायुक्त (निरीक्षण)

र्ण प्रजीत रैज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/7-82/649—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, प्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम ग्राया नगर, सहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्य ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध-

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया न्या प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिज ट्रीकरण अधिनियम,

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उनतः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उनतः अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) को अजीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री गिरघारी लाल सुपुत्र श्री जागे राम, निवासी ग्राम श्रीया नगर, तहसील महरौली, नई विस्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं वन्तरंग कर्माशयल कं प्रा० लि , 219, चितरंजन एवन्यू, कलकत्ता द्वारा जसपाल सिंह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए बाही शुरू करता हूँ।

बक्त ब्रम्सित् से वर्षन् के सम्बन्ध् में स्वेद्र' भी वासोप?--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुद्रारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तादावी 9 वीघे श्रौर 10 विष्ये, खसरा नं० 1562(1-15(, 1628/2(0-3), 1629/1 (2-2), 1633(2-5); 1886/1(-1-12), 1887/1 (0-9), 1896/1(1-4) ग्राम भ्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिस्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-।, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-2-1983

मोहाद 🔞 🤄

प्ररूप आई., टी., एत., एस., -----

भागकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) की वारा 269-थ (1) के भाषीत सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० एस॰/एक्यू०/1/एस० भार०-3/7-82/650--अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री- कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के धिवत बाजार मृक्य से कम के वृश्यमान अतिफल के लिए मन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित्रत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रत प्रतिश्वत से प्रविक्त है धौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिता (प्रन्तरिता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित हद्देश्य ने अवश अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप से कथित वाही किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जायू या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर् अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा हो किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

56 1

(1) श्री रान सिंह सुपुत्र श्री बाली, निवासी ग्राम ग्राया नगर, नई विल्ली ।

(भन्तरक)

(2) मैं वितरंग कर्माशयल कंव प्राव्सिक, 219, चितरंजन एवन्यू, कलकता द्वारा जसपाल सिंह।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी भारके वृत्तीकत सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपल हुई प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर जवत स्थावर सम्प्रति में वित्वस्थ किसी प्रथा स्थावेत है। या, प्रजीहरूबानरों के पास लिखित में किए जा सर्वेथे।

हपब्डीकरण :--इतमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्दो का, जो उक्त घिन नियम के प्रश्नाय 20-क में परिभाषित है, बही, धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तावादी 9 बीघ 10 बिग्धे, खसरा नं 1662 (1-15), 1628/2(0-3), 1629/1(2-2), 1633(/2(2-5), 1886/2(1-12), 1887/1(0-9), 1896(1-4) ग्राम ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-।, नई विल्ली।

तारीख : 25-2-1983

मोहुर 🥄

प्रकप बाह्र .टी.एन्.एस्. -----

नायुकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

- भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

भागकर अभिनियम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्यु 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावश्र श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को प्याँक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृश्व उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तद् प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आयं की बाबत उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों स्ते, किन्हु भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया करना शाहिए था, किया मिना के लिए।

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपभाग (1) के स्थीन, निम्निसित् स्पिन्तमें, स्थीत् (1) श्री भान्तु सुपुत्त श्री बुध राम बादलेय, रघुबीर सुपुत्र श्री वीर नरायण निवासी ग्राम डेरा मंडी तहसील महरौली नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं० रास्ती एण्ड कम्पनी मार्फत ई-283 ग्रेटर कैलाग-।। नई विल्ली ।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ंस्वच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्था है।

सनस भी

कृषि भूमि ताबादी 9 बीघे श्रौर 4 बिश्वे मुस्तातिल नं० 46 किला नं० 25(4-12) मुस्तातिल नं० 49 किला नं० 5(4-12) श्राम डेरा मंडी तहसील महरौली नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 25-2-1983

मुरूषु साह^र् दी ् एस् . एस् ₋ड------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म् (1) के श्रुधीन सूचना

ेभारत सरकार

मार्यालय, सहायक आमकर आगुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-I, मई विल्ली

मई विल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

ं निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/ **7-82**/666—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रन् सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रध-कारी के कार्यालय, नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित् वाकार म्स्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंका प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा जवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योध्य से उनता मन्तरण हिन्दित में भारतीयक रूप से कभित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अधने में सुविधा के सिए; ऑद्/या
- (क) एसी किसी बाय भा किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिये था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) . के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, जर्भात् ह

(1) श्री करतार सिंह
सुपुत्न श्री कन्हैया सिंह,
निवासी एफ-69,
बाली नगर,
नई दिल्ली, द्वारा
धटार्नी श्री सुनील गुप्ता

(मन्तरक)

(2) मैं ० मधु कुंज प्रोडक्ट्स, बी-एम-5 (वेस्ट), शालीमार बाग, दिल्ली, द्वारा भागीदार राम प्रकाश शर्मा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स, संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उन्त संपरित के वर्षन संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबङ्ग - किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए वा सकरेंगे।

स्वस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कृत्यों और पूर्वों का, वो स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा, वो उस अध्यास में दिया गया

अनुसूची

1/2 भाग कृषि तादादी 5 बीघे भीर 18 बिश्वे, खसरा नं० 542/1(1-0), 543/1(1-12), 543/2/2(3-0), 544 मिन (0-6) के साथ ट्यूब वैल, चहार दीवारी, रूम, पेड़ इत्यादि ग्राम गदाईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 25-2-1983

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० म्रार०-4/ 7-82/171—म्रातः मुझो, नरेन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौरजिसकी सं० ए०-6 है, तथा जो राधेपुरी ग्राम खुरेजी खास, गाहदरा दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उल्ला अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वकने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 7—2601/83

(1) श्रीमती मालती देवी
पत्नी श्री शियामा चरण सक्सेना,
सुपुत्नी श्री महादेव प्रसाद,
निवासी ए/6,
राधेपुरी,
दिल्ली-51 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हरजीत कौ॰, पत्नी श्री हसबंस सिंह, निवासी जे-2/2, कृष्ण नगर. दिल्ली-51 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी अपिक्षमों पर स्वना की तामील हो 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० ए/6 सादादी वर्ग गज 100 के साथ बना हुआ, स्थापित राधेपुरी, ग्राम खुरेजी खास, भाहदरा, दिल्ली-51।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, नई दिल्ली

तारीख: 15-2-1983

मुख्य आहें, टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत ग्रह्मार 🕆

कार्यालय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 फरवरी 1983

निदेण सं० म्रार० ए० सी० /एक्यु०/1/एस-आर-4/7-82/199--यतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिलकी सं० ए/6, का 1/2 भाग है तथा जो राधेपुरी खुरेजी ख.स, भाहदरा, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब प्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण का से यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याुतन, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 1982

को पूर्वोकत संपीत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करने द्या कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्हितिश्ति उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में आस्तिनिक रूप से जिल्ल नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अवः, अवत अधिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन, निम्निविस्ति व्यक्तित्यों, स्थात्ः— श्रीमती मालती देवी
पत्नी श्री शिमा धरन उवसेना,
निवासी-ए/6,
राधेपुरी,
दिल्ली-51,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरबंस सिंह सुपुत श्री गुरमुख सिंह, निवासी-मन्द्रान नं० जे-2/2, कृष्ण नगर, दिल्ली 51,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों क्य सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि एा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर चक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अन्स्ची

1/2 भाग प्लाट नं० ए/6, एरीया 100 वर्गगज के साथ बना हुन्ना, स्थापित-राधेपुरी खुरेजी खास, शाहदरा, दिल्ली-51,

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख : 15-2-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आय्फर अधिनयम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, नई दिल्ली *

नई दिल्ली, दिनांक 25 फरवरी 1983

निवेश सं० आर० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/ 7-82/665—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक है

द्यौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम गदाईपुर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रुन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल् से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल् निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सुधीन निम्मुलिखित व्यक्तियों,, सुधीत ६—— (1) श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री कन्हैया सिंह, निवासी एफ-69, बाली नगर, नई दिल्ली, द्वारा अटानीं श्री सुनिल गुप्ता ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं मधुकुंज प्रोडन्ट्स, बीं एमं 5 (वेस्ट) शालीमार बाग, दिल्ली, द्वारा भागोदार रामप्रकाश शर्मा।

(अन्तिभिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करेड़ी भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकर्ण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में • परिभाषित, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अमुसुची

1/2 भाग ऋषि भूमि तादादी 5 बिये श्रौर 18 बिश्वे, खसरा नं० 542/1(1-0), 543/1(1-12), 543/2/2(3-0), 544 मिन(0-6), के साथ ट्यूव बैल, सहादरीवारी, कम, पेड़ें इत्यादी श्राम गदाईपुर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-I, नई दिल्ली

तारीख: 25-2-1983

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण)
श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता
कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश मं० 1257/एसीक्यू० ग्रार०-III/82-83---ग्रतः मुझे, एम० ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० 51 है सथा जो राम दुलाल सरकार, स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विद्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिस्त बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्र', में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के बंधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती प्रतिमा दास ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शानतना वे ।

(भ्रन्तिरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राअपन में प्रकाबन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्याप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

51, रामदुलाल सरकार स्ट्रीट, कलकत्ता । 1 के०——4 सीएच० 44 स्ववे० फीट जमीन के साथ मकान ।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ाा, कलकत्ता

तारीख : 14-3-1983.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 मार्च 1983

निदेश सं० टी० ग्रार०/82-83/एस एल०-730/1 ए० सी०/एक्यू० ग्रार०-1/कल०—ग्रतः मुझे, एम० ग्रहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1/1-ए है, तथा जो विगलिक श्रनुकूल चन्द्र स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (भ्रोर इससे उपाबड प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, तारीख 24 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको रूथमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेषय से उसत अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से काचित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरम से हुई किसी नाग की बाबत उच्छ वृधि-नियम के ब्धीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे व्यने में सुविधा के लिये; जीर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोकनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के आए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अभीत् ः—— (1) श्रीमती निर्मालः देवी, हेम हिनगोरानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) दुधोरिया कन्स्ट्रम्मन को० लिमिटेड ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संप्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के मूर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

1/1ए, विपल्वी ध्रनुकुल चन्द्र स्ट्रीट, कलकत्ता । 11 के० 9 सीएम० 12 स्ववे० फीट जमीन साथ मकान 1

दलिल सं० 6411 ।

एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-I. कलकत्ता

नारीख: 16-3-1983

प्ररूप बाह्र . टी. एन, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं० ए० सी० $92/\overline{x}$ । र०-II/कल०/82-83—-श्रक्षः मुक्के, सी० रोखामा

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पी० 13, मित्र कालांनी, है तथा जो थाना बेहाला कलकत्ता-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनु-सूची में श्रौर पूर्ण व्या से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रितफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, अर्थात् क्र—

(1) श्रीमती ज्योति कना राय।

(अन्तरक)

•(2) भी सांति घोष श्रौर अन्य।

(अन्तिस्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति रवारा, अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 5 कट्ठा, 5 छिटाक जमीन । के उत्पर मकान तथा जो पी 13, मित्र कालोनी, थाना बहाला, कलकत्ता-34।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) शर्जनरेंज-II, कलकला

तारीख : 143-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एत्. एस. ----

माम्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के जुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, विनांक 14 मार्च 1983

निर्देश सं० जी० श्राई० ग्रार० 116/मर्जन—यतः, मृक्षे,

ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्राराजो 57/2 है, तथा जो मौजा मवैदा परगना शिवपुर वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, वाराणसी में र्राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीख जुलाई 1982

को प्वेंक्त संपरित के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन,

1. श्री मंगला प्रसाद सिंह

(ग्रन्तएक)

- 2. (1) डा० खडग बहुदुर सिंह,
 - (2) श्री राजेश कुमार
 - (3) श्रीमती प्रेमलता सिंह

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तित्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिरिखत में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त झन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

म्राराजी नं० 57/2 पैमाइमी 91 डिस्मिल जोिक मौजा मबैया परमना णिवपुर तहसील व जिला वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5919/82 में वींगत है जिसका पंजीकरण सब रिजिस्ट्रार बाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, जखनक

तारीख : 14-3-1983

प्ररूप आहरें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 मार्च 1983

निर्देश सं ० जी ० म्राई० म्राए० एस०-जेड-1/म्रर्जन--यतः, मुसे, ए० प्रमाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका, उचित बाजार मूल्य 25,000/- भरा से अधिक है

और जिस्की मं क्सान 42/107 है, तथा जो चाह मेहमा चौक वाराणक्षी में स्थित है (और इस उपाबद्ध ध्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वाराणक्षी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्ल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूर्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- 1. (1) श्रीमती पुतली देवी
 - (2) श्री मंगला प्रसाद
 - (3) श्री बुद्ध प्रसाद
 - (4) श्री पूरन प्रसाद
 - (5) श्रीमती मालती देवी
 - (6) श्रीमती शान्ती वेषी
 - (7) श्रीमती मुश्री देवी

(श्रन्त'रक)

- 2. (1) श्री जुल्फकार द्यालम
 - (2) श्री जमगेद श्रालम
 - (3) श्री खुर्शीद भ्रालम

(श्रन्तरिती)

3. उपरोक्त भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसुची

मकात नं० 42/107 जोकि मोहल्ला चाह मेहमा चौक वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 6024/82 में वींणत है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

तारीख: 14-3-1983

प्रक्रम प्राई० टी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रक्षीन स्थाना

भारत सरकार .

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांकः 14 मार्चे 1983 .

जि आई० ग्रार० मंख्या 2-2 एस/अर्जन---यतःमुझे ए० प्रसाद, भायकर पश्चितियम, 1961 (1991का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'अका अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख

इसके पश्चात् 'अक्त मिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्ष 25,000/- ४० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान 42/108 है तथा जो मो जाहा मेहमा कोक बारनमी में स्थित है (ओर इसस उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाणार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अग्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बग्तरण निखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं हिया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व कें कभी करने या उससे बचने में सुविभा के किए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. (1) श्रीमती पुतली देवी
 - (2) श्री मंगल। प्रसाद
 - (3) श्री बुद्ध प्रमाद
 - (4) श्री पूरन प्रमाद
 - (5) श्रीमती मालती देवी
 - (6) श्रीमती णान्ती देवी
 - (7) श्रीमती मुस्री देवी

(श्रन्तरक)

- 2. (४) श्री जुल्फकार ग्रालम
 - (2) श्री जमशेद ग्रालम
 - (3) श्री खुर्गीद ग्रःलम

(शन्तरिती)

उपरोक्स भ्रन्तरीती

वह यक्ति जिसके श्री/श्रीमति/कुमारी

ग्रधिभोग मेंसम्पत्ति है

को यह स्वता जारी करके युवीक्त सैध्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में में किसी क्यांक्त दवारा;
- (स) इस सूक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-मव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताकारों के पाम लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^क, वहीं कर्य होगा, को उस क्ष्याय में विवा गया है।

अनुस्**ची**

मकान नं० 42/108 जोकि मो० चाह मेहमा चौक वारणसी में स्थित है जिनका सम्पूर्णविवरण सेल्डो-व फार्म 37 जी संख्या 6022/82 में विणित है जिलका पंजीकरण अब-रिजिस्ट्राप कार्यालय वाराणसी में किया जा चुका है

> ए० प्रसादः सक्षम प्रधिकारी

सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 14-3-1983

प्ररूप् **बाई.टी.**एन.एस.------

श्रायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43)की धारा

269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ दिनांक 14 मार्च 1983

जी० म्राई० म्राए० संख्या जैंड-3/ए० सी० क्यू--यतः, मुझे, ए० प्रसाद ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसर्में इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च हे अजीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्रम 2.5,000/- रूपये में श्र**धिक** है श्रीर जिसकी स० मकान सो० के० 42/106 है तथा जो मो० चाह मेहमा औक वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद <mark>ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण कृष से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता</mark> ग्रधिकारी के कार्यालय, बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुभ्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे बह विश्वास करने का कारण है 🏗 यथापूर्वीक्य सम्पत्ति का उनित बाजार मुख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से ब्रधिक है भौर म्रान्तररु (अन्तररुगं) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम नावा गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में नास्तितिक रूप न कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उन्ते क्षीप नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य मैं कमी करने या श्रससे उन्ते में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी कियो आय या किसी अन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 22) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया, जाला चाहिए था छिपाने में मुविधा के निए;

श्रतः श्रतः, उनतः मधिनियमं की धारा 289-गं के धनुसरण में, मैं उनतं श्रिधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के नवीन निम्नलिवित व्यक्तियों, संघत्ः—

- 1. (1) श्रीमती पुतली वेबी
 - (2) श्री मंगला प्रसाद
 - (3) श्री बुद्ध प्रसाद
 - (4) श्री पूरन प्रसाद
 - ूं(5) श्रीमती मास्ती देवी
 - (6) श्रीमती शान्ती देवी
 - (7) श्रीमती मुन्नी देवी

(प्रन्तरक)

- 2. (1) श्री जुल्फकार भ्रालम
 - (2) श्री जमगेद ग्रालम
 - (3) श्री खुर्शीद श्रालम

(भ्रन्तरिती)

3. उपरोक्त प्रन्तरक

वह व्यक्ति जिसके श्री/श्रीसती/कमारी श्रधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना भारी करके पूर्वों कर सम्मृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

धकत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः!---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की भवधि, ओ भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीच पढों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रायं होगा, जो उस श्रक्याय में दिया गया है।

अभृतुची

मकान नं ० सी ० के ० 42/106 जो कि मो ० चाह मेहमा हल्का श्रोक वाराणसी में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल्डोड व फार्म 37-जी संख्या 6023/82 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार कार्यालय वाराणसी में किया जा चुका है

> ए० प्रसाद सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायक्षर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 14-3-1983

प्ररूप बाई. टी. एन्. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज. पटना पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० III/684/म्रर्जन/82-83---यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे निरीक्षी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त ग्रर्जन परिक्षेत्र बिहार पटना

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी थाना संख्या 53, तोजी सं 5272, खाता मं० 108 प्लाट सं 125, 427 है तथा जो मुरादपुर महल पटना, जिला—पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 26 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत्रितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्मुलिबित उद्वर्षिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीत कर दोने के जुन्तुरक के शियत्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः जवः, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-गं को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अभीन, निम्नति बित स्युक्तियों, मुभूति है— श्री रूप नारायण सिंह बल्द स्व० शिववासक सिंह,
 ग्राम—महंगुपुर। थाना—फुलवारी, पो० चिरोसा,
 जिला—पटना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लोकी भगत पिता स्व० लंखक राय, मोहल्ला— सँवपुर कोठीयां। थाना—विधा, पो०—सदाकत ग्राथम, जिला—पटना

(भन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्शित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्यें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुभना के राजपण में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 1 एकड़ 21/2 डैसिमल जो मुरादपुर मह्स्ल, पटना जिला—पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से वसिका संख्या 7012 दिनांक 26-7-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है

> प्रबोध कुमार दूवे सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 15-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आध्री. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटनः, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश मं० III/682/म्रर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे निरीक्षी महायक प्रायकर प्रायुक्त प्रजीन परिक्षेत्र, पटना बिहार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौ जिसकी, थाना सं० -53, तोजी सं०-5272. खाता सं० 68, प्लाट सं०-124, 133 है, तथा जो मुरादपुर महल, पटना, जिना—पटना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णक्ष से विणित है), रिजट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री मिथलेश कुभार
 - (2) श्री हरिदवार शर्मा सभी के पितः स्व० लक्ष्मी सिंह, ग्राम---महंगुपुर, थाना---फुलवारी, पो० चिरोसा, जिला--पटना। (भन्तरक)
- 2. श्री लोको भगत पिता लछछंन राय, मोहल्ला सैंदपुर कोठीयां, थाना विधा, पो० सदाकत ग्राश्रम, जिला -- पटना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ८ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचनां के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ' बब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन जिसका रकवा 86 1/2 उँसिमल जो मुरावपुर महल, पटना, जिला—पटन। में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से विसका संख्या 6898 विनोक, 20-7-82 में विणित है एवं जिसका निश्चंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रवोध कुमार दूवे सलम् प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पटना

तारीख: 15-3-1983

मोहर 🖫

त्ररूप नार्दः, दौ. एन. एस.-----

जायकर अभिगृत्यम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाहः 15 मार्च 1983

निर्देश सं UI/691/श्रर्जन/82-83--यतः, मुझे, प्रबोधकुमार दूबे, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज,बिहार, पटना,

बायकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

शौर जिन्नो खाता सं०-198; प्लाट सं० 6835 है, तथा जो गुजरात जालोनी, बाई पास रोड, जास बीकारो, जिला—धनबाद में स्थित है (प्रौर इतने उन्नाबद अनुसूचो में श्रीर पूर्णका से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता श्रीधकारी के वार्यालय, बाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 वन 16) के श्रधीन तारीख 19 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रयमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व मों कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (च) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री धीरेन्द्र नाम लाहोरी बल्द श्री उपेन्द्र मोहन लाहोरी, सा॰/पो०--चास, जिला--अनमाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुखदेव प्रसाद वर्नवाल, निवासी—गुजराल कालीनी, बाई पाम रोड चास, बोकारो, जिला—धनबाद ! (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुस्ची

जमीन मय दो मंजिता पक्का मकान निसका रकबा दो हैसिमल है एवं जो गुजरात कालोनी, बाई पास रोड, भास, बोकारो, जिला—धनबाद में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से वसिका संख्या 9424 दिनांक 19-7-82 में वर्णित है और श्रवर निबंधक पदाधिकारी, बास, जिला—धनबाद के द्वारा पंजीकृत है।

प्रबोध कुमार दूबे पक्षम श्रीधकारी सहायय श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

त**्रीच**ः 15-3-1983

मोहरू 🗵

प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस. . - - - -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, पटना
पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं ाII/680/धर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार यूबे, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी वार्ड मं० -4, सकिल सं०-11, प्लाट सं०-96 है, तथा जो गोहल्ला—बाकरगंज, थाना—पीरबहोर, जिला—पटना में स्थित है (श्रीर इससे उगाबद्ध श्रृतसूची मे श्रीर पूर्ण-रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकार, 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन, तारीख 27 जुलाई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्थ मैं कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रो मोहम्मद यानुव खां वल्द मोहम्मद इसमाइल खा, 'इसमाइल मंजिल' मोहल्ला—सङ्जी बाग, थाना— पीरबहोर, पटना, जिला—पटना।

(श्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती तारा देवी जोजे बुज मोहन दास
 - (2) उपा ग्रग्रवाल जोजे बूज कृष्ण दास
 - (3) इन्द्रा रानी जोजे बृज नाथ दास
 - (4) अला रानी जोजे बुज रतन दास
 - (5) रमा मारी जोजे बृजपाल दास सभी मोहल्ला—बाकरगंज थाना—पीरबहोर, पटना, जिला—पटना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रक्बा 583 स्क्वायर फीट है साथ में मकान जो मोहल्ला—बावरगंज, थाना—पीरंबहोर, जिला—पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 7034 दिनांक 27-7-82 में विजित है एवं जिसका निबंधन जिला प्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रमोद कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

ता**रीख** : 15-3-1983

माहर:

त्ररूपु आर्थः. टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्वेश सं० III-686/मर्जन/82-83---यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वार्ड सं०-32 (पुराना) 38 (नया) सर्किल सं०-226, सीट सं० 283, हो० सं० 13, 169, 170, 147 (पुराना), 117 (नया) है, तथा जो रामधनी रोड, (सोमलो), याना—मालसलामी, पटना सीटी, जिला—पटना में स्थित है ग्रौर इस जपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यलय पटना सीटी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से निधक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा -के लिए; और/या

•

(क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उचत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री नागर मल गोयनका वल्य श्री भोला राष्ट्र गोयनका खुद या वहैशियल मुख्सार ग्राम प्रटर्नी—श्री राम निवास गोयनका वा ईश्वर प्रसाद गोयभका पार्टनर मैसर्स नैशनल इण्डस्ट्रीज, मोहल्ला—हरी नन्द साह लेन पटना सीटी, थाना—वौक कलां, पोस्ट—झाउगंज, पटना-8

(भ्रन्तरक)

 श्री मोती लाल खेतान वल्द स्व० श्री प्रयाग नारायण खेतान मोहल्ला—राजेन्द्र नगर पटना-16, थाना—कदमकुआं, पो० राजेन्द्र नगर, पटना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितक्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन जिसका रकबा 592 डीसीमल ग्रथात 25753 स्कवायर फीट है जो रामधनी रोड (सीमली) थाना—मालसलामी शहर शहर पटना सीटी जिला—पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 4376 दिनांक 21-7-82 में विणित है एवं जिसका निवंधन श्रवर निवंधन पदाधिकारी पटना सीटी के द्वारा सम्पन्न हवा है ।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, पटना

तारीच : 15-3-1983

'प्ररूप आर्षः टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन परिक्षेत्र पटना पटना<u>,</u> दिनांक 16 भार्च 1983

निर्देश सं० III-694/मर्जन/82-82—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुबे, सहायक म्रायक्षर म्रायुक्त (निरीक्षण, मर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी होस्डिंग नं० 491/1, वार्ड नं०—12 है लथा जो मोहल्ला—राजन्द्र नगर, जिला—पटना में स्थित है (ग्रीस इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के ख्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्वयमान प्रतिफल से, एसे ख्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उच्चरेयों से उत्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिगम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिति व्यक्तियों, जर्थात्:—

- श्री साह सीताराम बल्द स्व० गोपी, शरण साह गार्जन हाउस, मधुम्रा टोली, थाना—कदम कुम्रा जिला—पटना।
 - (भ्रन्सरक)
- 2. (1) श्री शंकर मित्तल बल्द श्री गोपी राम मितल,
 - (2) श्रीमती परवती देवी जोजे—प्रेम कुमार मित्तल, सभी मोहल्ला—बाकरगंज, थाना—परिबहोर, जिला—पटना

(म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रीं और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जिसका रकबा 671.57 स्कवायर यार्ड है साथ में पक्का मकान जो मोहरूला—राजेन्द्र नगर पटना, में स्थित है सथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 7007 दिनांक 26-7-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) • ′ श्रजैन परिक्षेत्र पटना

तारीख: 16-3-1983

प्रस्प आई. टी. एत. एत. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नचीन सूचना

प्रारुत् सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० -678/मर्जन/82-83--यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूवे, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), प्रर्जन रेज, बिहार, पटना

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

ष्पौर जिसकी सं वार्ड सं 4 सर्किल सं -11, प्लाट सं -(6 है, तथा जो मोहल्ला—आकरगंज, थाना—पीरबहोर, जिला पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रिन्सूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21-7-1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्निविद् उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिविद्त में बास्त्रिक क्ष्म से कांचित नहीं किया गया है हि——

- (क) जन्तरण से हुई किली आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के धासित्व में कमा करने पासता करते म निवधा के लिए; जीर/या
- (ए) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्मिश के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनूसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीन :--9--26GI/83

 श्री मोहम्मद याकूब खां वल्द मोहम्मद इसमायल खां "इसमाइल मंजिल", सब्जी बाग, धाना—पीरबहोर, पटना, जिला—पटना

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती इन्द्रा राजी जौजे बृज नाथ दास मोहल्ला—-बाकरगंज, थाना—-पीरबहोर,पटना, जिला—-पटना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खें. 45 दिन की अविधि मा स्टल्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

वन्स्की

जमीन जिसका रकवा 853 स्कवायर फीट है साथ में मकान जो मोहल्ला—बाकरगंज, थाना—पीरबहोर, जिल्ला—पटना में स्थित है सथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 6928 दिनांक 21-7-82 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला भवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, पटना

तारीख : 15-3-1983

मोहर 🕄

प्रस्थ बाह्, टी. एव. एस.-----

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष)

श्चर्णन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० III-681/प्रर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण), प्रर्णन रेंज बिहार, पटना

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २३. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड संख्या-4, सिंकल सं०-11, प्लाट सं०-96 है, तथा जो मोहल्ला—बाकरगंज, थाना पीरबहीर, जिला—पटना, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई दे भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्दर् प्रतिगत से अधिक है और पन्तरक (पन्तरकों) और धन्तरिती (जन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया बतिजल, निम्निकिति छदेश्य से उक्त प्रन्तरण निष्ठित में सास्तिजक कृप से कथित महीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐती कि स्वाया सा कियो अन्ता अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर प्रविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अविनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अयौजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उना प्रविनियम की धारा 283-म के श्रनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा १६9-च की उपधारा (1) के संबोन निम्नलियित स्यक्तियों संघात :--- श्री मोहम्मद याकूब खां वल्द मोहम्मद इसमायल खां 'इसमायल मंजिल' मोहल्ला—सब्जी बाग, थाना— पीरबहोर पटना, जिला—पटना

(ग्रन्तरक)

श्रीमती कला रानी जोजे बृज रतन दास मोहल्ला—बाकरगंज,
 थाना—पीरबहोर, पटना, जिला —-पटना

(ब्रन्तरिती)

को यह सूधना आरी कारके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर इक्स क्यावर संपत्तिः में हिसबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, स्रझोहस्ताक्षरी के पान निवित्त में किए आ पर्कोगे:

स्पथ्यीक्षण :-- इसमें प्रयुक्त कम्बी और पर्यो कां, को उक्त अधिनियम के सम्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा जो उस सम्याय में विषा गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 583 स्कवायर फीट है साथ में मकान जो मोहल्ला—बाकरगंज, थाना—पीरबहोर, जिला— पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 6976 दिनांक 22-7-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

प्रयोघ कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 15-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आव्कार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काशांचिय, समुायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वार्ड सं०-4, सिकल सं०-11, प्लाट स० 96 है, तथा जो मोहल्ला—बाकरगंज, थाना—पीरबहोर, जिला—पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 26 जलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से कृषिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त आरिशनियम के बृधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्व में कजी करने या उसते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

श्री मोहम्मध याकूब खां वल्द मोहम्मद इसमायल खां 'इसमायल मंजिल' मोहल्ला—सङ्जी बाग, थाना— पीरबहोर पटना जिला—पटना

(भ्रन्तरकः)

2 श्रीमती रमा कुमारी जोजे बुजपाल दास मोहरूला— बाकर्गज, थाना— पीर्बहोर पटना, जिला—पटना (भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तियों व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 583 स्ववायर फीट है साथ में मकान जो मोहल्ला—बाकरगंज, थाना—पीरवहोग, जिला—पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 7003 दिनांक 26-7-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना के बारा सम्पन्न हुन्ना है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 15-3-83

मोहुरु 🗓

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ष् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० III-689/श्रर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

मौर जिसकी संव पार्ट ग्राफ एमव एसव प्लाट संव-1784, वार्ड संव-3 है, तथा जो हिन्दपोरो, मेन रोड से हट कर शहर व जिला रांची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रांची में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक़ स्था से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की वाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः मन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

- 1 श्रीमती कमला देवी सराधगी जौजे स्व० हरखचन्द सरावगी निवःसी श्रपर बाजार, जिला—रांची (ग्रन्सरक)
- 2 श्रीमती डा॰ रमा शर्मा जौजे श्री पाण्डेय दयानन्द शर्मा, निवासी—काली स्थान रोड, लोग्नर बाजार, जिला—रांची

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में दिये जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रकवा 7,950 वर्ग फीट हैं, तथा जो हिन्दगीरी, मेन रोड से हट कर गहर व जिला र ां ी एवं पूर्ण रूप से बसिका संख्या 6944 दिनौंक 27-7-82 में विजित है और जो जिला ग्रवर निबंधक पदाधिकारी रांची के द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार **दूबे** सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 15-3-1983

मोहर 😗

प्ररूप् **भार**े. टी_ड एन्_ं एस्.,-=-----

भायकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) से अभीन स्पृता

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्क्षिण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० 1II-693/म्रर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध, कुमार दूबे, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त नरीक्षी भ्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-, रु. से अधिक है

25,000/-, रू. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं के प्लाट नं 924, खाता नं 213 है, तथा जो मोहरूला—खजपुरा, जिला—पटना में स्थित हैं) भीर इससे उपावब श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है, (रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जुलाई 1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रुवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रुवमान प्रतिफल से, एसे द्रुवमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिषत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिखित उद्यक्त से उन्त अन्तरण निस्तित में बास्त्विक रूप से किथा गया हैं:---

- (क) जुन्तरुण से हुइ किसी आयु की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के बागित्व में कभी करने या उससे जुनने में सूबिधा के लिए; ज़रि/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय्-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात :--- 1 श्रीमती शशि प्रभा प्रमाद जोजे श्री जनारदन प्रसाद चित्रागुप्त नगर, जिला--पटना

(ग्रन्तरक)

2 श्री डा० गोपाल प्रसाद वल्द एम० एल० सिन्हा मोहल्ला—नौर्थ एस० के० पुरी थाना—एस० के० पुरी जिला—पटना

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन के साथ मकान जो खाज पुरा गहर पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका मंख्या 6827 दिनांक 19-7-82 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुग्रा है ।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी स**हायक मा**यकर भ्रा<mark>युक्त (निरीक्</mark>षण) श्रर्जन रज, पटना

तारीख 16-3-1983

प्ररूप आहे. टी., एम., एस.,-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्वेश सं० III-688/मर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षक) म्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी हो० संख्या 145 (पुराना), 149 (नया), वार्ड नं० 2 है, तथा जो माया घाट, मुहल्ला/याना—कोतवाली, जिला—गया में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गया में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 31 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्के यहिवश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिक रूप से कथिक नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण ते हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः अब, जनस अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, भी, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती बीबी सबरुण निसा जोजे मरहूम लियाक हुसैन, पोस्ट/मोक्षाम-चरा, जिला—ह्लारीबाग ।
 - (ग्रन्तरक)
- श्रीमती बीबी नाजमा खातून जोजे डा० गुलाम छ्वानो, मोर्या घाट, थाना—कोतवाली, जिला—गया । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांवित में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मगृत्वी

करीब 8 कट्ठा जमीन सय पुराना मकान जो करीब ढाई कट्ठा जमीन पर बना हुआ है तथा जो मोरिया घाट मुहल्ला में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या 16101 दिनांक 31-7-82 में वर्णित हुआ है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी, गया के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

सारीख : 15-3-1983

प्रकल् बार्षः, हर्षः, व्याः, व्याः, व्याः, व्याः

नायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बुरकार .

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना
पटना, विनांक 15 मार्च 1983

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परचात् 'उनत् अधिनियम' नहा गया हैं), की धाख 269-त के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित जिसका उचित नावार भूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी खाता संख्या -198, पार्ट ग्राफ प्लाट स०-6835, है, तथा जो गुजरात कालोनी, बाई पास रोड, चास, बोकारो, जिला—धनबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, धनबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 12 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ स निम्नीलियत उक्वेष्य से उक्त कन्तरण मिसित में बास्त- विक रूप से सावत नहीं कि बा स्था है।---

- (क) नन्दरण वे शुरू कियों नान की नावत वनन व्याप-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वापित्य में कभी करने वा अवजे न्यने में सुनिभा के सिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1. श्रीमती देवयानी साह जोजे श्री गौतम साह सा०/पो०— चास, परगन खासपेल, जिला—धनबाद। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रवीन धन्द्र कुन्डलीया बल्द श्री भास राम कुन्डलीया (2) श्री धीरज लाल कोटक वल्द श्री मूलचन्द कोटक दोनों निवासी—सा०/पो०—चास, परगना, खासपेल चौकी, जिला—धनबाद। (भन्तरिती)

को यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त संपति के जर्जन के लिए कार्यनाहिया कारता हु।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस तृषका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की कविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविध, आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जम सुची

खुली जमीन जिसका रकवा 10 1/2 डैसिमल है तथा जो गुजरा कालोनी, बाई पास रोड, चास, घोकारो, जिला—धनबाद में स्थित है एवं पूर्ण रूप से विसका संख्या-8792 दिनांक 12-7-82 में वर्णित है और जिला अवर निबंधक पदाधिकरी धनबाद के द्वारा पंजीकृत है ।

प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार,, पटना

तारीख : 15-3-1983

प्ररूप काइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजेंन परिक्षत्त, बिहार, पटना
पटना दिमांक 15, मार्च 1983

निर्देश सं० III-692/प्रर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षक ग्रर्जन परिक्षक, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी खाता संख्या -198, प्लाट सं०-6835 है, तथा जो गुजरात कालोनी, बाई पास रोष्ट; चास, बोकारो, जिला—धनबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के सिए तय पावा जवा प्रतिक फास, निम्नलिकित उद्योक्त से उकत जन्तरण लिकित में वास्तिक क्य से कथिन नहीं किया गया है उन्न

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी आयकी बाधत, उचल जिथितियल के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे उपने में सृविधा के लिए; लॉर/या
- (ध) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किया में सुविधा के लिए;

अतः बद्ध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री धीरेन्द्र नाथ लाहोरी वल्द श्री उपेन्द्र मोहन लाहोरी, सा०/पो०—चास, जिला—धनबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गीता देवी जोजे—श्री सुखदेव प्रसाद वर्नवाल, निवासी—गुजरात कालोनी, बाई पास रोड, चास, बोकारो, जिला—धनबाद ।

(म्रन्सरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

प्रस्तु सुम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्धु में कोई भी आक्षेपु हु—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस तुम्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किएआ सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तर, अधिनियम, को अध्याय 20 का में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

जमीन मय दो मंजिला पक्का मकान जिसका रकवा एक डैसिमल है एवं जो गुजरात कालोनी, बाई पास रोड, खास, बोकारो, जिला—धनबाद में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 9425 दिनांक 19-7-82 में वर्णित है ग्रौर प्रवर निर्वेधक पदाधिकारी, चास, जिला—धनबाद द्वारा पंजीकृत है।

> प्रबोध कुमार दूव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख : 15-3-1983

प्रकृष् बाइं. टी. एन. एस्.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज, बिहार, पटना पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्वेश सं० III-687/ग्रर्जन/82-83---यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूवे

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और

ग्रौर जिसकी सं पुराना प्लाट नं 120, पुराना खाता नं 1, ग्रार एस प्लाट नं 956, नया प्लाट नं 130 (ए) (बी) खाता नं 265, बार्ड नं 10 है, तथा जो मौजा—डिपना, थाना-मागो जमगेदपुर, जिला—सिंहभूम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जमगेदपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 2 जुलाई 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्वेश्य छे उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-निवन को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा को लिये; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ह्र-- श्री बच्चा सिंह पिता स्व० जगदेव सिंह हो० नं० 26, हिंगूम पाईप बस्ती, थाना—साक्चो, जमगोदपुर, जिला— सिंहभूम

(ब्रन्तरक)

 श्री बी० एल० मर्मा पिता स्व० केदारमल शर्मा पार्टनर मेसर्स ए० ई० इन्टर प्राइसेज, कालो माटो रोड, साक्ची, याना—साक्ची जममेदपुर, जिला—सिंह भूम (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेप ८--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं हूं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के गास जिल्हात में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

जमीन मय चारिदवारी के 12 कट्टा खुली जमीन तथा जो मौजा डि्मना, थाना मागो, जिला—सिंह भूम में स्थित है एंव पूर्ण रूप से विसका संख्या 5770 विनांक 2-7-82 में विणित है तथा जिसका निबंधन श्रवर निबंधक पदाधिकारी जमशेषपुर के दारा सम्पन्न हुन्ना है।

> प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारी**ख** : 15-3-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० ।।।-677/म्रर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

मौर जिसकी सं० वार्ड संख्या 4 सर्किल संख्या-11, प्लाट संख्या-96 है, तथा जो मोहल्ला वाकरगंज, थाना पीरबहोर जिला—पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20 जुलाई 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण निष्विचल में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री मोहम्मद याकूब खां वल्द मोहम्मद इसमायल खां 'इसमायल मंजिल' सब्जी बाग, थाना—पीरबहोर, पटना, जिला—पटना

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती उषा ध्रमवाल जोजे शृज कृष्ण दास मोहल्ला— बाकरगंज, थाना—पीरबहोर पटना, जिला—पटना (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 583 स्कवायर फीट है साथ में मकान जो मुहल्ला बाकरगंज, थाना—पिरबहोर, जिला—पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 6871 दिनांक 20-7-82 में विणित है एवं जिसका निबंधन जिला धवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 15-3-1983

प्रकल भार्ड, टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भार्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० III-683/प्रर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परवात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तम्परित, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी वार्ड संख्या-4, सर्किल संख्या-11, होस्डींग सर्केल-4, प्लाट संख्या-96 है, तथा जो मोहल्ला—बाकरगंज, याना—परिबहोर, जिला—पटना में स्थित है)ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची से ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 19 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरियों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री मोहम्मद याकूब खां बल्द मोहम्मद इसमाइल खां 'इसमाइल मंजिल' मोहल्ला—सब्जीबाय, थाना— पीरबहोर, पटना, जिला—पटना ।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती तारा देवी जोज बृज मोहन दास, मोहल्ला— बाकरगंज, थाना—पीरबहोर, पटना, जिल्ला—पटना।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अगिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अगिध, जो भी अगिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्लारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 583 स्कवायर फीट है साथ में मकान जो मोहल्ला—बाकरगंज, थाना—परिबहोर, जिला—पटना में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 6815 दिनांक 19-7-82 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला भ्रवर निबंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

प्रयोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यांयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन परिक्षेत्र बिहार, पटना

तारीख: 15-3-1983

मोहरू :

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं III-685/मर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूब, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षक) मर्जन रेंज, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एम० एस० नं० 83, 85 पुराना हो० सं० 175 की (पार्ट) वर्तमान हो० सं० 143/143 से 145/145, वार्ड नं० 2 घर 6 तथा जो फेजर रोड, पटना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 15 जुलाई 1982 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अर्डधनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥——

1. श्रीमती गैला सुलतान प्लान्ट जोजे—श्री ग्रोस्टीन जूड प्लान्ट फेजर रोड बांकीपुर थाना-कोतवाली जिला पटना वर्तमान पता 35 हिल कार्ट रोड, थाना/जिला— बांजिलग, (पश्चि विशाल)

(म्रन्सरक)

 श्रीमती ज्योत्सना सिंह जोजे श्री श्रिखिलेण्यर प्रसाव नारायण सिंह न्यू डाकबंगला रोड, थाना, - कोतवाली पटना, जिला—पटना

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा 12 धुर साथ में दो मंजिला एक मंजिला भौर भ्रन्य बना हुआ भाग जो फेंजर रोड, थाना—कोतवाली, पटना शहर में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 6716 दिनांक 15-7-82 में विशित है एवं जिसका निबंधन जिला भ्रम्य निबंधन पदाधिकारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है.

> प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राय्कर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 15-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अधिक अधिन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० III-695मर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूब, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी प्लाट सं०-51, खाता सं०-14, तौजी नं०-5222 है, तथा जो थाना—फुलवारी, ग्राम महुली, जिला—पटना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 12 जुलाई 1982

को पूर्वीक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरंक (अन्तरंकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (र्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री पन्चु सिंह उर्फ पन्चुरा सुपुत्र स्व० श्री रामिपश सिंह गुरमली चक, थाना—बहिटा, जिला—पटना।
 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सन्दीप यादव (छोटा) सुपुत्र डा० राम ग्राश्रय यादव, शिवपुरी निवासी, थाना---श्री क्वणा पुरी, जिला---पटना

(मार्फत ---माता व ग्रिभभावक श्रीमती सुमिन्ना यादव शिवपुरी, श्री कृष्णा पुरी, जिला---पटना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आर्डी कार्के पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपर्ित के अर्जन के संबंध में कोई वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्बीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकबा एक एकड़ 41 1/3 डैसिमल है और जो महुली, थाना-फुलवारी, जिला—पटना में स्थित है तथा जो वसिका संख्या 6593 दिनांक 12-7-82 में पूर्णतः विजित है और जो जिला भवर निबंधक पदाधिकारी, पटना के द्वारा भनु-बंधित है।

प्रबोध कुमार दूबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 16-3-1983

प्ररूप नाइ .टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियज्ञ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० III-696/ग्रर्जन/82-83—यतः, मुझे, प्रबोध कुमार दूबे सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षक) भ्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से नधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट सं० 41, 42, तोजो नं० 5222, खाता खाता सं० 14, 69 है, तथा जो ग्राम—महुली, थाना—फुलवारी, जिला—पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उद्देश अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ मंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- 1. श्री पन्त्रु सिंह उर्फ पन्त्रु राय सुपुत्र—स्व० श्री रामिषश सिंह गुरमली चक, थाना—बीहटा, जिला—पटना (श्रन्तरक)
- 2. श्री संजय यादव (छोटा) सुपुन्न झा० राम धाश्रय यादव, शिवपुरी, याना—श्री कृष्णा पुरी, जिला— पटना मार्फत—माता व ग्रभिभावक श्रीमती सुमिता यादव शिवपुरी, थाना श्री कृष्णा पुरी जिला—पटना (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से न 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका रकवा 70 2/3 डीसमल है और जो महुली थाना, फुलवारी, जिला—पटना में स्थित है तथा जो वसिका सं० 6342 विनांक 5-7-82 में पूर्णतः विजित है और जो जिला भवर निबंधक पदाधिकारी पटना के द्वारा भनुबंधित है।

प्रबोध कुमार दूवे सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पटना

तारीख: 17-3-1983

मोइर 🖫

प्ररुप्, बार्च, टी. एन<u>.</u> एस<u>.</u> -----

भायकर अधिनिय्म,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक मायकर मान्स्त (गिरुक्तिण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/35487/82-83/एक्वी/बें०---यत:, मुझे, मंजु माधवन,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जिथीन सक्षम क्रिथिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नया 5 (166) है, तथा जो 39 कास, 2 ब्लाक, राजा जी नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजा जी नगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 सितम्बर 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित सुतें किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वसने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में तुविधा के सिए;

जतः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के जधीन, ज़िस्नलिखित व्यक्तियों, जुर्थात् :--- श्रीमती पी॰ रामा देवी पत्नी श्री पद्मनाभ ऐंताल नं० 166-5
 अभ्रास, राजा जी नगर, बेंगलूर-10

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी॰ एम॰ गोबिंद राज, सुपुत्र श्री मबुरै, 586-3, 2 ब्लाक, राजा जी नगर, बेंगलूर-10 (अन्तरिती)

को यह त्युना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 हित के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित बब्ध किती बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, यो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रगत्त ची

(दस्तावेज सं० 1497/82-83/वा 504 ता० 9-7-1982) घर नं० नया नं० 5 (166) 39 कास, 2-ब्लाक, राजाजी नगर, बेंगलुर-10

> मंजु माधवन स्वाम धाबिकारी सहायक धायकर **घायुक्त (निरीक्षण)** ध्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 16-3-1983

मोहर ः

प्ररूप बाईं. टी. एन. एसं. -----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर का

बंगलूर, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देज सं० सी० ग्रार० नं० 62/35488/82-83/एक्वा/बें— यत: मुझे, मंजु माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० 111 (सैट नं० 586) है, तथा जो 2 मेन रोड,
2-ब्लाक, राजाजी नगर, बेंगलूर में स्थित है (गौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में गौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजा जी नगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजा जी नगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकाम,
1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 9 जुलाई 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दूर्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूर्यमान प्रतिकृत से एसे दूर्यमान प्रतिकृत का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री बी० एम० गोविय राज, सन् ग्राफ मदुरै, नं० 586/111, 2 मेन रोड, 2 ब्लाक, राजा जी नगर, बेंगलूर-10

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी॰ नारायण शेट्टी सन ग्राफ एच॰ महाबल शेट्टी, नं॰ 676, 3-ब्लाक, राजा जी नगर, बेंगलूर (ग्रन्तरिती)

को अपह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1496/82-83 तारीख 9-7-1982) घर सं० 111 (सैट नं० 586) 2 मेन रोड, 2-ब्लाक, राजा जी नगर, बेंगलूर-10 ।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बेंगलूर

तारीख : 16-3-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई का

बम्बई, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० भ्रार०-2/3369-2/82---यतः मुझे,

एस० एच० मञ्बास भवीदी,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० सं० 145 एच० सं० 4 भौर 5 है, तथा जो मालाड में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 5 जुलाई 1982

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास स्पने का कारण है कि मथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार त्य, उसके द्शयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का इह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ।। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
11—26 GI/83

- 1. श्री जयेन्द्र कुमार मगनलाल सौमया श्रौर श्रन्य (श्रन्तरक)
- सौमय्या शोपिंग सेंटर प्रिमाय सेस को-म्रापरेटिव सोसायटी लिमिटेड

(प्रन्तरिती)

3. भाडुत (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्ष्प, यदि हो तो :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अथोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अभूसूची

भ्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 924/72 भ्रार० श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1982 को रजिस्टर्ड ४ किया गया है ।

> एस० एच० श्रब्बास श्रवीदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 15-3-1983

प्ररूप. बाइ. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अधीन सुभना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, वस्बई बस्बई, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० श्रार ै-1/4754-10/82-83—-यत: मुझे, श्रार० के० बकाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,00%/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पुराना सर्वे नं० 469, नया सर्वे नं० 2766 सेंद्रल सर्वे नं० 854(पार्ट) मांडवी डिवीजन डाकुमेंट नं० 1161 79 है, तथा जो सैमुश्रल स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमन, तारीख 29 जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्रि

- (क) बन्तरण से हुई किसी आर्य की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री किशोरचन्द्र द्वारकादास

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्ररविन्द भगवानदास झावेरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्सं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 1161/79/बाम श्रीर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 29-7-82 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० के० बकाया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

दिनौंक: 16-3-1983

श्रर्जन रेंज, बम्बई

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 19 मार्च 1983

निर्देश सं० ए० ग्रार०-2/3427/82-83—यतः मुझे, एस० एघ० ग्रब्बास श्रवीदी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० एस० नं० 35 एच० नं० 2/एस० नं० 40 एघ० नं० 1/1 है, तथा जो बोरीबली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 31 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल रो एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री डुमिंग म्यनुधल पेड्रो मुरे
- श्री डानी जौन जोसेफ जमीन

(ग्रन्तरक) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्षी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

सतससी

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या एस-1291/82 श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई ब्रारा दिनांक 31-7-1982 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० एच० भ्रब्बास श्रबीदी स्थाम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख : 19-3-1983

मोष्ठर ::

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसम, सहायक आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मार्च, 1983

निवेश सं० ग्रार० ए०सी०/710/82-83—श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

धौर जिसकी सं प्लाट नं० 4 है, तथा जो येल्लारेड़ी, गूडा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकती श्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिक्वा) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का निम्नीकाबित उद्वेश्य से उक्त अंतरण शिवित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कार दोने को अंतरक के दाबित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना आहिए भा, स्थिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री डी० कोटस्वर राघ,
 4-1-339,
 हिमायत नगर,
 हैरदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सी० ग्राघ्ना कुमारी, पित सी० एस० रामचन्द्रराव 6-3-563/सी, यरामंजिल, हैदराबाद ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंत्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाका करण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसची

प्लाट नं० 4 श्रीनगर कालोनी, ए लारेड्डी गूंडा, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1386/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, खैरताबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज रवराबाद

सारी**ख** : 14-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1983

ि निदेश सं० भ्रार० ए० सी० 711/82-83 मसे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी प्लाट सं० 6 है, तथा जो बेगमपेट, हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृजिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, मिम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्रीमती एस० प्रेमलता,133, वेस्ट मारेडपल्ली,सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० एस० राव, 8-2-672/1, ए, रोड, नं० 13, बंजारा हिल्स हैवराबाद ।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपान में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारित सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु⁸।

जनसूची

प्लाट नं० 6, घर नं० 1-10-21/1, बेगमपेट, विस्तीर्ण 984.6 चौ० फुट रिजस्ट्रीइत विलेख नं० 1032/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ग्रार० ग्रार० जिला।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-3-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

ं **भायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 मार्च 1983

निदेश सं० म्रार० ए० सी० 712/82-83--- म्रतः मझे, एम० जेगन मोहन "

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 42 है, तथा जो बशीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाव श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, रदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वों क्त् संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 मैसर्स फ्रानन्द बिल्डर्स कार्योरेशन, बाई श्री ग्रानिल कुमार जी पी य श्री लक्ष्मीचन्द; पिता राज्मल, 126, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद *

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सयदा बेगम पति जी० एम० कुशी, प्लाट नं० 42, बशीर बाग, हैरदराबाद

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्प :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्तः शब्दों और पर्दों कोों जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूचीं.

ण्लाट नं० 42, गोपाल भवन, एम० नं० 5-9-29/40, बशीर बाग हैदराबाद रंजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5068/82, रंजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, हैदराबाद ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर मायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 10-3-1983

मोहर ः

प्ररूप भाई ० टी ० एन ० एस ०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ण्**(1) के अधीन स्**ण**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1982

निवेश सं० न्नार० ए० सी० नं० 713/82-83—प्रतः मझे, एम० जेगन मोहन प्रायकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उना पश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम शिविकारी को, यह विख्वार करने का कारण है कि स्थायर संति, जिसका उवित राजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रीष्ठक है

ग्रीर जिनकी सं० भूमि है तथा जो गगन महल, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजात है), रिजस्ट्रोक्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यनान प्रतिकृत से लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह निश्यान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द इं मीतिशत से पिछक है और अन्तरक (अन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पर्या गया प्रतिकृत कल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रन्तरण निश्वा में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिल्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किती भाग या किसी घन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में, सुविधा के लिए;

बतः अभ उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में ' मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :— श्री के० राम ब्रम्दम पिता के० केणव राज,
 2-1-566, सी०,
 नल्लाकुंटा,
 हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

 (2) श्रीमती कोकिला जयराम पति टी० एस० जयराम, 1-1-725/बी/2, गांधी नगर, हैवराबाम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचका जारो करके पूर्वोक्त सम्मति के प्रजैन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :--

- (क) इ.त सूचना के राजात में प्रकारत की तारीख से 45 दिन की प्रवित्र या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविद्य, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजनंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सर्वेगें।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, जो जनत सिवियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्च होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 130, 131, 132 गगन महल, हैदराबाद विस्तीर्ण 228, चौ० गज, रजिस्ट्रीहन्त विलेख नं० 5113/82, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जोगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहस्यक श्रायकप श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबस्य

तारीख: 14-3-1983

प्रकृष माई • ही • एन • एस •----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-म (1) के मधीन स्वान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र नामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14.मार्च 1983

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 714/82-83—-श्रतः मुझे, एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधिन सक्षम बाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- उपमें से धिषक है भीर जिसकी सं० खुली जमीन है, तथा जो गगन महल, हैकराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिगकारी के कार्यालय, हैकराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 3—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः श्रव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बनुबरण में, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीस निम्नलिख व्यक्तियों अर्थात् ्— श्री के० रामब्रम्हम
 पिता के० केशव राव
 2-1-566/सी०
 नल्ला कुंठा,
 हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री टी० एस० जयराम पिता टी० ए० सी० श्रायंगर, 1-15-725/बी/2, गांघी नगर, हैदराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह पुचना बारी करके पूर्वोडन सम्पत्ति के प्रजैन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पन्ति के पर्जन के सम्मन्त्र में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की मर्वींध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर
 सूचना की सामीस से 30 दिन की मर्वींध, जो भी
 मर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त
 क्यक्तियों में से बिसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राज्यत में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब स किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण !—इसमें प्रयुक्त शब्दें भीर वदों का, को उकत ्रीमिमियम के घट्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भट्याम में दिया गया है।

मन्स्ची

खुली जमीन सर्वे नं० 130, 131, 132 गगन महल, हैदराबाद विस्तीर्ण 293 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5096/82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-3-1983

प्रक्रम आहं .टी .एन .एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैक्शाबाद

हैदराबाद, विनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं० ग्रार०ए० सी० नं० 715/82-83—भराः

मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वनस करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो खमीरपेट, हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाचक भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भिश्वनियम, 1908 (1908 का 16) के भिश्वनि तारीख जुलाई, 1982

कर्न पूर्विक्त संपरित के उचित बाबार मूस्य से कम के क्यमान प्रित्तपाल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुफ्ते यह विषया कराने का कारण है कि यथान्वित संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके द्रवमान प्रतिकत से एसे द्रव्यकान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नितित्त उद्विषय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से क्यिश महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्ति एसी क्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना काहिए था, किया में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुस्रक्तमं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--12-26 GI/83

(1) श्री ए० ए० सुद्धमनीयम,
 7+1+77/2,
 भ्रमीरवेड
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) पी० ग्रार० ज्योजी पति पी० रामजन्द्रा मुप्ता, 143, श्रीमगर कालोनी, हैवराबाद ।

(मन्तरिती)

करों यह स्थाना सारी करके पूर्वोचत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उंक्स सम्मतिल के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राज्याय में प्रकाशय की तारीं से 45 विन की जनभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामीं से 30 विन की सर्वीय, जो भी जनिय कार में समान्त हाँती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित स्वारत;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तथरील से 45 दिन के भीतर ज़रू स्थावर सम्परित में हिसबहुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वक्किरणः — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितियम को जध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं जर्थ होगा जो उस जध्याय में विया गवा है।

नग्त्वी

बुक्ती जमीन सर्वे नं० 115, झमीरपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 438, भी० गज रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5119/82, रजिस्ट्रीकर्ता सम्बन्धारी, हैदराबाद ।

> एम० जेणम मोहन सक्षम प्राधिकारी बहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीच : 14-3-1983

ोहरः

प्ररूप बाइं. टी. एन्. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 716/82-83— धतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खुली जमीन है तथा जो सुलतान पुर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, चीयकडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गंबा प्रतिफल निम्निसित उद्योदन से उपत अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री भ्रमय यक्तबोटे पिता गोपाल राय एकबोटे, 3-3-24, श्रनील कूंज बीर सावरकर मार्ग, हैवराबाद- 27।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती ग्रान्जा एकबोटे ग्रालीयास कल्पना परशुराम, पति ग्रभय एकबोटे, 3-3-24, ग्रनिल कुंज, वीर सावरकर मार्ग, हैदराबाद-27 ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां गुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्क्ष
 िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्परवीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

खुली जमीन, विस्तीर्ण 222.5 ची० गज० घर नं० 3-3-13, मुलतान बाजार, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 777/82, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चीक्कडपल्ली।

एम० जेंगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-3-1983

प्रस्य गार्थः टी., एन्. एस्.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अमीन सूम्ना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं० धार० ए० सी० न० 717/82-83— धतः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो निजामाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबस अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रुश्यमान प्रतिफल से एसे रुश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपूस्तियों को, जिने भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोपी चिक्ता मल्लीया और मन्य, 11-3-43/8, वेंकेटेश्वर, निजामाबाद ।

(मन्तरक)

(2) मैसर्स श्री वेकेटेस्वरा को-भापरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी, बाई जे० जगन्नाय राब, सिविल एसिस्टेंट सर्जन, गवर्नमेंट हास्पीटल, निजामाबाद ।

(मन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्वर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

यमसची

खुली जमीन, निजामाबाद गिरजा कालेज ग्रौर एल० ग्राई० सी० कालोनी, के बीच की सर्वे नं० 213, 212, 201, विस्तीर्ण 5.16 एकड रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 4563, 4590 ग्रौर 4564/82, रिजस्ट्रीकृती ग्रिधिकारी, निजामाबाद ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 14-3-1983

प्ररूप आद्भै. टी. एन. एस.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काल्यतः (निन्दीक्रण)

भर्जन रेंज, हुदरासाद

हैदराबाद, दिनांक 14 म। वै 1983

निवेश सं०. भार० ए० सी० नं० 718/82-83--- म्रतः मुप्तो, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रशात् 'उनके अधिनिकम' कहा गमा हैं), की दारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का अधरण है कि स्थानक सम्पत्ति, जिसका उनिक काजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भीर जिसकी स० भूमि है तथा जी बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित हैं (बौर इससे उपाबद ध्रमसूची में भौर पूण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ती धर्धिकारी के कार्यालय, बस्लभ नगर में रजिस्ट्रीकरण धर्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन, तारीख भूलाई 1982

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित काजार कृत्य से काज की रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की मई है और मूझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार कृत्व, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पढ़ेंद्द प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्याना मकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था जिना में सूर्विधा के सिए;

जतः अत, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, जर्थात्:-- (1) श्रीमती मीना ग्रारकत सभानी पति लेट ग्रारजन सभानी, 10-2-276/4/1, मोरेडपस्पी, सिकन्धराबाष।

(प्रकारक)

(2) भी सामर लाल पिता तोला राम लूल्ला श्रीर झन्य, 1-8-264/6, सिन्धी कार्लीनी, सरदार पटेल रोड, सिकल्पराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

कीं यह सूचना फारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस स्क्रमा को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सब्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में संमाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्ची

भूमि केनमपेष्ट, विस्तीण 2844.4 ची० गण, रिजस्ट्रीकृत विसेख नं 915/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, बल्लम नगर है।

> एम जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-3-1983

अरूप आहे. टी. एम. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मार्च 1983

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 580/82-83—ग्रातः मुझे, एम० जेगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की आरा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 40-5-21 है, तथा मोगल राज पुरम, विजयवाड़ा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियन, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिक (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वियों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 र (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) 1 श्री के० लक्ष्मी किमोर, 2 श्री के० लक्ष्मी निवास, पोदागोंनूरु, कइकालुरु, श्रव हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती के० व्ही० शेशम्सा पति सूर्याप्रकाश राव, गुनदला विजयवाड़ा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थल्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

-

खुली जमीन श्रीर घर जिसका नं० 40-5-20 श्रीर 40-5-21, मोमलराजूपुरम, विजयवाड़ा विस्तीण 600 चौ० गज +600 चौ० गज रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 8293 श्रीर 8294/82, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, विजयवाड़ा ।

एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 14-3-1983

प्रकल आहे. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैचराबाद, दिनांक 14 मार्च 1983

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 525 है, तथा जो तेन।ली में स्थित है (ग्रौर इससे उप।बद्ध श्रनुंसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, तेन।ली में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुल।ई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मृभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिबत उद्योध्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के स्थीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अधीत्:-- (1) श्री जे० सूर्यानाराय भौर उनके पुत्र, तेनाली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री डी॰ सत्यनारायण पिता राजा राम, तेनासी ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शुरूरों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली ंमीन 10 वां वाड तेनाली, टी॰ एस॰ नं॰ 525, विस्तीर्ण 618, ची॰ गज रजिस्ट्रीहःस विलेख नं॰ 3967/ 82, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, तेनाली।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैचराबाद

दिनांगः: 14-3-1983

प्ररूप बार्दः टी. एन. एस.----

मायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 14 मार्च 1983

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 582/82-83—म्रातः मुझे, एम० जेगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं टी० एस० नं 750 है, तथा जो नरसाराव-पेटा में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिव रो के कार्यालय, नसारावपेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1982

को पुर्वोक्ततसम्बक्ति के जिन्नत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से विवक् प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से विवक् है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के गीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाता यथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कावत नहीं किया गया है :--

- ्री ्रं(क) ग्रन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत छन्त ंशिक्षिनियम के प्रश्लीन कर देने के बन्तरक के दाशित्व में कमी करने या श्वसते बचने में सुविधा के निए; हिंधीर/या
 - (खा। ऐसी किसी जाय या किसी छन या अध्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर खिलिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अखिनियम या खनकर खिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बसा या या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः वन, उनतं विविधिय की बारा 269-व के ग्रम्तरण में में, उनतं अविधियम की बारा 269-व की अपधारा(1) के ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्

 श्री के० लक्ष्मी रेड्डी रामारेड्डीपेटा, नसारावपेटा,

(अन्तरक)

(2) डा॰, पुल्लारेड्डी भीर भ्रन्य रामारेड्डीलेटा, नरसारावपेटा ।

(ग्रन्त रती)

को यह स्वना जारी कुर्ज प्रेमिक प्रेमिक के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य विकर्षों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकने।

स्यव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

खुली जमीन टी॰ एस॰ 750, 8वां वार्ड नरसारायपेटा, विस्तीर्ण 0.92 एकड़, रिजस्ट्रीइस विलेख नं॰ 5162/82, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नरसरावपेटा ।

> एम० जेगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकप प्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 14-3-1983

प्रस्प बाइ . टी . एन . एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, धिनांक 14 मार्च 1983

निर्देण सं० ग्राए० ए० सी० नं० 583/82-83—यतः मुझे एम० जेगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्लात् 'उक्त अधिनिषम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 279/8 है, जो चीराक्षा में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भौर पूण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चीराला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दारीख जुलाई, 1982

कारे पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से, एसे ब्रह्ममान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (जंदिरित्वा) के बीच एसे अन्तरम के लिए सम पामा गया प्रतिकल, निम्निल्सित उद्दादय से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अतिस्तरों का, विन्हुं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ए० ग्रार० म्ही० राघवन6~453, पेरला

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० मोहनी पति श्रदिन।पायणा वीपाला

(ग्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना चारी करके प्वाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस् सूचना के राजपन में प्रकाशन की तार्थिक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविकत्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इक्तरा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पदा है।

सवस्यी

षर संपत्ति, चीराला **झोल्ड वार्ड नं० 6**, सर्वे नं० 279/8, विस्तीर्ण 2733-1/3, **चौ० गण खुली जमीन, रजिस्ट्री**- कृत विलेख नं० 2252/82, रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, चीराला।

एम० जेगन मोहन सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायक्ष ग्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 14-3-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपःल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च, 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रजन/भोपाल/3469—ग्रतः मुझे देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 2, 5/1 है तथा जो ग्राम बालगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में भौर पूण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय, देवास में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) बास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया है :——
13—26 GI/83

- (1) श्रीमती जसोदी पति संबाराम खाती निवासी प्राम बालगढ़, तहसील देवास। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स राम ज्या लैंड एंड फायनेंस कंपनी देवास पंजी हत भागीदारी फर्म पंजीयन कमांक 2104/19-1-82 के पार्टनर तिलोकचंद पिता उत्तमचंद गुजराती, सुभाष चौक, देवास।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खा० नं० 2, 5/1 ग्राम बालगढ़ जिला देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षक सहायक भ्रायकर श्रायुक्त श्रुजैन रें**ज**, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

मोहर

प्ररूप बाई• डी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत चुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाद्कत (निर्धिक)

भ्रजीन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 मार्चे, 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3470—ग्रत ८ मुखे देवप्रिय पन्त

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० भूमि सर्वे नं० 5/1, 9/3 है, तथा जो ग्राम बालगढ़ में स्थित है (ग्री इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), "जिस्ट्रकर्ता श्रधिक री के कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्रीकरण श्रथधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विषय जाना चाहिए था, स्थिपन में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरज में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---- (1) श्री सिद्धनाथ पिता कन्हैयालाल खाती निवासी बालगढ़, देवास

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स रामकृष्ण लेंड एंड फायनांस कंपनी देवास पंजीकृत फर्म के भागीदार उत्तमचंद पिता तिलोक चंद, गुजराती, सुभाष रोड, देवास, म० प्र० (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण:— इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जनसंची

भूमि सर्वे र्न० 5/1, 9/3, ग्राम बालगढ़, देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त , ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 7-3-1983

मोहरू 🛭

प्रकप धाई॰ डी॰ एत॰ एस॰--

ध्रायकर प्रक्रितियम; 1961 (1961 का 48) की बारा 269न्य (1) के बधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च, 1983

निर्वेश सं० धाई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/3471— धराः मुझे देविप्रय पन्त ध्रायकार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गवा है), की बारा 269-ख के भ्रष्टीन सक्षम प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द॰ से भ्रष्टिक है,

भौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 280/2, 275/3, 276/1, 276/2 है, तथा जो ग्राम बावड़या में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिश्वराधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिश्वनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिश्चीन तारीख जलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से अम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिमत से श्रीवक है भौर अन्तरक (ग्रम्तरकों) भौर अन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलाखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखा में बास्तविक रूप से काबिन नहीं किया गया है:—-

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी आय की बाबत, एकत प्रथितियम, के प्रभीन कर देने के प्रश्तरक के वाक्किय में कमी करने या उत्तते बचने में तुकिछा के के निए; भीर/या
- (क) ऐनी किसी भाग या किसी धन या प्रस्य भाकितमाँ को, जिन्हें भारतीय भागकर भिवित्तमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भवित्तमम, या भन-कर विवित्तमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

नतः प्रवः, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के धनुष्ठरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ण की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती जसोवी बाई पति श्रंबाराम खाती निवासी ग्राम बालगढ़, तहसील देवास

(अन्तरक)

(2) मसर्स रामकृष्ण लेंड एंड फायनांस कंपनी देवास तरफे पार्टनर उत्तमचंद तिलोकचंद गुजराती, निवासी सुभाष चौक, देवास।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीख से 45 विन की सबिध या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की सबिध, जो भी सबिध वाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहक्ताक्षरी के पास सिकात में किए जा सर्केंगे।

स्वध्यक्तिस्त्वः --इसमें प्रयुक्त सम्बाँ भीर पर्वो का., जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नं॰ 280/2, 275/3, 276/1, 276/2, ग्राम बावज्ञ्या, जिला देवास में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोगास

तारीख: 7-3-1983

मोहर 🚯

प्ररूप आर्द, टी, एन. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय नि क्षि सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1983

निदश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3482—श्रतः मुझे देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/त्रः से अधिक है

ग्रीए जिसकी संव बंगला नंबर 45 है, तथा जो नीमच केन्ट, नीमच में स्थित है (ग्रीए इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीए पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय नीमच में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16), के ग्राधीन, 9 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह मितशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ष्तु अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

घतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ि—

- (1) 1. रुस्तम पिता बेहुरामणा निवासी बड़ौवा, गुजधात।
 - 2. जोनी पिता बेहरामशा नि०-बम्बई ।
 - 3. दौलत पिता बेहरामणा निवासी नीमच केन्ट
 - 4. श्रालाबरजोरजी

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. बिलायरचन्द पिता कुन्दन लाल
 - 2. प्रकाश रानी पति बिलावरचन्द भ्रग्नवाल नीमच,
 - ज्ञातचंद पिता नंदलाल अग्रवाल नि० ग्रेग,नगर राजस्थान,
 - 4. श्री सुरेन्द्र सिंह तहरचंद ध्रग्नवाल, निवासी हनुमानगढ़, राजस्थान।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक़त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त कक्यों आदि पर्वों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अन्स्ची

बंगला नंबर 45, नीमच केन्ट, नीमच में स्थित हैं (एक भाग)।

वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुस्त) श्रर्जन **रेंज, भो**पाल

तारीख: 5-3-198**3**

मोहर 🐠

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्स (मिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1983

मिदेश सं० ग्राई० ए० सी० /ग्रर्जन/भोपाल/3473---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा

269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बंगला नं० 45 है तथा जो नीमच कैंण्ट, नीमच में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 年 16) के धाधीन, तारीख 9 जुलाई, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफाल से, एसे इत्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देषच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, जनत अधिमियन के अभीन कर दोने के अन्तरक को दापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/भा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा में निए;

नतः स्व, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री रूस्तम पिता बेहरामशा नि० बड़ौदा, गुजरात ।
 - 2. जोनी पिता बेहरामाशा। नि० बम्बई ।
 - दौलत पिता बेहरामभा, नि० नीमच।
 - 4. घालाबरजोरजी नि० उदयपुरा ।

(भ्रन्सरक)

- (2) श्री बद्रीलाल पिता रामनारायणा।
 - 2. श्री राजेन्द्र प्रसाद गोयल पिता रामनारायणा।
 - 3. श्रीमती उमिला देवी पति राधेक्याम गोयल ।
 - श्रीमती उमा देवी पत्नी बद्री लाल प्राप्रवाल सभी निवासी नीमच कैंण्ट, नीमच ।

(प्रन्तरिती

क्षत्रे यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्मन्ध में कोई भी बाक्षेय:--

- (क) इस स्**चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त भ्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यायुः 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया मया है।

अम्स्ची

बंगला नं० 45, नीमच कैण्ट में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-3-1983

मोहर ः।

प्रक्य भार्दः टी. एन. एसं. ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालयं, सहाबक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

मर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1983 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3474—ग्रतः मुझे, देवद्रिय पन्त

आहुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पृत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- कि. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बंगला नंबर 45 है, तथा जो नीमच कैण्ट, नीमच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 9 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्द सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का बादह प्रतिस्ति से विभिक्त है और अंतरक (जंतरकों) बीर अंतरिती (अंतरितियों) से बीच ऐसे बन्तरण को तिए तय पाया गया प्रति-कत्त निश्नानिक्त उन्तरिय से उच्च बंतरण चिचित में बास्तिक कम बिस्नानिक्त स्वारिक स्था है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत अन्त अधि-निवाद के ल्थीन कर दोने के जंतरक के दादिल्य में कमी करने वा उससे नचने में सुविधा के लिए और/का
- (व) होती किसी बाव मा किसी वन ना बच्च नास्त्रों की, जिन्हों भारतीय बावकर निधितयन, 1922 (1922 का 11) या उनता व्यथितियन, वा धन-कर निधितयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा था या किना वाना वाहिए ना, कियाने में सुविधा के बिक;

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- (1) 1. श्री रूस्तम वल्ब बेहरामशा,नि० बड़ौदा, गुजरात ।
 - 2. जोनी पिता बेहरामणा, नि० बस्बर्ध ।
 - 3. दौलत पिता बेहरामशा।
 - 4. धालाबुजोर ।

(भन्तरक)

- (2) श्रीमती मंजू पत्नी शंकर लाल निवासी 142, जवाहर नगर, नीमच ।
 - 2 श्री मुरारी लाल पिता शंकर लाल ध्रप्रवाल, नि० नीमच कैण्ट, नीमच ।
 - श्री कैलाश चन्द्र पिता रामेश्वर लाल प्रग्नवाल, नि० 142, जवाहर मगर, नीमच ।
 - श्री श्रोम प्रकाश पिता रामेश्वर लाल,
 नि० 142, जवाहर नगर,
 नीमच ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

तकत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पवितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

रवक्कीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्धां भीर पदां का, को उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया है।

नमृत्यो

बंगला नंबर 45, नीमच कैंग्ट में स्थित है। (एक भाग) वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-3-1983

मोहर 🕄

प्रकृष् बाह्य दी । एन् एस् , ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3475—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिस्की सं० बंगला नंबर 45 का भाग है, तथा जो नीमच कैंग्ट, नीमच में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, नीमच में 9 जुलाई, 1982 में रजिस्ट्रीकरण मधिनयम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 9 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेश से उक्त अन्तरण लिखित के बारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविभा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री रूस्सम पिता बेहरामणा निवासी बड़ौदा, गुजरात ।
 - जोनी पिता बेहरामणा मिवासी बम्बई ।
 - वौलत पिता बेहरामणा ।
 - म्रालाबुरजोर जी निवासी उदयपुर ।

(भन्तरक)

- (2) 1. श्री भगवती प्रसाद पिता मानमस जी कालानी।
 - 2. जगदीश पिता भगवती प्रसाद कालानी।
 - 3. भाशीष पिता मानन्व कालानी।
 - रसनकुवर पिता
 भगवती प्रसाद कालागी
 सभी निवासी नीमच ।
 कैण्ट, नीमच ।
 - श्री सतीय कालानी पिता ग्रानन्द कालोनी निवासी कलकत्ता ।

(मन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकरी।

स्यष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

मन्स्ची

बंगला नंबर 45 का भाग, नीमच कैण्ट, नीमच में स्थित हैं

> वेयप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-3-1983

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनांक 5 मार्च 1983

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3476—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/ रहा से अधिक है

गौर जिसकी सं० बंगला नंबर 45 का भाग है, तथा जो नीमच कैण्ट, नीमच में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय नीमच में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9 जुलाई, 1982

को पृत्रों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्परित का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की ब्राबर, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बच्चने में लुगिया के लिए; बार/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः सब, उक्त अधिविसम कौ भारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम को भारा 269-य की उपधारा (1) के अधीग निम्नुसिच्छ व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1)1 श्री रूस्तम बेहरामशा नि० कुंज सोसाइटी, श्रल्कापुरी, बड़ौदा ।
 - जोनी पिता बेहरामणा निवासी 535 ग्रपोजिट जी जी० पी० भ्रो०, लिंक रोड, बम्बई ।
 - दौलत बेहरामणा
 नीमच कैण्ट, नीमच ।
 - ग्राला जाल पत्नी बुरजोर नि० मीरा मार्ग, पंचवटी पारसी बंगला, उदयपुर ।

(प्रन्तरक)

- (2) श्री बिलावर चन्द पिता कुंदन लाल श्रग्रवाल, नि० मण्डी प्रांगण नीमच ।
 - 2 श्री भगवती प्रसाद पिता मानमल कालानी ।
 - श्री भ्रोमप्रकाश
 पिता रामेण्वर प्रसाद जी ।
 - श्री बद्रीलाल पिता रामनारायण श्रग्नवाल, नीमच कैण्ट, नीमच ।

(भ्रन्तरिती

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्मध्यन्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्थितयाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्यख्दीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगजा नंबर 45 नीमच कैण्ट, नीमच में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-3-1983

प्ररूप आइ र दो. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल भौपाल, विनांक 4 मार्च 1983

निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3477—ग्रातः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं नजूल प्लाट नंबर 6/3 है, तथा जो जी रू रिंग्ड, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 22 जुलाई, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, रसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती रोशन डुंगाजी पत्नी श्री एम० के० डुंगाजी द्वारा मु० श्राम धरमचन्द जी मुन्नालाल जैन, नि० बैजनाथ पारा, रायपुर ।

(प्रनारक)

(2) श्री कांसिलाल पिता कंवरलाल जैन, नि० हुंगाजी कालोनी, कालेज वार्ड, रायपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त - अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

नजूल प्लाट नंबर 6/3, पर निर्मित दुकान, रायपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, भोपाल

तारीख : 4-3-1983

मोहर 🖫

प्रकप् काइं.टी.एन्.एस्. ------

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-प (1) के अधीन स्पृता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1983

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स् के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण 'हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ध्रौर जिस्की सं० भूमि खसरा नं० 738/1 है तथा जो मौजा मोवा रायपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यामा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भने या बन्य मास्तियों करों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था न किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नरनारायण श्रात्मज रामचरण लाल श्रग्नथाल, निवासी पुरानी बस्ती, रायपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) जी ० टी ० इंटरप्राइजेज, रामपुर प्रोप्राइटर श्री ताराचन्द बल्द गुगन राम निवासी जवाहर नगर, रायपुर हेड झाफिस 205, रविन्द्र सारनी, कलकत्ता-7 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकरें।

स्वक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भ्वा

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 738/1, मौजा मोवा जिला रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त[ा], सक्षम प्राधिकारी औ सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ^३ श्रुजन रेंज, भोपाल **औ**

सारीख: 4-3-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. प्रस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1983 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3479— मुक्को, देवप्रिय पन्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 3 है तथा जो शंकर नगर, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 2 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- √ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्री शंकर राव वल्द माधव राव मराठा, निवासी शंकर नगर, रायपुर द्वारा मृ० श्राम प्रकाश चन्द्र राव, निवासी शंकर नगर, रायपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कामिनी मारदा जोजे श्री विजयकुमार शारदा, निवासी 29, एच० श्राई० जी०, शंकर नगर, रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी कात्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

एक किता खुला प्लाट खसरा नं० 477 व 478 ब्लाक नं० 2 व 3 प्लाट नं० 3 मौजा शंकर नगर, रायपुर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

तारीच : 4-3-1983

मोहुडु 🖫

प्रकार कार्यः, टी. एक. एक. -----

भागकर स्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म्(1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्रण)

ध्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1983

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3480—म्बतः । मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो शंकर नगर रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबच श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्द्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 6 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से शुर्क किसी नाथ की बाबत उथता अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे ब्लूने में सुविधा के निए;
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में सुविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्री शंकरराव वस्व माधवराव मराठा, निवासी शंकर नगर, रायपुर द्वारा मु० द्याम प्रकाशचन्द्र निवासी शंकर नगर, रायपुर ।

(मन्तरक)

(2) श्री साधना शारदा जोजे श्री चन्द्रकांत् शारदा, निवासी 29 एच० ग्राई० जी०, शंकर नगर, रायपुर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्द भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबबुध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँका, जो उन्तु अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया न्या है।

भनुसूची

प्लाट नं० 4, ब्लाक नंबर 2, 3 खसरा नं० 477 एवं 478 शंकर नगर रायपुर में स्थित हैं।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषाल।

तारीख : 4-3-1983

प्रकर बाई• डी• एन० एस०----

आयकर अप्रिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के स्पीन सुप्ना

भारत सरकार

कार्यास्य, सद्दायक नायुक्त वायुक्त (निरीक्ष्ण)

मर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3481—स्मतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयुकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भाग 269 स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 261, 248 एवं 302 है, तथा जो मौजा पंडरी तराई रायपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारों के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, लारीख 1 जुलाई 1982

को पूर्विकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह बिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम् पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में बास्त्रिकृष्ट रूप से किथान नहीं किया गया है:---

- (क), जन्मुरण तं हुई किसी भाग की वाबत् हा उक्छ। अधिनियमं के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व। में कमी करने या उससे व्यने में सूरिष्धा के जिए; और/वा
- (ख) एंसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सुमरन बाई पत्नी सुखराम रावेल, निवासी पंड़री तराई, रायपुर ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती कमलेश पत्नी लद्दाराम।
 - 2. कुमारी साधना पिता श्री ग्रमरलाल मेधानी ।
 - मास्टर नरीश, माइनर पुत्र
 श्री ग्रमरलाल मेधानी,
 - मास्टर मुकेश पुत
 श्री ध्रमर लाल मेधाणी ।
 द्वारा जयहिन्द ग्रायल मिल्स,
 नाहरपारा,
 रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संवरित के अर्थन के सिद् एत्द्द्वारा कार्यवाहियां कडता हुं।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के संबंध में कोई भी बाकेन :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की वारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की धविष, जो भी घविष बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा; प्रशोहस्तावारी
 के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त ग्रन्थों बौद पर्यों का जो सकत अधिनियम के बक्ष्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्व होगा, जो सब ग्रद्भाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नंबर 261; 248, 302, मौजा पंड़री तराई, रायपुर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-3-1983

प्ररूप आई., टी. एन., एसं.,--------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनोक 4 मार्च 1983 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3482—ग्रतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं भकान प्लाट नं 6/3 पर है, तथा जो जी ई० रोड, रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाध्य अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20 जुलाई, 1982

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी अरने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती रोशन हुंगाजी पत्नी राम के ब्रुगांडी मु॰ आम श्री धरमचन्द पिता मुझालाल जैन नि॰ बैजनाथपारा, रायपुर ।

(मन्तरक)

(2) श्रीपाल लुनिया पिता रेखचन्द जी लुनिया, निवासी डुंगाजी कालोनी, कालेज वार्ड, रायपुर ।

(बन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है !!

अनुसूची

मकाम प्लाट नंबर 6/3 (नजूल) ब्लाक नंबर 27, मेन रोड, जी० ई० रोड, रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त समम प्राधिकारी सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-3-1983

मोहुदु 🛭

प्ररूप आ**र्ड**्टी<u>.</u> एन , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269~व (1) के न्धीन स्वृत्ता

भारत सरकार

कार्याखय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3483—ग्रतः, मझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात् 'उन्दर्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित नावार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 6/3 है, तथा जो रायपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई 1982

का पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में अप्रायिक हम से किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी शाव की बाबत, उक्त विधीनसम् के अधीन कर दोने के बन्तरक को वासित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बौर/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में स्विभा के निष्;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) श्रीमती रोणन डुंगाजी परनी श्री ए० के० डुंगाजी द्वारा मुं श्राम धरमचन्द जी मन्नूलाल जैन, बैजनाथ पारा, रायपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री कांति लास पिता कंवर लाल जैन, निवासी डुंगाजी कालोनी, रायपुर ।

(ग्रन्तरिती)

स्त्रों वह सुचना चारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तु सम्पृतित् के अर्थन के तुम्बन्ध में कोई भी बाह्यपः--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जबिध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच थे, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध, किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

गोंदाम, टीन शेंड व प्लाट नं० 6/3 ब्लाक नं० 27, प्लाट नं० 8 का कुछ भाग रायपुर में स्थित है ।

वेवप्रिय पर्नेत सुक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-3-1983

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहाय्क सायकर आयुक्त (निर्धिकण्) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3484—श्रतः, मझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं परिवर्तित भूमि प्लाट नं 32 है, तथा जो राजेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी, रायपुर के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 19 जुलाई, 1982 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिकल से एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से धुद्दी किसी जाय की बाबत, अक्त जीधीनयम के जधीन कार दोने के अन्तरक के बाबित्य में कभी कारने या उन्हों बुचने में सुविधा के बिए; ब्रीह/बा
- '(क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जारितयों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिवाँ, अर्थात् ः⊷ श्रीपाल पिता
रेखचन्द लुनिया,
निवासी-कालेज वार्ड,
रायपुर ।

(भन्तरक)

(1) श्री प्रकाश चन्द्र गोलचा पिता श्री कंदर लाल गोलचा, निवासी-कालेज वार्ड, रायपुर ।

(प्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्चन के लिए कार्यवादियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इतरा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ , किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताकारी के पास , जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का; जो उक्त अफिनियम के अध्याय 20-क में परिणाणित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस सम्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

परिवर्तित भूमि प्लाट नंबर 32, राजेन्द्र नगर, रायपुर में स्थित है।

> े देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रुजन रेंज, भोपाल

तारीख: 4-3-1983

मोहरु ।

प्ररूप भार्षे , दी , एन : एस : -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रुर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 मार्च 1983

निवेश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3485—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित नाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मूमि ख नं० 521/1 एवं 2 है, तथा जो मौजा तिफरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूषी में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय, बिलासपुर में रजिस्ट्रीकर ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15 जुलाई, 1982

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिली (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में आस्त्रिष्क रूप से किथन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक ते हुई किसी आव की वावत, उसक विभिन्नियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे ब्यूने में सुविधा के निए; और/मा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के निए;

अतः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वधीन, निम्नलिसित् न्यासित्यों, मृथ्ति :——
15—26 GI/83

(1) श्री राम प्रकाश बला पिता स्व० श्री लक्ष्मी चन्द बला, निवासी-लिंक रोड, बिलासपुर ।

(मन्तरक)

(2) भ० प्र० एलाय कास्टिंग लिमिटेड, इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, तिफरा, बिलासपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह बुचना जारी करके प्योंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

बक्त सम्मृति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इ.स. स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसु है. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर् सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सुकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त सन्दों और पर्वों का, जो उनतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा औ उस अध्याय में दिया ग्या है।

अमुसूची

भूमि खसरा नं० 521/1 एवं 2 मौजा तिफरा, बिलासपुर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, भोपाल

तारीख : 4-3-1983

मोहर 🖫

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 289-व (1) के प्रचीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3486—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त, ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्न ग्रीधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-दपये से अधिक है

भौर जिसकी सं० भृमि खसरा नं० 738 है, तथा जो मौजा मोवा, रायपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्लय, रायपुर में रजिस्ट्रीकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिगत प्रधिक है भीर भन्तरक (भूम्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीज ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरम ने हुई किसो प्राय की बाबत, उक्त प्राध-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिक में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन्न या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में भृषित्रा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नरनारायण पिता श्री रामचरण लाल श्रग्रवाल, निवासी पंडरी तलाई, रायपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) जी० टी० इंटरप्राइजेस रायपुर, प्रोप्राइटर तारा चन्द वल्द गुगन राम निवासी जवाहर नगर, रायपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

खनत यम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखेप :--

- (क) ११ सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा: ।
- (स) इन सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्भत्ति में दितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

भूमि खसरा नं० 738, मीजा मोवा, जिला रायपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

सारीखा : 4-3-1983

प्रकप भाइं. टी. एन. एस. -----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3487—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० मकान है, तथा जो ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकर ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3 जुलाई, 1982

को पूर्वों क्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वृज्ने में ब्रुविधा के जिए; ब्रॉट/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के विद;

असः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- (1) श्री ग्रात्मस्वरूप भटनागर पिता श्री कल्याण स्वरूप भटनागर, निवासी-275, साकेत नगर कालोनी, इन्धीर ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 श्रीमती माया देवी पति मनोहर लाल जी
 - 2. कमल किशोर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर, व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी बन्य ध्यक्ति द्वारा अक्षोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर् अभिनियम, ने अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिस्स प्रा हैं।

अप्रसुची

भूमि व मकान एक मंजिला, ग्राम खजराना, तहसील इंदौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

मोहुदु 🗯

त्ररूप मार्च , दी. एत ु एस ु==---

बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269÷म् (1) के बुधीन सुचना

भारत सुरकाङ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० माई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3488---म्रतः मुम्रे, देवप्रिय पन्त,

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उकत अधिनियम' कहा एया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- के से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 237-एम० व उस पर नींव तक निर्मित मकान है, तथा जो विकास प्राधिकर योजना नंबर 44 इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख 17 जुलाई, 1982
को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरमान,
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह दिश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य
उसके दरमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया
का, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में
वास्तिक रूप से क्रिंथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, अक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः अव, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १ श्री दिनेशचंन्द्र पिता कैलाश चम्द्र पाटनी, निवासी 15/1, ग्रयवाल नगर, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद फारूख पिता
मोहम्मद कासम,
निवासी 11,
मैकेनिक नगर,
इन्दौर ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायेख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मल्डीक रण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

य्लाट नं० 237-एम० व उस पर निर्मित मकान, विकास प्राधिकार की योजना क्रमांक 44 (खाती वाला टैंक) इंबौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

प्रस्पु बाहे. टी. एत. एस., ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-द (1) में अधीय सूचना

शारत सरकार

कार्यांलय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षक) प्रार्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3489—-श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उजिस बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 138 है, तथा जो विकास प्राधिकरण स्कीम क० 44, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीद, तारीख 17 जुलाई, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य सं कस के दशमान् प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि अधापृत्रोंक्त संपित्त का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा ग्या प्रति-फल निम्निलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्त्र्ण लिखित में वास्तिक रूप सं किया ग्या हैं:—

- (क्यं) अन्तराक्ष से कृषं शिक्सी नाय की बाबत सकत निध-नियम को सुधीन कर दोने को जन्तरक को सायित्व में अर्था (१२२) या उत्ते बचने में सुविधा को निए॥ बीक्स/का
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सृष्धा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्री प्रेमकुमार पिता विश्वनदास,
नि०-65, जयरापुर कालोनी,
इंदौर (म० प्र०) तरफे धाम
मुखतयार जवाहर लाल
पिता दीपचम्द,
निवासी-84,
काटजू कालोनी,
इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) सत्यम बिल्डर्स पार्टनर प्रकाश चन्द्र पिता श्री भोजराजमल, निवासी 378, जवाहर मार्ग,

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-मव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अध्रोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकारी।

स्पद्धिकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अससची

विकास प्राधिकरण स्कीम क्रमांक 44, में प्लाट नंबर 138, इन्दौर में स्थित हैं। तथा निर्मित क्षेत्र ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारी**ख** : 7-3-1983

मोहर 🕹

प्ररूप थाई० ही० इव० इव०---

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्वना

बारत संस्कर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण)

म्पर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/3490—अतः मुझे, देवित्रिय पन्त, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उनत अधिनियम भन्ना मया है), की धारा 269-ख के वधीन स्थान प्रधिकारी को यह विभ्वान करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति, आसका उकिन वाबार मूल्म 25,090/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम छोटा बांगरवा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

को पूर्वीकत सम्पति के विकत बाजार मृत्य से कम के बृष्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की नई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीकत सम्पति का खिला बाजार बृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिकत से अविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखात में बाह्तविक का रा कावित नहीं किया गया है।——

प्रधीन, तारीख 8 जुलाई, 1982

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सूविभा हो सिए; ब्रोडि/या
- (स) ऐसी किसी बाय था किसी झन या क्या कास्त्य को जिल्हें भारतीय आयकर विश्वित्यम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिभियम, वा झन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ सन्तरिती झारा प्रकट नहीं किया यस या सा किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् के

(1) श्री विमनवन पिता श्री कैलाग वन, निवासी ग्राम छोटा बांगरदा, तहसील इंदौर ।

(मन्तरक)

- (2) 1. श्री भ्रर्जुनंदास पिता रामघन्द्र, निनासी 61, बी०, प्रोमनगर, इंदौर ।
 - 2. जेठानंद पिता गुलमल
 - 3. लक्ष्मीचंद पिता माधवदास
 - 4. चंदूमल पिता मोहनदास
 - 5. रमेशलाल पिता सिरूमल
 - 6. कन्हैयालाल पिता उत्तमचंद
 - 7. रधुमल पिता जठानंद
 - होत चंद पिता जठानंद ,निवासी इदौर। (धन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्वेकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीन से 30 दिन की धवधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

एक दी बारण :---इसमें प्रयुक्त भक्तों और पर्यो सा, को जनत बिधियम के शक्याय 20 के में परिकाबित हैहैं यही अर्थ होना, जो छत्र बक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि, ग्राम छोटा बांगरवा तह० इंदौर में स्थित है। देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी ,सहायक ग्रायकर ग्रायक्त(**विश्वीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-स -----

कार्यक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अज्ञीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3491—श्रातः मुझ, देवप्रिय पन्त,

धायकर प्रधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृष्य 25,000/-ध्पए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नंबर 278 है, तथा जो जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यगापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत प्रधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरन के लिए नय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवा का रूप से सुष्य सम्बर्ग लिखित में वास्ता

- (त) प्रन्तरण से हुई लिसी थाय की अरबत उबत प्रधि-निवन के सबीन कर देने के प्रन्तरक के वादित्व में कमी करने या प्रसंसे बचने में सविधा के लिए। भौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाब् :--- श्री प्रीतम सिंह,
 इन्द्रजीत सिंह
पिता प्रर्जुन सिंह ,
निवासी—मकान नं० 278,
जवाहर मार्ग, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्राशा देवी पति श्री ज्ञानचंदजी जैन निवासी----6/8, नार्थ राज मोहल्ला, इंदौर।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परितृ के अर्जन् के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि वाद वो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्याप्त;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अक्त स्वावर संपत्ति में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा स्थोहस्ताक्ष्री के पास विविद्य में किए या सकींगे।

स्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 278, जवाहर मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्स सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

मोहर ः

प्ररूप आई².टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनोक 7 मार्च 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल-3492--मतः मुक्षे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 7 है, तथा जो न्यू पलासिया इंदौर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 22 जुलाई 1982।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सो, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण निवित्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री खेराती लाल पिता सुंदर दास जी, निवासी—मकान नंबर 57, रेस कोर्स रोड़, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रमरसिंह पिता ज्वाला सिंह जी, निवासी—मकान नम्बर 349, जवाहर मार्ग, इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त सब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्लाट नंबर 7, न्यू पलासिया, इंदौर में स्थित है।

वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

मोहरु 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक ,7 मार्च 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3493— स्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि ख० नं० 212/2 है, तथा जो कुक्षी जिला धार में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कुक्षी ,जिला धार में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 6 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पित्त को उचित बाजार मृल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिये और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

त्रतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधितः—— 16—26 GI/83 श्री सोमेश्वर पिता उधव कुलमी निवासी—कुक्षी।

(धन्तरक)

 मै० देवेन्द्र इन्टरप्राइसेस, प्रोपराइटर स्रोमप्रकाश, पिता—मांगीलाल छक्के माहेश्वरी, निवासी—कुक्षी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रस्यों और पश्चों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ख॰ नम्बर 212/2, नगर कुक्षी जिला धार में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस:------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०-/म्रर्जन/भोपाल/3494--म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात: 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो देवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिकारी के कार्यालय, देवास में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिप्तियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिप्तीन, तारीख 1-7-1982।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर फैफिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के शिए;

 श्री भारत पुत्र ग्रर्जुन फालके, गल्हार कोठी, मेदगी देवास।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजेश्वरी एस० देसाई,
 116, राधा गंज,
 ए० बी० मार्ग,
 देवास ।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 16-3-1983

प्रकृष भाइ. डी. एम. एस.-----

जायकर मींधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3495—-प्रतः मुम्ने, देवप्रिय पन्त,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट नं० 244 है, तथा जो इंद्रपुरी कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकर श्रिधिनयम, 1908 (1908

1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30 जुलाई, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) जन्तरण सं हुर्इ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्य में कमी करने वा उससे व्यव में बुविधा के लिए; और/या
- (दा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिये था, छिपाने में सिष्धा की लिए;

सतः वतः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के वभीन, निम्नितिभित्त व्यक्तियों, अभिति :-- (1) श्री हिम्मत लाल पिता करणा शंकर, निवास-सागर के खास मु० मोहन लाल जैन पिता जंपा लाल जैन, निवासी-988, खाती वाला टैंक, इंदौर ।

(भन्तरक)

(2) श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्ता विता श्री बनवारी लाल गुप्ता, निवासी-म० नं० 178, जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर हाल निवासी-699, क्याम नगर, राषपुयर ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसन बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवालिक हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याम में दिशा गमा है।

अनुसुची

जनाट नं० 244, इन्द्रपुरी, इंदौर में स्थित है।

वेशनिक पन्छ सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्राचीन रेंग, नोपास

तारीख: 7-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3496—ग्रतः मक्षे, देवप्रिय पंत,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 12 है, तथा जो पढ़रीनाथ पथ, इंदौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 29 जुलाई, 1982

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :--- (1) श्री सरदार प्रताप सिंह राव पिता मस्हारराव होल्कर तरफे ग्रा० मु० ध्यामराव कृष्णराव होल्कर नि०-12 ग्रांडा बाजार, इन्दौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संतराम दास फिरदमल नागपाल, निवासी 36/7, सिन्धी कालोनी, इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील रो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति इंबारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मकान नं 12 का प्रथम मंजिल का भाग, पढ़रीनाथ पथ, इन्दौर । में स्थित है ।

> देवप्रिय पंत, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

मोह्नर :

प्रकप भाई० टी• एव• एस०----

श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० ग्राई० ए० सी० सी० श्रिजंस मोपाल 3497— ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कुहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 7 है, तथा जो पढ़रीनाथ, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजरट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकर ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 29 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यक जिल्हा के बीक प्रमासक अनिका को अपेर अन्तरित से अधिक के बीक प्रमासक (प्रकारका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय

- (क) प्रन्तरण से तुई किलो आप का वानत उपत प्रश्लाकसम्ब के प्रशास कर के के प्राप्तरक के दायित्व के कमा करन या ससस वचन में सुविधा के लिए) बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर मिसिन्यन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरभ मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) कुं अभीन, निक्निसिचित् स्पनित्यों, अधात् ः— (1) सरदार प्रताप सिंह राव पिता मल्हार राव होलकर, तरफे ग्राम मु० श्यामराव कृष्णराव होलकर, नि०-12, श्राड़ा बाजार, इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द पिता सेवा राम, नि०-14/1, मोहनपुरा, इस्दौर ।

(श्रन्तरिती)

को यह सचना जारो कारकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (१) इर नूचनः के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख़ 45 दिन की अवधि या तस्सम्बद्धां व्यक्तियाँ पर नूचनः की नामील में 30 दिंग की ध्रवति, जो भी प्रवत्य जार में समाज्य होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से भिना व्यक्ति हारा;
 - (ख) इस सूचनः के शाखनः में प्रकाशन की तारीका स 45 दिन कं भीतर अन्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

- अनुसूची

दुकान नं० 7, पढ़रीपथ, इंदौर में स्थित है।

् वेवप्रिय पन्त; सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

प्ररूप. आईं. टी. एन. एस. ----

आयकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3498—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- च मे प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक मकान जो प्लाट नं० 267 पर बना है तथा जो कुन्डेश्वर वार्ड, खंडवा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, खंडवा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के पृथयमान प्रति फल के जिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्द्रहे प्रतिगत से धांकिक है और सन्तरक (सन्तरकों) धीर सन्तरिती (सग्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के निये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त धन्वरण बिखित में वास्त्विक अप से कियत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, डबर अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या चसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों की जिल्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिशिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री रतम लाल,
 तक्ष्मी नारायण,
 टीकमचन्द,
 कम्मलचन्द,
 कस्त रामनियास जी भ्रम्नथाल निवासी खड़कपुरा,
 खंडवा ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बसन्त लाल ग्रात्मज रामलाल जी खण्डेवाल, निवासी कल्लन गंज, खंडवा ।

(ग्रन्तरक)

को यह सुकता जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

ेउन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी खाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध; जो भी प्रविध बाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख न 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में दितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधीत्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिध-नियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं; वही धर्य होगा, जो उस श्रद्धाय में दिवाहं हुआ है।

अनसची

एक मकान जो शीट नं० 11, प्लाट नंबर 267 पर बना है कुन्डेश्वर वार्ड, खंडवा में स्थित है।

> वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णम रेंज, भोपाल

तारीख : 7-3-1983

प्ररूप आहु⁵, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3499—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 10 है, तथा जो शंकर नगर, कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुत्रिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) 1. श्रीमती लीलाबाई पति श्री शंकर लाल,

intrational companies and the companies of the companies

- 2. मीरादेवी पुत्री श्री शंकर लाल,
- 3. मनोज कुमार पिता रमेश कुमार
- डॉ० लीलाधर पिता नारायण जी,
- नरेश कुमार पिता नारायण जी,
- सुरेश कुमार पिता नारायण जी, निवासी खजराना ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू बड़जात्या पति श्री प्रदीप कुमार, निवासी 146, जावरा कम्पाउण्ड, इंदौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्स्ची

प्लाट नं० 10, शंकर नगर, कालोनी, इंदौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुफ्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, भोपाल

तारी**ख** : 7-3-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्तर्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3500--ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 9 है तथा जो शंकर नगर, इंदौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाध्व अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंदौर में रिज़स्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कंथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिष्ठी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था, छिपाने में मिविशा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--

- (1) 1. श्रीमती लीलाबाई पति श्री शंकरलाल,
 - 2. मीरादेवी पुत्री श्री शंकर लाल,
 - 3. मनीज कुमार पिता मिश्र कुमार,
 - वीलाधर पिता नारायणजी,
 निवासी ग्राम खजराना

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज बड़जात्या पति प्रकाम चन्द्र बड़जात्या, निवासी 146, जावरा कम्पाउण्ड इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

प्लाट नं० 9 शंकर नगर कालोनी इंदौर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-3-1983

प्रकृप काइ .टी. एन .एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रजेन/भीपाल/3501---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 3 पर बना हुआ मकान है, तथा जो प्रिस यमवन्त रोख, इंदौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन, तारीख 3 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्पू से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; औट/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अ्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री भगवान घास पिता हीरा लाल जी जायसवाल, निवासी मकान नं० 20, मीरा पथ, इंदौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती माधुरी पति कमल चुग, निवासी 87, त्रिवेणी क्षालीनी, इंदौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के सम्बन्ध में कोई जाक्षेप, यदि कोई हो सो

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकनें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दौ और पदों का, जो उक्त "अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नं० 3 पर बने हुए मकान प्रिस यशवंत रोड, इंबौर में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, भोपाल

सारीख: 8-3-1983

मोहर:

17-26-GI/83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनाय 8 मार्च 1983

िदेश सं० प्रार्थे० ए० मी०/प्रजैन/भीपाल/3502---- ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्न

आतिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के जन्मित सक्षम मिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति. जिसता उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीए जिन्नि नं प्लाट नं 3 पर बना हुश्रा मकान है, तथा जो प्रिंग विश्वन्त रोड, इंदौर में स्थित है (श्रीए इससे उपावड़ शतुप्ची में श्रीए पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य इंदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोद्धत संपत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकत के तिए जन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोद्धत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकत से प्रेस रूपमान प्रतिकत का पन्दह प्रतिसत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नि लित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिसित में सम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करूने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिपती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्रीमती माधुरी पति श्री कमल चुग, निवासी 87, तिवेणी कलोनी, इंदौर ।

(भन्तरक)

(2) श्री फतुमल पिता पमन दास, निवासी 30, राधा नगर कालोनी, इंदौर ।

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

संस्था की

प्लाट नं० 3 पर बना हुआ मकान व एक दुकान, प्रिस यगवंत रोड, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-3-1983

प्ररूप आहर्. टी. एन्. एस.-----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3503—--प्रतः मझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई हो और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, इस दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से जिस्त नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंत्रक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जेक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भीं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री भरत पिता ग्रर्जुन राव फालके, मल्हार कोठी, वेबास ।

(अन्तरक)

(2) भीरा पिता शैलेन्द्र, निवासी ई-14, साकेत नगर, इंदौर ।

(ग्रन्धि रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परितः के अर्जन के . लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आर्था :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण: -- इसमें प्रयुक्त श्व्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भृमि देवास में स्थित है।

्वप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ग्रायु स (निरीक्षण) शर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-3-1983

प्रस्प आहे. टी.एन्. एस . -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभूना

भारत सरकार

कार्यान्य, सहायुक मायुक्द भायुक्त (निद्धीक्ण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० भाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3504—ग्रतः मुप्ते, देवप्रिय पन्त,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, स्रया जो देवास में स्थित है (ग्रौर इससे उपायब श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जलाई, 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निस्; और/या
- (स) एसी किसी भाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भ की उपभाराः (1)। के अधीन्, निम्निनितिक अधीनत्यां ता अधीन क्यां (1) श्री भरत पिता श्री ग्रर्जुन फालके, मल्हार कोठी, देवास ।

(भन्तरक)

(2) मास्टर चिराग पिता हितेन्द्र भ्रजमेरा, 119, साकेत नगर, इंदीर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में पुरिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि, एरिया 4 एकड़ देवास में स्थित है।

वैवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1983 मोहर : प्रस्प नाइ^द्र टी<u>..</u> पुन्<u>य</u> पुस्_य------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर नामुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० माई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3505—मृत: मुम्ने, देवित्रिय पन्त

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद शनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर धने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; औद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उच्न अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्री भरंत पिता श्रर्जुन राव फालके, मल्हार कोठी, देवास ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जग्नेश्री पत्नी नीलेन्द्र मजमेरा, निवासी 119, साकेत नगर, इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबद्वध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्थण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सची

भूमि 4 एकड़ देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकाी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ज** : 8-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3506---भ्रतः मुझे, देवतिय पन्त

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप- से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ज्लाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान. प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः शास्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री भरत पिता ग्रर्जुन राव फालके, मल्हार कोठी, देवास ।

(प्रन्तरकः)

(2) श्रीह संदीप एम० वेसाई, 116, राधा गंज, ए० बी० रोड, वेवास ।

(ग्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

भूमि देवास में स्थित है।

वेवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-3-1983

प्रकृष् वाद्येत् टीत् एम्त् एस्त्र्धन्यनन

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वना

भारत सुरुकार

कार्यास्य, सुक्त्यक बायकर बायुक्त (निर्नीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3507—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्म प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो देवास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति को उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मून्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अभ्यारण से धुर्द किसी जान की नानत, स्वन्त अधिनियम के अधीन कर दोने में जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुनिधा के सिए; जार्-/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में सुनिधा के लिए;

ब्तः अवं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री भरत पिवा ध्रर्जुन राव फालके, मल्हार कोठी, देवास ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बाकुला एम० देसाई,
 116, राधा गंज,
 ए० बी० रोड,
 देशस ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत संपृतित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिए की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्तियां में ये किसी स्यक्ति द्वारा;
- (च) इस, सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच खे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नृभोहस्ताक्षरी के पाध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में विया गया है।

अमृसूची

भृमि, देवास में स्थित है।

ं देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायकर भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1983

मोहरः

प्रकृष् आहें दी एन एस . ------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3508—श्रतः मक्षे, देवप्रिय पन्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० भूमि है तथा जो वेवास में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेवास में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आमकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सतः अब उक्त ऑिंधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) श्री भरत पिता भ्रजीन राव फालके, मल्हार कोठी, देवास ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चोला पिता गंलेन्द्र श्रजभेरा, ई-14, सामेत नगर, इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के गुजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय अधोहस्ताक्षरों वे पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्प्यतिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

भूमि, एरिया 0.4 एक देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर ब्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

सारीखा : 8-3-1983

शुक्रप् बाइं टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनोंक 8 मार्च 1983

्रिनेदेश सं० माई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/3509--मतः

मुझे, देवप्रिय पन्त

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस उ इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा नया है), की धारा 268-च के प्रधीन सजम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो वेवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वेवास में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए फ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्र ह प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसो आय की बावत, उबत श्रिकि नियम के श्रधीन कर देने के श्रम्सरक के वायित्व में कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए। और/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922. (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना आहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः— 18—26 GI/83 (1) श्री भरत पिता भ्रजुंन राव फालके, मल्हार कोठी, देवास ।

(भ्रन्तरक)

'(2) मैसर्स थिजय सोलवेक्स प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड, ए० बी० रोड, देवास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्तं सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एरिया 33 एकड़ देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 8-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आह्र⁵. टी. एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1983 ै निदेश सं० श्चाई० ए० सी०/श्चर्जन/भोपाल/3510—श्चतः

मझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धश्यभान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भरत पिता श्रर्जुन राव फालके, मल्हार कोठी, देवास ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स दीपक वूलन्स प्राइवेट लिमिटेड, ए० बी० रोड, देवास ।

(श्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वावित संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध् बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची भूमि एरिया 33 एकड़ देवास में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भीपाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन /भोपाल/3511---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो देवास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, देवाम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982

कां पूर्वीक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह पिश्यस करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुंई किसी आय को सावस उक्त धिक्षिक नियम के श्रधीन कर देने के सन्तरक के दासित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री भीम पिता श्रर्जुन देव, मल्हार कोठी, देवास ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गैलेन्द्र पिता झामनदास ग्रजमेरा, ई-14, साकेत नगर, हन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एरिया . 285 एकड़ देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में ,मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

तारीख : 8-3-1983

प्रकृप बार्षं .टी . एन् . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3512—ग्रतः मुक्तो, देविप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हो और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल हो नम्निलिसित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुर्द्वां किसी अब्बर्की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के सन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्री भीम पिता धर्जुन राव फालके, मल्हार कोठी, मड़क^{रे}, वेवास ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शमीक पिता एम० देसाई,116, राधा गंज,ए० बी० रोड, देवास

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विज्ञ के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एरिया .25 एकड़ देवास में स्थित है।

देवप्रिय पृन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

तारीच : 8-3-1983

मोहरु 🖫

प्रकृष् आहं .. दी .. एन .. एस ..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन सूचना

भारत त्रकारु

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 मार्च 1983

निवंश सं० भाई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/3513—अतः, मुझे, देवशिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित भाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो देवास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीश्व 1 जुलाई 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिफल किल निम्निसिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिनक स्पूष के कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौड/वा
- (का) एेसी किसी अाम या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ननुसरण में, में,, नक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीप, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री भीम पिता प्रजुन राष फालके, मल्हार कोठी, देवास ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री नीलेन्द्र पिता जमनादास श्रजमेरा, 119, साकेत नगर, इंदौर ।

'(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः—हसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में विया गया है।

जन्स्**ची**

भूमि एरिया . 225 एकड़ देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 8-3-1983

मोहार 🕄

प्ररूप भाइ .टी. एन्. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 8 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3514---श्रतः, मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो देवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई 1982

का पूर्वोक्त सपत्ति के उचित बाजार मृत्यं से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बनारण सं हुएं फिसी बाब कां बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आपकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्थत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उत्थत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री भीम पिता भर्जुन राव फालके, निवासी मल्हार कोठी, देवास ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स प्रीमियर एक्सट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड, ए० बी० रोड, देवास ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वाक्त सभ्यांना के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हो।

उक्त सम्परित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्विकत स्वित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि एरिया . 33 एकड़ देवास में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** ३ 8-3-1983

महिर ः

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मार्च 1983

निदेश सं० ब्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3515--अत:, मुझे, देवप्रिय पन्त,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बंगला म्यु० नि० नि० नं० 13 है, तथा जो नीमच केंण्ट, नीमच में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, नीमच में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, जयत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री दारायश ज॰ पिता
श्री जाल भाई पी॰ जाल,
निषासी नीमच कैण्ट,
परगना नीमच,
जिला मंदसौर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भगवती प्रसाद कालानी पिता श्री भानभलजी कालानी, निवासी नीमच कैंण्ट, परगना नीमच ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पाष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसमी

बंगला भ्यु० नं० 13 स्थित मकान भू**ख**ण्ड कमांक 27 व 28 नीमच कैण्ट, परगना नीमच में स्थित है ।

> देयप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 3-3-1983

मोहर 😗

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्धिण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 मार्च 1983.

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3516—प्रतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट एवं भूमि है, तथा जो सैलाना बस स्टेण्ड, रतलाम के निकट स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट रही किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) (1) श्री कैलाशचन्द्र पिता रामनिवास जी साथू,ा निवासी शाजापुर।

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स कमरुद्दीन एवं कं०, रतलाम द्वारा पार्टनर्स,
 - 1. कमरुद्दीन ।
 - 2. मंसूर प्राली।
 - मोइज म्नली । निवासी चौदनी चौक, रतलाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्या संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

नन्स्ची

्र प्लाट एवं भृमि जो सैलाना बस स्टैंड के किनारे रतलाम में स्थित है । यह वह स्थावर संपत्ति है, जिसका विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 में नीहित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 3-3-1983

प्ररूप बाइ⁵्टी.₁ पुन्. पुस्,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1983

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3517—म्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. द्वो अधिक है

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 67 पर बना हुआ मकान हैं तथा जो बैंकुंठ नगर कालोनी, खंडवा में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता धिकारी के कार्यालय, खंडवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 जुलाई 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयू की बाबसू, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र जिन्हों नियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नोशेर जाल कपाडिया ग्रात्मज जालधनजी कपाडिया, निवासी—पूना महाराष्ट्र द्वारा मखत्यार सेठ कन्हैयालालजी भ्रात्मज बबलीशाजी, नि०—बुरहानपुर ।

(ग्रन्तरक)

2. सौ० देवकीबाई जोजे कन्हैयालालजी श्राफ, निवासी—राजपुरा बुरहानपुर, तह० - बुरहानपुर।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतिसः के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींक से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

अनुस्पी

प्लाट नंबर 67 पर बना हुआ मकान, बैंकुंठ नगर कालोनी, खंडवा में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10-3-1983

मोहर: "

प्ररूप आर्थः दी . एन् . एस .,-------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मार्च 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3518—म्राः मुझे, देवप्रिय पन्त,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरुचात 'उदत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क फे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क. से अधिक है

ग्रोर जिसकी संख्या प्लाट नं० 365 है, तथा जो नगर सुधार न्यास की योजना नं० 44, काटजू नगर, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 6 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कश्यत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

लत: अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती निला कुमारी पति हीरालालजी,
 श्रभय कुमार पिता बाबूलालजी,
 दोनों निवामी चांदनी चौक,
 रत्तलाम।

(भ्रन्तरक)

2. मैं० समता गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रतलाम 13, श्रजंता टाकीज रोड़, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖰

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट नंबर 365, नगर सुधार न्यास की योजना नंबर 44, काटजू नगर, रतलाभ में स्थित है।

> ॄ्देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-3-1983

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मार्च 1983

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3319—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सम्मान प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थायर सम्मान, जिसका खिनत बाजार मूल्य 25;000/- घ० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 366 है, तथा जो नगर सुधार न्यास की योजना क० 44, काटजू नगर, रतलाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन 6 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का निद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी जाय या किमी झम या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त भिर्धित्यम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जियाने में सुनिधा के किए।

भतः अन्त, उन्त अभिनियम, की भारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के मुभीन, निम्नुजिक्ति स्युक्तियों, वर्षात् क्रिक्त श्री बाबूलाल पिक्षा राजमलजी पिरोदिया निवासी—चांदनी चौक, रसलाम।

(भ्रन्तरक)

2. मैं • समता गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित रतलाम-13, धर्जता टाकीज रोड़, रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पति के पर्जन के सबंध में कोई की भाकेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्युक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्रावा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उनत स्थात्रर सम्पत्ति में हित-षष्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी क्षये होगा, जो उस सक्ष्याय में दिया गया है

अनूस्ची

प्लाट नंबर 366, नगर सुधार न्यास की योजना नंबर 44, काटजू नगर, एसलाम में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भायकर भागुक्त भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-3-1983

माहरू 🛭

प्ररूप बाद . टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक कायफार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन केंत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मार्च 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3520—ग्रतः मुप्तो, देवप्रिय पन्स,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 35 है, तथा जो जानकी नगर एक्सटेंशन कालोनी, इंदौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, इंदौर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15 जुलाई 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विदवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक स्प किथत नहीं किया ग्या है:-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एरेडि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना था, खिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित क्षितमों, अधीस् :--

 श्रीमती शकुन्तला देवी पति श्री राजकुमारजी, निवासी--- 3 न्यू पलासिया, इंदौर।

(अन्तरक)

 श्री सागरमल पिता श्री रखबचंद जैन,
 श्रीमती सोहनकंवार पित श्री सागरमल जैन निवासी-120, जानकी नगर,
 इंदौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नंबर 35, जानकी नगर एक्सटेंशन कालोनी, इंबीर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर भायुक्त भ्रर्जन रेंज, भोपाल

ेतारीख: 11-3-1983

मोहर 🗀

प्रकृष प्राष्ट्री, टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मार्च 1983

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-3521--अतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 157, पर बना हुग्रा मकान है, तथा जो श्रीनगर एक्सटेंगन कालोनी, इंदौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इंदौर में रिजस्ट्रीकर्रण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 22 जुलाई 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय को बाबत उक्त अधि-रिवयस के बधीन कर दोने के अन्तरक को वाजित्य में अभी करने या उससे अपने में तृतिथा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——

 श्री पूंजालाल पिता श्री बाबूलाल बिड्या, निवासी—32, स्ट्रीट नंबर 6, नई भ्राबादी, देवास, (जूनियर) ।

(ग्रन्तरक)

 श्री मोहनलाल पिता मोतीलाल पोरवाल, निवासी—केग्रर ग्राफ यूनाइटड कार्माशयल बैंक जावरा, जिला रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जाड़ी करके पुर्वाध्य सम्परित के अवन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिनों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकत किसाँ प्रन्य क्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षती के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थव्यकिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

प्लाट नंबर 157 पर बना हुआ मकान, श्रीनगर एक्स-टेंग्रन कालोनी, इंदौर में स्थित है।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त भ्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 11-3-1983 मोहर 🕹

प्रकृप आई० टी• एन• एस•----

माग्नर मिन्यन, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के अधीन सूचना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मार्च 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3522---ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य, 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट ख० नंबर 173/2 है, तथा जो कछपरा वार्ड, जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण कूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13 जुलाई, 1982।

को पूर्वों क्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास
क रने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उस्त अन्तरण लिखित
में वास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त निध-निवस के नधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अरे प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती वेवी बाई
श्री स्व० पं० रामनाथ पाठक,
 राधा बाई बेवा
श्री स्व० गोविन्द प्रसाद पाठक,
 श्री विशम्भरनाथ पिता
पिता श्री रामनाथ पाठक,
 निवासी—वीक्षितपुरा, जबलपुर।

(भन्तरक)

 श्रीमती रुक्मणी बाई उफें ग्यानी बाई जोजे श्री मोट्रमल बासवानी, मकाताल, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रीमती देवी बाई वगैरह। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पृतित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंक्ति में हिन्न-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिचित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्ते शब्दों और पदों का, जो उन्तर विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविद है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

भ्रनुसूची

प्लाट, ख॰ नंबर 173/2, कछपुरा वार्ड, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर भायुक्त) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-3-1983

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 मार्च 1983

निर्देश र्स० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3523—श्रतः मुझे, देवप्रिय पत्त,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् एक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 2 मंजिला मकान है, तथा जो मेन रोड़ गढ़ा फाटक, वर्तमान लार्डगंज, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे जुपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन, तारीख 5 जुलाई 1982 ।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण मे हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रीस-नियम के मधीन कर देने के खन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रम्य खास्तियों को, जिन्ह भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधिनियम, या धन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

ं अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नेलिकित ज्यक्तियों, अर्थात् !--- श्रीमती कमल रानी उर्फ चंपाबाई, जोजे श्री कंछेदीलाल गुप्ता, निवासी—-मुहल्ला रामनगर वार्ड गंज वार्ड, जबलपूर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती गंगाबाई जोजे श्री कोमल प्रसाद सोनी, निवासी—208/13, मुहल्ला गुप्ता कालोनी, गढ़ा फाटक वार्ड, जबलपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दो मंजिला मकान, मेन रोड, गढ़ा फाटक, लार्ड गंज, जबलपुर ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 11-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 13 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3524—ग्रतः मुझे, देवित्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परघात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संपत्ति भूमि खसरा नं० 419 है, तथा जो कानासैया तहसील हजूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 जुलाई,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्यं से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार म्ल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) यन्तरण से हर्द किसी आय की यावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विकास के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती चन्द्रकांता उर्फ सिंधधी पुत्री श्री सरदार मल ललवानी, तिवासी कोटा द्वारा मुकाम श्राम श्रमृत लाल नेमा पुत्र स्व० पूनम चन्द जी निवासी कोटा द्वारा भोपाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) नोवो एग्रो इनवेस्टट्टटस प्रा॰ लि०, तुलसीयानी चैम्बर्स नरीमन प्वाइंट , बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्राप्तित सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तित्वों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकेंगे।

स्थाखीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कथिनिक्स के कथाय 20 क में परिशादित हैं, दही कथें होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्स ची

भूमि खसरा नं० 419, तहमील कानासैया हजूर जिला भोपाल में स्थित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

सा**रीख**: 15-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए. सी०/श्रर्जन/भोपाल/3525—-श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 1/111 है, तथा जो अमराबद खुर्द, तहसील हजूर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधि-कारी के अकार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 20 जुलाई, 1982

को पूर्वोच्या सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान भितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :——
20—26 GI/83

 श्री राम गोपाल सिंह पिता ठाकुर किणोर सिंह, निवासी मकान नंस 5, ऐण्रवाग स्टेडियम, बरखेड़ी, भोपाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रभिनव गृह निर्माण सहकारी समिति भोपाल द्वारा श्रध्यक्ष श्रीमती नीता सिंहा पन्नी श्री बी० एल० खती सिन्हा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

. अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवींध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जेन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि खसरा नं० 1/111, ग्रमरावद खुर्द में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस्. -----

भायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1983

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3526—ग्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 4/1 का भाग है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 27 जुलाई 1982

को प्रविक्त संपरित को उचित बाजार मून्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके रूपमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उमत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) पद्मा बिनानी फमली ट्रस्ट स्टेट, राजा गोकुल बास प्लेस, हनुमानताल, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० के० गुप्ता एवं श्रीमती श्रांशा गुप्ता, नेपियर टाउन, जबलपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त ' शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अम्स्ची

प्लाट नं० 4/1, ब्लाक नंधर 33, साउथ सिविर लाइन्स, जबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जैन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-3-1983

मोहार :

प्रकृष् बाद् . दी. एन् . एस्. ------

बायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1983

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3527—म्रातः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-क अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तिस जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 4/1 कर भाग, ब्लाक नं० 33 है, तथा जो साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल सा पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिश्ति में बाल्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती भूचारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) पद्मा बिनानी फेमिली ट्रस्ट इस्टेट, हनुमान ताल, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बी० बी० घोष, जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह मूजना जारी करक पृथांकत सभ्यस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अयिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराँच से -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गप्त निश्चित में किए जा सकांगे।

स्वाद्योकरण ---- इतमाँ प्रयुक्त शब्दी और पदाँ का, जो अक्त अधिनियम के सभ्याय 2(1-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रसम्ब

प्लाट नं० 4/1 का भाग, ब्लाक नं० 33, साउथ सिविल लाइन्स, जबलपुर में स्थित है ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-3-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1983

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/3528—म्रतः मुक्ते, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इन के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 22 पर बने मकान नं० 770/1 तथा जो नेपियार टाउन, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नर्मदा प्रसाद वल्द बद्री प्रसाद शा०, दीक्षितपुरा, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सिंह वल्य सरवार राजेन्द्र सिंह, 9-10, लाजपतकुंज, नेपियार टाउन, जबलपुर

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 4, प्लाट नं० 22 पर बने हुए माकन नं० 770/1।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख** : 15-3-1983

मुक्य बार्च ,टी ,एन , एस , ---------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3529---श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सम्बे परवात् उक्त को धीनगम कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्बद्धि, जिस्का अधिक बाजार मून्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 22 पर बने मकान नं० 770/1 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब ब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान श्रतिफल से, एसे ख्रयमान श्रतिफल का पन्तह श्रीतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तर्रात्वां) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया श्रतिफल निम्निलिखत उब्वेश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:-~

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री नर्मदा प्रसाद वल्द बब्री प्रसाद ब्रा०, वीक्षितपुरा, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राजिन्दंर कौर जोजे सुरेन्द्रसिंह, 9-10, लाजपतकुंज, नेपियर टाउन, जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

करेयह स्वना भारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हुं।

उन्त सन्परित के गर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वाम के राज्यक में प्रकारन की तारीज से
 45 विद की जबकि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 वर्षीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोंकर
 व्यक्तियों में से देवाची व्यक्तियां द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित्नवृष किसी जन्म न्यानित धूचारा न्याहरताकरों के पास सिचित में किए जा स्थीन।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 4, प्लाट नं० 22 पर बने मकान नं० 770/1, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित हैं ।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 15-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 मार्च 1983 े

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/भ्रर्जन/भोपाल/3530— भ्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं ज्लाट नं 22 पर बने मकान नं 770/1 है तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम 1908 (1908 को 16) के ग्रिधीन, जुलाई 1982 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्का अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कः धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1(1) श्री नर्मेदा प्रसाद बल्द बद्री प्रसाद ब्रा०, दीक्षितपुरा, जबलपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सरवार ग्रमरीकसिंह वल्द व्रिलोक सिंह, नेपियर टाउन, जबलपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स' 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिआधित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 4, प्लाट नं० 22 पर बने मकान नंबर 770/1, नेपियर टाउन, अबलपुर में स्थित है।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज, भोपाल

सारीख : 15-3-1983

प्रस्प थाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ.(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3531---श्रतः मुक्ते, वेवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर, जिसकी सं प्लाट नं 22 पर बने मकान नं 770/1 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्री-कर्ती मधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण मधि-नियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के भ्भीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या अवसे क्वने भें सुविभा के निग्; नौर/भा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कर्ते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना काहिए था, खिपाने हो मुनिधा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित्त व्यक्तिसयों, अधीत्:— (1) श्री नर्मदा प्रसाद वल्द बब्री प्रसाद क्रा०, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र सिंह वल्द क्षिलोक सिंह, नेपियर टाउन, जबसपुर ।

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 4, प्लाट नं० 22 पर बने मकान नं० 7.70/1, नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित हैं।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, भोपाल

नारीख : 15-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/3532—श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्त

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान कारपोरंशन नंबर 408 है, तथा जो गजीपुरा, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से चक्त अंतरण लिखित में धास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) ए से किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री धीरज लाल कि पिता श्री मोरार जी महता एवं दिलीप मेहता, पिता श्री धीरज लाल मेहता, निवासी 408, तुला राम चौक, जबलपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामिकशोरी गुप्ता पत्नी श्री तीरंथ प्रसाद गुप्ता, निवासी मानिकपुर, जिला बारदा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

यनसम्ब

मकान जिसका कार्पोरेशन नं० 408, गंजीपुरा (ग्रोल्ड मढ़ाताल वार्ड) जबलपुर ओ प्लाट नं० 85, ब्लाक नंबर 78 गंजीपुरा, जबलपुर पर बना है तथा भूमि । यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37, जी में निहित है ।

> देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 16-3-1983

मोहरः

प्रकप धाई॰ टी॰ एव॰ एस॰--

आयकर **मधिषियम, 1981 (1981** को 43) की **धारा 289-म (1)** के **समी**न मूनना

भार सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्स (निरीक्षण) प्रजीन क्षेत्र

ोपाल, दिनौंक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्पर्जन/भोपाल/3533----म्रसः मुझे, देवप्रिय पन्त,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'चरन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- व्यये से अधिक है

भौर जिसकी सं ख वं नं 1.49/1, 150/1 भौर 150/2 है, तथा जो गांव हाथी ताल जबलपूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 3-7-1982

जन्म-1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए अस्तरित को गई है पोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व, उसके दूरममान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्री (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसन अन्तरण सिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरंग से हुई किसी आय की बाबन एक्स पश्चित्रंग के मधीन कर देने के मक्तरक की वायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के निए धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रत्य आहितयों की जिन्हें भारतीय आयकर भिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्टित्यम, या भन-कर प्रधित्यम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिजी द्वारा प्रकट मही किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

भ्रतः अब, धक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त पीनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यवित्यों, अर्थात्।—— 21—26 GI/83 श्रीमती ग्रार० ग्रार० ग्राहूजा पत्नी श्री ग्रार० ग्रार० ग्राहूजा, 937 वई का बागीचा, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

2 मेसर्स मेहता इनवेस्टर्स द्वारा प्रो० श्री धीरज लाल पुत्र मोरारजी मेहता, 508, मढ़ाताल, जबलप्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उबन सम्पति के अनैम के सम्बन्ध में कोई भी पाकेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की प्रविधि या तस्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में में किसी क्यकिन दारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत में अक्षात्तन की तारी का से 45 जिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाधित है, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में बिया गया ।

ग्रनुसूची

भूमि खसरा नं० 149/1, 150/1 श्रौर 150/2 गाँव ृहाथी ताल, जबलपुर।

> ्देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-3-1983

मोहर 🤃

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनौंक 16 मार्च 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/3534--श्रतः मुझे, देवप्रिय पन्स,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 765 है, तथा जो राइट टाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फाल, निम्नसिक्त उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानी में सृविधा के लिए;

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ंच की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री श्रमिल कुमार चटर्जी,
पुत्र स्थ० रजनी कांत चटर्जी,
निवासी 765 राइट टाउन,
जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री केदारनाथ गोटिया, पुत्र बालाजी गोटिया, य विजय कुमार गोटिया पुत्र श्री कैलाशनाथ गोटिया, निवासी गाव खुरई, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनुसूची

हाउस नं० 765 राइट टाउन जबलपुर।

देवप्रिय पन्त सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 16-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० होडल/1/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उन्तत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से निधक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि बिल्डिंग के साथ है, तथा जो होडल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, होडल में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री हाकम चन्द
पूत्र गोविन्द राम,
पी० ए० श्री तिलक राज पुक्ष
उत्तम चन्द पुत्र
कन्हैया लाल,
नि० 66, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रोंकार सिंह पुत सरदार नानक सिंह, पुत्र श्री गोविन्द राम, नि० सी/181, ग्रटर कैलाश, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सारी 45 दिन की अविधिया तत्सं संघी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 2 कनाल 9 मरले (1628 वर्ग गज) बिल्डिंग के साथ होडल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, होडल में रजिस्ट्रीकरण सं० 712 दिनाँक 15-7-1982 पर दिया है।

> म्रार० कें० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-3-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहसक, दिनांक 15 मार्च 1983

निर्देश सं० हिसार/7/382-83—फ़्रातः मुझे, श्रार० के०

भयाना

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 12 मरले हैं, तथा जो डाबडा घौक, हिसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनशेर सिंह पुन्न मेजर श्राद राम, नि० जी० टी० रोड, हिंसार ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रीती ग्रोवर,
 राखी ग्रोवर,
 रोही ग्रोवर,
 पुत्रिया श्री ईंग्वर चन्द्र ग्रोवर,
 नि० बाल समन्द रोड,
 हिसार ।

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिश्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दोक्तरमं :--इस में प्रमुक्त मध्यां और दों का, जी उक्त श्रधितिया के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्य होगा, जी उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 12 मरले, डाबडा चौक, जी० टी० रोड, हिसार में स्थित है जिसका ऋधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्री सं० 1492, दिनांक 3-7-1982 पर दिया है।

श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हिंसार

तारीख: 15-3-1983

प्रकथ आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मार्च 1983

निदेश सं० हिसार/84/82-83—-प्रतः मुझे, ग्रार० के० क्याना

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है'). की भारा 269- के अभीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 -रज्यये हे अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भ्मि एक कनाल है तथा जो जी० टी०रोड, हिसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, हिसार में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान गित्कल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह गित्वात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गित्कल, निम्नलिखित उद्देदयों से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्नलिखित उद्देदयों से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेजर श्राद राम पुत गणेशी राम, निवासी जी० टी० रोड, हिसार।

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री पृथी ग्रोबर, राखी ग्रोवर, रोही ग्रोवर पृत्तियाँ श्री ईण्वर चन्द्रे ग्रोवर, नि० बाल समन्द रोड, हिसार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड मी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि एक कनाल डाबडा चौक, जी० टी० रोड, हिसार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 1555 दिनांक 8-7-82 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 15-3-83

प्रकृष बाइ , टी. एन्. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मार्च 1983

निदेश सं० पानीपत/115/82-83—-श्रतः मुझे, श्रार०के० भयाना

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 12 बिस्बे, 7 बिस्वानी है, तथा जो

शौर जिसकी सं० भूमि 12 बिस्वे, 7 बिस्वानी है, तथा जो तरफ रिजिप्ताना, पानीपत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरिक की लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्लिखित उद्योग से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीप कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार्य (1) -को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री विचोद कुमार पुत्र खुशाल चन्द निवासी सीता राम हाउस, गीता रोज, पानीपत ।

(धन्तरक)

(2) श्रीमती सत्या देवी पत्नी जयदयाल, नि० दयाल कालोनी, जी० टी० रोड, पानीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि., जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ध्रें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सच्चों और पदों का, जो उबत्य अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति भूमि 12 बिस्वे, 7 बिस्थानी तरफ इन्सार, राजपूताना पानीपत में स्थित है जिसका ग्रिधक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्री संख्या 2667 हैं विनोक 12-7-82 पर दिया है।

> भ्रार० कें० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-3-1983

मोहार :

· 1.

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज रोहतक

ैँ रोहतक, दिनांक, 15 मार्च 1983

🛼 निदेश सं० पानीपत/123/82-83—- म्रतः मुझे, श्रार० के० भयाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 12 बिस्बे 7 बिस्वानी है तथा जो तरफ राजपूताना, पानीपत में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ुजुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्स्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अपिकल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोर के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः पन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अशोक कुमार पुत खुशाल चन्द नि० सीताराम हाउस, गीता मन्दिर रोड, पानीपत ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री विनोव कुमार पुत्र जय दयाल, नि॰ दयाल कालोनी, जी॰ टी॰ रोड, पानीपत ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 12 बिस्वे 7 बिस्वानी तरफ राजपूताना पानीपत में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्री सं० 2770 दिनांक 16-7-1982 पर दिया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, रोहतक

_तारीख: 15-3-1983

मोहार 🖫

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 मार्च 1983

निदेश सं० सोनीपत/66/82-83—श्रतः मुझे, श्रार० के०भयाना,

भायकर शिविनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रवीन सध्य प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रविक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि बिल्डिंग के साथ (12500 व० ग०) है तथा जो कुण्डली (सोनीपत) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ण श्रिधिकारी के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई 1982

को पूर्वोक्त मंत्रिल के उचित वाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की , गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्म संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से ग्रिक्षिक है ग्रीर मन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर मन्तरिती (अन्तरितियों) हे बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक का से कथान नहीं निशासवा है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर उक्त भाव-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करन या असले बचने में मुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिभित्यम, या धनकर धिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के शिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्म साको रवर्स प्रा० लि०,
 28/78, पंजाबी बाग,
 नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशोर कुन्दन पुत श्री ज्ञानचन्द कुन्दरा, नि० 28/78, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वेन के मम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की सर्वाच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवित, जो भी प्रविध वादमें समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

"स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विय गया है।

अनुसची

सम्पत्ति भूमि (1200 व० गज) बिल्डिग के साथ कुण्डली में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीपत में रजिस्ट्री सं० 1346 दिनांक 7-7-82 पर दिया है।

> श्चार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 15-3-1983

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्च 1983

निवेश सं० राज् ०/सहा० श्रा॰ श्रर्जन/1643—ग्रतः मुझे. मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार गूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, पाली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 6 ग्रगस्त, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उभित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--22---26 GI/83

(1) श्री बाबू लाल पुत्र श्री सतीख चन्द जैन, पाली ।

(भ्रन्तरक)

(2) महाबीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(भ्रन्तरकः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्थी

खसरा नं० 955 की 8 बीघा भूमि मछाया रोड, पाली जो उप पंजीयक पाली द्वारा ऋम संख्या 1113 दिनांक 6-8-82 तर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायुकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8-3-1983

प्रकथ नाइ. दी. एन. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं राज०/महा०/म्रा० श्रजन/1707—श्रतः मुझे,

मोहन सिंह

आयकर गांधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 10 श्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

जतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिसित क्यिक्तयों, अधीत :---

(1) श्री बहादुर मल पुत्र
श्री आधूरमल जी श्रोसवाल,
जी० पी० ए० फआ०
श्री महेन्द्र मल जी,
देवेन्द्र मलए श्रजीत मल पुत्र
श्री सज्जन मल, मुनोत,
1बी, रोड,
सरदारपुरा,
जोधपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री णिवदेव पुत्र श्री बाबू लाल जी जांगिड द्वारा संरक्षक श्री क्षाबू लाल एवं नन्द किणोर पुत्र श्री रामरतन द्वारा श्री रामरतन निवासी सरदारपुरा, रोड नं० 5, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 50 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पयों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सची

प्लाट आफ लैंग्ड 94 वर्गगज, स्थित चुने की भटटी सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जयपुर जोधपुर द्वारा क्रम सं० 1908 दिनांक 10-8-1982 पर पंजीबद्ध विकयपत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण म्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीखा : 9-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस,-----

कोयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983 निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1633—ग्रतः सुक्षे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि हैं, तथा जो पाली में स्थित (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पाली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, तारीख क श्रमस्त, 1982

को प्वंक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे खबमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री लाल चन्द पुत्र श्री धुलीचन्द जी गोलचा, पाली ।

(श्रन्तरक)

(2) कल्पवृक्ष गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्ष्ररी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्पी

कृषि भूमि 25500 वर्ग गज स्थित सुमेर पुर रोड, पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा क्रम सं० 1112 दिनांक 6 श्रगस्त, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणीत है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-3-1983

मोहर् छ

प्ररूप काइ. टी. एन. एस. -----

यायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-प(1) के अभीत सुपता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

्धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० थ्रा० श्रर्जन/1708---ध्रतः मुझे, मोहन सिह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० प्लाट है तथा जो जोधपुर स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणात रिजस्ट्री-कर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 श्रगस्त, 1982

को पूर्वा कत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (श्वन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षन, निम्निचित उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्वित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनम्म, के जभीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे नचने में सुनिधा के निए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य शारितयाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्षीम, निम्नुबिधिक अधित्यों, स्थीह

(1) श्री बहादुर मल पुत्र
श्री धूरमल जी,
श्रीसवाल जी० पी० ए० श्राफ
श्री महेन्द्र मल, देवेन्द्र मल एवं
श्रजीत मल एवं पुत्र श्री सज्जन मल मुनोत,
तिवासी 1बी०, रोड
सरदार पुरा,
जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मिर्च मल पुत्र झूमरमल, ई-50, सरदार पुरा, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उयत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 चिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी नन्म व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गमा है।

सतसची

प्लाट भ्राफ लैण्ड 85 वर्ग गज, स्थित चूने की भट्टी के पास, सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सख्या 1911 दिनांक 10-8-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम, प्राधिकारी सहायक आयकर प्राप्नुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

शारीख: 9-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 मार्च, 1983

ग्रादेश सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1706—ग्रतः मुझे मीहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जोधपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिज़स्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-8-1982

को पूर्वीकत संप्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ग्रफें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने मैं सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुक्थित के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री बहादुरमल पुत्र श्री धूरमल भोसवाल जी० पी० ए० भाफ महेन्द्रमल देवेन्द्रमल एवं श्री ग्रलीतमल पुत्र श्री सज्जनमल मुनोत निवासी 1 बी रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री राधाकिशन राठी पुत्र श्री लालचन्द महेश्वरी, सरदारपुरा बी रोड, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपण्डिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसधी

प्लाट आफ लिण्ड मेर्जिरग 70 वर्ग गण स्थित चूने की भट्टी पास, सरदारपुरा जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर ब्रारा क्रम संख्या 1913 दिनांक 10-8-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 9-3-1983

प्रकार आहें. टी. एन. एस.------

पायकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 8 मार्च 1983

भादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1646—यतः मुझे, मोहन सिंह,

प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द के संश्रीक है और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का प्रवृद्ध प्रतिशत प्रक्षित है और अन्तरिक से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का प्रवृद्ध प्रतिशत प्रक्षित है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने अन्त प्रस्तरण निचित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; आर्/या
- (स) ऐसी किसी भाष या किसी घन या भन्य आक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिख्ति व्यक्तियों, अधीन :--

(1) श्री केशा एवं श्री भादू पुत्रान श्री घतरिंगजी, धाँची, निवासी पाली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महावीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड पाली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आहे. पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्सूची

कृषि भूमि 18.75 बीघा मंडिया रोड, पाली द्वारा कम सं॰ 1075 दिनांक 29-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन रेंज, जयपुर।

तारीख: 8 मार्च 1983

प्रकृप नाइ. टी. एन. एस.---

भागकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43)की 269व (1) के सबीन सुवना

भारत सरकार

.कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 8 मार्च, 1983

म्रादेण सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1847—यतः मुझे मोहन सिंह

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनन प्रधिनियम' कहा गया है), लीधारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु के अधिक है श्रीर जिसकी सं भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 ज्लाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निवित उद्ववेयों से उसत अन्तरण निम्बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है '--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जम्तरक के विधित्य में कभी करने या उज्जले बचने में सुविधा के जिए; भीड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिकी द्वारा अकट नहीं किया बया या या किया जाना काहिए या; खिनाने में सुविधा के बिए;

अतः अय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री देवाराम,श्री मदाराम,श्री भेरारामपुत्रान हरनाथ घांची,पाली।

(ग्रन्तरक)

(2) महाबीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के पर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हूं।

सी, उनत सम्मति हे प्रजैत है सम्बन्ध में कोई भी प्रार्क्षप:--

- (क) इस युचता के राजपत में एकायत की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामी के 39 दिन की धर्मां, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
 - (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकाँगे।

स्वब्दोक्तरम:---इसमें प्रमुक्त मन्दीं घोर पदों का, जो उक्त प्रश्विनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

भूमि क्षेत्रफल 18.75 वर्ग बीघा, मंडिया रोड, पारी खसरा नं० 933 जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम संख्या 1078 दिनांक 29-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8-3-1983

मोहर 🐠

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनोक 8 मार्च 1983

भ्रादेश सं० राज ./सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1638—मतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक ही

ध्यौर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 7 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जल्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जलने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--

(1) श्री लालचन्द पुत्र श्री **चतुरभुज**, श्रीमती ढाका बाई पत्नी श्री लालचन्द सोजत सिटी

(अन्तरक)

(2) श्री किशनचन्द पृत्र श्री लालचन्द गुप्ता, पाली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राजना के राजपण में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कुई होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित बस स्टेण्ड, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा क्रम संख्या 928 दिनांक 7 जुलाई, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में स्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है,।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 8 मार्च 1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.; -----

बायकर वृषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बुधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकद आयक्तु (निरक्षिण) धर्णन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्च 983

भादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1839—यतः मुझे मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान है तथा जो पाली में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकत श्रिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 जुलाई, 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक कम से कि मृत् नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुद किसी बायुकी बाबत, अक्ल बिधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कभी करने या उत्तस्त क्वन में सुविधा के सिए; बॉड/बा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हुं भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः नव, उक्त विधिनियम की भाषा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 23—26 GI/83 श्री लालचन्द पुत्र श्री चतुरभुज, श्रीमती दाखाबाई पत्नी.
 श्री लालचन्द सोजत सिटी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशमचन्द पुत्र श्री लालचन्द गुप्ता, 'पाली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित् के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब सें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवरा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्वतीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

अनुसूची

मकान सम्पत्ति स्थित बस स्टण्ड पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा कम सं. 922 दिनांक 922 दिनांक 8 जुलाई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीखा: 8-3-1983

प्रसप बाह .टी. एन. एस. -----

मानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्थाना

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983

म्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० म्रर्जन/1737---यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सांगानेर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सांगानेर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 3 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नह है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल ते, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें लिए; और/पा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय भा भा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् ः— (1) डा॰ डूंगर सिंह
पुत्र श्री मांगालीलजी
पोखरना निवासी
प्लाट नं॰ डी-7;
होस्पिटल रोड,
बापूनगर,
जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पूरनमल
- पुत्र श्री भेरू पटेल,
श्री बाबूलाल जी,
श्री सुनिलकुमार नाबालिग,
पुत्र श्री पूरणमल,
न्यू सांगानेर,
सोडाला,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ंउक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोत्स्तावारी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीं कर्णः — इसमें प्रयुक्तः सन्दों और पृष्टी का, को सम्ब अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 6 बीघा 19 बिस्वा स्थित ग्राम भांगरोटा, तहसील सांगानेर जिला जयपुर जो उप पंजियक सांगानेर द्वारा क्रम संख्या 427 दिनांक 3 ग्रगस्त, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तुत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 9 मार्च, 1983

मोहर् 🛭

प्ररूप बार्ड्, टी., एत., एस ,-------

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-म् (1) के मुभीन सुम्ला

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक वायुकर वायुक्त (निर्धिण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 मार्च, 1983

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1738—यतः मुझे मोहन सिंह

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 245 है तथा जो जयपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याश्य जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 8 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करूर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बुधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1) श्रीमती दक्षिणा कुम्भट
पत्नी स्व० श्री किशोरचन्द जी कुम्भट,
कुमारी ग्रलका,
कुमारी नीलू,
नावालिंग पुत्रियां श्री किशोर चन्व कुम्भट,
मास्टर मनीष,
मास्टर नवीन
नाबालिंगान पुत्र श्री किशोर चन्द
द्वारा श्रीमती दक्षिण कुम्भट
माता एवं संरक्षिका

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा श्रीमती सावित्री निवासी 205, कंवरनगर, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सुम्पित्त के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो शी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त पाव्यों और पदों का, जो उक्त स्थितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

षुकान नं० 245, हिन्द होटल, बिल्डिंग, चौड़ा रास्ता, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1502 दिनांक 8 जुलाई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारीख: 9 मार्च, 1983

मोहर 🖫

प्ररूप आह"्.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-षु (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० राषा०/सहा० झा० श्रर्जन/1739 झतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी स० दुकान नं० 245 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (भौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य जास्तियों की, जन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

शतः अव, उवंत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, में, उवत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के व्यक्तिन, निम्नुलिबिल क्युक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री प्रकाश चन्च पुत श्री लालघन्द निवासी 58, देवीपण, जवाहर लाल नेहरु मार्ग, जयपुर ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती शीला पत्नी श्री मनोज कुमार पुत्र श्री श्याम निवासी 205, राजा मल का तालाब, कंवर नगर है, जयपुर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियों कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भूर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्धु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में कियो जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 245, हिन्द होटल बिस्डिंग चौड़ा रास्ता, अग्रपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम सं० 1498 दिनांक 6-7-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में घौर विस्तृक्ष रूप से विवरणित हैं।

> भोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर् ग्रायुक्त (निरीक्षण) ं श्रर्जन रोंज, जयपुर

तारीख: 9-3-1983

मोहरः

१**७५ बाइ**ंड टी_ड एड्ड एड ,-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज, जयपुर

· जयपुर, दिनांक 8 मार्च, 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1644—ग्रात: मुझे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000 रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो पाली में स्थित है, (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण से निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की वावत, उक्त जीभीनवम के जभीन कर दोने को जन्तरक के दावित्व को कमी करने वा उससे व्यने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नीविधित स्पनित्यों, बुधीत:— (1) श्री खेमा पुत्र श्री घूताजी घाची, पाली।

(प्रन्तरक)

(2) महावीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह तृषना भारी करको पूर्वों कर तस्परित के वर्षन के निष्क कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप हिन्न 🧢

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्-बद्ध किसी अन्य स्थानत द्वारा नभाइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस् अध्याय में विया गया हैं।

मनुस्ची

कृषि भूमि 10.75 बीधा खसरानं० 930, मंडी रोड, पाली जो उपपैजीयक, पाली द्वारा कम संख्या 1061 दिनांक 28-7-1982 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8-3-1983

मोहर 🖫

प्रकप पाई• ठी• एन• एस•⊶

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याल्य, सहायक अयकड आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा०/ग्रा० ग्रर्जन/1645—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

जायकर प्रधिविषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिश्चित्यम' कहा गया है), की धारा 209-ख के प्रजीत पश्चम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार पूरुप 25,000/- इपये ने मिधक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुस्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पाली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 27 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्मति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त मम्मति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विश्वा गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के प्रधीन कर केने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- ्ष) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर शिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम, या धनकर ग्रिधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

पतः शव, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के मनु-सरक में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उप-धारा (1) के सचीन ो निम्नलिद्धित व्यक्तियों। अवित् ध— (1) श्री जेंटा पुत्र श्री देवाजी, घांची निवासी पाली।

. (भ्रन्तरक)

(2) महाबीर गृह निर्माण संहकारी समिति लिमिटेड, पाली।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इसे सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

हरव्हतोकरण:---इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठित नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिसाधित है, बढ़ी भ्रष्ट किया. जो उस भ्रष्टवाय में विया गया है।

मन्स्ची

भूमि नं 10.75 बीघा खसरा नं 930 मंडी रोड, पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा कम संख्या 1059 दिनांक 27-7-1982 पर पंजीबद्ध विकय द्वारा में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8-3-1983

मोहर 🛭

प्रकप भाई • टी • एन • एव •--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के प्रधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, तारीख 10 फरवरी 1983

भावेश सं० : राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/1632-यतः मुझे, मोहन सिंह

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन तक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- स्पर से भिधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (भौर इससे उपावद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयशान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से प्रपेत्ते दृश्यमान प्रतिफल पन्नह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर प्रन्तरित (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण निखित में बाक्क कि में किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रान्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः उनत अधिनियम की धारा 269-ग के, प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की जपधारा (1) के अधीन, निमन्तिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ह

(1) श्री गोर्धन सिंह पुत्र श्री बकतावरमल सिंह राजपूत पाली

(प्रन्तरक)

(2) कल्पवृक्ष गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्णन के लिए कार्मवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्यों भौर पैंदों का, जो उक्त प्रिः नियम के प्रध्याय 20-क में परिमाणित है, बही भयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 8 बीचा सुमेरपुर रोड़ पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा ऋम संस्था 1067 विनांक 28 जुलाई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, जयपुर

-तारीख: 10-2-1983

मोहर 🗓

प्ररूप् आई. टी. एन. एस.----

आयक्द्र अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज जयपुर

जयपुर, तारीख 10 फरवरी 1983

भादेश सं०: राज॰/सहा०/ श्रा० श्रर्जन/ 1628—यत्तः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िजसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ग्राम मंडी, पाली है तथा जो ग्राम मंडी, पाली में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पाली में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 29 जुलाई 1982

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिकल से, एसे दूरयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अभीरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किंविकत में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; आहे./या
- (ब) एसी किसी आय का किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्थिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) श्री लाभचन्व पुत्र श्री मोतीलाल गोलेचा, पाली (ग्रन्तरक)
- (2) गजानन्द गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा यस है।

अगतकी

कृषि भूमि 15 बीचा खसरा नं० 493 ग्रम मंडी, बाकरी रोड़, पाली जो उप में पंजियक , पाली द्वारा कम सं० 1077 विनांक 29 जुलाई, 1982 पर पंजिबव्ध विक्रय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मीहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 10-2-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ---- ---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुषता

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजीन रेज,केन्द्रीय राजस्व भवन, स्टेच्यू सर्किल जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 फरवरी 1983

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा० अर्जन/1618—-यतः मुझे, मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ण्लाट है तथा जो ग्राम हांडेचा, सांघोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, सांचोर में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908, का 16) के ग्राधीन तारीख 16 ग्रामस्त, 1982

की पूर्वीक्त संपरित के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- 24---26GI/83

- (1) श्री केहरा राम पुल श्री भावाराम , कालबे, श्री हेमराण पुल श्री केहरा राम कालबी, ग्राम हांडेचा तह० सांचीर (ग्रान्तरक)
- (2) श्री रतन चन्द श्री मानक चन्द श्रोसवाल श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री रतन चन्द श्रोसवाल ग्राम हांडेचा, तह० सांचोर

(श्रन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पृशेंक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थाविसयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

प्रनुस्ची

ण्लाट क्षेत्रफल 9155 वर्गफुट जो कालीया का मोहल्ला होडेबा में तह सांचोर में स्थित है भौर उप पंजियक, सांचोर द्वारा क्रम सं० 440 दिनांक 16 ग्रगस्त, 1982 पर पंजीबक्स विक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं॰।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रैंज, जयपुर

सारीख: 10-2-1983

मोधुर 🖫

प्रकृत वार्षः हो, एव , एव , व्यवस्थानस्य

भायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत बरकापु

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा० प्रर्जन/1732--- प्रतः म्झे, मोहन सिंह

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (ध्विसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत् विभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के वभीन सक्षम प्राप्तिकारों को वह दिवसास करने का कराण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूप रू से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 13 सितम्बर, 1982

को प्योंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अभ्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक कम से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किथी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिश्चत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री विशन शेखावत परेनी श्री विजय सिंह राजपूत, लाल निवास सवाई राम सिंह रोड, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनय कुमार गोधा, पुत्र श्री एस० के० गोधा, 45, देवी पथ, तक्सखाही रोड, जयपुर ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 18, लाल निवास, टौंक रोड, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम सं० 13-9-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज, जयपूर

वारीख: 8-3-1983

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यांस्य, सहायक भायकर नायुक्त (निर्देश्ण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवेश सं० राज०/सहा० म्रा० भ्रर्जन/1631—म्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुक्त से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भुमि है तथा जो ग्राम मंडी जिला पाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा की लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की नारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनरूप पुत्र श्री किशन जी ग्राम मंडी खुर्द, जिला पाली।

(भ्रन्तरक)

(2) गजानन्द गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप 🤃

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्ति रणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वोका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थहरेगा जो उस अध्याय में दिया गमा ही।

अनुसूची

9 बीघा 2 बिस्ता कृषि भूमि, खसरा नं० 739, बाकड़ी रोड, ग्राम मंजी खुर्द जिला पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा कम सं० 1070 दिनाक 28-7-1983 पर पंजीबद्ध विकथ पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 10-2-1983

मोह 😮 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 फरवरी 1983

निवेश सं० राज०/सहा० ग्रा० /ग्रर्जेन/1630—ग्रातः मुक्षे, मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० छृषि भूमि है जो पाली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पाली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 29 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के इरम्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बच्चने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए;

अतः अभि उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री लाभचन्य पुत्र , श्री मोती लाल गोलेंचा, पाली

(भ्रन्तरक)

(2) गजानन्व गृह् निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि 4 विषा खसरा नं० 491 बाकडी रोड, ग्राम मंडी जिला पाली जो उप पंजीयक पाली द्वारा कम संख्या 1078 विनांक 29-7-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 10-2-1983

मोहर 🔢

व्यक्ष माई० टी० एन० एस०---

भावकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रजेन/1733--भ्रतः मुझे, मोहन सिंह भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् अकत अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भ्रधीन सम्म नाधिकारों को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्वावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- क्पयें से भ्राधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 30 सितम्बर 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरिक (भन्तरिकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित क्षेत्रय से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय को बाबत, उक्त श्रिक्षि-नियम के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुबिधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय था किसी घन या सन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय स्राय-कर अधिनियम 1922: (1922 का 11) या उक्त स्रधिनियम, या अन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती विशन शेखावत पत्नी श्री विजय सिंह राजपूत, लाल निवास, सवाई रामसिंह रोड, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विनय कुमार जी गोधा पुत्न श्री एस० के० गोधा, 45, देवी पथ, तख्तेशाही रोड, जयपुर ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवा**हियां कर**ता हूं।

ंउन्त सम्पत्ति के ग्रार्गन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:→

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से श्रीकसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इतः प्रचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर किसी अस्य क्यक्ति द्वारा असोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किये जा सर्केंगे।

स्थादिकर्थाः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदी का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो छन ग्रध्याय में दिया गया है।

🧻 अनुसूची

प्लाट नं 16; लाल निवास, टौंक रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा किम संख्या 2420 दिनांक 30-9-82 पर पंजीबद विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहिष्यक भागकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 9 मार्च 1983

मोहर् 🖟

प्रकप आहा. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1734-ग्रतः

मुझे, मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें रू इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रु. से अधिक ह^{*}

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख 30 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती विश्वन श्रोह्युत्तत पत्नी श्री विजय सिंह राजपूत लाल निवास, सवाई राम सिंह रोड, जयपुर ।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रभय कुमार जी पुत्न श्री एस० के० गोधा, 45, देवी पथ, तक्सेगाह रोड, जयपर

(म्रन्सिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपर्शित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

सतस स

प्लाट नं० 16, लाल निवास टौंक रोड, जयपुर जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2419 दिनांक 30-9-82 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 9-3-1983

मोहर:

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कांयांलियः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 9 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1734—ग्रतः सुझे, मोहन सिंह

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 16 है तथा जो जयपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 12 सितम्बर, 1982

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास हरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार हुत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ।स्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विया के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निग्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती विधान घोखावत पत्नी श्री विषय सिंह राजपूत, निवासी लाल निवास, सवाईराम सिंह रोड, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रभय कुमार जी गोधा पुन्न श्री एस० के० गोधा, निवासी प्लाट नं० 45, तक्क्तेशाही रोड, देवी पथ जयपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कि अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^द, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 16, लाल निवास, टौंक रोड, जयपुर जो पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2387 दिनांक 12-9-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 9-3-1983

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.:----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० 'राजा०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1700--- ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्रभात टाकीज है तथा जो झुझनू में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, झुंझनू में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 10) के श्रधीन, तारीख 29 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार बृत्व से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी जाम की बानता, उक्त जिथानियम के जभीत कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्मृलिचित व्यक्तियों, अर्थात ६--- (1) डा० गौर हरी सिधानिया,
राजेन्द्र कुमार,
गोपाल कुष्ण, देवी प्रसाध,
वीरेन्ट कुमार,
महावीर प्रसाद ट्रस्टी मोतीलाल तलसियान
चेरिटेबिल ट्रस्ट,
बैंक श्राफ इंडिया
बिल्डिंग तीसरी मंजिल,
मेनन स्ट्रीट,
बम्बई-400002 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रजमत प्रली नाबालिंग पुत श्री कासम श्रली द्वारा कासम श्रली, बदरामपुरा रोड, काबेरी मार्कंट नं० 3, श्रह्मवाबाद ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हियां करता ह**ै।

उपत तंपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजवण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध. या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-वय्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

"प्रभात टाकीज, झूंझनूं से जुड़ी हुई भूमि जो उप पंजीयक, झुझनू द्वारा कम संख्या 376 दिनांक 29-7-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 5-3-1983

मोहर :

प्ररूप काई. टी. एन. एस.----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

श्रावेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1701—यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिस्का उचित वाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्रभात टाकीज है तथा जो झुंझनू में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, झुंझनू में, रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल सो, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिचित उद्देष्य से उच्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखत व्यक्तियों, अधीत :— 25—26GI/83

1. डा० गौर हिर संधानिया, राजेन्द्र कुमार, गोपाल कृष्ण, देवी प्रसाद, बिरेन्द्र कुमार, महाबीर प्रसाद , द्रस्टी मोसीलाल तुलसीयान चैरिटेबल द्रस्ट, बैंक ग्राफ इंडिया बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, शेख मेनन स्ट्रीट, बम्बई-400002।

(अन्तरक)

2. श्री हाकिम श्रली कुरेसी, बदरामपुरी रोड़, काबेरी मार्केट, नं० 3, श्रहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रांक्त सम्परित के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए वा सकोंगे।

स्वाधीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, वा उनक् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रभात टाकीज, झुंझनू' के नाम से जानी जाने वाली सम्पत्ति से जुड़ी हुई भूमि, जो उप पंजीयक, झुंझनू ब्रारा कम संख्या 374 दिनांक 22-7-1982 पर पंजीश्रद्ध विक्रय पक्ष में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज जयपुर

तारीखः 5 मार्चे 1983

मोहर 🕄

प्ररूप आइ. टी. एन. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

भादेश सं० राजा०/सहा० भा० भर्जन/1899 → यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- २० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रभात टाकीज है तथा जो झुंझनू में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, झुंझनू में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-7-1982

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास की पूर्विकत सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीयक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उसरी बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी घर या अन्य अंतिनयों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारों (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :— डा० गौर हरी सिंघानिया, राजेन्द्र कुमार,
गोपाल कृष्ण, देवी प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार एवं
महावीर प्रसाद ट्रस्टी मोतीलाल सुलसियान
चैरिटेबिल ट्रस्ट बैंक झाफ इण्डिया बिल्डिंग,
तीसरी मंजिल, गेख मेनन स्ट्रीट,
बम्बई-400002।

(अन्तरक)

2. श्री कासम प्रली, प्रब्दुल गनी, जुबेदा, हासम प्रली, बदरामपुर रोड़, काबेरी मार्केट,न० 3, प्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में काहे भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृणना की तामील में 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इंगरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त जिथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वंगसूची

"प्रभात टाकीज" झुंझनू नामक संपत्ति जो उप पंजियक, झुंझनू द्वारा कम संख्या 375 दिनांक 22~7-82 पर पंजी-बद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 5 मार्च 1983

मोहर :

प्रकृत बाह्र . सी . एत् . एस . ------

नामकर् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-व (1) के बधीन स्वना

शास्त करकार

कार्यासय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

मावेश सं० राज०/सहा० मा० **भ**र्जन/1702---यतः मुझे, मोहन सिंह,

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 / रा. से मिथक है^{*}

ग्रीर जिसकी सं० प्रभात टाकीज है तथा जो झुंझनू में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, झुंझनू में, रजिस्ट्री-करण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन; तारीख 22 जुलाई 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गृह है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के मीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल , निक्नसिवित उववोध्य से उस्त अन्तरण सिवित में बास्यविक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ[≭] किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर विभिन्निम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषपार्व बन्दरिती क्वारा प्रकट नहीं किया नवा भाषा किया वाना चाहिए भा, कियाने में स्विभाके लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. डा० गौर हरि सिंघानिया, राजेन्द्र कुमार, गोपाल कृष्ण, देवी प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, महावीर प्रसाद, ट्रस्टी मोतीलाल तलसियान चैरिटेबल ट्रस्ट, बैंक भाफ इंडिया बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, शेख मेनन स्ट्रीट, बम्बई-400002।

(भन्तरक)

2. श्री जुल्फिकार मली नाबालिंग पुत्र श्री कासम मली ब्रारा श्री कासम ग्रली, बदरामपुरा रोड़, काबरी मार्केट नं० 3, श्रहमवाबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुषनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हुने, के भीतर पूर्वी बन् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवास;
- (क्ष) इस स्थाना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, वधोहस्ताक्षरी 🗯 पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया g^a i

अनुसूची

"प्रभात टाकोज" झुंझनू से जुड़ी हुई भूमि, मय स्टोर, बरामदा म्रावि की तामीरात के जो उप पंजीयक, सुंझन् द्वारा ऋम संख्या 373 दिनांक 22-7-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 5 मार्च 1983 मोहर 🗄

मुक्य बार्व . टी . एव . एस . -------

भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

म्रादेश सं० राज०/सहा० भा० म्रर्जन/ 1703—यतः मुप्ते, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्रभात टाकीज है भौर जो भुंझनू में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, झुंझनू में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख 21 जुलाई 1982

को पूर्वो कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारणहें कि यथापूर्वो कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरम् संसुद्ध किसी बाव की वावसः, उपत् श्रीवित्यसं के अधीत कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कसी करने मा दससे वचने में सुविधा के जिए; बॉर/था
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिद्धी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने से स्विशा के निए

भृतः ज्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म् की उपभारा (1) के भृधीन्, निम्निलिम्द व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री गौर हरी सिंघानिया, राजेन्द्र कुमार, गोपाल कृष्ण, देवी प्रसाद, वीरेन्द्र कुमार, महावीर प्रसाद ट्रस्टी मोतीलाल तुलसियान चैरिटेबल ट्रस्ट, बैंक श्राफ इंडिया बिल्डिंग, तीसरी मंजिल, शेख मेनन स्ट्रीट, बम्बई-400002।

(भ्रन्तरक)

 श्री सिकन्दर श्रली नावालिंग पुत्र श्री कासम श्रली द्वारा श्री कासम श्रली, बदरामपुरा रोड़, काबरी मार्केट नं 3, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत् सम्पृतिस् के अर्थन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळतीकरणः - इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, ओ सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्रभात टाकीज झुंझंनू" से जुड़ी हुई भूमि मय, एक कमरा श्रोल्ड इंजिन रूम, वाटरटैंक, बरामदा श्रादि की तामीरात के जो उप पंजीयक, झुंझनू द्वारा कम संख्या 372 दिनांक 21-7-1982 को पंजीबद्ध विकय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 5-3-1983

मोहर 🖫

प्रकृष बा<u>ष् े.</u>टी ृपन् <u>.एस</u> ्र-०-------

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

ध्नर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

भादेश सं० राज**्/स**हा० भा० **भ**र्जन/1652—यतः

मुझे, मोहन सिंह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीं -करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31 श्रगस्त 1982

'को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंति(तियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से किथत नहीं किया गया हैं :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त मृत्यिकम् में अधीन कर दोने के बन्तरक के वार्तिरण में कशीं करने वा उससे वृक्ते में सृत्यिभा के सिए: बॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में ब्रिया के शिष्ट;

श्री पोलाराम पुत्र श्री जसराम सुथार,
 12 बी रोड़, सरवारपुरी,
 जोधपुर।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रा कालान पत्नी श्री सत्यनारायण पुरो-हित, 629ए, 12 बी रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सक्षेत्रे।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में प्रिभावित हैं, वहीं क्षं होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

बन्स्ची

मकान प्लाट नं० 629 ए०, स्थित 12 बी रोड़, सरदार-पुरा जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या दिनांक 31-8-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

श्रतः जस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा—

तारीखाः 4-3-1983

मोहर 🛭

अरूप भाईं. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्नर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनोक 4 मार्च 1983

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० भर्जन/1834—यतः

मुझे, मोहन सिंह,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय पाली में रिजस्ट्री-करण ग्रिक्षिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28-7-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ६६यमान प्रतिफल से ऐसे ६६यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्टित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसिक व्यक्तियों, अर्थात् ल— श्री गोरधन सिंह युत्र श्री बखतावर सिंह राजपूत, पाली।

(भन्तरक)

 कल्पवृक्ष गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना आरों करको पूर्वोक्ता सम्मक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाद्वियों करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ हुएंगा. जो उस अध्याय में प्रदया गया है।

मनसर्ची

7 बीषा 10 बिस्ता कृषि भूमि, सुमेर पुर रोड, पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा ऋम संख्या 1063 दिनांक 28-7-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-3-1983

मोहर 🕄

प्रस्य बाही ्टी ् एन् ् एस् ्------

सायकरु अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

मादेश सं० राज०/सहा० मा० मर्जन/1835--यतः

मुझे, मोहन सिंह

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 84 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15 सितम्बर 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपर्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके श्रूयमान प्रतिफल से, एसे श्रूयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ्र(क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर्दुदेने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—-

 श्री पुखराज कालानी पुत्र श्री शंकरलालजी कालानी, चोपासनी, जोधपूर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती कान्ता पत्नी श्री सुमेरमल ग्राम कसानी सह० जालौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति कें अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (स) इस स्वनु के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिने की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को रारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकी।

स्पत्तीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

प्लाट नं० 84, पर स्थित मकान, पोलो फर्स्ट, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2288 दिनांक 15 सितम्बर, 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, क्रुजयपुर

तारीख: 4-3-1983

मोहर 🕄

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1636—यतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 84 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-9-1982

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान अतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् र—

 श्री पुखाराज कालानी पुत्र श्री शंकर लाल कालानी, चोपासनी रोड़, जोधपुर।

(प्रन्तरक)

 श्री सुमेरमल पुष्ट श्री भेराजी सोलंकी, निवासी ग्राम केसाना तह०, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, , जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान संपत्ति प्लाट नं० 84, पोलो फर्स्ट, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2287 दिनांक 15 सितम्बर, 82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख** 4-3-1983 मोहर 🖫 प्ररूप बाहैं, टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

श्रावेश सं० राज॰/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1637---ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है, तथा जो पाली में स्थित है (श्रौर इससे उपावझ अनुभूची में श्रौर पूण रूप से विणक्ष है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पाली में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथु पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अविनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना माहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 6—26GI/83

(1) श्री लाभचन्द पुत श्री मोतीलाल गोलेचा, पाली ।

(भ्रन्तरक)

(2) महाबीर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरांगणी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त रथातर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्रान्ताकरी के पास निष्ति में किए जा सकेने।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

6 बीघा भूमि, खसरा नं० 961, बंडिया रोड, पाली जो उप पंजीयक पाली द्वारा कम सं० 1068 दिनांग 28 7-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ऋत्युक्त (निरीक्षण) ार्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-3-1983

मोहरः

त्ररूप् बाइ. टी. एन्. एस.-----

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यां लय , सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिण) अर्जन रेज, अयपुर

जयपुर, विनोक 4 मार्च 1983

षादेश सं० राज०/सहा श्रा० श्रजैन/1640—श्रतः मुझे, मोहन सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रक्तात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का शाउण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय पाली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13 जलाई 1982

को पूर्धिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सकते दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती '(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कुन्न

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम बा धनकर अधिनियम बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उत्तरं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तरं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात ह— (1) श्री मूलचन्द्र एवं मिकाराम एवं श्री हीरा लाल पुतान श्री नारायण जी घांघ, पाली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भंवर लाल पुत्र श्री राजा रामजी माली; पाली ।

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत् सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी कार्कप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी क्षेत्र पे किस् का सकेंगे।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दी और पर्वो का, जो 'उसत अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं मुर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

भनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा 15 बिस्या स्थित श्रीद्योगिक क्षेत्र, रामदेव रोड के पास, पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा क्रम सं० 953 दिनांक 13 जुलाई, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

वारीखा : 4-3-1983

मोहुर 🖫

प्ररूपः बार्दः टी. एनः एसः -----

म्रायक्तर म्रिजियम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

ग्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1649—ग्रातः न् मुझे, मोहन सिंह

क्षायक र शिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहचात् 'उक्त प्रवितियम' कहा गया है), की घारा 269-मा के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द॰ से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पाली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6 ग्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घोर मृक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाह्तविक क्य से किबत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत जक्त धाधि-नियम के घाधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धवः धवः उनतं प्रधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, इनतं प्रधिनियमं की धारा 269-थं की उपभारा (1) के अधीन गिम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धात् !-- (1) श्री विजय राज पुस श्री पन्ना लालजी जैंन, पाली ।

(भन्तरक)

(2) गंजानन्द गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकृत सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोत्कताकारी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पव्धीकरण-इसमें प्रपुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त अर्धिनियम के ब्राच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उम ग्राच्याय में विया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बीघा स्थित बाकरी रोड, पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा कम सं० 1111 दिनांक 8 ग्रगस्त, 1982 पर पंजीबद्ध विकथ पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-3-1983

मोह्र 🛭

प्रकृत बाह . टी. एन्. एस ह्याननावनावन

ग्रायकर प्रवितिष्य, 1961 (1961 का 43) की धारा 269न्व (1) के सबीत सुचता

शारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशका) अर्थन सेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1850—ग्रतः मुझे, मुझ, मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रौर जिराकी सं० छिष भिम है तथा जो पाली में स्थित है (ग्रौर इससे उपान अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, पाली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28 जुलाई, 1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यंशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिशत का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ध—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्रीयत्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; दौर/सा
- (स) एती किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निहा:

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसूरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाख (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् E--

(1) गोद्यन सिंह पुत्र मुख्तावर सिंह राजपूत, पाली

(अन्तरक)

(2) कल्पवक्ष गृंह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्दिनस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भिम 8 बीघा स्थित सुमेरपुर रोड पाली जो उप पंजीयक, पाली द्वारा कम सं० 1065 दिनांक 28 जुलाई 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरक्षिण) अजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० राज /सहा० ग्रा० ग्रजन/1651—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ं प्लाट नं 19 है तथा जो जोशपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, जोशपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 24 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि सित्ति में बास्तिवृक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी लाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाख-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

् (1)श्रीमती मुन्नी ग्रग्रवाल पत्नी स्व० श्री बी० एस० ग्रग्रवाल, 2. कुमारी मुनोज । 3. संजय ग्रग्रवाल सा० ग्रजमेर हाल जोधपुर, पावटा ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. प्रसन्न मल
2 रंगरूप मल पिसरान फौथमल पोयलिया,
दफतरियां का मोहल्ला,
जोधपुर ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरः करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लाट नं० 19, जालिम वित्रास, जोधपुर (पावटा बी० रोड) जी उप पंजोयक, जोधपुर द्वारा कम सं० 7710 दिनांक 24-7-1983 पर पजीवद्ध विकय पत्न में ख्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड्: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो अलवर में कि स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्राधिकारी के कार्यालय, अलवर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रशोक कुमार पुत श्री लाल चन्द ग्राम देसूला, जिला ग्रलवर

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स देहली श्राटी एण्ड जनरल फाइनस प्राइवेट लिमिटड, 3/15-ए, ग्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली हारा श्री रमेण सूरी, ज्यांदंट मैनेजिंग डायरेक्टर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्दारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^त, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह^त।

अनुसुधी

कृषि भूमि 1 बीघा स्थित ग्राम सूला जो उप पंजियक, ग्रलवर द्वारा कमांक 1651 पर जुलाई, 1982 में पंजीबद्ध विक्रय पत्र में भ्रीर विस्तृत रूप स विवरणित है ।

र्श्वमोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद.

तारीख : 4-3-1983

मोहर 🛭

प्रकप काइ .टी . एन . एस . --------

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० राज० /सहा० श्रा० श्रजन/1670—श्रत मुझे, मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के समीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रलवर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलयर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 श्रगस्त, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गृद्ध है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (मंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ब्रीर्/मा
- (क) एसी किसी लाग या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्ही लारतीय लाय-कर लिभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री रामवतार पुत्न श्री लच्छी राम ग्रटानी हो डर श्राफ श्रीमती जनक दुलारी द्वारा मैसस मगल चन्द लच्छू राम, रेवाड़ी ।

(भ्रन्तरम)

(2) श्रीमती हरमेन्द्र कौर परनी श्री देवेन्द्र सिंह, बी-7, एक्सटेंग्गन-81, सफदर जंग . एनक्तेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को गृह सूच्या बारी कारके पृथिक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यशिष्ट्या करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए वा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

कृषि भूमि 12 बीघा 18 बिस्वा स्थित ग्राम माधोगढ़ जो उप पंजाबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज जयपुर

तारीख : 4-3-1983

मोहरु 🖫

प्रकृप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1671- ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण् हैं कि स्थावर संपृत्ति जिसका उचित बाजार मृत्यु 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो अलवर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलवर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 अगस्त, 1982

को प्रांक्ति स्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनः कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के लिए;

(1) रामवतार पुल श्री लच्छी राम मुख्ततार श्राम श्रीमती जनक दुलारी द्वारा मतमं मगल चन्द लच्छूराम, रेवाड़ी ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री जसवन्त सिंह पुत श्री तीरथ सिंह, बी-7, स्कीम नं० 2, अलवर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिस्ति में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा 2 विश्वा स्थित ग्राम मांधोगढ़ जो उप पंजीयक, ग्रलवर द्वारा कम सं० 1818 दिनांक 2 ग्रगस्त, 1982 पर पंजीवद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

• अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह

तारीख: 4-3-1983

मोहर 🖫

प्रस्प आर्षः दी. एनः <u>ए</u>स_{्य}-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
• श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 3 मार्च, 1983

म्रादेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1672---श्रतः मुझे, मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्धात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रलवर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रलवर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 श्रगस्त, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोद्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्ष) बररारण से हुएँ फिकी आय की बादर, उक्त अधिनियम के अभीन कर दीर्थ के अन्तरक के बादिस्य में कमी अस्तिया जन्म में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एरेश किशा अय या किसी धन या अन्य अस्तियों का जिन्हें भारतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया अध्य था किया जावा चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः—
27—26 GI/83

(1) श्री रामावतार पुत्र लच्छी राम ग्रटानी होल्डर्स ग्राफ श्रीमती जनक दुलारी द्वारा मैसर्स मंगल दास लच्छूराम, रेवाड़ी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह, बी-7, एक्सटेंशन 81, सफदरजंग एन्क्लेय, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् अविकाशों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिक्षणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुसूची

13 बीघा 10 बिस्या कृषि भूमि स्थित माधोगढ़ जो उप पंजियक, अलबर द्वारा अम संख्या 181 दिनांक 2 अगस्त, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर ।

तारीखा: 3 मार्च, 1983

मोहर :

प्ररूप० भाई• दी• एत• एस•-----

भावकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) भी ग्रारा 269-च (1) के ग्रीविन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (दिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 मार्च 1983

श्रादेश सं राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1673--यतः मुझे, मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 1/2 है तथा जो ब्यावर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 29 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित ताजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का एशिल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से प्रविक है भौर अन्तरिक (अन्तरकों) शौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हेंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिबित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कवित नहीं किया एया है :

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अज उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री मान्तिमल लोढा पुत्र फतेहमलजी लोढा निवासी श्रजमेर स्वयं एवं कर्ता एच० ए० एफ० मान्तीमल लोढा, श्रजमेर, बारा मैसर्स सतीश मोटर्स प्राईवेट लिमिटेड, झांलानी रोड, ग्रौरंगाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रमरबाई चेरिटेबल ट्रस्ट, बंगलौर, चुकी देवी चेरिटेबल ट्रस्ट, बंगलौर, मिश्रीलाल बाफना चेरिटेबिल ट्रस्ट, बेंगलौर (ग्रन्तरिती)

को वह बुचवा चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्यत सम्मति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्काप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर स्वना को तामीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्युक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में सिया गुवा है।

अमुसूची

लोढ़ी की जायदाद, श्रजमेरी गेंट, न्यावर जिसके नं 1/2 है श्रोर जो उप पंजियक, ध्यावर द्वारा कम संख्या 1207 दिनांक 29-7-82 पर पंजिबंब विकय पन्न में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुप्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर।

तारीख: ७ मार्च, 1983

मोहरः

शक्य आई॰ टी॰ व्य• एस॰--- -

नायफर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीत स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

श्रादेश सं० राजा०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1674-यतः मुझे मोहन सिंह

शायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भाग 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है ____

भीर जिसकी सं 1/2 है तथा जो ज्यावर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 29 जुलाई, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्त निम्नतिचित च्यूचेस्य से उन्त अन्तरण निम्नतिचित में वास्तिक क्यू से किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीध-नियम के अधीन कर द'ने के जन्तरक के बांगरण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

बतः अव, उक्त विधिनियमं को भारा 269-न को, वनुसरण वो, वो, अक्त विधिनियमं की भारा 289-व की उपधारा (1) को विधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्षात क्रिक्त (1) श्री प्रकाशमल लोढा
पुत्र श्री सेठ फतेहमलजी लोढा
स्वयं एवं कर्ता एच० यू० एफ०
प्रकाशमल लोढा,
52ए, युनियन कोयल स्ट्रीट,
सेवापथ, सेलम, तमिलनाडु

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री उत्तमचन्द पुत्न मिश्रीलाल बाफना, मुन्ना लाल एवं ग्रशोक कुमार पुत्नान उत्तमचन्द बाफना, निवासी भैरों कला, सहसील रायपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में फिए जा संकर्ण।

स्याबिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

लोढो की जायदाद, म्रजमेरी गेट व्यावर का भाग जो उप पंजियक, क्यावर द्वारा ऋम संख्या 1208 दिनांक 29-7-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-3-1983

मोहर:

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

ब्रासकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 26% व (1) के भ्रमीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (नि क्रिण) झर्जन रेंड, जयपुर जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

भादेश सं० राज०/सहा० आ० श्रर्जन/1875---यतः मुझे मोहन सिंह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 1/2 है, तथा जो अयावर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ब्यावर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-7-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के रहयमीन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिश्व उद्वेष्ट्य से उवत अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त क्षित्यत के अधीत कर देने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने वा उसके बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) किया प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाता चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अन, उक्त अभिजियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को बुधीन, निस्तिबित स्वीयत्तयों, वर्णात् :--- (1) श्री रंजीतमल लोढा पुत्र श्री फतेहमलजी लोढा निवासी नया बाजार ग्रजमेर स्वयं एवं मैनेजर तथा कर्ता ग्राफ एच० यू० एफ०

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सेठ मांगीलाल बापताफना
पुत्र श्री मिश्रीलालजी,
एम० गौतमचन्द, एम० गनपतराज,
पुत्रान के० मांगीलाल जी बाफना
निवासी 58, नजरथ पथ,
बंगलीर

(भ्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के क्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपन्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों धीर पदों का, जो उक्त प्रक्षितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्व होगा, जो उस प्रध्याय में विसा गया है।

अनुसूची

लोढी की जायदाद, ग्रजमेरी गेट, ब्यावर जिसके नं० 1/2 है ग्रीर जो उप पंजियक क्यावर द्वारा क्रम संख्या 1218 दिनांक 29-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 7 मार्च 1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1676—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० दुकान नं० 2 है तथा जो भ्रालवर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची) भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भ्रालवर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 1 भ्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके रूथमान प्रतिफल से, एसे रूथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत ने अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गुपा प्रतिफल निकालिश्वित उद्देश में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री ग्रमरनाथ मल्होता पुत्र श्री गुलजारीलाल, बीकानेर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टेकचन्द पुत श्री धन्नाराम, स्कीम नं० 2, ग्रनवर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिश्यम के अधास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उसअध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान मं० 2 में एक कमरा, स्कीम नं० 2, ग्रलवर जो उप पंजियक, ग्रलवर द्वारा कम संख्या 1812 दिनांक 1 श्रगस्त, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, जयपुर।

तारी**ख:** 4 मार्च 1983

मोहर ः

प्रकथ नार्षः टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तें (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

भ्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० ग्रर्जन/1677—यतः मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो ग्रसवर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रसवर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 1 ग्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमन्तिविक अधिनतयों, अर्थात् :---

(1) श्री ग्रमरनाथ मल्होना पुत्र श्री गुलजारीसाल, बीकानेर

(ग्रन्तरक)

(2) महाराजा सिंह पुत्र श्री कश्मीरीलाल राजपूर ग्रनवर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संप्रित के अर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तर संपत्ति के अर्थम् के संबंध में कोई भी बाओप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी जबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वाम के श्वपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के वास निवित के किए जा सकी ।

स्थळकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका यस ह⁸।

अनुसूची

एक दुकान स्कीम नं० 2, भ्रलवर जो उप पंजियक, म्रलवर घारा ऋम संख्या 1813 दिनांक 1-8-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 4 मार्च, 1983

मोह्द 🕹

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजेन रेंज, जयपुर

अयपुर, दिनांक 3 मार्च 1983

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा॰ म्रर्जन/1678— यतः मुझे मोहन सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रलवर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रलवर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पिति के उषिष्ट बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रितिफल का गंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबसः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती प्रभावती पत्नी श्री चेता एवं श्रन्य, सेडपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री श्रमरनाथ निवासी 912 ए, टैगोरनगर, लुधियाना

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कें अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों भी से रिजिटी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 बिस्वा ग्राम सेडपुर तहसील टपूकड़ा, जिला ग्रलवर जो उप पंजियक, टपूकड़ा द्वारा कम संख्या 499 दिनांक 2-9-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 3 मार्च 1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

श्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1679—यतः मुझे, मोहन सिंह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण हैं कि स्थाक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० भृमि है तथा जो कोटा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्रीकरण श्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 28 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमाम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (का) अन्तरण से हुई बिकसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) एमि किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) डा० एन० सी० श्रनालिया, विज्ञान नगर, कोटा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राधेश्याम स्वामी
पुत्र श्री नन्दरामजी,
श्रीमती सावित्री
पत्नी श्री राधेश्याम जी
व कमला बाई
पत्नी श्री लक्ष्मण जी
निवासियान शार्षिग सेन्टर,
कोटा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थापर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा हैं।

अनुसूची

मकान प्लाट नं० 702, दादाबाड़ी कोटा जो उप-पंजियक कोटा ब्रारा कम संख्या 964 दिनांक 28 जुलाई, 1982 पर , पंजिबद्ध विक्रय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4 मार्च 1983

मोहर 🖫

प्ररूप गाई.टी.एन.एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घृ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यात्य, स्हायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो तहसील श्रलवर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रलवर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन-तारीख 2 श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कन के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरितौ की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जानित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

े अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलि<u>खित व्यक्तियों, अर्थात् ः——</u> 28—26 GI/83 (1) श्री रामावतार पुत्र श्री लच्छी राम ग्रटार्नी होस्डर्स ग्राफ श्रीमती जनक दुलारी द्वारा मैसर्स मंगल चन्द लच्छी राम, रेवाड़ी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र सिंह पुत्र कृपाल सिंह, बी-7, एक्सटेंगन-81, सफदरजंग एन्क्लेब, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्युष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि 8 बीघा स्थित ग्राम माधोग जो उप पंजीयक, ग्रलवर द्वारा कम संख्या 1817 विनांक 2-8-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-3-1983

मोहर ः

प्रकप धाई • टी • एन • एस • -- --

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० म्रा० म्रजैन/1681—मतः मुझे, मोहन सिंह

जायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो तहसील टपूकड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, टपूकड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 1 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए अम्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाश्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (भ) प्रस्तरण से तुई किसी आय को बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भण्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त भिधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्चतः ग्रब, उक्त मिविनियम की घारा 269-न के मनुसरण में, ने, उस्त अखिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के सभीन, निज्निसियत स्युक्तियों, सर्थात् ह— (1) श्री महेन्त्र कुमार पुत्र श्री प्यारे लाल एवं श्री मोहर पाल पुत्र श्री रोशन गूजर, सेडपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुत श्री श्रमर नाथ जिंदल, मकाम नं० 585/2, श्रगर नगर, सुधियाना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध सा सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह स्थिकतयों में से किसी स्थित द्वारा;
- (च) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हूँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 बीघा 5 बिस्वा स्थित ग्राम सेढपुर जो उप पंजियक, टपूकड़ा द्वारा कम संख्या 494 दिनांक 1-9-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 4-3-1983

मोहर 🖫

प्रकृष नाइ े हों प्रन्त एतं

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म (1) के अभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/मा० सहा० मर्जन/1682—मतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्रलवर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रलवर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5 जुलाई, 1982

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मून्छे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भूत या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् क्रिक्न

(1) श्रीमती गणि मिसल पत्नी श्री विनेश मिसल, भूतपूर्व भागीदार, मैसर्स राजस्थान रासायनिक उद्योग, मलवर।

(अन्तरक)

(2) श्री रमाकास्त पुत्रं श्री मुरली धन, श्रीमती विमला पत्नी श्री रमाकान्त द्वारा विहारी लाल मुरलीधर, केदारगंज, ग्रलवर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त स्म्यृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाष्ट्रियां कारता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीवत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिए के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

रुपक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होता को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

311 वर्ग गज जमीन भलकापुरी कालोनी, भलवर जो उप पंजीयक, भ्रलवर द्वारा क्रम संख्या 1823 दिनांक 5-7-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 5-3-1983

माह्य 🕄

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० मा० मर्जन/1683—मतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 -(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रलवर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रलवर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 13 श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री सुरेश चन्द पुत्र श्री हरबन्स लाल, देसूला ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार पुत श्री गोपाल दास घोपड़ा, एण्ड ग्रदर्स, अलवर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य म्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसची

कृषि भूमि 1 बीधा 11 बिस्वा स्थित ग्राम देसूला जो उप पंजीयक, ग्रालवर द्वारा कम संख्या 2040 दिनांक 13 ग्रागस्त, 1982 पर पंजीबद्ध विकयपत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 4-3-1983

मोहर ः

रुपए से मधिक है

प्रकप शाई• टी॰ एनं• एतः---

भायकर **प्रधितियम; 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-व (1) के स्रधीन सुवना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 11 फरवरी 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1689—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की बारा 269-सा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 25,000/-

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो अलवर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अलवर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 16 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्दह प्रतिशत अधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक स्प ने कियात नहीं किया गया हैं :—

- (क) बन्दरण वे हुई किसी जाय की बावस उक्त अधि-नियम के जभीन कर दोने के शन्दरक के सायित्य में कमी करने वा उससे वसने में सुविधा के जिए; और/वा
- (वा) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती इवाय प्रकट नहीं किया अथा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के रित्य;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६(1) श्रीमती कमलावती पत्नी श्री विनोदी लाल एवं श्रीमती भागीरथी देवी पत्नी श्री मुकुमचन्व गोयल कोल कम्पनी, रोड नं० 2, भलवर ।

(धन्तरक)

(2) श्री राम किशन पुत श्री जयनारायण एवं श्री श्रोम प्रकाश, प्रह्मानन्द पुत्रान श्री माखन लाल महाजन, श्रलवर।

(भ्रन्सरिती)

को यह मूचता जारी करके पूर्वक्ति सम्मिति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार् के सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति हैं। हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीर स्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि 871 वर्ग गज स्थित रोड नं० 2 के पीछे, ग्रलवर जो उप पंजीयक, ग्रलवर द्वारा कम संख्या 1755 दिनांक 16-7-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

> > أنقد ا

तारीख : 11-2-1983

मोहर 🗓

प्ररूप वार्ड. दो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० द्या० ग्रजंन/1704--- ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ∕- रुत. से अभिक **है**

ग्नौर जिसकी सं० प्लाट नं० 218 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाधन अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982

क^{ेर} पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्र_{तिप}ेश के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिहियों) के पीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखि उपदेश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🦫 —

- (क) अन्तरण से हुई कि.पी बाग की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर द'ने को अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बर्पने में सुविधा के लिए; और/या
- (यः) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रीमती कृष्णा हुसकू पत्नी श्रीबी० एन० हुक्कु, 218, सेक्टर ए, शास्त्री नगर, जोधपुर ।

(भन्तरक)

(2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री पारस मल जी, हनवन्तपुरा, जोघपुर ।

(धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 218, सेक्टर-ए, शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 2184 दिनांक 7-9-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तुत रूप से विवरणितः है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 4-3-1983

मोहर 🗈

प्ररूप. आई. टी. एन्. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घु (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, धिनांक 4 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1705--श्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 218 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 7 सितम्बर, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरकः के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती कृष्णा हुक्कू पत्नी श्री की० एन० हुक्कू, 218, सेफ्टर-ए, शास्त्री नगर, जोधपुर।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती पुष्पा कंवर पत्नी श्री मोहन लाल जी सांखला, हनवन्तपुरा के पास, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्द्रध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 218 पर स्थित मकान, सेक्टर ए, शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 2185 दिनौंक 7 सितम्बर, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 4-3-1983

मोहर :

प्रसप् आर्च . टी . प्रमु . प्रस् . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

निवेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1709--- श्रतः मुझे, मोहन सिंह जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भार

इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जोधपुर सें स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ध्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 10 भ्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिष्क रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिशा के लिए; और∕या
- (का) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथित् :---

(1) श्री बहादुर मल पुत्र श्री धूरमल जी घोसवाल जी० पी० ए० श्राफ महेन्द्र मल देवेन्द्र मल एवं श्रजीत मल पुत्र श्री सज्जन मल मनोत निवासी 1 बीरोड, सरदारपुरा, जोधपुर ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री नाथू राम पुत्र श्री रामनिवास ग्रग्नवाल द्वारा ग्रग्नवाल लोज स्टेगन रोड, जोधपुर।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरीं।

स्पद्धिकरण ः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्या

प्लाट झाफ लैण्ड भेजरिंग 88 वर्ग गज स्थित चूने की। भट्टी के पास, सरदार पुरा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1909 विनोक 10-8-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप सेविवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-3-1983 ं

मोहर 😗

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० रा०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1710— श्रतः मुझे, मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्पौर जिसकी सं० प्लाट नं० हैं तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्पौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, है 10 स्रगस्त, 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की नारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 29--26GI/83

(1) श्री बहादुर मल पुत्र
श्री धूरमलजी ग्रोसवाल,
जी० पी० ए० ग्राफ
महेन्द्र मल देवेन्द्र मल एवं
ग्रजीत मल पुत्र
श्री सज्जन मल
निवासी 1 बी रोड,
सरदारपुरा,
जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुमार तेजवानी पुत्र श्री परमानन्द, ई-50, सरदारपुरा, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस प्रमुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट भ्राफ लैण्ड मेर्जिरग 123 वर्ग गज, स्थित चूने की भट्टी के पास, सरदारपुरा जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1907 दिनांक 10 भ्रगस्त, 1982 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-3-1983

मोहर ः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भाग सन्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० राजू०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1711—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 10 ग्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी अय की बाकत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्धरक के प्रायित्व में कभी करने या उसमें देवने में सृदिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उपान अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री वहादुर मल पुत्न
श्री धूरमल जी ग्रोसवाल
जी० पी० ए० महेन्द्र नाथ, देवेन्द्रमल
एवं ग्रजीत मल पुत्न
श्री सज्जन मल,
मनोत, निवासी 1 वी रोड,
सरदारपुरा,
जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चांद मोहम्मद पुत श्री जहूर मोहम्मद, सरदारपुरा, सी रोड, जोधपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जग्री कारके पृतांकित सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप:-

- (क) इस नुवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास निक्ति में जिए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

अनुसूची

प्लाट म्राफ लैंण्ड मेजरिंग 81 वर्ग गज स्थित चूने की भट्टी सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं० 1912 दिनांक 10 म्रगस्त, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक[®] स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 7-3-1983

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन॰ एस०--

नायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/1712--श्रतः मुझे, मोहन सिंह

कामकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारों को . यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हुं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० है तथा जी जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में ,रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16 अगस्त, 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल सी, एेसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिख्त उद्देश्य से अक्त अन्तरण में वास्तिवक रूप से कांथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौरू/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (!) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बहादुर मल पुत्र श्री धूरमल जी श्रोसवाल जीव पीव एव अन्ति महेन्द्र मल देवेन्द्र मल एवं श्रजीतमल पुत्र श्री सज्जन मल मनोत, निवासी 1-बी सरदारपुरा, बी रोड, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) चन्द्र प्रकाश पुत श्री भंवर लाल, 128, बछराजजी का बाग, घोपासनी रोड, जोधपुर।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के भर्जन के लि कार्मवाहियां करता हूं।

चनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री वाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बासे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त न्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिस विषय व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्वच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जा उक्त अभिनियम के सम्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हो।

अनुसूची

प्लाट श्राफ लैण्ड मेर्जारंग 64 वर्ग गज स्थित धूने की भट्टी, सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर हारा क्रम संख्या 1910 दिनांक 16-8-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजेन रेंज, जयपुर

तारीख : 7-3-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आहें। टी. एन. एच -----

आयुक्त र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्च 1982

निदेश सं० राज/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1714—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा भया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी स० प्लाट है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 22 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कि सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पम्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण वे हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

बतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती शोभा कंवर पत्नी श्री नरपत सिंह राईकाबाग, जोश्रपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री मानमल पुत्र श्री भीकम चन्द सुराना, श्रानन्द सिनेमा के पास, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप उ---,

- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थल्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

राईकाबाग पैलेस, जोधपुर के उत्तर में स्थित प्लाट जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम सं० 1680 दिनांक 22-7-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8-3-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

मायुकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्च 1983

म्रादेण सं० राज०/सहा० म्रा० म्रर्जन/1716—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान संपत्ति है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27 जुलाई 1982

को प्वोंक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्चत उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक् किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सूबिभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अन् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती विजय कंवर पत्नी श्री बुद्धाराम सुधार, सरदारपुरा, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती राधा देवी पत्नी श्री घनश्याम दास सिंधी, प्रोपराईटर म्नाफ लक्ष्मी कोल्ड ड्रिक्स, कोहिनूर सिनेमा, जोधपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

नं 587, 10 वी बी रोड़, सरदारपुरा, जोधपुर जो उप पंजीयक जोधपुर द्वारा कम सं 1739 दिनांक 27-7-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8 मार्च 1983

मोहर 🖫

प्रस्प बाई . टी . एन . एस . -----

आयकर बिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के श्रद्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

श्रादेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1698—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्रभात टाकीज है तथा जो झुंझनू में स्थित है, (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, झुंझनू में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनिषम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुभी यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की वाबता, उक्त श्रीधीनयम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को भूभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्धात हि— श्री गौर हिर सिंघानिया,
राजेन्द्र कुमार,
 श्री गोपाल, कृष्ण,
 श्री देवी प्रसाद,
 श्री वीरेन्द्र कुमार,
 श्री महावीर प्रसाद,
 द्रस्टी मोतीलाल तुलसियान,
 चैरिटेंबल ट्रस्ट,
 बैंक श्राफ इंडिया बिल्डिंग, तीसरी मंजिल,
 ऐख मेनन स्ट्रीट,
 बम्बई-400002।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रकरम प्रली नावालिंग पुत्र श्री कासम प्रली, द्वारा श्री कासम प्रली, वदरामपुर रोड़, कावरी मार्केट नं० 3, श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वायत सम्भाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोह भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थानर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिमित में किए का सकेंगे ?

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किथि-नियम के शब्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

"प्रभात टाकीज" मुंझनू से जुड़ी हुई भूमि जो उप पंजी-यक, झुंझनू द्वारा क्रम सं० 371 दिनांक 21 जुलाई, 82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 5 मार्च 1983

मोहर:

प्रकृत आहर्ष, टी. एन्. एत्र.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्षे धारा 269 (1) के अधीन सुचरा

कार्यालय, सहायक आधकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्न 1983

म्रादेश सं० राज०/सहा० म्रा० भ्रर्जन/1717---यतः मुझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० श्रोपन लैण्ड है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रीर इससे ज्याबद धनुम्ची में श्रीर पूर्ण इप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिवारी के कार्यानय, जोधपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 17 जुलाई 1982

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जन्ति है है स्थान अतिफाल ने, एके हरासान अंतिफाल ना पन्नह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती जिल्लाकों के जीन गांसे जन्तरण के निकास एक जाए हैं। जिल्लाकों के जीन गांसे जन्तरण के निकास एक जार है। जिल्लाकों बास्तिबक एन से कथित नहीं किया गया है। ——

- (क) अस्तरण से हुई किसी काम की शबत, उनत प्रीधिणियम की अधीन कर की के अस्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या केय आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अबद अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) को प्रभोजनाथी अस्तिरित त्यार, प्रकट नहीं किया गया बा ता बिस्स जाना किसा प्राप्त के लिए।

कत: अब, अक्त अधितिसय, की धारा 260-ग के अन्सरण को, की, जबर अधिनियम की भारा 269-व की जपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, बर्धात:—— श्रीमती निलनी कंबर पत्नी ठाकुर मोहन सिंह राज-पूत रतनाडा, जोबपुर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती प्रतिना पित्नी श्री नरेन्द्र सिंह राजपूत, रतनाङ्ग, जोधपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांक्स अविकास में से किसी क्षांक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्रत म्यावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताकारी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

ग्रोपन लैण्ड मेर्जिरंग 1085.55 वर्गगज स्थित रतनाड़ा, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1721 दिनांक 17-7-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8 मार्च 1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मार्च 1983

श्रादेश सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1718—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

कायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान सम्पत्ति है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के श्रधीन, तारीख 13 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मांगीलाल पुत्र रामदयाल पारीक, रायका बाग, श्रार० ए० सी०, जोधपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शणीबाला पत्नी श्री श्राणाराम महेण्यरी, पीला बंगला, जालोरी गेट के श्रन्दर, जोधपुर।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बनसची

मकान सम्पत्ति, मसूरिया, ओधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1639 दिनांक 19-7-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर बिस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: ८ मार्च, 1983

मोहर 🖫

प्ररूप नार्द्य दी, एन्ड एस्ड न ४ न ४ न

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

निवेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1719—अतः, मुझे,

मोहन सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 530 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीम, तारीख 27 अगस्त, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्त उद्देष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्रिया
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री भागमल पुत्र श्री चांदमल द्वारा पी० ग्रो० ए० श्री टिक्कम, घास मण्डी, जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री केरा राम पुत्र श्री पूसा राम, फर्स्ट सी रोड, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवहियां करता हूं।

उक्तु सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

प्लाट नं० 439 लिंक पाल रोड, जोधपुर जो उपपंजीयक जोधपुर द्वारा क्रम सं० 1076 विनांक 27-8-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक: 5-3-1983

मोहरः

प्ररूप आर्द्दः, टी. एन्. एस्.; ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर,दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1720—श्रतः सुझे, मोहन सिंह

स्रायकर मिश्रीनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्त्यात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जीवत बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 56 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में रिजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 2 श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; औंद्र/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राधाकिणन दूत श्री निरंजन दास भूतड़ा, 54, ए रोड, सरदारपुरा, जोधपुर, भ्रटानी स्नाफ श्रीमती चांदकन्वर पत्नी श्री पृथ्वी सिंह जी राजपूत एवं श्रीमती सुषीला भूतड़ा स्नाफ जोधपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती समदाबेन पत्नी श्री मुलतानमलजी श्रोसवाल, 11-सी, शास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकींगे ।

स्वकाकरण है—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वन्स्वी

प्लाट नं० 56, बखतसागर स्कीम, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1816 दिनांक 2 म्रगस्त, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में भौर विस्तृत रूप से विवर-णित हैं ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 5-3-1983

मोहर:

प्ररूप आईं ० टी० एन० एस० जायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1721—भ्रत:, मुझे मोहन सिंह

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 55 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरितायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिष्क रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, वर्धात् :--

(1) श्री राधा कियन पुत श्री निरंजन दास भूतजा, 4 ए रोड, सरदारपुरा, जोधपुर श्रटानी श्राफ श्रीमती चांद कंवर पत्नी श्री पृथ्वी सिंह एवं श्रीमती सुशीला भूतजा, जोधपुर।

(झन्तरक)

(2) श्री शंकर लाल पुत श्री मुलतानमल जी श्रोसवाल, 11 सी, गास्त्री नगर, जोधपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की कार्यवाहियां करता हुं।

जनतु सम्परित् को मुर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस सुध्याय में दिया गया है।

बन्त्ची

प्लाट नं० 56, बखतसागर, स्कीम जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1819 दिनांक 27-7-82 परपंजीबद्ध विऋय पत्र में धौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीच : 5,3-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई., टी. एन. एस. ु -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संरुकार

कर्म्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेण सं० राज०/सहा० ग्रा० भ्रर्जन/1722—श्रतः, मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 56 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1008 का 16) के भ्रधीन, तारीख 2 भ्रगस्त, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया:——

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नील्चित् व्यक्तित्यों, अर्थात् ः— (1) श्री राधाकिशन पुत्र श्री निरंजन वास भूतड़ा, श्रटानीं श्राफ श्रीमती चांवकवर पत्नी पृथ्वीराज सिंह एवं श्रीमती सुशीला भूतड़ा श्राफ जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कैलाण चन्द्र पुत श्री शंकर लाल जी श्रोसवाल, 11-सी, शास्त्री नगर, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हि—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 56, बखत सागर स्कीम, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1815 दिनांक 2-8-82 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 5-3-1983

मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1725—श्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरिस, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं मकान नं 308 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, र्राजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचितं बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय याँ किसी धन या अन्य आस्तियाँ -को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(1) श्री सौभाग्य चन्द बाफना पुत श्री कुन्दन मल जी बाफना, सी रोड, सरदारपुरा, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री लीलाधर पृक्ष श्री करणमल जी जैन, निवासी जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में परिभाषित हौं,, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमृस्ची

मकान नं० 398 बी, सरदारपुरा सी रोड, ओधपुर जो उप पंजीयक, ओधपुर द्वारा कम सं० 1728 दिनांक 26-7-82 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में और विस्तृत रूप से विवर्णित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख : 5-3-1083

मोहर 😗

प्ररूप आइ. टी. एन. एस्.-----

जायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षिण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० राज० /सहा० म्रा० म्रर्जन/172,6—म्राः मुझे, मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 398 बी है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीक्रण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 26 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ?—— (1) श्री सौभाग्यचस्य बाफना पुष्न श्री कुन्दन मल जी बाफना, सी रोड, सरवारपुरा, जोधपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लीलाघर पुत्र श्री करणमलजी जैन, निवासी जोघपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

मकान नं० 398-धी, सरदादपुरा, सी रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रमांक 1727 दिनांक 26-7-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

सारी**ख**ः 5-3-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहे. डी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुमना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० मर्जन/1723—म्रतः, मुझे मोहन सिंह

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 19 है, तथा जो जोघपुर में स्थित है (भौर इससे उपाधक धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 21 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्दोष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने से सृविधा के सिए; बरि/या
- (प) एसी किसी नाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, बी. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिन्त्रित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री जगना राम पुत्न श्री प्रभु लाल, पांच बस्ती कालोनी, जोघपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोरधन सिंह पुत श्री काना राम चौधरी, पांचबत्ती कालोनी, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी तसे से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वाक रणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्सूची

प्लाट नं० 19, पांचबत्ती कालोनी, ष्रोधपुर में जो दूप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम सं० 1672 दिनांक 21 जुलाई, 1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख** 5-3-1983 मोहर : प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० झा० भ्रर्जन/17288—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य

25,000/-रत. से अ**धिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं मकान नं 398-बी/ए है, तथा जो जोघपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है, (रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, जोधपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कबने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कृथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री सौभाग्य चन्च बाफना पुत्र श्री कुन्दन मलजी बाफना, सी रोड, सरदारपुरा, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री लीलाधर जी जैन, निवासी बाड़मेर हाल, जोधपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या ह⁴।

अनुसूची

मकान प्लाट नं० 308-बी/ए, वाके सरदारपुरा, सी रोड, जोधपुर जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा कम संख्या 1726 दिनांक 26-7-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनं रेंज, जयपूर

तारीख: 5-3-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 5 मार्च 1983

भादेश सं० राज०/सहा० श्रा० भर्जन/1727—यत, मुझे. मोहन सिंह,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 398-बी है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, विनांक 26 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफ्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्नीसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--31---26GI/83

(1) श्री सौभाग्य चन्द बाफना पुत्न श्री कुन्दनमल जी बाफना, सी-रोड, सरदारपुरा, जोधपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी पत्नि श्री लीलाधरजी जैन निवासी—बाढ़मेर हाल जोधपुर ।

(भ्रन्तिरसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित ब्रह्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

. स्यष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौका, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं० 398-श्री०, सरदारपुरा, सी-रोड, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुरद्वारा कम संख्या 1724 दिनांक 26-7-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

दिनांक: 5-3-1983

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनक 5 मार्च 1983

म्रादेश सं० राज०/ सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1724—यतः सुक्षे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 398 है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जीधपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांक 17 जुलाई, 1982

को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस निम्निसित उद्दोष्य ते उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बानत, उक्त विभिन्न के बजीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् — (1) श्री-सौभाग्य चन्द बाना पुन्न श्री कुन्दन मल जी जाफना, सी-रोड, सरदारपुरा, जोधपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी परिन श्री लीलाधर जी जैन निवासी---बाढ़मेर, वर्तमान जोधपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपु:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविभ बाद में सजाप्त होती हो, के जीतर पूजों कर स्विक्त्यों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म क्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं॰ 398-बी॰, सरदारपुरा सी-रोड, जोधपुर द्वारा कम सं॰ 1725 दिनां 17-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं.।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक : 5 मार्च, 1983

भोहर:

प्रकप नाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

• कार्यीलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर,दिनांक 10 फरवरी 1983

श्रादेश सं० : राज/सहा० श्रा० श्रर्जन/1629---यतः सुझे, मोहन सिंह,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पाली में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 29 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के ्षित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकट के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्यात् :--- (1) श्री लालचन्द पुत्र श्री मोतीलाल गोलेचा, निवासी---पाली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गजानन्द गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटड, निवासी---पाली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम्ब

कृषि भूमि खसरा नं० 493, 15 बीघा, बाकरी रोड, ग्राम मंडली खुर्ब, जिला पाली जो उप- पंजियक, पाली द्वारा क्रम संख्या 1079 दिनांक 29-7-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पक्ष में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर न्युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जसपुर

दिनांक : 10-2-1983

मोहर :

· ... - 4 -=

त्रक्ष नाइ^क. टी. एन. एस. ------

सायकर निधृनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत करकार

कार्यासय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 10 मार्च 1983

श्रादेश सं० : राज०/सहा० श्रा० भर्जन/1735—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० डी०-65 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक 6 जुलाई, 1982.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में .स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर स्थिनियम, या धन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि या गया धा किया जाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती प्रभाती देवी पत्नि श्री हनुमान राम जी राजेश कुमार एवं श्री लाल चन्द पुदान हनुमान राम जी गर्मा निवासी—एम० ग्राई० रोड, जयपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री विनोद वीर सिंह भाटी पुत्र श्री बसवीर सिंह निवासी---मूर्ति भवन, शालीमार धिनेमा के पाछ, जयपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी अपनित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्स्ची

प्लाट नं० डी०-65, चौम् हाउस, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1528 दिनांक 6-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक : 10-3-1983

मोहर:

प्ररूप. बाई. टी. एन. एस. -----

आयक्षर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 10 मार्च 1983

श्रादेश सं० राज०/सहा० द्या० श्रर्जन/1736—यतः मुझे, मोहन सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो सांगानर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि कारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधि नियम, 1908 श्रिधिनियम 1908 (1908 का 1) के श्रधीन, दिनांक 3 श्रगस्त, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबि्धा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान म सुविधा के लिए;

अतः अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सुझील क्रुमार पुत्र राजेन्द्र क्रुमार पुत्रान श्री लक्ष्मीचन्द पुत्रान श्री लक्ष्मीचन्द गुप्ता निवासी—सी-78, बापू नगर, जमपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री छोटीलाल पुत्र श्री भेंक पटेल श्री नानगराम, श्री सेवाराम, श्री दुर्गालाल श्री रूपनारायण (नाबालिंग), श्री समृतलाल (नाबालिंग), श्री वामोदर (नबालिंग) पुतान श्री छोटीलाल, निवासी न्यू सांगानेर रोड, जमपुर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

यमसूची

कृषि भूमि 7 बीघा 18 बिस्वा स्थित खसरा नं० 708/ 1453 एवं 693 स्थित ग्राम भाकरोटा जो उप पंजियक सांगानेर द्वारा कम संख्या 426 दिनांक 3-8-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विषरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ं ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10 मार्च, 1983

मोहर : .

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एसं. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 10 मार्च 1983

श्रादेश संख्या : राज०/सहा० श्रर्जन/1729---यतः, मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से विधिक है

श्रीर जिसकी संब सी—64 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 22-7-1982 को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वें कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रियमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जन, उक्त निभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निकासिक्त व्यक्तियों, अर्थास्ः—— (1) श्री दिनेश चन्त्र ग्रोवर पुत्र श्री बहादल ग्रोवर निवासी—लोक भारती, 165 ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कपूरचन्द ग्रग्नवाल एवं श्री नन्द किशोर श्रग्नवाल, पुत्रान श्री बंशीधर श्रग्नवाल, ग्रम्बा बाडी, जयपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षांप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त स्पित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

प्लाट नं॰ सी-64, अम्बा बाड़ी, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1706 दिनांक 27 जुलाई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक : 10 मार्च 1983

मोहर:

प्ररूप धाई • टी • एन • **एस •**---

ग्रावंकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भन्नीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनक 10 मार्च 1983

भावेश सं० : राज०/सहा० श्रा० श्रेजन/1746--यतः मुझे, मोहन सिंह,

भागकर श्रीधिनिमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत श्रीधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के श्रीधीन श्रीध शाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वर्ष स्वीक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि हैं तथा जो श्री गंगानगर में स्थित हैं' (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-7-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (स) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कर्मण करने या उसने बचने में,सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय था किसी धन या अन्य प्राह्तियों को, जिन्हें भारतीय जा कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, वा धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :——

- (1) श्री इरफूल पुत्र श्री खेता क्रुम्हार तिवासी-- चक 67 ई, छोटी, श्रीगंगानगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री रामप्रताप पुत्र श्री हनुमान, श्री मनीराम पुत्र श्री मनोज कुमार, श्री बालराम पुत्र मणिराम, श्री नन्दराम पुत्र श्री बुजलाल, श्री रामलाल पुत्र केमरा राम श्री रामरख पुत्र णियलाल, श्री बलवन्त पुत्र श्री बृजलाल, भगवानराम पुत्र नायूराम, चन्दूराम पुत्र श्री रामलालाल द्वारा किणन सिंह, श्री बहाबुर सिंह कुम्बार, पुरानी शाबादी पोस्ट श्राफिस, पुरानी । (श्रन्तरिती)

,को यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्यति के श्रर्वन क लिए,कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो खबत भिक्षियम के श्राच्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रायं होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसुची

क्रिबि भूमि 4.75 बीचा स्थित चक्र 5 ई छोटी, श्री गंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 1245 दिनाक 20 जुलाई, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में भौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राप्रकर श्राप्रुक्त (निरीक्षण) श्रुकंन रेंज, जयपुर

दिमांक : 10-3-83

मोहर :

प्ररूप आद. टी. एन. एस.---

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 10 मार्च 1983

' श्रादेश सं०:/राज०/सहा० धा० प्रर्जन/1730—यतः मुझे मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम

गांवकार। के कांगालय जयपुर में, राजस्ट्राकरण प्राधानयमें 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विनांक 6 जुलाई, 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, नथीत् :--

(1) श्री प्रभूवयाल, बाबूलाल, रामजीलाल एवं श्रीमती नाथी देवी धुलेश्वर गार्डन, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रशोक कुमार पुरोहित पुन्न श्री विशनलाल पुरोहित, प्लाट नं० 44 बी, धुलेण्वर गार्डन, जयपूर ।

(अन्तरिती)

को यह स्थल जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स'
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास तिस्ति में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित. हु³, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

े प्लाट नं 0 44 बी 0, धूलेश्वर गार्डन, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1573 दिनोक 6-7-82 पर पंजिबद्ध विकास पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक : 10 मार्च, 1983

मोहर :

प्ररूप आर्ड् दी एन एस .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जयपूर जयपूर, विनांक 8 मार्च, 1983

म्रावेश सं०: राज०/सहा० म्रा० भ्रर्जन/1730-यत: मुझे, मौहन सिंह,

स्रायकर सिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार म्ल्य 25,000/- रत. से अधिक है

भीर जिसकी प्लाट नं० 44 बी० है तथा जो जयपूर में स्थित है, (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विनांक 15-7-1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिसित उद्वेदय से उक्तः अंतरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय वायुकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--32-26G1/83

- (1) श्रीमती भंवरी देवी पत्नि श्री कन्हैयालाल मकान नं० 718, चौकड़ी तोपखानाद्रेश, जयपूर । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रमोक कुमार पूरोहित पुत्र श्री बिशनलाल पूरोहित प्लाट न० 44 बी, धुलेश्वर गार्डन, जयपुर । (म्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्य्कित्यों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबवुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये पासकेंगे।

स्य**क्टीकरण** :—इसमें प्रयक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

प्लाट नं० 44 बी, धूलेश्वर गार्डन, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 132 दिनांक 15-7-82 पर पंजिबद्ध विकयपत में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

विद्वांक : 8 मार्चे, 1983

.... प्ररूप आई. टी. एन, एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयदूर

जयपुर, दिनाक 10 मार्च 1983

भावेश सं० : राज० /सहा० भ्रा० भर्जन/1740--यतः मुझे भोहन सिंह भ्रायकर भ्राधिनियम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

हसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है।

धौर जिसकी सं० प्लाट नं० 659 है तथा जो कोटा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1008 (1008 का 16) के श्रधीन दिनांक 15 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अद, उत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः⊸

- (1) श्री कश्मीरीलाल पुत्र श्री जीवणदास कोटा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री झार० के० ध्रम्रवाल शेखर ध्रम्रवाल एवं श्री चद्रकान्स श्रमवाल द्वारा श्रीराम रेयन्स, कोटा (ग्रन्सर्रिती)

क्रो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के टिलए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोंद्दें भी आक्षेप 🖫 🗕

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्लाट नं० 659 स्थित एल० भ्राई० जी० एच० स्कीम, बादाबाड़ी, कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 849 दिनौंक 15-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जयपुर

दिनांक : 10 मार्च, 1983

मोह्य 🖫

प्रकम माई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

.269-म(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायुक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 10 मार्च, 1083

म्रादेश सं० : राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/687--यत: मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1901 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् जिसे अधिनियम' कहा गया हैं), की भाउा 269 खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि प्लाट नं० 10 है तथा जो कोटा में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोटा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 16— 10—1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तयों के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनम्म के अधीन कर दोने के जन्तरफ के दायित्व में कनी कुरुने या उससे कथने में सुविधा के लिए; और/या
- (स). एसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थोजनार्थ ज्लारती प्वाडा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ही लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती मंजू लोहिया पत्नि श्री कें के लोहिया, ह्याल्लझनगर कोटा।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती जमाना नाज परिंन श्री मोहम्मद हुसैन, एवं श्री ग्रब्बस हुसैन दूत श्री ग्रब्दुल हुसैन खातेवाले, कोटा जंबग्रन, कोटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्पर्ध में कोई भी आर्थप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्षध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के वास निस्त में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावितः ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया ही।

. अनुसूची

5800 वर्गफुट जमीन , प्लाट नं । 10, मोटर रिपेयर एक्स-टेंगन स्कीम, झालावाड़ रोड, कोटा जो उप पंजियक, कोटा द्वारा कम संख्या 1332 दिनांक 16-10-82 पर पंजिह्मद्ध विकय पत्न में मोर बिस्तुल रूप से विवर्रागत है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर

दिनांक : 10 मार्च, 1983

मोहरु 🛭

प्रकृप बाई वी व एन व एव ---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सर्कार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 10 मार्च 1983

श्रादेश सं० : राज०/सहा० आ० श्रर्जन/1748—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 62 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (श्रौर इसरो उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, दिनांक माह जनाई, 1983

का पूर्वों कर संपित क उपित बाजार मूल्य से कम के करममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास् करने का कारण है कि सभापूर्वों कर संपित का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उदुदिश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक रूप से किथा नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेगी किसी आय या किसी धन या अन्य आहिस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, जियाने में सुनिया के लिए।

अतः अध, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् मों, मीं; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) की अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित् ह— (1) श्री श्यामसुन्दर पुत श्री मोसिग्नारीलाल महाजन, नोहर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शंकरलाल पवन कुमार पुत्र श्री प्रयागचन्व भगवाल निवासी—नोहर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके प्यानित सम्पत्ति को नर्जन को सिए कार्यवाहियाँ करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राष्प्रक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवश्यि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अवश्यि आ भी अवश्यि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीं कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुवारा
- (क) इस स्थाना के राष्प्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षद्वी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्थाककीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 62, श्रनाज मंडी, हनुमानगढ़ जो उप पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा माह जुलाई, 82 में पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज; जयपुर

तारीख 10 मार्च, 1983 मोहुर ह प्रक्ष्य नाइ . टी. एम. एस्.-----

जाबकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जुजीन सूचना

भारत सर्कार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिर्राक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 10 मार्च 1983

भादेश संख्या : राज/सहा० भा० श्रर्जन/1747--

यतः मुझे मोहन सिंह

भागकर ज्यानियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें परकात 'उनत न्यानियम' कहा गया हैं), की भारा 260 का के सजीन समाम प्राधिकारी को, यह निक्यांस करने क कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उथित बाजार मूल्य 25,000 हैं। से स्थिक हैं

स्रीर जिसकी सं ० दुकान नं ० 13 है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्म्झकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रिजर्झीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, नाराख 3 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम् के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
जून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरिण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरिक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रि/या
- (स) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वनकर प्रधिनियम ता वनकर प्रधिनियम या वनकर प्रधिनियम ता वनकर प्रधिनियम ता वनकर प्रधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रश्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री दीनानाथ, जगदीश प्रसाद पुतान श्री चुन्नीलाल, लीला देवी पत्नि श्री चुन्नीलाल, घनश्यामदास, नागरमल पुत्रान श्री बाबूराम ग्रग्नवाल, नोहरा नं० 13, लक्कड़ मण्डी, श्रीगंगानगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किशोरीलाल पुत्र श्री फतेह चन्द एवं श्रीमती शिशा देवी परिन श्री निर्मल द्वारा मुंसन्वाला एण्ड कम्पनी, दुकान नं० 6, धानमण्डी, श्री गंगानगर। (ग्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्मृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेण:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस मूर्यका के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीनर उपत स्थावर सम्परित में हितबहुप किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 13, लक्कड़ मंडी श्रीगंगानगर द्वारा जो उप पंजियक श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 1213 विनांक 3 जुलाई 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन; रेंज जयपुर

अतः सन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण को, भी उक्त की भीत्रम की भाषा 269-ए की उपभारा (1) को अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों; अभीत् :---

दिनांक : 10 मार्च 1983

मोहर:

प्रकप माई० टी• एन• एस•---

ज्ञायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनौंक 10 मार्च 1983

भ्रादेश सं० / राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/1749—यतः मुझे, मोहन सिंह

मायकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसमें इसके पश्चाद 'उन्त अदिनियम' कहा चया है); की मारा 26% के भी भीषान समाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्थानर समासि, जिसका उचित बाजार मुख्य 25;000/- क०

से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 62 है तथा जो हनुमानगढ़ में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1982

मी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की पर्द है धौर मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य; उसके दृश्यमान श्रीतिकत से ऐसे वृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर घन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है।——

- . (क) अन्तरण ने हुई किसी आप की बाबत, प्रस्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बजने में सुविधा के लिए; बौर/मा
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायक्तर भ्राधिनयमः 1923 (1922 का 11) या उक्त धिकियम, या बन-कर मिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के भ्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा भक्ट नहीं किया बया वा या किया जाना वाहिए वा, छिताब में सुविधा के किए;

पता अन, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269ना के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269न्य की उपघारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों भर्षात् :-- (1) श्री श्याम सुन्दर पुत श्री दुशीयारी लाल महाजन निवासी—मोहर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गंगादेवी पत्नि श्री रामचन्द्र श्रप्रवाल निवासी नोहर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका अम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

. छन्त सम्पत्ति के अर्थन ॰ के संबंध में को दियो आक्षेप । → -

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्सन्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की धवधि, को भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीनत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अजोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकर गर--इसम त्रयुक्त शक्यों और पदों हा, जो उका अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित है, वहीं अबें होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं० 62, श्रनाज मंडी, हनुमानगढ़ जो उप पंजियक, हनुमानगढ़ द्वारा माह जुलाई, 82 में पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 10-3-83

मोहरुः

प्ररूप आईं ही एन एस् . - . - - --

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अप्रकृत (निर्द्रीक्ष्ण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, विनांक 5 मार्च, 1983

भ्रादेश तं ० राज ० सहा ० थ्रा ० भ्रर्जन/1642-यतः, मुझे,

मोहन सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो पाली, में स्थित है (श्रीर इससे उपावह अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से धर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय पाली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन दिनांक 21 श्रीमस्त, 1982

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से,, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा

अतः अन् उकत अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्निसिक्त व्यक्तित्यों, अधीत्ः— श्री ह्री सिंह पुत्र श्री भूर सिंह राजपूत , पाली ।

(श्रन्तरक)

 कमला गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पुत्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4.75 बीघा कृषि भूमि, सेकिन्ड फोज इण्डस्ट्रीयल एरिया, पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा ऋम संख्या 1259 दिनांक 21-8-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन[ि]सह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 5-3-1983 मोहर ह 1.1

प्रकल नाइ. टी. एत्. एस.---

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-मुं(1) के जभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक शायकर शायकत् (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 4 मार्च, 1983

निवेश सं० राज ०/सहा ० श्रजैन/1641—यत , मुझे, मोहन सिंह, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० कृषि भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय पाली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-8-1982

का पूर्वों वत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पेन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है दैन

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त जिथ-जियम को अभीव कर दोने की जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप वा किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

 श्री हरी सिंह पुत्र श्री भूर सिंह राजपूत पाली ।

ं(श्रन्तरक)

 कमला गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परित के वर्षम के सिष् कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत् सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपूर--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर जक्त स्थावर संपरित में हित- वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त कान्ती और पर्धो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो अध्याय में विया गया है।

अनुसूचीं

कृषि भूमि 4 बीघा 15 विस्ता स्थित सेकिष्ड फैल इण्डस्ट्रीयल ऐरिया; विहाइन्ड पावर हाउस, पानी जो उप-पंजियक पाली द्वारा कम संख्या 1259, विनांक 18-8-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत् रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, जयपुर

तः बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धीन्, निम्मुलिखित व्यक्तियों, मुर्भात् :--

तारीख: 4 मार्च, 1983

मोहर ः

प्रकप् बाह् : टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के सुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 7 मार्च 1983

निवेश सं ० नाज ०/सहा ० श्रा ० श्रर्जन/1648—यतः, मुझे, मोहन सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भाषा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित् बाबार भून्य 25,000/- रु. सं अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो पाली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पाली में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 27 स्रगस्त, 1982

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृश्रोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; , और/या
- (स) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुनिया के निए;

नतः नव, उनत निधिनयम की पादा 269-न के जन्तरण में, में. उन्त मधिनियम की पादा 269-ए की स्पर्वाहा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अथित् :---33---26GI/83 श्री गोरधन सिंह पुत्र श्री बक्तावर सिंह राजपूत, निवासी पाली ।

(अन्तरकर)

2. कल्पवृक्ष गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, पाली ।

(म्रम्वरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हुं।

उक्त बम्पृतित के बुर्वन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्थम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास निविद्ध में किए जा सकी ।

स्वकाकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दां और पतां का, वा उकत अभिनियम के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

प्रनुसूची

8 बीघा कृषि भूमि सुमेरपुर रोड, (ग्रौद्योगिक क्षेत्र), 'पाली जो उप पंजियक, पाली द्वारा ऋम संख्या 1064 दिनांक 28-7-82 पर पंजिबद्ध विऋष पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणि स है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 7 मार्च, 1983

माहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ५ - - ---

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं० राजा० सहा० आ ० अर्जन/1750—अतः मुझे मोहन/सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 505 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए!

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिद व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती णारदा भागंव पत्नि श्री प्रोफेसर बी०डी०भागंव
 ग्रारा जी०पी०ए० श्री हषवर्धन भागंव,
 - 1, विवेक।नन्द मार्ग, जयपुर ।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती जानकी देवी पत्नि श्री नारायणदास धन्दनानी,
 505, ग्राचार्य कृपलानी, मार्ग, ग्रादर्श नगर, जयपुर।
 (ग्रन्तरिंती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

ण्लाट नं ० 505, ग्राचार्यं कृपलानी मार्ग, ग्रादर्शे नगर, जयपुर का एक चौथाई भाग जो उप पंजियक, ज्यपुर द्वारा कैम संख्या 1733, दिनांक 22 जुलाई, 1983 पर पंजिबद्ध विषय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

धारीख: 14 मार्च, 1983

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुनत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 14 मार्च 1983

निदेश सं० राज ० सहा ० आर्ज न/1751—यतः मुझे मोहन सिंह

कायकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट न० 505, तथा अयपुर में स्थित हैं (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6 जुलाई,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकह अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन , निम्मलिखित व्योक्तयों , अधीत ह

 श्रीमती गारदा भागव पत्ति स्व० प्रोक्तेसर बी० डी० भागव द्वारा जी० पी० ए०, श्री हर्ष वधन भागव,
 1, विवेकानन्द, मार्ग, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रतन पुत्र श्री नारायणदास, चन्दनानी, 505, ग्रांचार्य कृपलानी मार्ग, ग्रांदर्शनगर, अयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 भाग, प्लाट नं० 505, श्राचार्य फूपलानी, मार्ग, श्रादर्भ नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1473, दिनांक 6 जुलाई, 782 पर पंजिबद्ध विऋय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विश्वरणित है।

> ्रमोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रीयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, ज

तारीख 14 मार्च, 1983 मोहुटु 🛭 प्ररूप् , आई ु टी ु एन , एस ु ----

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 15 मार्च 1983

निवेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1752—यतः मुझे, मोहन सिंह,

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 505 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6. जुलाई, 1982

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे ब्लयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन किन्निकित व्यक्तियों, अर्थात् ह --

- 1. श्रीमती णारदा भागेव पत्नी स्व० श्रोफेसर बी०डी० भागेव द्वारा जी०पी० ए० श्री हर्ष वर्धन भागेव,
 - 1 विवेकानन्द मार्ग, जयपुर ।

(अन्तरक)

 श्री कुमार पुत्र श्री नारायण दास चन्दनानी, श्राचार्य कृपलानी मार्ग, जयपुर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ਬਜ਼ਬਾਈ

ण्लाट नं० 505, ग्राचार्य क्रुपलानी मार्ग, ग्रादर्श नगर, जयपुर का चौथाई भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1474 दिनांक 6 जुलाई, 1982 में पंजीबद विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

सारीख: 15 मार्च, 1983

माहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1983

निवेश सं० राज० सहा० श्रा० श्रर्जन/1753---यतः मुझे मोहन सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी प्लाट सं० 505, है तथा जो जयपुर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की गई है और मूम्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को, अनुसरण को, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती शारदा भागव पत्न स्व० प्रोफेसर बी०डी० भागव
 तिविकानन्द मार्ग, जयपुर ।

(अन्तरक)

श्री वासदेव पुत्र श्री नारायण दास चन्दानी,
 505, श्राचार्य कृपलानी मार्ग श्रादर्श नगर,
 जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

• उक्त' सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :——

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 505, ध्राचार्य क्रपलानी मार्ग, ध्रादर्भ नगर, जयपुर का चौषाई भाग जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1735 दिनांक 22-7-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत में ध्रीर विस्तृत रूप से विस्तृत रूप से विवरणि त है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख 15: मार्च 1983

मोहर 🖫

प्ररूप बार्षं दी एन् एस् नननन्तरस्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भाउत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निडिक्सण) भर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 16 मार्च 1983

निदेश सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1757—यतः मुझे मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० दुकान नं० 17 है, तथा जो श्रीकरणपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रीकरणपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 6 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम् से दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उष्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद्र/या
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी धन या बन्य वास्सियों को जिन्हों भारतीय बाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर ब्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, डिपाने में बृतिया के निए;

ब्रहः बब् , उन्त विधित्यमं की भारा 269-गं के बन्सरण् ैं, मैं , उन्त विधित्यम् की भारा 269-च की उपभारा (1) है अभीत्, निम्नलिखित व्यक्तियों , सभीत् हरू श्री मोहन लाल पुत्र श्री लाब चन्द, श्रीकरणपुर ।

(भन्तरक)

 श्रीमती सरोज रानी पत्न श्री राज कुमार श्रीकरण पुर।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्मृत्ति के अर्जन के दिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
 - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्यिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं शही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गृया है।

अमृस्ची

दुकान नं० 17 धान मंडी, श्रीकरणपुर जो उप पंजियक, करणपुर द्वारा ऋम संख्या 771, विनांक 8-7-82 पर पंजिबद्ध विऋय पक्ष में भौर वस्तृत रूप से विषरणि स है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16 मार्च 1983

मोहर 🕄

प्ररूप मार्ड.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) 🔭

धर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 16 मार्च 1983

निदेश सं० राज/सहा भा० भर्जन/1754—यतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पेरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 17 है तथा जो श्रीकरणपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रीकरणपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 8 जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता शाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. (1) श्री पुष्प चन्द
 - (2) श्री किशनलाल एवं शान्सीलाल पुतान श्री सम्पप्तलाल निवासी श्रीकरण पूर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती प्रवीण रानी पत्नी श्री चिमनलाल, श्री करण पूर।

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अपसची

दुकान नं० 17, धानमंडी, श्रीकरणपुर, जिला श्री गंगानगर का चौथाई भाग जो उप पंजियक श्रीकरणपुर द्वारा कम संख्या 772, दिनांक 8-7-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपूर

तारीख: 16 मार्च , 1983

मोहर 🛭

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ।1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

्कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनोक 16 मार्च, 1983

निदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1756—यतः मुझे मोहन सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, विसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुर्कोंन नं० 17 है तथा जो श्रीकरण पुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीकरणपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7 जुलाई, 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल से, एसे ध्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल का निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धाविस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नन्य आस्तियों नियं, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिया स्विधा के लिए;

बतः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए के वमुखरम में, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, विक्वतिविक्त व्यक्तिमों, अर्थात् :--- श्री पुष्पचन्द, श्री किशनलाल, शांतिलाल, पुत्रान श्री सम्पतलाल श्रीकरणपुर ।

(अन्तरक)

श्री नरेश कुमार पुत्र श्री भागचन्द ग्ररोड़ा,
 श्रीकरण पुर।

(अन्तरिती)

का यह सुवना जारी करके पृत्रों कर सम्पृतित के अर्जन के सिष् कार्यवाहिया गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं हैं 45 विन की जबीं या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबीं के जो भी जबीं बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी जन्म व्यक्ति वृतारा अथोहस्ताक्षद्री के पाझ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त वृधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्या है।

अनुसूची

बुकास नं० 17, धान मंडी, श्रीकरणपुर का एक धौथाई भाग, जो उप पंजियक, श्रीकरणपुर द्वारा ऋम संख्या 765, दिनांक 7 जुलाई, 1982 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में भ्रौर विस्तुत रूप में से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्ष्म प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) / भ्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 16 मार्चे, 1983

मोहर :

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 16 मार्च 1983

निदेश सं० राज० सहा० मा० मर्जन/1755---- म्रतः मुझे मोहन सिंह

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० बुकान नं० 17 है, तथा जो श्रोकरण पुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीकरण पुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7 जुलाई, 1983

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अर्र्यात्म से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बर्तियत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अज, उचत अधिनियम की धारा 269-य के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 34--26G1 /83

 श्री मोहनलाल पुत श्री लबचन्द , श्रीकरण पुर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री रमेणकुमार पुत्र श्री भाग चन्द श्रीकरण पुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सर्ची

दुकान नं 17, धान मंडी,श्रीकरण पुर का एक चौयाई भाग, जो उप पंजियक, श्रीकरणपुर द्वारा कम संख्या 764, दिनांक 7 जुलाई, 1982 पर पंजिबद्ध विकथ पत्न में श्रौर विस्तुत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 17 मार्च, 1983

मोहर :

त्रक्ष्य कार्यः होः, एनः, एसः ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत् ब्रकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 15 मार्च 1983

निदेश सं० राज०सहा० श्रा० श्रर्जन/1759—यतः मुझे मोहन सिंह

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें ध्रासके परकात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 13 है, तथा जो श्रीगंगानगर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 3 जुलाई, 1982

को पूर्विति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गड़ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाहा शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अधीत :--- श्री दीनानाथ, जगदीण प्रसाद पुतान श्री चुन्नीलाल, लीला देवी पत्नी चुन्नीलाल, घनण्याम दास, नागरमल ध्रप्रवाल पुतान श्री बाब्राम श्रप्रवाल श्रीगंगा नगर।

(भन्तरक)

2. श्री किशोरी लाल पुत्र फतेहचन्द, श्रीमती शशि देवी पत्नि, श्री निर्मेल द्वारा झुनझुनवाला एण्ड कं०, 6, धान मंडी, श्री गंगानगर।

(ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों वत सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चनत् सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🆫--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानतमां में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब ते 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-श्रव्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीक रण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्यों का, जो उत्कव अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुकान नं० 13, लक्कड़ मंडी, श्री गंगानरग जो उप पंजियक श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 1213 दिनांक 3-7-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 15-3-83

मोहर 🖰

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नई दिल्ली नई दिल्ली, 15 फरवरी 1983

निवेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/

7-82/586-अतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ं और जिसकी सं० 1-डी०/231 है,

तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जुलाई, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, । छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, भूभोतन ध— श्रीमती लछमी पी० रायसिंहानी,
 41, मोनालिसा घ्रपार्टमेंट
 सं० वपतीस्ट रोड
 बौद्रा (वेस्ट) बम्बई-50 ।
 वर्तमान पता :
 1/डी/4,
 लाजपत नगर,
 नई चिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खजान सिंह भाटिया सुपुत्र श्री जामियत सिंह भाटिया, निवासी 1-डी/231, लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्क भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्यं व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम जिस्सित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम् सूची

1-डी/231, लाजपप्त नगर, नई दिल्ली, एरिया 100 वग गज

> नरेन्द्र सिहं सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 15-2-1983

मोहर :

प्रकृष मार्च 🕬 🖏 एन्. एस् 🚈 🗝

मायकतु जिपिनियम, 1961, (1961 का 43) करी भारा 269-ज (1) के सुधीन सूचना

भारत सरकार

ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनोक 15 मार्च 1983

निवेश सं० राज०सहा० श्रा० श्रर्जन/1758-श्रतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त, अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम् प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् आजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 13 है, तथा जो श्रीनगर में स्थित है (भीर इससे उपाधद्ध भनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8 जुलाई 1982

को पृशांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृशांकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा ग्या प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया ग्या है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की नावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बच्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री दीनानाय, श्री जगदीश प्रसाद पुतान चुन्नीलाल लीला देवी पित्न श्री चुन्ती लाल घनश्याम, दास, नागरमल पुतान श्री बाबू राम अग्रवाल, श्री गंगानगर।
- श्री पुरुषोत्तम दास पुत्र श्री फतेह चन्द, श्री निरन्जन कुमार पुत्र श्री पुरुषोत्तम दास, सूनसूनवाला।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रा क्या संप्रित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वृता की राजपक् में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिर्णः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 13, लक्कड़ मंडी, श्री गंकानगर जो उप पंजियक, श्री गंगानगर, द्वारा कम छ्या 1214, दिनांक 8-7-82 में ध्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत् हिन्स

तारीख 15-3-1983 मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 18th March 1983

No. A.32011/1/82-Admn.L.—In pursuance of the Department of Personnel & ARs OM No. 5/4/81-CS-II (Vol. II) dated 20-2-1982, the President is pleased to appoint Shri M. M. L. Dua, a permanent Stenographer Grade C of the CSSS cadre of Ministry of Industry, Deptt. of Industrial Development as Sr. P.A. (Grade B of CSSS) in the CSSS cadre of Union Public Service Commission on long term basis w.e.f. 5-3-83 (FN) until further orders.

The 19th March 1983

No. A.32014/2/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. K. Ahuja, a selection Grade Personal Assistant of the CSSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. PA (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely temporary and ad-hoc capacity with effect from 16-3-83 to 31-5-83 or until further orders, whichever is carlier.

His appointment as Sr. PA (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on adhoc basis and with not confer on him any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.) Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & A. R.) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 24 March 1983

No. A-12025/1/81-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby accepts the resignation of Shri Mahendra Prakash Sharma, Public Proseutor, C.B.I. with effect from 1st March, 1983 forenoon.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C. R. P. FORCE,

New Delhi-110001, the 22nd March 1983

No. P. VII-1/81-Estt. I-Vol. V:—The President is pleased to appoint on promotion, the following Inspectors of CRPF, to the post of Deputy Saparintendent of Police (Company Commander/Quarter Master) in a temporary capacity till further orders.

2. They took over charge of the post in the units on the dates indicated against their names:-

Sl. Name No.	of Offic	er												Unit to which posted	Date of taking over charge
1 2	:							· · · · ·						3	4
1. Shri Gurjap Singt	1 .													2 Bn.	28-10-81
2. " Shyam Sunder								4						10 Bn.	9-12-81
3. " Ram Narain Si	ngh .										,			2 Bn.	24-10-81
4. " JaiSingh														19 Bn.	30-1-0-81 (AN
5. ,, Jagmohan Singl	h,											٠.		58 Bn.	5-1-82
6. , Bijinder Singh			,											64 Bn.	4-11-81
7. ,, Ram Jiwan									ı					68 Bn.	24-10-81
8, Narain Singh											,			44 Bn.	21-10-81 (AN
9 Swai Singh							,							8 Bn.	16-11-81
10. ,, V. B. Bhamban	i.											,		70 Bn.	30-10-81
11, J. P. N. Tripa					4							,	,	61 Bn.	10-11-81
12 Sahib Ram Ya		_	,				•							47 Bn.	2-11-81
13.,, Sobha Chand														18 Bn.	17-11-81
14. Jai Narain Ar	ya .												·	3 Bn.	23-10-81
15. , Sadi Ram	,													12 Bn.	31-10-81
16 Ram Swaroop			,											42 Bn.	12-11-81
17. " Ajit Singh											_			21 Bn.	1-11-81 (AN
18 Pratap Singh														27 Bn.	23-10-81 (A1
19 Ranpal Singh								·		·	_		Ċ	36 Bn.	2-11-81 (A)
20. ,, V. P. Bharthw	al .				_	ż		-	* :				·	63 Bn.	9-11-81
21. ,, Rattan Singh					•			•	٠.	-			٠.	9 Ba.	3-11-81 (A
22. , Chail Bihari				_		·		·	·	Ċ		Ċ	Ċ	43 Bn.	12-11-81
23. Bhairab Dutt.					Ė	Ĭ	Ċ		Ţ.	Ċ		·	·	GC (DPR)	31-10-81 (A)
24. Jai Ram Mish	ra .					•	•	•	-	•	•	•	•	GC (GTY)	25-10-81
25 Vijender Pal S					i		ì	·	•		•		•	GC (Imphal)	31-10-81
26 K. C. Yadav		-	Ċ					·	·	•	•		•	33 Bn.	26-10-81
27. Shiv Sarup Sin	igh .		Ċ	·	Ċ	·	·	·	·	•	·	•	•	68 Bn.	24-10-81
28. , Om Parkash		•	_		·	·	·	Ċ	•	•	•	•	•	33 Bn.	26-10-81
29. Rajender Pal S	Sinoh	•		•		•		•	•	•	•	•		46 Bn.	3-11-81
30 K. R. Bangra			•	•	•	•	•	•	•	•	. •	•	•	61 Bn.	5-11-81
31., Teja Singh	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	23 Bn.	5-11-81
32 Madan Gopal	Singh	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	22 Bn.	26-10-81
33 V. P. Sexena	~~~~	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	Dte. Genl.	26-10-81 (AN
JJ. 1, T. DOACHA	·	<u> </u>		· · ·	·	· · ·		·				•		DIE. Genti	AU-LU-OL (A

1	2													No.		
				-											3	4
	iri Sonu Ram Laxman Singh Neg	٠.	•	•	•		•		•	-			 -		. 38 Bn,	31-10-81
36. ,,			•	•	•	٠	•								32 Bn.	26-10-81
37. ,,		L	٠	•	•	•	•	•	•						. 28 Bn.	26-10-81
	V. K. Tiwari . Dayal Karani .	•	•	٠	•	•	•	•							GC (GTY)	23-10-81
39. ,,	C C	•	•	•			-								. 36 Bn.	09-1-82
40. ,,	TOTAL TOTAL	•	•	•	•	•	•	٠.							GC (DPR)	09-11-81
	Balbir Singh .	•	•	•	•	•	•	•							67 Bn.	2-11-81
42			•	٠	*	•	•		•						4 Bn.	30-11-81
43	P. Gangadharan Pili	iai	•	٠	•	•	•	•	•						33 Bn.	2-11-81
44. ,,	G. P. Bahuguna D. R. Khurana	•	٠	-	•	•	•								GC (IMP)	28-10-81
45. ,,	Rajinder Singh .	•	•	•	•	•	•								GC (Mkg)	4-12-81
46. ,,		•	•	•	•	•				,					1 Ba.	6-11-81(AN
47. ,,	Budh Ram Sharma	•	•	•	٠				-						41 Bn.	30-10-81
47. ,,	Shiv Raj Singh .	•	٠	-		•									51 Bn.	1-11-81
	Mane Khan		•	-	•	•						,		_	61 Bn.	5-11-81
	A. Shamugham .	•	•	•			•								GC (AVD)	26-10-81
	K. Balbir Singh	•	•	•				-							30 Bn.	13-11-81
51. ,,	Om Prakash Yadav	•	•			•									45 Bn.	-
	Kundan Singh ,	•	•	•				-							25 Bn.	11-11-81(AN 28-11-81
	Lalit Mohan .	•	•	•	•	•	•							•	58 Bn.	
	D. C. Nagar .	•			-		•								49 Bn.	7-11-81(AN 10-11-81
	Gilbert Paul .	•	•	•			•	,							3 Bn.	8-11-81
	Mohan Lal Meena	-		•	•										25 Bn,	8-11-81
	Charanji Singh .	•										-	-	•	RTC-I	
	Vinod Kapoor .		•										·	•	40 Ba.	20-11-81
59. ,,	Girdhari Singh Nath	awal	•									•	•	•	41 Bn.	17-11-81
	Nihal Singh .	-											•	•	GC (MKG)	30-10-81
	Ram Singh .	•	٠									•	•	•	50 Bn.	16-11-81
	Badri Prasad .	•										•	•	•		14-11-81
	Raghubir Singh										•	•	•	•	GC (DMP) 37 Bn.	24-10-81
64. ,,	Raghubir Singh Shei	khawat	t								•	•	•	•	31 Bn.	5-11-81(AN
	Umed Singh .									·	•	•	•	•	3 Bn.	7-11-81
	Kishan Lal .	•									·	•	•	•	49 Bn.	6-11-81
	B. S. Rathore										· ·	•	•	•	9 Bn.	21-10-81
	Onkar Mal Yadav	•	•			-	,					•	•	•	GC (HYD)	10-1-82
	P. Gópalakrishnan						•			·	•	•	•	•	GC (PPM)	16-11-81
	D. R. Yadav .	-										•	•	•	39 Bn.	9-11-81
	Sumer ingh .						,			-	•	•	•	٠.	13 Bn.	31-10-81
	V. K. Chakravorty				,					Ī	•	•	•	•	70 Bn.	6-11-81
	S. D. S. Aswal									•	•	•	•	•	70 Ва. 35 Вп.	31-10-81(AN
74. ,,	Rajinder Singh Mehr	a.							•	•	•	•	•	•		27-11-81
75. ,, 1	Devinder Singh .								•	•	•	•	•	•	66 Bn.	31-10-81
	S. Salimuddin .								•	•	•	•	•	•	47 Bn.	28-1-82
	Nar Singh Khatri								-	•	•	•	•	•	62 Bn.	15-11-81
78. ,, I	Hari Chand .		ı.						·	•	•	•	•	•	5 Bn.	16-11-81
								•	•	•	•	•	•	•	13 Bn.	16-6-79
															*	(Adhoc)
50 3	Gardadaa Sirah siyata															17-10-81
	Yoginder Singh Wald	ua .			•		•								7 Bn.	13-11-81
	M. L. Chaturvedi		1	•										Ċ	AWS-I/GC(Hyd)	26-10-81
	Surjit Singh ,			ı											43 Bn,	12-11-81(AN)
	Dhanna Ram			•	•		•					•			47 Ba.	24-10-81(AN)
	P. L. Mahatinwar			•	•	•	•				`,				53 Bn.	16-11-81(AN)
	Diwan Singh .			•								,		·	60 Bn.	7-11-81
	Manwar Singh ,		•	•			Ľ,								1 Bn.	17-11-81
	Hari Singh .				•										23 Bn.	1-11-81
	K. N. Rai			•	•										34 Bn,	15-6-82
	Chhedi Singh .			,											48 Bu.	
	. S. Daber													•	4 Bn.	30-10-81 15 1 82
	I. N. Yadav													•	51 Bn.	15-1-83
	Janpat Singh Rathor	е.												•	51 Bn.	3-11-81
	ulsi Dutt .												:	•	36 Bn.	7-11-81
	ł. P. Yadav	. ,									•		•	•	8 Bn.	30-10-81(AN)
^ ^	lopal Singh Mohtra							_	_		-	-	•	•		30-10-81
	lam Kumar									•			•	•	6 Bn. 26 Bn.	21-11-81(AN) 2-11-81(AN)

1 2													3	4
96. Shri Nazar Singh .					 -	•							Dtc. Genl.	21-10-81(AN
97.,, Rajinder Singh .												,	1 Sig.	22-10-81
98.,, Takhat Singh .	, ,					,		,		. ,			2 Sig.	26-10-81
99.,, Bidhi Singh .													6 Bn.	30-10-81(AN
.00.,, Sucha Singh .											٠.		I Sig.	22-10-81
01. , Darshan Singh .		,											53 Bn.	6-11-81
02. ,, P. B. Sharma .													GC (RPR)	4-11-81
03. ,, M. S. Negi			,										10 Bn.	8-3-82
04. ,, B. L. Mathur .													8 Bn.	01-2-82
05. , Lakhan Singh .													48 Bn.	23-1-82(AN)
06.,, Tersom Singh .													43 Bn.	5-3-82
07. , Jhabbar Singh .													66 Bn.	20-1-82
08. , Yaswant Singh .		_	٠.										44 Bn.	23-1-82
09. , B. S. Tomar .						•						·	36 Bn.	16-1-82
10., Surender Kumar				Ċ	_		·	·		Ċ		Ċ	38 Bn.	19-1-82(AN
11 Banshi Ram .													41 Bn.	6-2-82
12.,, Vikram Singh .				Ċ	·	·	·		·		Ċ	·	GC (DMP)	01-2-82
13. , Abdul Salam Khan	•	-		•	·	Ī			-	·			13 Bn.	29-1-82
14 P. K. Kuruvilla	•	•	•	•	•	•	·	Ť	•	•	•	. •	65 Bn.	05-2-82(AN
15. , Om Parkash Yadav	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	٠	61 Bg.	27-1-82
16 T. Y. Philips .	•	•	•	• •	•	•	•	•	•	•	•		64 Bn.	17 - 2-82
17 S. S. Sekhawat .		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	40 Bn.	30-1 - 82
18. , Munshi Ram .		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	42 Bn.	4-2-82
		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	60 Bn.	26-2-82
20 Ramii Singh .		•	•	. •	•	•	•	•	•	•	•	٠	69 Bn.	28-1-82
21. Bhagwati Prasad Kata	rio	•	•	•	•	•	•	•	,	•	• •	•	10 Bn.	26-1-82(AN)
22. Nathu Ram Yaday		•	•	••	•	٠	•	•	•	•	•	•	GC (DPR)	21-1-82
23 M. P. Yadav	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	36 Bn.	22-3-82
24 Amir Singh		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	:	9 Bn.	17-3-82
25. Chander Bhan .		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	48 Bn.	20-3-82
26., Malagar Singh		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	63 Bn.	16-4-82(AN)
27. , Niranjan Singh		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	. •	65 Bn.	22-3-82
	•	•	•	•	.*	•	•	•	•	•	•		66 Bn.	14-3-82
,,		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	-	18 Bn.	
29. , Subhash Chand Yadar	ve .	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	9 Bn.	8-4-82
30. ,, Inder Singh Yaday .		•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•		3-4-82
31. , Manna Lal	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	٠	•	46 Bn.	6-4-82
32. , Karam Singh	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	68 Bn.	26-3-82
33. ,, K. S. Bisht		•	•	•	•	•	•	•	•	•	-	٠	13 Bn.	29-3-82(AN)
34.,, Jagmehar Singh .	•	•	•	•	•	•	•		•	•	٠	•	33 Ba.	27-3-82(AN)
35. ,, S. S. Tomar .	· •	•	•	٠	•	•	•	•	•	•	•	•	64 Bn.	16-8-82
36. ,, I. M. Devappa		•	•	•	•	•	-	•	-	•	•	•	31 Bn.	6-3-82
37.,, O. P. Dagar	-	-	•	•		٠	•	•		•		•	70 Bn.	14-6-82 (AN

The 23rd March 1983

No. O.II-1599/81-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. D. Mukhopadhyay, General Duty 'Afficer Grade-II, of the CRPF with effect from the afternoon of the 11th February, 1983.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th March 1983

No. 11/66/79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shi D. N. Dhir, an officer belonging to the Punjab Cadre of the Indian Administrative Service, who was working as Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh, on rotation basis, to the Government of Punjab, Chandigarh, with effect from the afternoon of the 28th February, 1983.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 24th March 1983

F. No. BNP/G/7/83.—Shrl H. S. Ronad, a permanent Junior Supervisor (Offset Printing) is appointed to efficiate as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the scale of pay Rs. 650-1200 (Group 'B' Gazetted) on ad hoc basis in Bank Note Press, Dewas in short term leave vacancy with effect from 24-3-83 to 24-4-83.

M. V. CHAR General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hosbangabad, the 11th March 1983

No. 7(59)/13630.—In continuation to this office Notification No. 7(59)/5969 dated 27th Aug. 1982, the adhoc expointment of Shri Raikumar as Assistant Chief Chemist in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 is extended for a further period of six months with effect from 16-2-1983 or till the post is filled on regular basis whichever is carlier.

S. R. PATHAK General Manager

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 25th March 1983 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1/16/83-Admn(G)/1845.—The President is pleased to appoint Shri Rajinder Singh. (CSS SG S.L. 1981) to officiate in Selection Grade of CSS and as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports, and Exports, New Delhi on ad-hoc basis for a period of 3 months with effect from the forenoon of the 17th January, 1983.

A. N. CHATTERJEE
Jt. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 21st March 1983

No. CER/2/83/3.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 20 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/2/77 dated the

15-4-77 namely:--

In the said Notification

After paragraph 7 the following shall be added namely:—
"7-A—Save in accordance with an Order, in writing, issued by the Textile Commissioner, no producer shall produce any 'controlled cloth'."

SURESH KUMAR Textile Commissioner

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

Now Delhi-1, the 22nd March, 1983

No. A-1/42(III):——The President is pleased to appoint the following Officers of the Directorate General of Supplies and Disposals 3 ubstantively in the permanent post of Deputy Director (Gr. II of Indian Supply Service) with effect from the date mentioned against each of them:—

I. No. Name of Office	r	,										Offig. post held at present Date firmat	_
S/Shri	·			·					-				
1. B. A. Shenoy .								٠				Expired.	25-10-70
2. M. A. B. Chugtal	-							-		٠.		Retired	20-12-70
 C. C. Dutta , 												Director (S)	1-3-7
4. D. R. Nagpaul						۲.					-	Retired	1-3-7
V. Nagaraja .											-	Addl. Executive Officer,	18-4-7
												ASRT	
6. Amar Lal								•				Director (S)	21-4-72
 R. N. Ghosh . 											٠.	Director (S)	21-4-7
8. Devki Mohan .												Director (S)	21-4-7
V. S. Chawla .												Dy. Director (S)	21-4-72
10. A. K. Kalyanaraman	١.											Director (S)	21-4-7
11. M. Sundaraman .												Drector (S)	1-7-7
12, R. C. Badlani .												Director (S)	1-7-7
13, R. C. Chhabra ,									-			Director (C&PR)	1-7-7
14. H. L. Aneja .												Director, ISM London	1-7-7
15. R. V. Pattabhiraman												Expired	1-12-7
16. O. P. Srivastava												Director (S)	1-7-7
17. N. Shankar .												Director (S)	1-7-7
18. Sudhanshu Kumar N	Mallick											Retired	22-8-
19. S. C. Kumar												DDG, ISM,	2-1-7
13. 11. 4. 11.		•										Washington	
20. M. C. Panda .				_		_			_		_	Director of Purchase,	1-8-7
201 1121 01 2 3112	•		•	_	,	•	-	-	•	•	_	ISM, Washington.	
21. S. L. Kapur .						٠.						Director (S)	1-9-7
22. M. K. Bhatnagar	•	•	•	•	•	·	•		·	•	•	Director (S)	2-12-7
23. S. K. Bhattacharya	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	Procurement Engineer,	1-2-
25. B. K. Dilattacharya	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	World Bank.	1-2-
24. R. C. Malik												Director (S)	28-2-7
25. Shyam Kishore Mall	ick.	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	Director (S)	1-3-
26. Joginder Pall Mohin	daraa	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	Retired.	15-3-
27. N. N. Khamitkar	deroo			•	•	•	•	•	•	-	•	OSD to Minister of I&P	15-3-
·	•	•	•	•	•	•	•	-	•	•	•	Director (S)	15-3-
	•	•		•		•	•	•	•	•	•	Director (S)	15-3-
29. T. A. Awatramani.	٠	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	Director (S)	15-3-
30. S. L. Jindle .	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	To 1 (0)	1-5- 30-6-
31. R. W. Suryawanshi.	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•		
32. Girdhari Lal .	-	•	•	•	•	•	•	•	•	•	•	Dy. Director (S)	1-10-
33. Om Parkash .	•	•	•	•	٠	•	•	•	•	•	•	Dy. Secy. in Min. of Defecte	
34. Mam Chaud .	-	•	•	•	•	•	•	•	•	٠	-	Director (S)	27-3-8

S. BALASUBRAMANIAN Doputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 23rd March 1983

No. 2491B/A-19012(4-AB)/82-19B.—Sri Arabinda Biswas, S.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd January, 1983 until content or of the scale o further orders.

The 25th March 1983

No. 2591B/A-19012(2-KVR)/81-19B.—Shri K. Venkateswar Rao, Asstt. Geophysicist, Geological Survey of India relinquished charge of the post of Asstt. Geophysicist, in Geological Survey of India w.e.f. 25-5-1982 (AN) on resigna-

S. K. MUKERJEE Director General

SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 19th March 1983

No. C5928/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Officiating Superin-No. C5928/718-A.—Shri A. B. Sarkar, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office (now on deputation as Map Curator), is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (GCS Group 'B' post), on ad-hoc basis, in No. 102(PLO) Printing Group (EC), Calcutta in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 14th January, 1983 (AN) to 14th February, 1983 vice Shri G. C. Auddy, Establishment and Accounts Officer proceeded on leave.

The 21st March 1983

No. C-5929/579-A.—The undermentioned officers are appointed as Assistant Manager, Map Reproduction (GCS Group 'B' post) in a substantive capacity with effect from 10th February, 1983 :-

- 1. Shri S. K. Sarkar
- 2. Shri B. S. Dhingra
- 3. Shri M. S. Bhardwaj

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhl, the 22nd March 1983

No. 1/4/83-SII.—Director General, All India Radio, pleased to appoint Shri G. P. Sharma, Accountant All India Radio, Indore to officiate as Administrative Officer, on ad-hoc basis at All India Radio, Rewa with effect from 11-3-83 (F.N.).

> S. V. SESHADRI Deputy Director Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 25th March 1983

No. A.47011/1/82-SL.—Consequent on his transfer from Medical Store Depot, Gauhati, Shri M. L. Meena, relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (MS). on the afternoon of 30-11-1982 and assumed charge as Deputy Assistant Director General (MS) Government Medical Store Depot, Madras with effect from 3-1-1983, 35-26GI/83

Consequent on his transfer from Medical Store Depot, Madras, Shri R. Mandal, relinquished charge of the post of Deputy Assistant Director General (MS), on the afternoon 31-12-1982 and assumed charge of the post of Deputy Assistant Director General (MS), Government Medical Store Depot Grapheti with effect from the forenoon of 13-1-1983 Depot, Gauhati with effect from the forenoon of 13-1-1983.

RAMESH CHANDER Deputy Director Admn. (Stores)

INDIAN POSTS AND TELEGRAPHS DEPARTMENT OFFICE OF THE GENERAL MANAGER TELEPHONES Subject:—Notice of termination of service under Rule 5 (1) of the CCS (TS) Rules 1965.

Bangalore-9, the 31st December 1982

No. PF-7127/9.—In pursuance of Sub-Rule (I) of Rule 5 of the CSS(TS) Rules 1965, I Sri C. Venkataswamy, Assistant Engineer (Staff), Office of the General Manager, Telephones, Bangalore hereby give notice to Sri P. Rajamanickam, Watchman that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on him.

C. VENKATASWAMY Assistant Engineer (Staff) Bangalore Telephones

MINISTRY OF IRRIGATION CENTRAL SOIL & MATERIALS RESEARCH STATION

New Delhi-110016, the 25th March 1983

No. 1/92/82-Estt.I.—In pursuance of sub rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, I, C. Sudhindra, Director, Central Soil & Materials Research Station hereby give notice to Shri Ramesh Chander, Cleaner that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on, or as the case may be, tendered to him.

C. SUDHINDRA Director (CSMRS)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoint Smt. Roshen Burior Mistry, Assistant Matron to officiate as Matron (Rs. 650—1200) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 27-12-1982 (FN) to 5-2-1983 (AN).

No. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Balkrishna Mahadco Naik, Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650—960) in this Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 9-2-1983 (FN) to 11-3-1983 basis for the period from 9-2-1983 (FN)

The 18th March 1983

No. PA/76(1)/83-R-III.—Controller. Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Arvind Vithal Sahasiabudhe, Junior Accounts Officer from Post and Telegraph Department, Bombay Telephones, Bombay on deputation as Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from March 8, 1983 (FN) to March 7, 1985 (AN) or until further orders whichever is earlier. (AN) or until further orders whichever is earlier.

R. C. Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 23rd March 1983

PPED/3(282)/83-Estt.I/4194.—Director. Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. Basha Mohideen, Junior Accounts Officer, St. No. 24923 of Indian Posts and Telegraphs Department, Bombay on deputation basis in this Division as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from the forenoon of February 28, 1983 until further orders.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

Bombay-5, the 4th March 1983

No. PPED/4(910)/82-Adm/3122.—Consequent on his repatriation to his parent Department, Shri S. G. Mustafa, Asstt. Accounts Officer, has relinquished charge of his post in this Division with effect from the Forenoon of February 28, 1983.

B. V. THATTE Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 19th March 1983

No. DPS/2/1(8)/82-Adm/11014.—On transfer from Stores Unit (DPS), AMD Bodal Mines, Rajnandgaon, Shri K. C. S. Pillai, a permanent Storekeeper and officiating Assistant Stores Officer has been appointed in the Stores Unit (DPS), Heavy Water Project, Manuguru of the same Directorate in the same capacity with effect from February 14, 1983 (FN), until further orders.

S. KRISHNAN Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 23rd March 1983

No. NFC/PAR/1603/814.—Competent Authority appoints Srl A V. Kamath, Scientific Asstt. 'C' to officiate as Scientific Officer in the grade of 'SB' with effect from 1-10-1982 on an initial pay of Rs. 775/- p.m. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity until further orders

G. G KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-16, the 22nd March 1983

No. AMD-16/3/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby extends the ad-hoc appointment of Shrl T. P. George, Assistant as Assistant Personnel Officer from 12-2-1983 to 11-3-1983 vice Shrl Bh. L. G. Sastry, Assistant Personnel Officer who was granted extension of leave.

The 24th March 1983

No. AMD-1/25/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Harekrishna Mohanta as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 14, 1983 until turther orders.

The 26th March 1983

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division. Department of Atomic Energy hereby appoints Shri K. Balachandran as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of March 21, 1983 until further orders.

T. D. GHADGE Sr. Administrative & Accounts Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO HEADQUARTERS

Bangalore-560009, the 7th March 1983

No. HQ:ADMN:12.25.—Member (F & A) ISRO Council is pleased to appoint Shri V. K. Eknath. Administrative Assistant 'B, ISRO Liaison Cell, Bohmbay as Assistant A-lministrative Officer in grade Rs. 650—30—740—35—880—FB—40—960 in ISRO Liaison Cell, Bombay of the Department of Space with effect from the forenoon of February 11, 1983 and until further orders.

M. P. R. PANICKER Sr. Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 17th March 1983

No. A.32014/2/82-EC(Vol.III).—The President is pleased to appoint Shri R. K. Naz, Communication Assistant in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—1200 for a period of six months w.e.f. 1-3-83 (FN) and to post him at ACS, Delhi.

The 23rd March 1983

No. A.32013/12/82-EO.—In continuation of this Department's Notification No. A.32013/4/80-EC(pt) dated the 10th Jan, 1983, the President is pleased to appoint the following three officers to the grade of Assistant Director of Communication on a regular basis w.e.f. 11th March, 1983.

- , 1. Shri P. K. Singhal, Sr. Comm. Officer.
 - 2. Shri R. S. Gahlot, Sr. Technical Officer.
 - 3. Shri B. N. M. Rao, Sr. Tech. Officer.

O. P. AGGARWAL Assistant Director (Admn.)

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 19th March 1983

No. 13/24/82-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been pleased to appoint Shri D. S. Bhatt on the post of Hindi Officer in a substantive capacity with effect from 3-7-1975.

RAJAT KUMAR Registrar Forest Research Institute & Colleges

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 25th March 1983

No. 1/78/83-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri D. M. Wankhedkar, Officiating Assistant Administrative Officer, Bombay Branch, as Administrative Officer, in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 11th March, 1983, until further orders.

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS (CENTRAL PUBLIC WORKS DEPRATMENT)

New Delhi, the 29th March 1983

No. 33/1/81-EC.IX.—The Pesident is pleased to appoint Shri Birinder Pal Singh Ahuja a nominee of the U.P.S.C. rainst the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department on a

pay of Rs. 1200/ P.M. as per recommendations of the U.P.S.C. in the scale of Rs, 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 26-2-1983 (FN) on the usual terms and conditions.

2. Shri Ahuja is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment.

Deputy Director of Administration

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 21st March 1983

No. F.48-Ad(AT)/1983.—Shri R. K. Ghosh, Asstt. Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay B. Aches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period from 6-8-1982 to 31-1-1983 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/1982, dt. 5th October, 1982, is now permitted to continue to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Ahmedabad Benches, Ahmedabad on ad-hoc basis in a temporary capacity for a further period of three months from 1-2-1983 to 30-4-1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. K. Ghosh, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F.48-Ad(AT)/1983.—Shri S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal, Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of six months with effect from 1-6-82 to 30-11-82 vide this office Notification No. F.48-Ad(AT)/82 dated 14th July, 1982, is now permitted to continue to officiate in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate cribanal, Bombay Benches, Bombay for a further period of six months with effect from 1-12-1982 to 31-5-1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow up-in Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/7-82/600/SR-III.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land, situated at Vill. Devoli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Usha Jain W/o Suresh Jain, R/o C-29, Panchashil Enclove, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Raj Kumari Malhotra, W/o M. L. Malhotra R/o Zi/A, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of
 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 3 Bighas and 9 Biswas Mastatil No. 3, Killa No. 21 (1-17) M. No. 2, Killa No. 25 (1-1-) 16 (0-11) Vill. Devoli, New Delhi, Teh. Mehrauli.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1983

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-82/603.---Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. M-15 situated at Greater Kailash, Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi,

on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Villayati Ram Mittal S/o Late Sh. Kundan Lal r/o F-345, Kotla Mobarakpur, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Asha Bansal W/o Prem Kumar Bansal (2) Sh. Prem Kumar Bansal S/o Sh. Siri Ram C/o Mr. Surinder K. Bansal, M-69, Greater Kailash-II, Marketing Centre, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One flat being property No. M-15, Greater Kailash, Part-I, New Delhi on first floor back side.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-82/611.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

bearing
No. S-252 situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi
on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Madhir Khurana, W/o Mr. Manohar Lal Khurana r/o S-252, Greator Kailash-II, Ground Floor, New Delhi.

(Transferor)

(2) Indcon Engg. (P) Ltd. 305 Mansarovar, 90 Nehru Place, New Delhi-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of property No. S-252, Greater Kailash-II, New Delhi, 35% of 300 sq. yds.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisitlor Range-T G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

Scal:

(1) Shri Amar Nath Kandhari s/o Sh. Karam Chand Kandhari r/o C-427, Defence Colony, New Delhi. (Transferor)

(2) Vinay Mehra, Chand Mehra, Pawan Mehra s/o C. L. Mehra, Navin Mehra, Deepak Mehra s/o A. K. Mehra and Amit Mehra s/o Y. P. Merda r/o S-555, Greater Kailash-II, New Delhi, through C. L. Mehra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-82/624.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Sultanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N.Delhi Coimbatore on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 4 bighas and 10 biswas Kh. No. 299 min. village Sultanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-2-1983

Seal

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE I NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/7-82/625.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. Land situated at Vill. Sultanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or 1 三型網 图 411
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Suraksha Kandhari W/o Sh. S. K. Kandharl 1/0 427, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vinay Mehra, Chand Mehra, and Pawan Mehra, s/o C. L. Mehra, Navin Mehra and Deepak Mehra s/o Sh. A. K. Mehra and Amit Mehra s/o Sh. Y. P. Mehra r/o S-555, Greater Kailash-II, New Delhi through C. L. Mehra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 13 bighas and 19 biswas Kh. No. 295/3 (1-0), 296/1(1-0), 296/2(1-16), 297/1(0-17), 298/1(0-10), 298/2(3-6), 298/3(1-0), (4-10), with tube-well, fittings and fixtures Village Sultanpur, Teh. Mehrauli New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Act. I/SR-III/7-82/626.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agri. land situated at Vill. Chhattarpur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
36—26GI/83

(1) Shri S. Sohan Singh Anand s/o Hadbans Singh, S. Harvinder Pal Singh s/o S. Sohan Singh Ananad and Mrs. Nirupam Kaur w/o Sh. Harvinder Pal Singh r/o N-3, South Extn. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Chander Rakheja s/o D. R. Rakheja r/o R-63, Greater Kailash-1, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Bighas and 7 biswas Kh. Nos. 1461 min (4-16), 1464/1(1-12), 1464/2(3-4), 1465 min (4-15) with farm house, fittings and fixtures Vill. Chhattarpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/7-82/638.---Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Agri. land situated

at Vill. Khanpur, Tch. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Malasrce Jolly W/o Capt. Rajmohan Jolly r/o JE Sonaly 8/2-A, Alipore Park Road, Calcutta-700027.

Transferor)

(2) Dr. Jagdish Chander Malhotra, S/o Late Dr. Aya Ram Malhotra (2) Mrs. Santosh Malhotra W/o Dr. Jagdish Chander Malhotra (3) Mr. Rahul Malhotra & (4) Mr. Rohit Malhotra both s/o Dr. Jagdish Chander Malhotra, C-17, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 4 bigha 16 biswas (1 Acro) bearing Kh. No. 318 Vill. Khanpur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

FORM 1.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-82/657.--Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Bhati Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27' of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Triloki Nath Khanna s/o Late L. Gokal Chand r/o 21-A. Aurangzebe Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Geeta Uttam D/o Harkishan Uttam R/o New Delhi 15, Birbal Road, Jangpura Extension, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 20 bighas and 5 biswas bearing Kh. No. 945(1-19), 1995/962(6-0), 961 min (3-4), 946, min. (2-9), 963 min., (2-0), 944 (4-13), with orchard, boundary wall, tittings fixtures situated in Vill. Bhati, Teh. Mehrauli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

Scal:

- (1) Shri Triloki Nath Khanna s/o Late Sh. Gokal Chand r/o 21-A, Aurangzeb Lane, New Delhi. (Transferor)
- (2) Miss. Reshma Uttam d/o Sh. Harkishen Uttam r/o 15 Birbal Road, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, NEW DELHI I.P. ESTATE

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-82/658.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bhati, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereifi as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 20 bighas and 2 biswas bearing khasra No. 963 min. (4-8), 1996/962(3-1), 1013(4-6), 1018(1-18), 1021(3-3), 1020(3-6) with tube well, orchard, boundary wall, fittings and fixtures Vill. Bhati, Teh, Mehrauli, New

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/7-82/659.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shi Mohan Lal Vadhara s/o Late Ishar Dass Vadhara r/o Triveni Garden, New Delhi.
- (2) K. K. Khullar s/o M. L. Khullar r/o C-4/13, Safdarjung Development Area, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 17 bigha and 3 biswas Kh. No. 505 (4.15) 506(6.17), 507(2.18), 508(0-6) 511(2-7), Vill. Gadalpur. Tch. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/7-82/660.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding As. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Bhati, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Triloki Nath Khanna 5/0 Late L. Gokal Chand r/o 21-A. Aurangzeb Lane, New Delhi.

 (Transferee)
- (2) Miss Bhawna Uttam d/o Harikishan Uttam r/o 15, Birbal Road, Jangpura Extension, New Delhi, (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 20 bigha bearing Khasra No. 1022 (5-1), 1023 (2-2), 1017 (2-10), 1015 (2-6), 1010 (2-14), 1011-(1-17), 1012 (3-10), with boundary wall orchard, fittings and fixtures, situated in vill. Bhati, Teh. Mehaurali, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. 1AC/Acq. 1/SR-III/7-82/661.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Bhati Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Triloki Nath Khanna S/o Late L. Gokal Chand r/o 21-A, Aurangzeb Lune, New Delhi.
- (Transferor)
 (2) Mrs. Renu Uttam w/o Sh. Harkishan Uttam r/o
 15, Birbai Road, Jangpura Extension, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 26 bighas bearing Khasra Nos. 947-(4-15), 950(1-6), 961 min (4-10), 951(6-18), 957(3-14), 959(2-16), 946 min (1-8) 958(0-13, with tube wall srevant quarters, boundary wall, orchard, and fitting fixtures situated in Vill. Bhati Tch. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, 1. P. Estate
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

Seal

FORM 1.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Triloki Nath Khanna s/o Late Gokal Chand r/o 21-A, Aurangzeb Lane, New Delhi.

(Transferor)

(2) Harkishan Uttam s/o Sh. Hoondamal Uttam r/o 15, Birbal Road, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/7-82/663.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agri. land situated at Vill. Bhati Teh. Mehrauli, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at N. Delhi

in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 21 bighas Khasra Nos. 954(8-8), 949(1-11), 953(1-1), 952(2-18), 955(4-2), 952(3-0), with orchard, trees fittings fixtures, boundary wall, situated in village Bhati, Teh. Mehrauli, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE I
G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE
NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983 Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/7-82/664.—Whereas, I. NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Sultaupur, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
37—26GI/83

 Smt. Suman Kanodia w/o Bishan Lal r/o 368, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Bajrang Lal & Sons (HUF), through Karta Subhash Chand Gupta r/o C-9, CC Colony, Delhi, Ram Niwas & Sons (HUF) through its karta Ram Niwas Gupta r/o C-1, CC Colony Delhi & Bhim Sain & Sons (HUF), thorugh its karta Bhim Sain Gupta B-5, CC Colony, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) Iv any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 Bigha and 1 biswas, Khasra No. 736, with boundary wall khotha, tube-well (hand pump), plants and trees vill. Sultanpur New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/7-82/669.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-30 situated at Greater Kailash, Part-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naprely:—

- (1) Smt. Soha Palit W/o Sh. A. R. Palit R/o M-30, Greater Kailash-, New Delbi.
 - (Transferor) 🛷
- (2) Dr. Manik Ranjan Dutta S/o Late Dr. Girish Chandra Dutta r/o F-7, East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor and above with the construction there at and the second floor of the servants quarter above the Garage in the out-house of property No. M-30, Greater Kailash, Part-I, t-New Delhi. (Mg. 500 Sq. yds.).

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delhi x

Date: 15-2-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hardayal Singh son of Amarjit, Singh r/o %-246, Panch Shila Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Manmohan Kaur W/o Sh. Hardayal Singh r/o S-246, Panchshila Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G 13, GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-82/700.—Whereas, I,

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Industrial Plot No. B-2. Block No. B-1 situated at The Mohan Co-operative Industrial Estate Ltd. New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi

in July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial plot No. B-2, Block No. B-1, in the layout plan of the Mohan Co-operative Industrial Estate Ltd. New Delhi. Mg. 728.66 sq. yds,

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE **NEW DELHI**

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-82/705.--Whereas, J.

NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 23 storeyed house on plot mg. 496 sq. yds. situated at

8-A. Block B Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at N. Delhi

in July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Sushila Wati W/o Late Sh. Nauhria Ram R/o B-8-A, Kailash Colony, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Kewal Singh Sandhu and Kalvinder Singh Sandhu of 43, Hilleraft Crescent Balling London W-5 C/o Sh. Ram Asra, E-157, Ashok Vihar, Phase-I, Delhi.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 storeyed house on plot measuring 496 sq. yds. (344.6 sq. mtrs.) No. B-A. Block 'B' Kallash Colony, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate Delhl/New Delhi

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-IΠ17-82/706.—Whereas, I,-NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. Built plot No. BIV/113 situated at Amar Colony, Lajpat Nagar New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at N. Delhi

in July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Setion 269C of the said At. I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amar Singh through Attorney, Ravi Verma, W.Z. 108, Meenakashi Garden, Najafgarh Road, New Delhi.

Transferor

(2) Shri Krishna Kumari W/o Sh. Raj Pal r/o B-IV/ 115, Lajpat Nagar Amar Colony, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built plot No. B-IV/113, Amar Colony, Lajpat Nagar, New Delhi, Mg. 100 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
G-13-Ground Floor, CR Building, I. P. Estate
Delhi/New Delbi

Date: 15-2-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/7-82/559.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing

No. 10009 on plot No. 2, Block No. 18 situated at Kh. No. 769/767 W.F.A. Karol Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1982

ć

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Anil Vasudeva S/o Late V. N. Vasudeva through attorney Smt. Poonam. Vasudeva; Sunil Vasudeva & Rajeev Vasudeva Ss/o V. N. Vasudeva 43, Prithvi Raj Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar Sachdeva, Rajeev Sachadeva Se/o Man Mohan Lal R/o 3470, Niclson Road, Delhi Harvinder Pal Singh, Surinder Pal Singh Se/o S. Gurbux Singh 38/83, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 10009, on plot No. 2, Block No. 18, Mg, 240 sq. yds Kh. No. 769/767, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/7-82/563.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Vill, Sultanpur, Teh, Mchrauli, New Delhl

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Santosh Kumari W/o Yoginder Mohan R/o C-4/11, Rana Partap Bagb. Delhi. (Transferor)

(2) Shri C. P. Mahant S/o K. D. Mahant R/o A-13, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land Khasra No. 3(1-8), 10(4-10), Vill, Sultanpur, Tch. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/7-82/553.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Aya Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ((1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Shri Badley s/o Nanwa, Sultan and Teja Sa/o Jhandu, r/o Village Aya Nagar, New Dejhi,

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitaranjan Avenue, Calcutta, through Shri Jaspal Singh.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 1/2 share in nearing Kh. No. 1826 (4-16), 1536/2(2-4), and full share in Kh. No. 1839/1 (2-3), Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

Seal

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Rcf. No. IAC/Acq.I/SR.III/7-82/558.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, Tch. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
38—26G1/83

(1) Shri Rattan Lal s/o Man Sukh r/o Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Chahal w/o Hardin Siagh, r/o 125A. Niti Bagh, New Feldi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in Agri. land measuring 19 bighas & 1 biswa, M. No. 32, Kila No. 23/2(2-0) M. No. 47, Kila No. 3 (4-9), 4(4-16), 15/1 (1-15), 6/2 (1-15), 7(4-16). Village Jonapur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-inz,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

FORM I.T.N.S.-

(1) Shi Rattan Lal s/o Mansukh r/o Jonapur, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurmit Singh s/o S. Swaran Singh, r/o 125A, Niti Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I,
G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR.III/7-82/559.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land, situated at Village, Jonapur, Tch. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforespid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforespid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

1/4th share in Agri. land measuring 19 bighas and 1 biswas M. No. 32, Killa No. 23/2 (2-0), M. No. 47, Killa No. 3(4-9), 4(4-16), 15/1, (1-15), 6/2 (1-15), 7(4-16), Village Jonapur, Tch. Mchrauli, New Dchi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR. 111/7-82/563.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land, situated at Village Bhati, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1982

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ram Karan s/o Umrao, r/o Asola, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Rajiv Lochan s/o O. P. Khari, r/o A-21/93, I.odi Colony, New Delhi, through Radhay Shyam.

(Transferee)

-Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land Khasra No. 273(7-13), Village Bhati, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref .No. IAC/Acq.I/SR.III/7-82/562.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land, situated at Village, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Karan S/o Umrao Rathi W/o Ramswaroop; Ram Kali D/o Arjan, Romal, Misri, Mukti, Phool Singh s/o Barkat; Romali and Asharfi Ds/o Barkat and Munshi S/o Ramphal. New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Rajiv Lochan s/o O. P. Khari R/o A-21/83, Lodi Colony, New Delhi Through Radhey Shyam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Khasra No. 274 (8-00), 296(1-4), General attorney. Village Bhati, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR EUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.J/SR.11I/7-82/558.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land, situated at Village Bhati, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the efor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ram Karan s/o Umrao,
Rathi w/o Ramswaroop,
Ramkalli d/o Arjan,
Romad, Misri, Phool Singh,
ss/o Barkat,
Romali and Ashark ds/o Darkat,
Munshi s/o Ramphal.

(Transferor)

(2) Dr. Rajiv Lochan s/o Sh. O. P. Khari r/o A.21/93, Lodi Colony, New Delhi, turough Gen. Attorney Radhey Shyam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms, and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. 1and Khasra No. 275(8-10), 290(0.15), 297(0-4), situated at Village Bhati, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-t, Defin/New Delhi

Date : 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/72-82/582.—Whereas, 1. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Agricultural land, situated at Village Bijwasan, Teh.

Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S/Shri Gopal, Jaat Ram and Chhattar S/o Krishan Lal, R/o Village Bijwasan ,Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor) (2) Shri Satinder Khanna s/o Late Ram Saran Dass, Arun Khanna S/o Parmanand Khanna, · Atul Khanna s/o Shri Vishwar Nath Khanna and Ajay Khanna s/o Late Jagdish Chand Khanna R/o 65A/6 Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Mustafil No. 105, Killa No. 1(4-9), 10(4-1), M. No. 88, Killa No. 21/2(2-10), M. No. 105, Killa No. 26(0-5), with well Village Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

> NARINDAR SINGH . Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 25-2-1983

FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/7-82/583.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan,

Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Gopal, Jaat Ram and Chhattar S/o Krishan Lal, R/o Village Bijwasan ,Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shr Rishi Raj and Ravi Raj Ss/o Baldev Raj, R/o 33-B, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bighas and 16 biswas Khasara No. 105/9, situated in Village Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI.HI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. TAC/Acg.I/SR.HI/7-82/584.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan, Teh.il Mebrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax trader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kafi Ram s/o lmrat R/o Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satinder Khanna s/o Ram Saran Das, Arun Khanna s/o Parma Nand Khanna, Atul Khanna s/o Vishwa Nath Khanna and Ajay Khanna s/o I ate Jagdish Chand Khanna, R/o 66A/6, Rohtak Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforeseid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land M. No. 105, Killa No. 11(4-9), 20 (4-9), Village Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Siri Ram s/o Niyadar R/o Village Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Raasti & Co. C/o E-283, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-82/643.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 3aid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agricultural land situated at Village Dera Mandi, Teh. Mehrauli, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evazion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—26GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bighas and 12 biswas bearing Mustatil No. 46 Killa No. 14(4-16), 17(4-16), Village Dera Mandi Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date : 25-2-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

, Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/7-82/642.—Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Dera Mandi, Tch. Mehrauli, N. Delhi

Delhi on July 1982

transfer with the object of :--

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Siri Ram s/o Niyadar R/o Village Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Raasti & Co. C/o E-283, Greater Kailash-II. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 bighas and 12 biswas bearing Mustatil No. 46 Killa No. 7(1-4), 18(0-10), 24(4-16), situated in Vill. Dera Mandi, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

Seal

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983 Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/7-82/645.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dharam Singh s/o Nihal, Gopal and Khacheru s/o Hargyan, R/o Aya Nagar, New Delhi,

(Transferor)

 M/s. Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bighas and 12 biswas bearing Kh. Nos. 1506/(2-6), 1507/1(1-6) and also 288/63783 share in agricultural land situated in Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/7-82/646.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Prem Singh S/o Mewa, R/o Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta, through Jaspal Singh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 3 bighas and 13 biswas bearing Kh. No. 1911(2-4), 1912(3-3), 1914 (3-14), 1917/2(1-9), 1918 (3-19), situated in Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-t,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. JAC/Acq.I/SR.III/7-82/647.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Aya Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

À

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhim Singh s/o Mewa, R/o Aya Nagar, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue, Calcutta, through Jaspal Singh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Agricultural land measuring 14 bighas and 12 biswas bearing Kh. No. 1911(2-4), 1912(3-3), 1914(3-18), 1917/2(1-9), 1918 (3-19), Vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Nain Singh S/o Mewa R/o Aya Nagar New Delhi,

(Transferor)

(2) M. s. Navrang Commercial Co., (P) Ltd. 219, Chitranjan Avenue Calcutta, through [aspal Singh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/S.R. III/7-82/648,—Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Ayanagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Agr. land mg. 14 bighas and 13 biswas nearing Kh. No. 1911 (2-4), 1312 (3-3), 1914 (3-18), 1917/2 (1-9), 1918 (3-19), situated in Vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq./I/SR-III/7-82/649.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of ony income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Girdhari
 S/o Shri Jage Ram
 R/o Village Aya Nagar,
 Tch. Meh., New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P.) Ltd. 219, Chitranjan Avenue Calcutta, through Jaspal Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Agr. land mg. 9 bighas and 10 biswas bearing khasra Nos. 1562 (1-15), 1628/2 (0-3), 1629/1 (2-2), 1633/2 (2-5), 1886/1 (1-12), 887/1(0-9), 1896/1 (1-14), Village Aya Nagar, Teh. Meh., New Delhi.

NARINDAR SINGH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Ran Singh
 S/o Balli
 R/o Village Aya Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chitranjan Avenue Calcutta, through Jaspal Singh.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq/I/SR-III/7-82/650.—Whereas, L NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated Vill. Aya Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in agr. land mg. 9 bighes and 10 biswas khasra No. 1562 (1-15), 1628/2 (0-3) 1629/1 (2-2), 1633/2 (2-5), 1886/1 (1-12), 1887/1 (0-9), 1896/1 (1-4), Villago Aya Nagar, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Date: 25-2-1983

Sea!

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq/I/SR-III/7-82/655.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
40-26GI/83

Shri Bhondu
 S/o Budh Ram
 Badley, Raghbir
 S/o Vir Narain
 R/o Vill. Dera Mandi,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Rassti & Co. C/o E-283, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 9 bighas and 4 biswa bearing M. No. 46, Killa No. 25(4-12), M. No. 49 Killa No. 5(4-12), Vill. Dera Mandi, New Delh. i

NARINDAR SINGH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

Shri Kartar Singh
 S/o Kanahiya Singh
 R/o F-69 Bali Nagar, New Delhi
 through attorney Sunil Gupta.

(Transferor)

(2) M/s Mandhukunj Products
BM-5, (West) Shalimar Bagh, Delhi
through partner Ram Parkash Sharma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. IAC/Acq/I/SR-III/7-82/666.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Gadaipur, Teh. Mehraull, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer we agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in agri. land, measuring 5 bighas and 18 biswas Kh. No. 542/1 (1-0), 543 (1-12), 543/2/2 (3-0), 544 min, (0-6), with tube well, boundary wass, room, trees etc. Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Compensation Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq/I/SR-IV/7-82/171.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing. Plot No. A/6 situated at Radhey Puri, Vill. Khureji Khas

illaga Shadara Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income ny moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the futuowing persons, namely :-

(1) Smt. Malti Devl W/o Shri Shiama Charan Saxena D/o Shri Mahadev Pershad R/o A-6, Radhey Puri, Delhi-51.

(Transferor)

Smt. Harjeet Kaur Wo Shri Harbans Singh R/o J-2/2 Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/6, area 100 sq. yds., along with the structure situated at Radhey Puri, vill. Khureji Khas illaqa Shadara Delhi.

> NARINDAR SINGH Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Malti Devi W/o Shri Shima Charan Saxena R/o A-6, Radhey Puri, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Singh S/o Shri Gurmukh Singh R/o H, No. J-2/2, Krishan Nagar, Delhi-51.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Rcf. No. IAC/Acq/I/SR-IV/7-82/199.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One half of plot No. A/6, situated at Radhey Puri Kharuji Khas Shabdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by, more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovs able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One half of plot No. A/6, measuring 100 eq. yds. measuring $15^{\circ}\times60^{\circ}$; along with structure, situated at Radhey Puri, Khureji Khas Shahdara, Delhi-51.

NARINDAR SINGH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th February 1983

Ref. No. 1AC/Acq.1/SR-III/7-82/665.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Gaduipur, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kartar Singh
 S/o Kanahiya Singh
 R/o F-69, Bali Nagar,
 New Delhi,
 through attorney Sunil Gupta.

(Transferor)

(2) M/s Madhukunj Products BM-5, (West) Shalimar Bagh, Delhi. through partener Ram Prakash Sharma.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share in Agri, land measuring 5 bighas and 18 biswas Kh. No. 542/1 (1-0), 543/1 (1-12), 543/2/2 (3-0), 544 min (0-6), with tubewell, boundry wall room, trees, etc. Vill. Gadaipur, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 25-2-1983

Scal:

(1) Smt. Pratima Das

(Transferor)

(2) Smt. Santana Dey

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th March 1983

Ref. No. 1257/Acq/R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 51 situated at Ram Dulal Sarkar Street Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-7-1982

calcula on 24-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 1K 4Ch 44 sft, being with building premises No. 51, Ram Dulal Sarkar Street, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Abmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Date: 14-3-1983

FORM I.T.N.S.--

- (1) Sm. Nirmala Devi & Hem Hingorani
- (Transferor)
- (2) M/s. Dudhoria Construction Co. Ltd.

(Transfree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th March 1983

Ref. No. TR-216/82-83/Sl. 730/IAC/Acqn. R-I/Cal.—Whereas, J. M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/1A situated at Biplabi Anukul Chandra Street, Calcutta-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 24-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 11K 9Ch 12 sft, with brick built structures being premises No. 1/1A, Biplabi Anukul Chandra Street Calcutta-72, registered before the Registrar of Assurences, Calcutta vide Deed No. 6411 dated 24-7-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmad Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-3-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the14th March 1983

Ref. No. AC-92/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (48 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No P-13, Mitra Colony situated at P. S. Behala, Calcutta-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at D. R. Apipur on 31-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Jyoti Kana Roy P-13, Mitra Colony, Calcutta-34.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Santi Ghosh 2. Goutam Ghosh 3. Ashoke Ghosh

 - Dipankar Ghosh
 Sidhartha Ghosh all of 746, P-Block, New Alipur, Calcutta-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Areas 5k. 5ch. (with building) being pre. No. P-13, Mitra Colony, P. S. Behala, Cal. 34. More particularly described in dede No. 12147 of August, 1982 of D. R. Alipur., Calcutta.

C. ROKHAMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54 Rafi Ahmad Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 14-3-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE United Act, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1983

G. I. R. No. K-116/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Arazi No. 57/2 situated at Mauza-Mawaiyya, Pargana-Shivpur, Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

Varanasi on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mangla Prasad Singh

(Transferor)

(2) 1. Dr. Kharag Bahadur Singh 2. Shri Rajesh Kumar

3. Smt. Premlata Singh

(3) Above vendors.

(Transfree)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 57/2, measuring 91 decimals, situated at Mauza—Mawaiyya, Pragana—Shivpur, Tehshil and Distt. Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5919, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar. Varanasi,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 14-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1983

G. I. R. No. Z-1/Acq.—Whereas I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 42/107 situated at Mohalla-Chah Mehma,

Chowk, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

Varanasi on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1)1. Smt. Putli Devi 2. Shri Mangla Prasad 3. Shri Budhu Prasad
 - 4. Shri Puran Prasad
 - 5. Smt. Malti Devi
 - 6. Smt. Shanti Devi 7. Smt. Munni Devi

(Transferor)

(2) 1. Shri Zulfiqar Alam 2. Shri Jamshed Alam

3. Shri Khurshid Alam

(Transfree)

(3) Above vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 42/107, situated at Mohalla—Chah Mehma, Chowk, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6024 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following. persons, namely:-

Date: 14-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th March 1983

G. I. R. No. Z-2.—Whereas I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 42/108 situated at Mohalla-Chah Mehma, Chowk,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) 1. Smt. Putli Devi

Shri Mangla Prasad
 Shri Dudhu Prasad

Shri Puran Prasad

5. Smt. Malti Devi 6. Smt. Shanti Devi

7. Smt. Munni Devi

(Transferor)

(2) 1. Shri Zulfiqar Alam 2. Shri Jamshed Alam

Shri Khurshid Alam

(Transfree)

(3) Above vendors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 42/108, situated at Mohalla-Chah Mehma, Chowk, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6022 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICÉ UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 14th March 1983

G. I. R. No. Z-3/Acq.-Wherens I, A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. CK, 42/106 situated at Mohalla—Chah Mehma, Halka-Chowk, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ant, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Smt. Putli Devi 2. Shri Mangla Pri Shri Mangla Prasad Shri Budhu Prasad 4. Shri Puran Brasad 5. Smt. Malti Devi Smt, Shanti Devi

(Transferor)

(2) 1. Shri Zulflqar Alam

Smt. Munni Devi

(Transfree)

(3) Above vendors,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. CK. 42/106, situated at Mohalla-Chah Mehma, Halka-Chowk, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6023, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. 11I-684/Acq/82-83.—Whereas, 1, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Thana No. 53, Tauzi No. 5272 Khata No. 108 Plot No. 125, 427 situated at Muradpur Mahal, Patna Dist'. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 26-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rup Narain Singh S/o Late Sheo Balak Singh of Mahangupur, P.S. Phulwari, P.O. Chirausa, Dist. Patna.

(Transferor)

- (2) Shri Loki Bhagat S/o Late Lachchan Rai of Saidpur Kothiya P.O. Sadakat Ashram, Patna Dist. Patna.
 (Transferee)
- (3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Acker 2½ decimal situated at Muradpur Mahal, Patna and morefully described in deed No. 7012 dated 27-7-1982 registered with D.S.R. Patna,

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-1983

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-682/Acq/82-83,—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Thana No. 53, Tauzi No. 5272 No. 68, Plot No. 124, 133 situated at Muradpur Mahal, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1,908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 20-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Mithlesh Kumar
 Shri Haridwar Sharma
 All sons of Late Laxmi Singh of Mahangupur,
 P. S. Phulwari,
 P. O. Chirausa Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Loki Bhagat S/o Late Lachchan Rai of Saidpur Kothiya P. S. Digha, P. O. Sadaqut Ashram, Patna Dist. Patna.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 864 decimal situated at Muradpur Mahal, Patna, Dist. Patna and morefully described in deed No. 6898 dated 20-7-1982 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Confinissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-691/Acq782-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/s and bearing

Khata No. 198, Plot No. 6835 situated at Gujarat Colony, Bye Pass Road, Chas, Bokaro, Dist.-Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chas on 19-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transefree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Dhirendra Nath Lahiri S/o Sri Upendra Mohan Lahiri At/P. O.-Chas, Dist-Dhanbad.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdeo Prasad Barnwal R/o Gujarat Colony, Bye Pass Road, Chas, Bokaro, Dist-Dhanbad.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two decimal land with double storeyed pucce building situated at Gujarat Colony, Bye Pass Road, Chas, Bokaro, Dist-Dhanbad and morefully described in deed No. 9424 dt. 19-7-1982 registered with S. R. Chas, Dist-Dhanbad.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 15-3-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800, 001, 15th March 1983

Ref. No. III-680/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. BUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 4, Circle No. 11, Plot No. 96 situated at Mohalla Bakarganj, P.,S. Pirbahore, Patna Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 27-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Md. Yaqub Khan
 S/o Md. Ismail Khan
 At. Ismail Manzil, Subzibagh,
 P. S. Pirbahore, Patua-4.

(Transferor)

- 1. Smt. Tara Devi W/o Shri Brij Mohan Das
 2. Smt. Usha Agarwal W/o Shri Brij Krishna Das
 - Smt. Indrani W/o Shri Brijnath Das
 Smt. Kala Rani W/o Shri Brij Ratan Das
 Smt. Rama Kumari W/o Shri Brij Pal Das
 - All R/o Bakarganj
 P. S. Pirbahore, Patna Dist. Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ENPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 583 sq. ft, with building situated at Mohalla Bakarganj, P. S. Pirbahore Dist. Patna and morefully described in deed No. 7034 dated 27-7-1982 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Bihar, Patha

Date: 15-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref No. III-686/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Ward No. 32 (old) 38 (new), Circle No. 226, Sheet No. 283, Holding No. 13, 169, 170, 147 (old), 117 (new) situated at Ramdhani Road (Simli) P. S. Malsalami, Patna city, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna City on 21-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Nagar Mal Goenka S/o Shri Bhola Ram Goenka, Self and on behalf of Ram Niwas Goenka and iswar Prasad Goenka being partners of M/s National Industries, Patna City, P. S. Chowk Kala, P. O. Jhauganj, Patna-8.
- (2) Shri Motilal Khetan S/o Late Shri Prayag Narayan Khetan, Mohalla Raj adra Nagar, P. S. Kadamkuan P. O. Rajendra Nagar, Patna-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 592 Decimal or 25753 sq. ft. situated at Ramdhani Road (Simili) P. S. Malsalami, Patna City, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4376 dated 21-7-1982 registered with S. R. Patna City.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—26GI/83

Date: 15-3-1983

Seal

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-694/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Holding No. 491/1 Ward No. 12 situated at Rajendra Nagar, Town, Patna Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 26-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fasilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sah Sitaram S/o Late Gopi Saran Sah Garden House, Machhua Toli, P. S. Kadamkua, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Shanker Mittal S/o Shri Gopiram Mittal Smt. Parwati Devi W/o Prem Kumar Mittal All R/o Bakarganj P. S. Pirbahore, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 671—57 sq. yards with pucca building situated at Mohalla Rajendra Nagar, Patna morefully described in deed No. 7007 dated 26-7-1982 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-678/Acq/82-83.--Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Ward No. 4, Circle No. 11, Plot No. 96 situated at Mohalla Bakarganj, P. S. Pirahore, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 21-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Md. Yaqub Khan S/o Md. Ismail Khan At Ismail Manzil, Subzibagh, P.S. Pirbahore, Patna-4, Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Indrani W/o Shri Brij Nath Das Mohalla—Bakerganj, P. S. Pirbahore, Patna-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 583 sq. ft. with building situated at Mohalla-akerganj, P. S. Pirbahore, Dist. Patna and morefully described in deed No. 6928 dated 21-7-1982 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-1983

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-681/Acq/82-83.—Whereas I, P. K. DUBEY, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act') have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding 3s. 25,000/- and bearing

Ward No. 4, Circle No. 11, Plot No. 96 situated at Mohalla Bakarganj, P. S. Pirbahore, Patna, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 908) in the office of the Registering officer, at Patna on 22-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Md. Yaqub Khan
 S/o Md. Ismail Khan
 At Ismail Manzil, Subzibagh,
 P. S. Pirbahore, Patna Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Kala Rani W/o Shri Brij Ratan Das Mohalla-Bakarganj, P.S. Pirbahore, Patna, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 583 sq. ft. with building situated at Mohalla-Bakarganj, P. S. Pirbahore, Dist. Patna and morefully described in deed No. 6976 dated 22-7-1982 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-679/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Ward No. 4, Circle No. 11, Plot No. 96, situated at Mohalla-Bakargani, P. S. Pirbahore, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 26-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Md. Yaqub Khan S/o Md. Ismail Khan At Ismail Manzil, Subzibagh, Patna-4.
 Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Smt. Rama Kumari
 W/o Brij Pal Das
 Mohalla-Bakarganj,
 P. S. Pirbahore, Patna-4.
 Distt. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I'XPI ANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDÜLE

Land measuring 583 sq.ft, with building situated at Mohalla-Bakargani, P.S. Pirbahore, Distt. Patna and morefully described in deed No. 7003 dated 26-7-1982 registered with D. S. R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-1983

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-689/Acq/82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of M. S. Plot No. 1784, Ward No. III situated at Off Main Road, Hindpiri Dist. Ranchi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 27-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to any tax under the said Act, in respect of any ignome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

. (1) Smt. Bimla Devi Sarawgi W/o Late Harakh Chand Sarawgi R/o Upper Bazar, Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Dr. (Smt.) Rama Sharma W/o Shri Pandey Dayanand Sharma R/o Kali Asthan Road, Lower Bazar, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 7,950 sq. ft. situated at Off Main Road, Hindpiri, Distt. Ranchi and morefully described in deed No. 6944 dt. 27-7-82 registered with D.S.R. Ranchi.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 16th March 1983

Ref. No. III-693/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 942 Khata No. 213 situated at Khajpura, Patna A.C. Guards, Hvd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 19-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shashi Prabha Prasad W/o Shri Janardan Prasad of Chitragupt Nagar, Patna.
- (2) Dr. Gopal Prasad 5/o Shri M. L. Siaha of North S. K. Puri. P.S. S. K. Puri. Patna.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with building situated at Khajpura, Patna and more-fully described in deed No. 6827 dated 19-7-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patha

Date: 15-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bibi Sohrun Nisa, Widow of Layaquat Hussain, At & P.O. Chutra, Distt. Hazaribagh.

(Transferor)

(2) Bibi Nazma Khatoon W/o Dr. Gulam Rabbani. Moriya Ghat, P.S. Kotwali, Distt. Gaya. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-688/Acq./82-83.-Whereas, J. P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 1450 (old) and 149 (new), Ward No. 2, situated at Mohalla: Moriya Ghat, P.S. Kotwali, Distt. Gaya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gaya on 31-7-'82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 katha approximately with old building having covered area 2½ katha situated at Mohalla Moriya Ghat, P.S. Kotwali, Distt. Gaya and morefully described in Deed No. 16101, dated 31st July, '82 registered with D.S.R.. Gava.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 15-3-83 Scal:

FORM LT.N.S.-

111112

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-690/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Khata No. 198, Part of Plot No. 6835, situated at Gujrat Colony, Bye Pass Road, Chas, Bokaro, Distt. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhanbad on 12-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
43—26GI/83

(1) Smt. Devyani Shah W/o Sri Gautam Shah At/P.O. Chas, Pragana-Khaspel, Distt. Dhanbad. (Transferor)

(2) Shrì Pravin Chandra Kundalia S/o Sri Vash Ram Kundalia (2) Sri Dhiraj Lal Kotak S/o Sri Mulchand Kotak Both R/o At/P.O. Chas, Pragana-Khaspel Chowki, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 10½ decimal situated at Gujrat Colony, Bye Pass Road, Chas Bokano, Dist. Dhanbad and morefully described in deed No. 8792 dated 12-7-82 registered with D.S.R. Dhanbad,

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-692/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Khata No. 198, Plot No. 6835 situated at Gujrat Colony, Bye Pass Rosd, Chas, Bokaro, Dist. Dhanbad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chas on 19-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Dhirendra Nath Lahiri S/o Sri Upendra Mohan Lahiri. At/P.O. Chas, Dist. Dhanbad.

(Transferor)

(2) Smt. Gita Devi W/o Sri Sukhdeo Prasad Barnwal, R/o Gujrat Colony, Bye Pass Road, Chas, Bokaro, Dist. Dhanbad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One decimal land with double storeyed building situated a Gujrat Colony, Bye Pass Road, Chas, Bokaro, Dist. Dhanbad and morefully described in deed No. 9425 dt. 19-7-82 registered with S.R. Chas, Dist. Dhanbad.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-687/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

portion of old plot No. 120, old khata no. 1, R.S. plot No. 956 New Plot No. 130(a)(b) Khata No. 265 ward No. 10. situated at mauza Dimna, P.S. Mango, Jamshedpur, District Singhbhum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 2-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Bacha Singh S/o Late Jagdeo Singh, H. No. 26, Hume pipe Bustec, P.S. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singhbhum.
 (Transferor)
- (2) Shri B. L. Sharma S/o Late Kedarmal Sharma, Partner of M/s. A. E. Enterprises of Kali mati Road, Sakchi, P.S. Sakchi, Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 kathas duly bounded situated at mahalla mouza Dimna P.S. Mango, Jamshedpur, Dist. Singhbhum and morefully described in deed No. 5770 dated 2-7-82 registered with S.R. Jamshedpur.

P. K. DUBEY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-83

(Transferce)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-677/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Ward No. 4, Circle No. 11, Plot No. 96 situated at Mohalla

Bakarganj, P.S. Pirbahore, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 20-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Md. Yaqub Khan S/o Md. Ismail Khan At Ismail Manzil, Subzibagh, P.S. Pirbahore, Patna, Dist. Patna.
- (2) Smt. Usha Agrawal W/o Brij Krishna Das Mohalla-Bakarganj, P.S. Pirbahore, Patna, Dist. Patna.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLAINATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 583 sq. ft. with building situated at Mohalla-Bakergavi, P.S. Pirbahore, Dist. Patna and more fully described in deed No. 6871 dated 20-7-82 registered with D.S.R. Patna.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-683/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 4, Circle No. 11, Holding No. 4, Plot No. 96, situated at Mohalla-Bakarganj, P. S. Pirbahore, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 19-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Md. Yaqub Khan S/o Md. Ismail Khan At Ismail Manzil, Subzibagh, P.S. Pirbahore, Patna-4, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Smr. Tara Devi W/o Shri Brij Mohan Das Mohalla Bakerganj, P.S. Pirbahore, Patna, Dist. Patna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at Palayamkottai village, Doc. No. 2797/82).

Land measuring 583 sq. ft. with building situated at Mohalla-Bakargani, P.S. Piibahore, Patna, Dist. Patna and morefully described in deed No. 6815 dated 19-7-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 15th March 1983

Ref. No. III-685/Acq/82-83.—Whereas I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M. S. No. 83, 85 Old Holding No. 175B (Part), present Holding No. 143/143 to 145/145 Part Ward No. 2 and 6 situated at Frazer Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 15-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Mr. Shalla Sultan Plant W/o Austin Jude Plant R/o Frazer Road, Eakipur, P. S. Kotwali, Dist. Patna. At Present 35 Hill Cart Road, P.S. & Dist. Darjeeling (West Benyal).

(Transferor)

(2) Smt. Jyotsana Singh W/o Shri Akhileshwar Prasad Narain Singh, R/o New Dak Bunglow Road, P.S. Kotwali, Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12½ Dhurs with double storeyed/Single storeyed and other atructures, situated at Frazer Road, P.S. Kotwali, Patna, Dist. Patna morefully described in Deed No. 6716 dated 15-7-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 15-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 16th March 1983

Ref. No. III-695/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 41, Khata No. 14, Touzi No. 5222 situated at village Mahuli, P.S. Phulwari, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Patna on 12-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Panchoo Singh alias Panchoo Rai S/o Late Ramashish Singh, resident of Gurmali-chak, P.S. Bihta, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Sandeep Yadav minor son of Dr. Ram Ashray Yadav, resident of Sheopuri, P.S. Srikrishnapuri Dist. Patna through his mother and natural guardian Smt. Sumitra Yadav of Sheopuri, P.S. Srikrishnapuri, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afroesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Acker 41 1/3 decimal situated in Village Mahuli, P.S. Phulwari, Dist. Patna and more fully described in Deed No. 6593 dated 12-7-82 registered with D.S.R. Patna.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Paton

Date: 16-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800001, the 16th March 1983

Ref. No. III-696/Acq./82-83.—Whereas, I, P. K. DUBEY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 41, Khata No. 14, Touzi No. 5222 and Plot No. 42,
Khata No. 69, Tauzi No. 5222 situated at Village Mahuli
P.S. Phulwari Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 5-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair maret value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Panchoo Singh alias Panchoo Rai S/o Late Ramashish Singh of Gurmalichak P.S. Bihta, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Sanjay Yadav, minor S/o Dr. Ram Ashray Yadav of Sheopuri P.S. Srikrishnapuri (Patna) through her mother and natural guardian Smt. Sumitra Yadav of Sheopuri, P.S. Srikrishnapuri, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 702/3 decimal, situated at village Mahuli, P.S. Phulwari, Dist. Patna and morefully described in Deed No. 6342 dated 5-7-82 registered with D.S.R. Patna.

> P. K. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 16-3-83

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th March 1983

C. R. No. 62/35487/82-83/Acq./B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5 (166) situated at 39th Cross, II Block, Rajajinagar, Bangalore-560010

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar, Bangalore, Doc. No. 1497/Vol.504 on 9-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this hotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—26GI/83

 Shrimati P. Ramadevi, W/o P. Padamenabha Aitha, No. 166-5, 39th Cross, II Block, Rajajinagur, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri V. M. Govindraj, S/o Sri Madurai, No. 586-111, II Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1497/Vol. 504/82-83 dated 9-7-82].

Built house beating New No. 5 (166) 39th Cross, Rajajinagar, Bangalore-10.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-3-1983

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 16th March 1983

C. R. No. 62/35488/82-83/Acq./B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

111, Site No. 586 situated at 2nd Main Road, II Block. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore-10

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. M. Govindraj, S/o Shri Madusai, No. 586/111, 2nd Main Road, 2nd Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri B. Narayana Shetty, S/o H. Mahabal Shetty, No. 676, III Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Trunsferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1496/82-83, dated 9-7-1982]

House No. 111 (Site No. 586) 2nd Main Road, II Block, Rajajinagar, Bangulore-10.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 16-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1983

Ref. No. AR-II/3369-2/82.—Whereas, I S. H. ABBAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

S. No. 145, H. No. 4 & 5 situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 5-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jayendrakumar Maganlal Somaiya & Ors. (Transferor)

(2) M/s. Somaiya Shopping Centre Premises Co. Op-Society Ltd.

(Transferee)

(3) Tenanted. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 924/72R and registered on 5-7-1982 with the Sub-registrar, Bombay.

S. H. ABBAS ABIDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-3-83

(1) Shri Kishorechandra Dwarkadas.

(Transferor)

(2) Shr Airvind Bhagwandas Jhaveri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1983

Ref. No. AR-I/4754/82-83.—Whereas, I R. K. BAQAYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Old Survey No. 469, New Survey No. 2766, C.S. No. 854 (pt) of Mandvi Division situated at Samuel Street (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bombay on 29-7-1982 Document No. 1161/79/Bom for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 1161/79/Bom and Registered on 29-7-1982 with the Sub-Registrar, Bombay.

R. K. BAQAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 16-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, BOMBAY

Bombay, the 15th March 1983

Ref. No. AR-II/3427/82-83.—Whereas, I S. H. ABBAS ABIDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 35, H. No. 2/1 & Jand bearing No. 40, H. No. 1/1 situated at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 31-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. Duming Manual Pedru Mure.

(Transferor)

(2) Mr. Donnie John Joseph.

(Transferce)

(3) Agricultural land

(- - - - -)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in the Registered Deed No. S-1291/82 and the same is registered with Sub-Registrar, Bombay on 31-7-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Date: 15-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC-710/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 4 situated at Yellareddy guda, Hyderebad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri D. Koteswara Rao, 4-1-339 Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. C. Aruna Kumari W/o C. S. Ramachandra Rao,
 6-3-563/C Erramansil Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 Srinagar Colony Yellareddyguda, Hyderabad registered with Sub-Registrar Khairatabad vide Doc. No. 1386/82.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC 711/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 6 situated at Begumpet, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

of 1906) in 113 cates of the Annual R.R. Dt. in Iuly 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1), of Section 269D of the said Act to the fellowing persons, namely:—

(1) Smt. S. Premalatha, 133, West Maredpully, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. S. Rao. 8-2-672/4A Road No. 13, Banjara Hills, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 in 1-10-21/1 Begumpet area 984.6 sq. ft. registered with Sub-Registrar R.R. Dt. vide Doc. No. 1032/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (Λ.Ρ.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. RAC. No. 712/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rz. 25,000/and bearing

No. Flat No. 42 situated at Bashcerbagh, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) on the mid Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Anand Building Corporation, by Sri Anil Kumar, GPA Mr. Lakshmichand, S/o Razumal, 126, S.D. Road, Secunderabad. (Transferor)
- (2) Sayeda Begum W/o G. M. Qurshi, Flat No. 42 Bashcerbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said îmmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 42 in Gopal Bhavan, M. No. 5-9-29/40 at Bashe srbagh, Hyderabad registered with S.R.O., Hyderabad vide Document No. 5068/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC 713/82-83.—Whereas, I. M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

No. Land situated at Gaganmahal, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registratering Officer at Hyderabad in July 1982,

for an apparent consideration which is less-than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

45-26GI/83

- (1) K. Ramabrahmam S/o K. Kesava Rao, 2-1-566 C. Nallakunta, Hyderabad.
- (Transferor) (2) Mrs. Kokila Jayaram W/o T. S. Jayaram, 1-1-725/B/2 Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Survey No. 130, 131, 132 Gaganmahal Hyderabad area 228 sq. yds. re. Hyderabad vide D. No. 5113/82, registered with Sub-Registrar

> M. JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMM-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC 714/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN,

being the Competent Authority under Scetion 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Open land situated at Gaganmahal, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Ramabrahman S/o K. Kesava Rao, 2-1-566c Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) T. S. Jayaram S/o T.A.S. Iyangar, 1-1-725/B/2 Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferco)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in S. Nos. 130, 131, 132 at Gaganmahal Hyderabad area 293 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5096/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC 715/82-83.—Whereas, I. M. JEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and baring

No. Open land situated at Ameerpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.

Hyderabad on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri A. A. Subramaniam 7-1-77/2 Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shrimati P. R. Jyothi W/o P. Ramchandra Gupta 143 Srinagar Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in S. No. 115 at Ameerpet Hyderabad area 438 Sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 5119/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC 716/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land situated at Sultan Bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikadpally on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abhay Ekbote S/o Gopal Rao Ekbote 3-3-24, Anil Gunj Veer Savarkar Marg Hyderabad 27.

(Transferor)

(2) Mrs. Anuja Ekbote Aliae Kalpana Parashuram W/o Abhay Ekbote 3-3-24 Anil Kunj Veersavarkar Marg, Hyderabad 27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land of 222.5 sq. yards at 3-3-13 Sultan Bazar Bazar Hyderabad registered with Sub-Registrat Chikadpally vide Doc. No. 777/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC 717/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nazamabad on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kopi Chinna Malliah & others 11-3-43/8 Kanteswar, Nizamabad.

(Transferor)

(2) M/s. Sri Venkateswara Co-operative Housing Society Rep. By J. Iagannadha Rao, Civil Asstt. Surgeion Govt, Hospital Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land at Nizamabad between giriraj college and LIC colony survey Nos. 213, 212, 201, area Ac. 5.16 registered with Sub-Registrar Nizamabad vide Doc. No. 4563, 4590 and 4564/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC 718/82-83.—Whereas, I, M. JEGANMOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bering

No. Land situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the the Office of the Registering Officer at Vallabhnagar on July 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Meena Arjan Sabhani W/o Late Arjan Sabhani 10-2-276/4/1 Maredpally Secunderabad.
 - (Transferor)
- (2) Sri Amarlal So Tolaram Lulla and others 1-8-264/6 Sindbi Colony Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Begumpet area 2844.4 sq. yards registered with Sub-Registrar Vallabhnagar vide Doc. No. 915/82.

M, JEGANMOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC. 580/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (here after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 40-5-21 situated at Mogalrajpuram, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on July '82 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri K. Lakshmi Kishore, 2. K. Laxmi Srinivas, Pedagonnuru, Kaikaluru, Now residing at Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. K. V. Seshamma, W/o Suryapra Kasharao, Gunadala, Vijayawada. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site and thatched house bearing door No. 40-5-20 - 40-5-21, Mogalrajapuram, Vijayawada, area of 600 Sq. Yds +600 Sq. yds, registered with S.R.O., Vijayawada, vide documents Nos, 8293, 8294/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Asset, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri J. Suryanarayana, & his sons, Tenali (Transferor)

(2) Shri D-Satyanarayana, S/o Rajaram, Tenali (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC. 581/82-83.—Whereas, I M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS. No. 525 situated at Tenali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at Tenali on July '82

for an apparent consideration which is less than the fair ket value of the aforesaid property and I have reason to eve that the fair market value of the property as aforesaid eeds the apparent consideration therefor by more than en per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the ies has not been truly stated in the said instrument of sfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site in 10th Ward, Tenali, in T.S. No. 525, area of 618 Sq. Yds, registered with S.R.O., Tenali, vide document No. 3967/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely:-

Date: 14-3-1983

FORM I.T.N.S.—

- (1) Shri K. Laxmireddi, Ramireddipeta, Narasaraopeta. (Transferor)
- (2) Shri D. Pullareddi, & others, Ramireddipote, Narasaraopet.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC. 582/82-83.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS. No. 750 situated at Narasaraopeta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Narasaraopeta only July '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
46—26GI/83

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in T.S. No. 750, 8th Ward, of Narasaraopeta, area of Ac. 0-92 Cents, registered with S.R.O. Narasaraopeta, vide document No. 5162/82.

M. JEGANMOHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 14th March 1983

Ref. No. RAC. 583/82-83.—Whereas, I, M. JEGAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

as the said Act') nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. S. No. 279/8 situated at Chirala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chirala on July '82

Chirala on July '82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrì A. R. V. Raghavan, 6-453, Perala. (Transferor)

(2) Shrimati K. Mohini, W/o Adinarayana, Chirala. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Chirala old ward No. 6, S. No. 279/8, area of 2733-1/3 Sq. yds, Vacant land, registered with S.R.O., Chirala, vide document No. 2252/82.

> M. JEGANMOHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-aection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :--

Date: 14-3-1983

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3469.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing No.

Land Kh. No. 2, 5/1 situated at Vill. Balgarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Dewas in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jasodi Bai W/o Ambaram Khati, R/o Vill. Balgarh, Teh. Dewas.
- (Transferor)

 (2) M/s Ramkrishna Land & Finance Co., Dewas,
 Registration No. 2104/19-1-82 Partner Tilokchand
 S/o Uttamchand Gujarati, Subhash Chowk,
 Dewas.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 2, 5/1 at Vill. Balgarh, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3470.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land Survey No. 5/1, 9/3 situated at Vill. Balgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sidhnath S/o Kanhaiyalal Khathi, R/o Balgarh, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Ramkrishna Land & Finance Co., Dewas partner Uttamchand S/o Tilokchand Gujarati, Subhash Chowk, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Survey No. 5/1, 9/3 at Vill Balgarh, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

(1) Smt. Jasodi Bai W/o Ambaram Khathi, R/o Vill. Balgarh, Teh. Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Ramkrishna Land & Finance Co., Dewas through partner Uttamchand Tilokchand, Gujarati, R/o Subhash Chowk, Dewas. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3471.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Kh. No. 280/2, 275/3, 276/1, 276/2 situated at Vill. Bayadiya.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Dewas in July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 280/2, 275/3, 276/1, 276|2 at VIII. Bavadiya, Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3472.--Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Bunglow No. 45 situated at Neemuch Cantt.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 9-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Rustam S/o Behramshah, R/o Baroda, Gujarat.
 Johny S/o Behramshah, R/o Bombay.
 Daulat S/o Behramshah, R/o Neemuch Cantt.,

Alaburiorii.

(Transferor)

(2) 1. Bilavarchand S/o Kundanlal.2. Prakesh Rani W/o Bilavarchand Agrawal. Neemuch.

3. Gyanchand S/o Nandial Agrawal, R/o Ganganagar, Rajasthan.

Shri Surendra Singh Naharchand Agrawal,

R/o Hanumangarh, Rajasthan.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 45 (One portion) at Neemuch Cantt., cemuch. Neemuch.

> D. P. PANTA
> Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th March 1983 Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3473.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Bunglow No. 45 situated at Neemuch Cantt., Neemuch, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

Neemuch on 9-7-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following reisons, namely :--

(1) 1. Rustan S/o Behramshah R/o Baroda Gujarat.

Joni S/o Behramshah R/o Bombay.
 Daulat S/o Behramshah R/o Neemuch.

4. Alabarjorji, R/o Udaipura.

(Transferor)

(2) 1. Bedrilal S/o Ramnarayan.

Rajendra Prasad Goyal S/o Ramnarayan.
 Smt. Urmila Devi W/o Dadhesham Goyal.
 Smt. Uma Devi W/o Bedrilal Agrawal,

All R/o Neemuch Cantt., Neemuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 45, at Neemuch Cantt., Neemuch.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date:: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3474.—Whereas I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Bunglow No. 45 situated at Neemuch Cantt., Neemuch, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 9-7-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Rustam S/o Behramshah, R/o Baroda, Guiarat.
 - 2. Johny S/o Behramshah, R/o Bombay.

3. Daulat S/o Behramshah.

Alaburjor.

(Transferor) (2) I. Manju W/o Shankerlal, R/o 142, Jawaharnagar, Neemuch.
 2. Shri Murarilal S/o Shankerlal Agarwal, R/o

Neemuch Cantt., Neemuch. Shri Kailashchand S/o Rameshwarlal Agrawal, R/o 142, Jawahar Nagar, Neemuch.

4. Shri Omprakash S/o Rameshwarlal, R/o 142, Jawaharnagar, Neemuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

No. 45, Neemuch Cantt., Neemuch (One Bunglow portion).

> D. P. PANTA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.,

Bhopal, the 5th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3475.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Bunglow No. 45 (Portion) situated at Neemuch.

Cantt., Neemuch,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on 9-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—47—GI/83

(1) Shri Rustam S/o Behramshah, R/o Baroda, Gujarat.

2. Johny S/o Behramshah, R/o Bombay.
3. Daulat S/o Behramshah.

4. Alaburjorii, R/o Udnipur. (Transferor)

(2) 1. Shri Bhagwati Prasad S7o Manmalji Kalani.
2. Jagdish S/o Bhatwati Prasad Kalani.
3. Ashish S/o Anand Kalani.
4. Ratankunvar S/o Bhagwati Prasad Kalani,

All R/o Necmuch Cantt., Necmuch. Shri Satish Kalani S/o Anand Kalani,

R/o Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 45 (Portion) at Neemuch Cantt., Neemuch.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asst. Commissioner of Income tax Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3476.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Bunglow No. 45 (Portion) situated at Neemuch Cantt., Neemuch.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office rat

Neèmuch on 9-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Rustam Behramshah R/o 91 Kunj Society Alkapuri, Baroda.
 - 2. Johny S/o Bchramshah, R/o 535—Opposite G.P.O. Link Road, Bombay.
 - Daulat Behramshah, Neemuch Cautt., Neemuch.
 Ania Jel W/o Burjer R/o Meera Marg, Panchvotti Panii Bunglow, Udaipur.

 (Transferor)
- (2) Shri Bilavarchand S/o Kundanlal Agrawal,
 R/o Mandi Prangan Neemuch.
 - 2. Bhagwati Prasad S/o Manmal Kalani.
 - Omprakash S/o Rameshwar Prasadji.
 Bedvilel S/o Ramnarayan Agrawal, Neemuch Cantt. Neemuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bunglow No. 45 at Neemuch Cantt., Neemuch.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpi/3477.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Nazul Plot No. 6/3 situated at G.E. Road, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 22-7-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sint. Roshan Doongaji W/o Sinti M. K. Doongaji, through Power of attorney Dharamchandji Munnala Jain, R/o Baijnathpara, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal S/o Kanvarial Jain, R/o Doongaji Colony, College Ward, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other pason interested in the said immovable property, within 25 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop on Nazul Plot No. 6/3 at Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4-3-83

Raipur on 27-7-1982,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3478.—Whereas I, D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Land Kh. No. 738/1 situated at Mouza Mova, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narnarayan S/o Ramchandranlal Agrawa, R/o Purani Besthi, Raipur,

(Transferor)
(2) G.T. Enterprises Raipur, Prop., Shri Tarachand,
S/o Guganram, R/o Jawahar Nagar, Raipur.
Head Office 205, Ravindra Sarni, Calcutta No. 7.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 738/1 Mouza Mova Raipur.

D. P. F Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building

T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th March 1983

Rcf. No. IAC/Acqn/Bp1/3479.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3 situated at Shanker Nagar, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeting Officer Raipur on 2-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shanker Rao S/o Madhavrao Maratha, R/o Shanker Nagar Raipur through, Power of attorney Prakashchandra Rao, R/o Shanker Nagar, Raipur.
- (Transferor)
 (2) Smt. Kamini Sharda W/o Shri Vijay Kumar Sharda,
 R/o 29 H.I.G. Shanker Nagar, Raipur.
 (Transfereo)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open Plot Kh. No. 477 & 478, Block No. 2 & 3 Plot No. 3 Mouza Shanker Nagar, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3480.--Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Piot No. 4 situated at Shanker Nagar, Raipur,

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 6-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Shankerrao S/o Madhavrao Maratha, R/o Shankernagar Raipur through Power of attorncy Prakashchandra, R/o Shanker Nagar, Raipur.
- (2) Smt. Sadhana Sharda W/o Shri Chandrakant Sharda R/o 29, H.I.G. Shanker Nagar, Raipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Block No. 2, 3 Kh. No. 477 & 478 Shanker Nagar, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3481.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Land Kh. No. 261, 248 & 302 situated at Mouza Pandri

Tarai, Raipur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing Officer at

Raipur on 1-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sumran Bai W/o Sukhram Ravet. R/o Pandri Tarai, Raipur.

(Transferor)

(2) 1. Kamlesh W/o Ladduram.2. Kum, Sadhana D/o Shri Amarlal Madhani.

Master Narish Minor S/o Sini Aradal Medhani.
 Master Mukesh S/o Shri Amulal Medhani,
 C/o Jai Hind Oil Mills, Maharpara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 261, 248, 302 at Mouza Pandri Tarai, Raipur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-3-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Roshan Doongaji W/o M. K. Doongaji, Power of attorney Dharamchand S/o Munnalal Jain, R/o Baijnathpara, Raipur.

• •

(2) Shri Shripal Luniya S/o Khermchandji Duniya. R/o Doongaji Colony, College Ward, Raipur. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3482.—Whereas I,

D. P. PANTA, Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House, Plot No. 6/3 situated at G.E. Road, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 20-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House on plot No. 6/3 (Nazul) Block No. 27, at Main Road, G.E. Road Raipur.

THE SCHEDULE

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 4-3-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/3483.—Whereas I,

D. P. PANTA.
being the Competent Authority under Section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6/3 situated at Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

48-26GI/83

- (1) Smt. Roshan Doongaji W/o Shri M. K. Doongaji through power of attorney Shri Dharamchandji Munnalal Jain, R/o Baijnathpara, Raipur.

 (Transferor)
- (2) Shri Kuntilal S/o Kanwarlal Jain, R/o Doongaji Colony, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown, Tinshed and Plot No. 6/3 Block No. 27, Plot No. 8 (Portion) at Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-3-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bp1/3484.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Developed Land Plot No. 32,

situated at Rajendra Nagar, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 19-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealmen of any tncome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shripal s/o Rekhchand Luniya, r/o College Ward, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Prakashchand Golcha s/o Shri Kanvarla! Golcha, r/o College Ward, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Developed Land Plot No. 32, at Rajendra Nagar, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-3-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqu/Bpl/3485.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 521/1 & 2, situated at Mouza Tifra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 15-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ramprakash Betra s/o Late Shri Laxmichand Batra, r/o Link Road, Bilaspur.

(Transferor)

 M. P. Alloy Castings Ltd., 16, Industrial Estate, Tifra, Bilaspur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Land Kh. No. 521/1 & 2, at Mouza Tifra, Bilaspur.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3486.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Kh. No. 738/1.

situated at Mouza Mova, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raipur on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Narnarayan s/o Shri Ramcharanlal Agrawal, r/o Pandri Tarai, Raipur.

(Transferor)

(2) G. T. Enterprises Raipur, Prop. Tarachand s/o Guganram, r/o Jawahar Nagar, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Axt, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 738/1, at Mouza Mova, Raipur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 4-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/3847.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beainrg No.

House, situated at Village Khajarana, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Indore on 3-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Shri Atmaswaroop Bhatnagar s/o Shri Kalyan Swaroop Bhatnagar, r/o 275, Saketh Nagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Maya Devi w/o Manoharlalji

 Kamal Kishore
 Anil Kumar s/o Manoharlal,
 2/3 Chainsingh-ka-Bagicha, New Palasiya, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House Single storied at Village Khajarana, Teh.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Dineshchandra s/o Shri Kailashchand Patni, r/o 15/1, Agrawal Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Farooq s/o Mohd. Kasam, r/o 11, Mechanic Nagar, Indore.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3488.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 237-M and house thereon, situated at Development Yojana No. 44, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 17-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 et 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegoid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEHDULE

Plot No. 237-M and house constructed thereon Development Yojna No. 44 (Khatiwala Tank) Indore,

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

FORM NO. ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3489.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 138, situated at Development Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Prem Kumar s/o Shri Vishandas, r/o 65, Jayarapur Colony, Indore M.P. through Power of attorney Jawahatlal s/o Deepchand R/o 84, Katju Colony, Indore,
- (Transferor)
 (2) Satyam Builders partner Prakashchandra
 s/o Shri Bhojrajmal,
 n/o 378, Jawahar Marg,
 Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAT.ION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Development Scheme No. 44, Plot No. 138, at Indore and constructed area.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

No. IAC/Acqn/Bpl/3490.—Whereas I, Ref. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Village Chota Bangarda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 8-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

 Shri Chimanvan s/o Shri Kailashven, r/o Village Chota Bangrda, Indore.

(Transferor)

- (2) 1. Arjundas s/o Ramchandra, r/o 61, B. Premnagar, Indore,
 2. Jethanand s/o Gulmal,
 - 3. Laxmichand s/o Madhavdas,
 - 4. Chandumal S/o Mohandas 5. Rameshlal s/o Sirumal,

 - Kanhaiyalal s/o Uttamchand, 7. Radhumal s/o Jethanan I,
 - 8. Hotchand s/o Jethanand, r/o Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Chota Bangarda, Teh. Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Pritamsingh,
 Indrajitsingh s/o Arjunsingh,
 House No. 278, Jawahar Marg,
 Indore.

(Transferor)

 Smt. Asha Devi w/o Shri Gyanchandji Jain, r/o 8/4, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3491.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 278, situated at Jawahar Marg, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 9-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—26GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 278 at Jawahar Marg, Indore,

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLE OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3492.—Whereas I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 7, situated at New Palasiya, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kheratilal s/o Sunderdsji r/o House No. -57, Race Course Road, Indore.
- (2) Shri Amarsingh s/o Shri Jwalasinghji, r/o House No. 349, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, at New Palasiya, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpt//3493.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

Land Kh. No. 212/2

situated at Kukshi, Dhar

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kukshi, Dhar on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Someshwar s/o Udhav Kulmi, r/o Kukshi.

(Transferor)

(2) Deven!ra Enterprises-Prop. Shri Omprakash s/o Mongilal Maheshwar, r/o Kukshi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 212/2 at Kukshi, Dhar.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 16th March 1983

No. IAC/Acqn/Bpl/3494.—Whereas 1, Ref. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land, situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Dewas on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri Bharat s/o Arjun Rao Phalke, Malhar Kothi, Mendki Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Rajeshwari S. Deshi, 116, Radha Ganj, A. B. Road, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area .25 Acre. Land at Dewas.

> D. P. PANTÀ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 16-3-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (*3 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3495.—Whereas l, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 244 situated at Indrapuri Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 30-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferor)

(2) Shri Virendrakumar Gupta s/o Shri Benwarilal Gupta, r/o House No. 178, Jaora Compound, Indore at present r/o 699 Shyam Nagar, Ratour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 244, Indrapuri Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3496.—Whereas I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

iduated at Pandrinathpath, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sardar Partapsingh Rao 5/0 Malharrao Holkar through Power of attorney Shyamrao Krishnarao Holkar, r/o 12, Ada Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Santram Das Firdmal Nagpal, r/o 36/7, Sindhi Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of 1st floor of House No. 12 at Pandrinath Path, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT, OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3497.--Whereas I, D. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000)and bearing

Shop No. 7

situated at Pandrinathpath, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- · (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Sardar Pratapsing Rao s/o Shri Malharrao Holkar through Power of attorney Shyamrao Krishnarao Holkar, r/o 12, Ada Bazar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Chand s/o Sevaram, r/o 14/1, Mohanpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 at Pandrinath Path, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 7th March 1983

No. JAC/Acqn/Bpl/3498.—Whereas I, D. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

House constructed on plot No. 267, situated at Kundeshwar Ward, Khandwa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Khandwa on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely :-

(1) 1. Shri Ratanlal,

 Laxminarayan,
 Tikamchand,
 Kamalchand s/o Ramniwasji Agrawal, R/o Kharakpura, Khandwa.

(2) Shri Basantlal s/o Ramlalji Khandelwal, r/o Kallanganj, Khandwa.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house constructed on Sheet No. 11, Plot No. 267 at Kundeshwar Ward, Khandwa.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th March 1983

IAC/Acqn/Bpl/3499,—Whereas I, D. Ref. No. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 10,

situated at Shanker Nagar Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

50-26GI/83

Smt. Leela Bai w/o Shri Shankerlal,
 Meera Devi d/o Shankerlal,
 Manoj Kumar s/o Ramesh Kumar,
 Dr. Leeladhar s/o Narayanji,

Naresh Kumar s/o Narayanji,
 Suresh Kumar s/o Narayanji,

r/o Khajarana.

(Transferer)

(2) Smt. Manju Bedjatiya w/o Shri Pradeep Kumar. r/o 146, Jaora Compound, Indore,

(Transfeerce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 10, Shankernagar Colony, Indore.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building,
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3500.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 9 situated at Shanker Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 ('of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Leela Bai W/o Shri Shankerlal
 Smt. Meera Devi D/o Shankerla
 Shri Manoj Kumar S/o Shri Mishre Kumar
 Shri Leeladhar
 O Narayanji,
 R/o Vill: Khajarana.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Bedjatíya W/o Shri Prakashchand Bedjattiya R/o 146, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9 at Shanker Nagar Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3501.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House built on Plot No. 3 situated at Prince Yeshwant Road, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1980 (17 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 3-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhagwandas
 S/o Hiralalji Jaiswal,
 R/o House No. 20. Meerapath,
 Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Madhuri W/o Kamal Chug, R/o 87, Triveni Colony, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days form the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 3 at Prince Yeshwant Read, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

Smt. Madhuri W/o Shri Kamal Chug, R/o 87, Triveni Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Fathumal S/o Pamandas R/o 30, Radha Nagar Colony, Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3502.—Whereas, I, D. P. PANTA, being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House built on plot No. 3 situated at Prince Jeshwant Road, Indore.

Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & shop built on plot No. 3 at Prince Yeshwant Road, Indore.

> D. P. PANTA Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said of hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under sub-lon (1) of Section 269D of the said Act to the following ons, namely :---

Date: 8-3-1983

Soal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3503,—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bharat
S/o Arjun Rao Phalke,
R/o Malhar Koti,
Dewas.

(Transferor)

(2) Miss Mecra
 D/o Shailendra,
 R/o E-14, Saketh Nagar,
 Indorc.

(Transferee)

Objections, if any, to acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

(1) Shri Bharar S/o Arjun Rao Phalke, R/o Malhar Koti, Dewas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Master Chirag S/o Hitendra Ajmera, 119, Saketh Nagar, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3504.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Land situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which are respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dewas- Area 0.4 acres.

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3505.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 1 July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bharat
 S/o Arjun Rao Phalke,
 R/o Malhar Koti,
 Dewas.

(Transferor)

(2) Smt. Jaishtee W/o Neelendra Ajmera, R/o 119, Saketh Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 0.4 Acres at Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3506.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Dowas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bharat 3/0 Arjun Rao Phalke, R/0 Malhar Koti, Dewas.

(Transferor)

(2) Sandeep M. Desai, 116, Radba Ganj, A. B. Road, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3507.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 1 July, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent coasideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51-26 GI /82

(1) Shri Bharat S/o Arjun Rao Phalke, R/o Malhar Koti, Dewas.

(Transferor)

(2) Smt. Bakula M. Desai, 116, Radha Ganj, A. B. Road, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dewas.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Buile ar
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Bharat
 S/O Arjun Rao Phalke,
 R/O Malhar Koti,
 Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Chola S/o Shailendra Ajmera, E-14, Saketh Nagar, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3508.—Whereas, 1, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the presaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act to the following sons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dawss--Area 0.4 acres.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date : 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

0.01 TB311 (T) 00 00 00 00

Shrì Bharat
 Arjun Rao Phalke,
 R/o Malhar Koti,
 Dewtes.

(Transferor)

(2) M/s. Vijay Solvex Products (P) (Ltd.),A. B. Road,Dewas,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3509,—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated Dewas.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Dewas—Area .33 acre.

D. P. PANTA
Competent Authoric
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.,

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3510.—Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land situated Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewns on July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

pcisons, namely:-

 Shri Bharat S/o Arjun Rao Phalke, Malhar Koti, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Deepak Woolens (P) (Ltd.), A. B. Road, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dewas--Area .33 acre.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: \$-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3511.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Dewas-

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Bhim
 S/o Arjun Dav Phalke,
 Melhar Koti,
 Dowas.

(Transferor)

(2) Shri Shailendra S/o Jamnadas Aimera, E/4, Saket Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at Dewas—Area .225 acre.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3512.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid. Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shri Bhim S/o Arjun Rao Phalke, Malhar Koti, Mendki, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Shameek S/o M. Desai, 116, Radha Ganj, A, B. Road, Dewas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dewas-Area 25 acre.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Ryange
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3513,-Whereas, I,

D. P. PANTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing
No. Land situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on 1-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Bhim S/o Arjun Rao Phalke, Malhar Koti, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Neelendra S/o Jamnadas Ajmera, 119, Saketh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dewas-Area .225 acre.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 8th March 1983

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl/3514.—Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land situated at Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Dewas on July, 1982~

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1912 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuaunce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhim S/o Arjun Rao Phalke, Malhar Koti, Dewas.

(Transferor)

(2) M/s Premier Extractions Pvt. Ltd., A. B. Road, Dewas,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dewas-area .33 Acre.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 8-3-1983

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3515.—Whereas, I. D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Bunglow Mucl. No. 13 situated at Neemuch Cantt. Neemuch (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on July, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, 1 amely:—
52—26 GI/83

Shri Darayesh J. Jal
 S/o Shri Jal Bhai P. Jal,
 R/o Neemuch Cantt., Neemuch,
 Disit: Mandsaur.

(Transferor)

(2) Shri Bhagvati Prasad Kalani S/o Shri Bhanmalji Kalani, R/o Neemuch Cantt, Neemuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on Plot No. 27 and 28 Bundow No. 13 at Neemuch Cantt., Neemuch.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 3-3-1983

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 3rd March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3516.—Whereas, I, D. P. PANTA being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land situated at Near Sallana Bus Stand, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kailashchandra S/o Shri Ramnivasji Saboo R/o Shajapur.

(Transferor)

(2) M/s. Kamruddin & Co. Ratlam through Patrners 1. Kamruddin, 2. Mansurali 3. Moizali R/o Chandni Chowk Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land situated at the corner of Sailana Bus Stand, Ratlam. This is the immovable property described in the Form No. 37-G verified on behalf of the transfers.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 3-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 10th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3517.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House on Plot No. 67 situated at Benkut Nagar Colony, Khandwa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwal on 9-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Nosher Jal Kapadiya S/o Shri Jaldhanji Kapadiya, R/o Poona, Mharashtra through Power of Attorney Seth Kanahiyalalji S/o Shri Bablishaji, R/o Burhanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Devki Bai W/o Shri Kanhaiyalalji Shrat, R/o Rajpura, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

. THE SCHEDULE

House built on plot No. 67 at Baikunt Nagar Colony, Khandwa.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 10-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3518.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Plot No. 365 situated at

Nagar Sudhar Nyas Yojana No. 44, Katju Nagar, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Nila Kumari
 W/o Shri Hiralalji
 Shri Abhyakumar
 S/o Shri Babulalji,
 Both R/o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferor)

(2) Samtha Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Ratlam, 13, Ajantha Talkies Road, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No.365, Nagar Sudhar Nyas Yojana No. 44, at Katju Nagar, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 11-3-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th March 1983

Fef. No. IAC/Acqn/Bpl/3519. —Whhreas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 366 situated at

Nagar Sudhar Nyas Yojana No. 44, Katju Nagar, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Babulal
 S/o Shri Rajmalji Pirodiya,
 R/o Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferor)

 Samtha Griha Nirman Sahakari Samiti Ltd., Ratlam, 13, Ajantha Talkies Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 366, Nagar Sudhar Nyas Yojana No. 44, Katju Nagar, Ratlam.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 11-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3520.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 35 situated at Janki Nagar Extension Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 15-7-1972

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Shakuntala Devi W/o Shri Rajkumarji R/o 3 New Palasis, Indore.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sagarmal
 S/o Shri Rekhabchand Jain
 2. Smt. Sohankanvar
 W/o Shri Sagarmal Jain
 R/o 120, Janki Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 35, at Janki Nagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 11-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3521.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. House built on Plot No. 157 situated at Shrinagar Extension Colony Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-7-1972

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Punjalal
 S/o Shri Babulal Badiya,
 R/o 32, Street No. 6, Nai Abadi,
 Dewas (Junior).

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal S/o Shri Motilal Porwal, R/o C/o United Commercial Bank, Jaora, Ratlam,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 157 at Shrinagar Extension Colony, Indore.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 11-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3522.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Kh. No. 173/2 situated at Kachpara Ward, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 13-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Devi Bai
 - Wd/o Shri Late Ramanath Pathak, 2. Smt. Radha Bai
 - Wd/o Shri Late Govindprasad Pathak 3. Shri Vishambharnath
 - S/o Shri Ramnath Pathak, R/o Dixitpura, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Rukmani Bai alias Gyani Bai
 - W/o Shri Motumal Vasvani, R/o Marhathal, Jabalpur,
 - 2. Shri Gangaram S/o Shri Yeshiram Choudhwani,

R/o Madan Mahal Ward, Jabalpur,
(Transferee)

•

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Kh. No. 173/2 at Kachpura Ward, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 11-3-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3523.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storied house situated at Main Road, Garha Patak, Presently Lordganj, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annoxed berete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 5-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
53—26 GI/82

 Smt. Kamal Rani-alias-Champabai W/o Shri Kanchedilal Gupta, R/o Mohalla Ramnagar Lordganj Ward, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Gangabai W/o Shri Komal Prasad Soni, R/o 208/13, Mohalla Gupta Colony, Garha Patak Ward, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied house at Main Road, Garha Patak, Lord-ganj, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 11-3-1983

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3524.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Kh. No. 419 situated at Kansaiya Teh: Huzur

Land Kh. No. 419 situated at Kansaiya Teh: Huzur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which hhave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chandrakant-allas-Rajani Sindhvi D/o Shri Sardarmal Lalwani, R/o Kota, through Power of attorney Shri Amritlal Nema S/o Late Punamchandji, R/o Ibrahimpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Novo Agro Investments Pvt. Ltd. Tulsiyani—Chambers, Nariman Point, Bombay

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 419, at Kanasaiya, Teh.: Huzur, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3525.—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land Kh. No. 1/111 situated at Amravad Khurd, Teh: Huzur (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 20-7-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Shri Ramgopalsingh
 S/o Shri Thaqur Kishore Singh,
 R/o House No. 5, Yeshbagh Stadium,
 Berkheri, Bhopal.

(Transferor)

(2) Abhinav Griha Nirman Sahakari Samiti Bhopal through Chairman Smt. Neet Sinha W/o Shrl B. S. Sinha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 1/111, at Amravad Khurd, Bhopal.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 15-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3526,—Whereas, I, D. P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of Plot No. 4/1, Block No. 33 situated at South Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur on 27-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C*of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Padma Binani Family Trust Estate, Raja Gokuldas Palace, Hanumantal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Gupta & Smt. Asha Gupta, Napler Town, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazstte or a period of 30 days from the sarvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 4/1, Block No. 33, at South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 16-3-1983

TIT. -- Sue. 1]

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1983

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/3527.—Whereas, I, D.P. PANTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Plot No. 4/1, Block No. 33 situated at South Civil Lines, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the midinstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Padma Binani Family Trust Estate, Hanumantal, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri B. B. Khosh, Katanga, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of plot No. 4/1, Block No. 33, at South Civil Lines, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL.

Date: 16-3-1983

Soal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3528.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 v(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 770/1 on plot No. 22 situated at Napler Town, Jabalpur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on July 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of twansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narmada Prasad S/o Badriprasad, R/o Dixitpura, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Surendrasingh S/o Sardar Rajendrasingh, 9-10, Lajpathkunj, Napier Town, Jabalpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, House No. 770/1 built on plot No. 22 at Napier Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar,
Bhoral.

Date: 15-3-1983.

FORM ITNS----

- (1) Shri Narmada Prasad S/o Badriprasad, R/o Dixitpura, Jabalpur.
 - (Transferor)
- Shri Rajinder Kaur S/o Surendrasingh, 9-10, JajpathKunj, Napier Town, Jabalpur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3529.—Whereas, I. D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 770/1 on plot No. 22, situated at Napler Town,

Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, House No. 770/1 built on plot No. 22 at Napier Town, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 15-3-1983.

Scal;

FORM ITNS----

(1) Shri Narbada Prasad S/o Badriprasad, R/o dixitpura, Jabalpur.

(Transferor)

Shri Sardar Amrikasingh S/o Triloksingh Napier Town Jabalpur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

GOVERNMENT OF INDIA

Bhopal, the 15th March 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3530.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
House No. 770/1 on plot No. 22, situated at Napier Town, Incolars.

Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 4, House No. 770/1 built on plot No. 22 at Napier Town, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspection Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th March 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3531.-Whereas, I, D. P. PANTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 770/1 on plot No. 22, situated at Napier Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jabalpur in July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

54-26GI/83

- (1) Shri Narmada Prasad S/o Badriprasad, R/o Dixitpura, Jabalpur.
 - (Transferor)
- (2) Rajendrasingh S/o Triloksingh, Napier Town, Jabal-(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 4, House No. 770/1 built on plot No. 22 at Napier Town, Jabalpur.

> D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 15-3-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Chowk, Jabalpur.

Shri Dhirajlal S/o Shri Morarji Mehta S/o Shri Dhirajlal Mehta, Shri Morarji Mehta & Dilip 408, Tularam

(Transferor) (2) Smt. Ramkishori Gupta W/o Shri Tirathprasad Gupta. R/o Manikpur, Distt. Barda U.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3532.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House Corporation No. 408, situated at Ganjipura, Jabal-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing Corporation No. 408, Ganjipura (Old Marhatal Ward), Jabalpur standing on plot No. 85 Block No. 78 of Ganjipura, Jabalpur and land. This is the immovable property described in the form No. 37-G verified by the trans-

D. P. PANTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II 4th Floor, Gaugotri Building, T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 16-3-1983.

(1) Smt. R. R. Ahuja W/o Shri R. R. Ahuja, Advocate, 937, Bai-ka-Bagijha, Jabalpur.

(Transferor)

(2) M/s. Mehta Investors through Prop: Shri Dhirajlal S/o Shri Morarji Mehta, 408, Marhatal, Jabalpur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONED OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bp1/3533.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Kh. No. 149/1, 150/1, & 150/2, situated at Vill. Hathital,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Jabalpur on July 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 149/1, 150/1 & 150/2 at Village: Hathital, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor Gangotri Building ,T. T. Nagar
Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-3-1983.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 16th March 1983

Ref. No. IAC/Acq/Bpl/3534.—Whereas, I, D. P. PANTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 765, situated at Wright Town, Jabalpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 27-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hehereby initiate proceedings for the acquisition of this aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Anil Kumar Chaterji S/o (Late) Shri Rajanikant Chatterji, R/o 765 Wright Town, Jabalpur.
- (2) Shri Kedarnath Gotiya S/o Shri Balaji Gotiya & Vijay Kumar Gotlya S/o Shri Kedarnath Gotiya, R/o Vill. Khurai, Paten, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aqt, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 765 at Wright Town, Jabalpur.

D. P. PANTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar.
Bhopal.

Date: 16-3-1983.

Delhi.

FORM ITNS---

(1) Shri Hakam Chand S/o Shri Gobind Ram P.A. Sh. Tilak Raj S/o Uttam Chand s/o Sh. Kanhya Lal, 66 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor) (2) Shri Onkar Singh S/o Sardar Nanak Singh s/o Shri Govind Ram r/o C/181, Greater Kailash, New

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK.

> > Rohtak, the 15th March 1983

Ref. No. HDL/1/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land with building, situated at Hodel, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hodel in July, 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 2 kanals 9 Marla (1628 sq. yds) with building, Hodel and as more mentioned in the sale deed registered at No. 712 dated 15.7.1982 with the Sub Registrar, Hodel.

> R. K. BHAYANA. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15:3.1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK.

Rohtak, the 15th March 1983

Ref. No. HSR/73/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land area 12 marla, situated at Dabra Chowk, Hissar,

Land area 12 marla, situated at Dabra Chowk, Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in July, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shamer Singh S/o Maj. Ad Ram, G.T. Road,
- (2) S/Smt. Pariti Grover, Rakhi Grover and Rohi Grover Ds/o Shri Ishwar Chander Grover r/o Balsamand Road, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being 12 marla situated at Dabra Chowk, G. T. Road, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1492 dated 3.7.1982 with the Sub Registrar, Hissar.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-3-1983

Major Ad Ram s/o Shri Ganeshi Ram R/o G.T. (1) Hissar.

(Transferor)

(2) S/Smt Prithi Grover, Rakhi Grover and Rohi Grover Ds/o Shri Ishwar Chander Grover, Balsamand Road, Hissar.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 15th March 1983

Ref. No. HSR/84/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 1 kanal, situated at G.T. Hissar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hissar in July, 82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 1 kanal situated at Dabra Chowk, G.T. Road, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1555 dated 8.7.1982 with the Sub Registrar, Hissar.

R, K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-3-1983

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Vinod Kumar s/o Shri Khushal Chand r/o Sita Ram House, Geeta Road, Panipat.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Devi w/o Shri Jai Dayal r/o Dayal Colony, G.T. Road, Panipat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK

Rohtak, the 14th March 1983

Ref. No. PNP/115/82-83.--Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 12 biswas 7 biswani situated at Taraf Raj-

putana, Panipat .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 biswas 7 biswani situated at Taraf Rajputana, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2667 dated 12.7.82 wwith the Sub Registrar, Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ashok Kumar S/o Khushal Chand r/o Sita Ram House, Geeta Mandir Road, Panipat.

(Transferor) (2) Shri Vinod Kumar s/o Shri Jai Dayal, r/o Dayal Colony, G.T. Road, Panipat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, D.L.F. COLONY, ROHTAK.

Rohtak, the 14th March 1983

Ref. No. PNP/123/82-83.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 12 Biswas 7 Biswani, situated at Taraf Rajputana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Panipat in July, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the 10 pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHI

Property being land measuring 12 biswas 7 biswani situated at Taraf Rajputana, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2770 dated 16.7.1982 with the S.R. Panipat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

55-26GI/83

Date : 14-3-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 15th March 1983

Ref. No. SPT/66/82-83.—Whereas, I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land with building (measuring 12,500 sq. yds.)

situated at Kundli (Sonepat)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

M/s. Saco Rubbers Private Limited, 28/78, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishore Kundra S/o Shri Gian Chand Kundra, r/o 28/78, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12,500 sq. yards building situated at Kundli and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 1346 dated 7-7-82 with the Sub Registrar, Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-3-1983 Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Babulal S/o Sh. Santokchand aJin, Pali.

(Transferor)

(2) Mahveer Girath Nirman Sahkari Samiti Ltd.. Pali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1643.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pali on 6-8-62 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferwith the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other casets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bigha in Khasra No. 955, Mandia Road Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 1113 dated 6-8-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 9th March 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1707.--Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Plot of land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shri Bahadurmal S/o Shri Dheormalji Oswal G.P.A. of Shri Mahendramalji, Devendramal and Ajitmal, S/o Shri Sajjanmal Manot, R/o 1-B Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Shivdeo S/o Sh. Babulalji Jangid, Through guardian Babulal and Nand Kishore, S/o Sardarpura Road No. 5, Jodhpur. R/o Sardarpura Road No. 5, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 94 Sq. yds. situated near Chune ki Bhatti. Sardarpura Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1908 dated 10-8-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 9-3-1983.

(1) Shri Lalchand S/o Sh. Shri Dulichandji Golocha, Pali.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kalpvarsh Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd,

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Jaipur, the 9th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1633.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proprety, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri, Land situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pali on 6-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instruconsideration for such transfer as agree to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25500 Sq. yds. in Sumerpur Road, Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registeration No. 1112 dated 6-8-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-3-1983,

Scal:

FORM ITN®

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

laipur, the 9th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1708,—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a fresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Bahadurmal S/o Sh. Dheormalji Oswal G.P.A. of Sh. Mahendramal, Devendramal and Ajitmal S/o Sh. Sajjanmal Manot, R/o. 1-B Road, Sardarpura, Jodhpur.

(2) Shri Mirchumal, S/o. Jhumarmal E-50, Sardarpura, Jodhpur. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 85 sq. yds. situated near Chune ki Bhatti, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1911 dated 10-8-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1983.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 9th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1706.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Setion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-dna bearing No.

Plot of land situated at Jodhpur

Plot of land situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bahdurmal S/o Sh. Dheermalii Oswai. G.P.A. of Mahendramal, Devendramal and Ajitmal S/o Sh. Sajjanmal Manot, R/o. 1-B Road, Satdarpura, Jodhpur.

(Transferor)
(2) Shri Radha Kishan Ratbi S/o Shri Lalchand
Maheswari, Sardarpura, B. Road, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 70 Sq.yds, situated near Chune Ki Bhatti, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1913 dated 10-8-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
In specting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-3-1983

(1) Shri Kesa & Sh. Adu, Ss/o Shri Chatringji, Ganchi R/o Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahaveer Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1646.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 29-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consinedation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 184 bigha in Mandia Road, Pali. more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 1075 dated 29-7-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1647.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land situated at Pali (and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 20-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---56--26GT/83

(1) 1. Sh. Devaram,

2. Sh. Madaram 3. Sh. Bheraram, Sa/o Shri Harnath Ghanchi,

(Transferor)

(2) Mahyeer Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd.,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 181 bigha situated in Mandia Road, Pali, Khasra No. 933, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 1876 dated 29-7-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-3-1983.

 1. Shri Lalchand S/o. Shri Chaturbhuj
 2. Smt. Dhaka Bai W/o Sh. Lalchand, Sojat City.

CTransferor

(2) Shri Kishan Chand, S/o Shri Lalchand Gupta, Pall.

(Transfere)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1638.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House property situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pall on 7-7-1982

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Bus Stand, Pali (8 rooms), and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 928 dated 7-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983.

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri Lalchand S/o Sh. Chaturbhuj 2. Smt. Dhaka Bai, W/o Sh. Lalchand, Soiat City.

(Transferor)

(2) Shri Kishanchand S/o Shri Lalchand Gupta,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1639.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House property situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 8-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property situated at Bus Stand, Pali (8 rooms) and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Pali vide registration No. 922 dated 8-7-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8-3-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 9th March 1982

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1737.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agri land situated at Sanganer (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 3-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Doongar Singh S/o Sh. Mangilalji Pukharna R/o Plot No. D-7, Hospital Road, Bapu Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Puranmal S/o Sh. Bheru Patel

 Sh. Babulal
 Sh. Sunil Kumar (Minor), Ss/o Shri Puranmal. New Sanganer Road, Sanganer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property maye be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bigha 18 biswas situated in village Bhankreta, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sanganer vide registration No. 427 dated 3-8-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 10-3-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 9th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1738.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 245 situated at Jalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 6-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Dheksina Kumbhat, Widowes Siri Kishore Chandji Kumbhat, Kumari Alka, Kumari Neelu, Minor daughters and Master Manish Master Naveen, R/o 58, Kumbhat Bhawan, Jawaharlal Nehru Marg, Jaipur.

(Transferor)

(2) Smt. Usha and Smt. Savitri R/o 205, Kanwar Nagar, Jaipur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -- The terms and expressions used herein 28 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 245, Hind Hotel Building, Chaura Rasta, Jalpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jalpur, Vide registration No. 1502 dated 6-7-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 9-3-1983. Seal:

· [PAR1 III—SEC. 1

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 9th March 1983

Ref. No. Raj./IAC(Acq.)/1739.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000% and bearing

Shop No. 245 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur oa 6 7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Prakashchand S/o Sh. Lal Chand, R/o 58, Devi Path, Jawaharlal Nchru Marg, Jaipur.

 (Transferor)
- (2) Smt. Sheel W/o Sh. Shyam & Sh. Manoj Kumar S/o Shri Shyam, R/o 205, Rajmal Ka Talab, Kanwar Nagar, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 245, Hindi Hotel Building, Chaura Rasta, Jaipur and more fully described in the Sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registered No. 1498 dated 6-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection, Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Dato: 9-3-1983.

FORM ITNS ----

- (1) Shri Khema S/o Shri Dhootaji Ghanehi, Pali.
 (Transferor)
- (2) Mahveer Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Pali. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

* ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1644.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Poli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pali on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

'Agricultural land measuring 10‡ bigha in Khasra No. 930, Mandia Road, Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1061 dated 28-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 8-3-1983, Seal:

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

ale en la <u>la la especial de la compania del compania del compania de la compania del compania del la compan</u>

FORM ITNS-

(1) Shri Jetha S/o Sh. Devaji, Ghanchi, R/o Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahaveer Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Pali. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1645.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 27-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 103 bigha in Khasra No. 930, Mandia Road, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1859 dated 27-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th February 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1632.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
57—26GI/83

(1) Shri Gordhan Singh S/o Sh. Baktawarmal Singh Rajput, Pali. (Transferor)

(2) Kalpvarsh Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Pali. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land measuring 8 bigha in Sumerpur Road, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1067 dated 28-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-2-1983,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th February 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1628.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proprety, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agri. land situated at Vill. Mandi, Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pali on 29-7-1982

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been relieve stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Labh Chand S/o Shri Motilal Galicha, Pali.
 (Transferor)
- (2) Gajanand Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Pali.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.'

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 15 bigha, Khasra No. 493, situated in Bakri Road, Vill. Mendi, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1877 dated 29-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-2-1983,

Scal:

 1. Sh. Kehra Ram S/o Sh. Bhawa Ram Kalbi,
 2. Sh. Hemrai S/o Sh. Kehra Ram Kalbi, 2. Sh. Hemraj S/O Sh. Belling Village Hadeeha, Teh. Sanchere.

(Transferor)

Manak Chand,

'(2) 1. Shri Rattan Chand S/o Sh.

Oswal.

2. Shri Prem Chand S/o Sh. Rattan Chand Oswal, Village Hadeeha, Teh. Sanchere.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jeipur, the 10th February 1983

Ref No. Raj/IAC(Λcq.)/1618.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Vill. Hadeeha, Sanchere

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanchere on 16-5-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conucealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Polt measuring 9155 Sq. ft. situated in Kalbia-Ka-Mohalla, Hadecha, Teh. Sanchere, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sanchere vide registration No. dated 16-8-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-2-1983,

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

- (1) Labh Chand S. o Sh. Motilal Galicha, Pall. (Transferor)
- NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
- (2) Gajanand Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Pali (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Jaipur, the 10th February 1983

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1630.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Agri. land situated at Vill. Mandi, Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Pall on 29-7-1982

and bearing No.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agri land measuring 4 1/3 bigha Khasra No. 491, Bakri Road, in Village Mundi, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1078 dated 29-7-1982.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, JAIPUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1983.

(1) Shri Manrup S/o Sh. Kishanji Vill. Mandi Khurd, Distt. Pali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gajanand Gìrah Nirman Sahkari Samiti Lt., Pali.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th February 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1631.—Whereas, I MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill Mandi, Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land measuring 9 bigha 2 biswa, Khasra No. 739, Bakri Road, situated in Village Mandi and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1070 dated 28-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date 10-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 9th March 1983

Ref. No. Raffi/IAC(Acq.)/1732.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 16 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Vishan Shakhawat W/o Sh. Vijai Singh Rajpur, Lal Niwas, Sawai Singh Road, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Vinai Kumar Godha, S/o Sh. S. K. Godha 45, Devi Path, Taktashahi Road, Jalpur.

 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Lal Niwas, Tank Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2388 dated 13-9-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAlPUR

Date: 9-3-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 9th March 1983

Ref. No. Rai/IAC(Acq.)/1733.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 16 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Vishan Shakhawat W/o Sh. Vijai 'Singh Rajput, Lal Niwas, Sawai Ramsingh Road, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Vinai Kumar Godha, S/o Sh. S. K. Godha, 45, Devi Path, Taktashahi Road, Jaipur.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Lal Niwas, Tank Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 2420 dated 30-3-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, JAIPUR

Date: 9-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., STATUE CIRCLE, JAIPUR.

Jaipur, the 9th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.) 1734.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

Jaipur on 30.9, 1982,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 16, situated at Jaipur,

Plot No. 16, situated at Japur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Vishan Shekhawat w/o Shri Vijay Singh Rajput, Lal Niwas, Sawai Ram Singh Road, Jaipur. (Transferor)
- (2) Shri Abhey Kumarji S/o Shri S. K. Godha, R/O 45, Devi Path, Takatashahi Road, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 16, Lal Niwas, Tank Road, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2419 dated 30-9-82,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalpur.

Date: 9-3-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., STATUE CIRCLE, JAIPUR.

Jaipur, the 9th March 1983

Ref. No. 2 Raj/IAC(Acq.)/1734,--Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 16, situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registralon Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 12.9.1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shrimati Vishan Shekhawat w/o Shri Vijay Singh Rajput, Lal Niwas, Sawai Ram Singh Road, Jaipur, (Transferor)
- (2) Shri Abhey Kumarji S/o Shri S. K. Godha, R/O 45, Devi Path, Takatashahi Road, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCEDUHLE

Plot No. 16. Lal Niwas, Tank Road, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 2387 dt. 12-9-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Jaipu .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-58-26GI/83

Date: 9-3-1983.

NOTICE UNUDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., STATUE CIRCLE, JAIPUR.

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1780.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Prabhat Talkies, situated at Jhunjhunu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhunihunu on 29-7-1982.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) (1) Dr. Gaur Hari Singhani, (2) Rajendra Kumar,
 (3) Gopal Krishna, (4) Devi Prasad, (5) Virendra Kumar, (6) Mahavir Prasad, Trustees of Moti Lal Tulsyan Charitable Trust, Bank of India Building, 3rd Floor, Shekh Menon Street, Bombay.
 (Transferor)
- (2) Shri Ajmat Ali Minor son of Shri Kasam Ali through Shri Kasam Ali Bedrampura, Road, Kabari Market No. 3, Ahmedabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Prabhat Talkies, Jhunjhunu, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jhunjhunu vide registration No. 376 dated 29-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., STATUE CIRCLE, JAIPUR.

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1701.-Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Prabhat Talkies, situated at Ihunjhunu,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jhunihunu on 22-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

 (1) (1) Dr. Gaur Hari Singhani, (2) Rajendra Kumar,
 (3) Gopal Krishna, (4) Devi Prasad, (5) Virendra
 Kumar (6) Mahavir Plasad, Trustees of Motilal Tulsyan Charitable Trust, Bank of India Building,
 3rd Floor, Shekh Menon Street, Bombay. (Transferor)

(2) Shri Hakim Ali, Qureshi, Badrampura Road, Kabari Market No. 3, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property known as Prabhat Talkies, Jhunjhunu, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jhun-jhnu vide registration No. 374 dated 22-7-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Incomotex
> Acquisition Range, Jaipur.

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., STATUE CIRCLE, JAIPUR.

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1699.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prabhat Talkies, situated at Jhunjhunu,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), the high transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thunjhunu on 22-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than if on per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manages or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (1) Dr. Gaur Hari Singhania, (2) Rajendra Kumar (3) Goap Krishna, 4) Devi Prasad, (5) Virendra Kumar, (6) Mahavir Prasad, Trustees of Moti Tulsyan Chartable Trust, Bank of India Building, 3rd Floor Shekh Menon.
Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Kasam Ali, Abdul Gani, Jubeda, Hasam All, Badrampura Road, Kabari Market No. 3, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Prabhat Talkies Ihunjhunu, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Ihunjhunu vide registration No. 375 dated 22-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rauge, Jaipur.

Date: 5-3 1083,

FORM I.T.N.S....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., STATUE CIRCLE, JAIPUR.

Jaipur, the 5th March 1983

* Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1702.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Prabhat Talkies, situated at Jhunjhunu,

* (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhunjhunu on 22-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Dr. Gaur Hari Singhani, (2) Rajendra Kumar, (3) Gopal Krishna, (4) Devi Prasad, (5) Virendra Kumar, (6) Mahavir Prasad, Trustees of Moti Lal Tulsyan Charitable Trust, Bank of India Building, 3rd Floor, Shekh Menon Street, Bombay.
- (2) Shri Julikar Ali, Minor son of Shri Kasam Ali through Shr iKasam Ali Badrampura Road, Kabati Market No. 3, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property known as Prabhat Talkies, Jhunjhunu, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jhunjhunu vide registraton No. 373 dated 22.7.1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 5-3-1983.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., STATUE CIRCLE, JAIPUR.

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No.: Rej/IAC(Acq.)/1703,—Whereas, I, MOHAN SINGH,

MOHAN SINGII, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Prabhat Talkies, situated at Jhunjhunu, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhuunjhunu on 21-7-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (1) Dr. Gaur Hari Singhani, (2) Rajendra Kumar,
 (3) Gopal Krishna, (4) Devi Prasad, (5) Virendra Kumar, (6) Mahavir Prasad, Trustees of Moti Lal Tulsyan Charitale Trust, Bank of India Building,
 3rd Floor, Shekh Menon Street, Bombay. (Transferor)
- (2) Shri Sikandar Ali Minor son of Shri Kasam Ali through Shri Kasam Ali, Badrampura Road, Kabari Market No. 3, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property known as Prabhat Talkies, Jhunjhunu, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jhunjhunu vide registration No. 372 dated 21-7-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-3-1983.

FORM ITNS----

(1) Shri Polaram S/o Shri Jas Raj Suthar, 12th B-Road, Sardarpura, Jodhpur

(Transferor)

793-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Chandra Kalan, W/o Shri Satyanarain Purohit, 629-A, 12th B-Road, Sardarpura, Jodhpur. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG., STATUE CIRCLE, JAIPUR.

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No.: Rej/IAC(Acq.)/1652.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agri. land situated at Jodhpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at has been Jodhpur on 31.8.82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 629-A situated at 12th B-Road, Sardarpura, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2120 dated 31-8-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1634.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Pali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
44—16GI/83

(1) Shri Gardhan Singh s/o Shri Bokh(awar Singh Rajput,

(2) Kalpvarsh Gleah Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 71 bigha in Sumerpur Road, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali, vide registration No. 1063 dated 28-7-1982.

MOHAN SINGII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

(1) Shri Pukh Raj Kalani, s/o Shri Shanker Lal Kalani, Chopasani Road, Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Kanta w/o Shri Sumermal, r/o Village Kosana, Teh. Jalore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1635.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refetred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 84, situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 15-9-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated on plot No. 84, Polo 1st, Joahpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide regn. No. 2288 dated 15-9-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
59—26GI/83

Date: 4-3-1983

(1) Shri Pukhraj Kalani s/o Shri Shankerlal Kalani, Chopasani Road, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Sumermal s/o Shri Bhoraji Solanki, r/o Village Kossana, Teh. Jodhpurt.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCIL, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1636.--Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Plot No. 84, situated at Jodhpur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparents consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mon?ys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated on plot No. 84, polo 1st, Jodhpu and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2287 dated 15-9-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Scal:

Date: 4-3-1983

(1) Shri Labhchand, s/o Shri Motilal Golecha,

(Transferor)

(2) Mahaveer Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Re MOHAN SINGH, Rej/IAC (Acq.)/1637.--Whereas

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and heaving No.

bearing No.

Agri. land, situated at Pali

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrering Officer at Pali on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parteis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given h that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bigha situated in Khasra No. 961, Mandia Road, Pall, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1068 dated 28-7-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 4-5-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1640.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land, situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 13th July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Moolchand,
 2. Shri Mikaram,
 3. Sh. Hiralal
 - 3. Sh. Hiralal sons/o Shri Narainji Ghanchi,

(Transferor)

(2) Shri Bhanwarlal s/o Shri Rajaramji Mali,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8th bigha, situated in Industrial Area near Ramdeo Road, Pall and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 953 dated 13-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

(1) Shri Vijay Raj, s/o Shri Pannalalji Jain, Pali.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Rej/IAC (Acq.)/1649.—Whereas Ref. No. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 25,000/and bearing No.
Agri. land, situated at Pali
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pali on 6-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Gajanand Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd.,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3 bigha in Bakri Road, Pali, and more fully described in the sale deed registered by S.R. Pali vide registration No. 1111 dated 6-8-1983.

MOHAN SINGH Competent_Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Gordhan Singh, p/o Shri Bhakhatwar Singh Rajput, Pali.

(2) Kalpvarsh Grah Nirman Sahkari Samiri Ltd., Pali.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1650.--Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

Agri. land, situated at Pali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Pali on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein- as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 8 bigha at Sumerpur Road, Pali, and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Pali vide registration No. 1065 dated 28-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

 Shrimati Musni Agarwal w/o Shri late B. S. Agarwal, Polo 1st, Jodapur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Prasannamal, 2. Shri Rangroopmal s/o Shri Chauthmal Fofalia, Daftartion ka Moballa, Jodhpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING,
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1951.—Whereas I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 19, situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 24-7-1982

- of or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated on plot No. 19 Zalim Vilas, Paota 'B' Road Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 7710 dated 24-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Rej/IAC (Acq.)/1669.--Whereas Ref. No. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Alwar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alwar on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Ashok Kumar s/o Shri Lalchwad, Village Desula, Distt. Alwar.
 - (Transferor) (2) M/s Delhi Auto & General Finance Pvt. Ltd. 154, Asaf Ali Road, New Delhi, through Shri Ramesh Suri, Jt. Managing Director, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land measuring 1 bigha 9 biswa situated in Village Desula, and more fully described in the sale deed a registered by the Sub-Registrar, Alwar vide registration No. 1651 July, 1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref No. Rej/IAC (Acq.)/1670.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land, situated at Alwar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 2-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—60—26GI/83

- (1) Shri Ramavatar s/o Shri Shri Lachhi Ram, Attorney Holder of Smt. Janak Dulari c/o M/s Mangal Chand Lachhu Ram Rewari. (Transferor)
- Shrimati Harmendra Kaur w/o Shri Devendra Singh,
 B.7 Extension 81, Safdarganj Enclave,
 New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 12 bigha 18 biswa situated in Village Madhogarh and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Alwar vide registration No. 1815 dated 2-8-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, IAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Rej/IAC (Acq.)/1671.—Whereas Ref. No. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Alwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Alwar on 2-8-1982, Alwar on 2-8-1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ramavtar s/o Shri Lachhi Ram, Attorney holders of Smt. Janak Dulari, c/o M/O Mangal Chand, Lachhuram, Rewari.

(Transferor)

(2) Shri Jeswant Singh s/oShri Tirath Singh,B-7, Scheme No. 2, Alwar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land measuring 5 bigha 2 biswa situated in Village Madhogarh and more fully described in the sale deed registered by the S R. Alwar vide registration No. 1818 dated 2-8-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

FORM No. J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 4th March 1983

No. Rej/IAC (Acq.)/1672.—Whereas MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agri. land, situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 2-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

. (1) Shri Ramavtar, s/o Shri Lachhi Ram, Attorney holders of Smt. Janak Dulari, c/o M/s Mangal Chand Lachhu Ram, Rewari.

(Transferor)

(2) Shri Devendra Singh s/o Shri Kripal Singh, B-7, extention 81, Safdarganj Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri land measuring 13 bigha 10 biswa, situated in Village Madhogarh, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Alwar vide registration No. 1816 dated 2-8-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Re MOHAN SINGH, Rej/IAC (Acq.)/1673.—Whereas MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2, situated at Beawar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 29-7-1982

Beawar on 29-7-1982

Beawar on 29-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shantimal Ladha, s/o Fatehmalji Lodha, r/o Ajmer Self & Manager Karta of H.U.F. Shantimal Lodha, Ajmer, M/s Satish Motors Pvt. Ltd. Jhalani Road, Aurangabad.

(2) 1. Anirabai Charitable Trust, Bangalore.
2. Chukidevi Charitable Trust, Bangalore.
3. Mishrilal Bafna Charitable Trust, Bangalore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lodha property, Ajmerigate in Beawar, bearing No. 1/2, And more fully described in the sale deed registered by the S.R. Beawar vide registration No. 1207 dated 29-7-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1983

NOCTICE UNDER SECTION 296D OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1674.—Whereas I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2, situated at Beawar (and more fully described in he Setable care I trace)

(and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Beawar on 29-7-1982;

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prakashmalji Lodha Ajmer Self & Manager of HUF Prakashmal Lodha 52-A, Muniyam Koyal Street, Sewapath Salem, Tamil Nadu.

(Transferor)

 Shri Uttamchand s/o Misrilalji Bafna, r/o Moran Kala Teh. Raipur,
 Munualal,
 Ashok Kumar, sons of Shri Uttamchand Bafna, Moran Kala, Teh. Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lodha property, Ajmeri gate in Beawar bearing No. 1/2, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Beawar vide registration No. 1208 dated 29-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Reffi/IAC/(Acq.)/1675.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 1/2, situated at Bcawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Beawar on 29-7-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ranjitmal Lodha, 8/0 Shri Fatehmalji Lodha, r/o Naya Bazar, Ajmer in the capacity of self & Manager & Karta of

(Transferor)

(2) 1. Seth Mangilal Bafna, s/o Mishrilalji

 M. Gautamchand,
 M. Ganpatraj,
 sons of Seth Mangilalji Rafna,
 r/o Moran Kala, Teh Raipur (Raj),
 all resident 56, Nagarth Path, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that ·Chapter.

THE SCHEDULE

Lodha property, Ajmeri gate in Beawar bearing No. 1/2, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Beawar vide registration No. 1218, dated 29-7-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I Hhereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1981 (43 OF 1961) (1) Shri Amarnath Malhotra S/o Shri Gulzarilal, Bikaner.

(Transferor)

(2) Shri Tekchand S/o Shri Dhanna Ram, Scheme No. 2, Alwar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1676.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 1-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One room behind shop No. 2, in Scheme No. 2, Alwar, and morefully described in the sale deed registered by the S. R. Alwar vide registration No. 1812, dated 1-8-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

(1) Shri Amainath Malhotra S/o Shri Gulzarilal, Bikaner.

(Transferor)

(2) Shri Maharaja Singh S/o Shri Kashmirilal Rajput, Alwar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

STATUTE CIRCLE JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1677.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 1-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective

persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop in Schedule No. 2 Alwar and more fully described in the sale deed registered by the R. R. Alwar, vide registration No. 1813 dated 1-8-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date : 4-3-1983

(1) Shri Prabhati S/o Shri Cheta and others, Sadpur,

(Transferor)

(2) Shri Devendra Kumar S/o Shr Amarnath, R/o Ludhiana, 912-A Tagore Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1678.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Agricultural land situated at Alwar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 2-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 biswa in Village Sadpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Tapkara, Alwar vide registration No. 498 dated 2-9-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1983

Seal :

61-26GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. N. C. Aachali, Vigyan, Kota.

(Transferor)

(2) 1. Radhey Shyam S/o Shri Nand Ram. 2. Smt. Savitri,

Shir. Saviri,
 W/o Shri Radhey Shayam.
 Smt. Kamla
 W/o Shri Laxmanji,
 Shoping Centre, Kota.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE JAIPUR,

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1679.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 28-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as ware defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3600 sq. ft, in Dadabari, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 964 dated 28-7-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :~

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1680.--Whereas, I

MOHAN SINGH

of transfer with the object of-

being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible presents having a fair reserved. movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Tehsil Alwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alwar on 2-8-82 Alwar on 2-8-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Ramavtar S/o Shri Lachhi Ram, Attorney holders of Smt. Janak Dulari C/o M/s. Mangal Chand Lachhu Ram, Rewari,

(Transferor)

(2) Shri Davendra Singh S/o Kripal Singh, B-7 Extention 81, Safdargan Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bigha situated in village Madhogarh, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Alwar vide registration No. 1817 dated 2-8-1982,

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalpur

Date: 4-3-1983

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(A80.)/1681.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agreultural land situated at Tehsil Tapukara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Teh. Tapukara on 1st September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proprety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mahendra Kumar S/o Shri Pyarelal and Shri Moharpal S/o Shri Roshan Gujar Sadpur.

(2) Shri Vijai Kumar S/o Shri Amarnath Jindal,

House No. 585/2, Agar Nagar, Ludiyana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 bigha 5 biswa situated in Village Sadpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Tapukara, Alwar vide registration No. 494 dated 1-9-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Date: 4-3-1983

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIATUTE CIRCLE JAIPUR

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1682.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 5-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Shashi Mittal W/o Shri Dinesh Mittal, Ex-partner M/s. Rajasthan Rasaynik Udyog, Alwar.
- (2) Shri Ramakant S/o Shri Murlidhar, Smt. Vimla W/o Shri Ramakant C/o M/s. Beharilal Murlidhar, Kedar Ganj, Alwar.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of gualication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 311 sq. yards, situated at Alkapuri Colony, Alwar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Alwar vide registration No. 1623 dated the 5-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/1683.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alwar on 13th August 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Tacilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Suresh Chand S/o Shri Harbanalal Dasula,

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar R/o Shri Gopai Das Chopra, And Others, Alwar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 11 biswa situated in Village Dasula, and more fully described in the sale deed registered by the R.R. Alwar vide registration No. 2040 dated 13-8-1982

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Kamlawati
 W/o Shri Vinodilal and
 Smt. Bhagirathi Devi
 W/o Shri Mukumchand,
 Goyal Coal Co. Road No. 2,
 Alwar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Kishan S/o Shri Jai Narain and Shri Om Prakash Brahmanand S/o Shri Makhanlal Mahajan, Alwar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
 - ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 11th February 1983
- Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1684.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Alwar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer as Alwar on 16-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 871 Sq. yards situated behind Road No. 2 Alwar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Alwar vide registration No. 1755 dated 16-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

follow- Date: 11-2-1983 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Smt. Krishana Hukku
 W/o Shri B. N. Hukku,
 Sector 'A' Shastri Nagar,
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal S/o Shri Parasmalji Hanwantpura, Jodhpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/1680.—Whereas, I. MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 218 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 7th September 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 218 Sector 'A' Shastri Nagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the R.R. Jodhpur vide registration No. 2184 dated 7-9-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1705.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 218 situated at Jodhpur (and more fully described in the Shedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, 1 amely:—
62—26GI/83

Smt. Krishana Hukku
 W/o Shri B. N. Hukku,
 218 Sector 'A' Shastri Nagar,
 Jodhpur.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Kanwar W/o Shri Mohanlalji Sankhala, Near Hanwantpura, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property on plot No. 218 Sector 'A' Shastri Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2185 dated 7-9-1983.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jainmer

Date : 4-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1709.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Plot situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bahadurmal S/o Shri Dhoormalji Oswal, GPA of Mahendramal Devendramal and Ajitmal S/o Shri Sajjarmal Manot R/o 1-B-Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

Shri Nathuram
 S/o Shri Ramnivas C/o Agarwal,
 Lodge Station Road,
 Jodhpur.

 $F_{K_c} = 5^{\circ} \cdot 5^{\circ}$

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 88 Sq. yards situated near Chune Ki Bhatti, Sardarpur, Jodhpur, and more fully described by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1909 dated 10-8-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 4-3-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(ACA)/1710.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bahadurmal
S/o Shri Dhoormalji Oswal,
GPA of Mahendramal Devendramal and
Ajitmal S/o Shri Sajjarmal Manot
R/o 1-B-Road, Sardarpura,
Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kumar Tejwani S/o Shri Parmanand, E-50, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 123 Sq. yards situated near Chunc Ki Bhatti, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jodhpur vide regstration No. 1907 dated 10-8-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Aca)/1711.—Fhereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 10-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Shri Bahadurmal
 S/o Shri Dhoormalji Oswal,
 GPA of Mahendramal Devendramal and
 Ajitmal S/o Shri Sajjarmal Manot
 R/o 1-B-Road, Sardarpura,

(Transferor)

(2) Shri Chand Mohd. S/o Shri Zahoor Mohd. Sardarpur, C-Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 81 Sq. yards situated near Chune Ki Bhattl, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1912 dated 10-8-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely 1—

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUUISITION RANGE, CENTRAL REVENUUE BUUILDING STATUTE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Aca)/1712.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-8-1982

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Bahadurmal S/o Shri Dhoormalji Oswal, GPA of Mahendramal Devendramal and Ajitmal S/o Shri Sajjarmal Manot R/o 1-B-Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Prakash S/o Shri Bhanwarlal, 128, Bachhraj ji Ka Bagh, Chopasani Road, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 64 Sq. yards situated near Chune Ki Bhatti, Sardarpura, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jodhpur vide regstration No. 1910 dated 10-8-1982.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1714.—Whereas I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 22-7-1982

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Sobha Kanwar W/o Shri Narpat Singh, Rai Ka Bagh, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Man Mal S/o Shri Bhikan Chand Surana, Near Anand Cinema, Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated in North of Raika bagh palace, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.T. Jodhpur vide registration No. 1688 dated 22-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jalpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1716.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House property situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27th July 1982

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rully stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Vijay Kanwar W/O Sh. Buddh Ramji Suthar, Sardarpura, Jodhpur.
- (Transferor)
 (2) Shrimati Radha Devi W/o Sh. Ghanshyam Das Singhi, P/o Luxmi Cold Drinks, Near Kohinoor Cinema, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated on 10th B Road bearing No. 587, Sardarpura, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1739 dated 27-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-3-1983,

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1698.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Pradhat Talkies situated at Jhunjhunu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jhunjhunu on 21-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 (1) Dr. Gaur Harl Singhania (2) Rajendra Kumar
 (3) Gopal Krishna (4) Devi Prasad Trustees of Moti Lal Tulsiyan Charitable Trust. Bank of India Building, 3rd Floor, Shekh Menon Street, Bombay-400002.

(Transferor)

(2) Shri Akram Ali Minor son of Shri Kasam Ali through Shri Kasam Ali Badrampura Road, Kabari Market No. 3 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property know as 'PRABHAT TALKIES' Jhunjhunu and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jhunjhunu vide registration No. 371 dated 21-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority,
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Pate: 8-3-1983.

7967

FORM ITNS

- (1) Shrimati Nalani Kanwar W/o Sh. Thakur Moban Singh Rajput, Ratnada, Jodhpur.
- (Transferor) (2) Shrimati Pratibha W/o Shri Narendra Singh Rajput, Ratnada, Jodhpur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1717.—Wherens, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Open land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 17th July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land measuring 1085.55 Sq. yds., situated at Ratnada, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1721 dated 17-7-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority, Inspection Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

63-26GI/83

Date: 8-3-1983.

- (1) Shri Mangilal S/o Shri Ram Dayal Pareek, Raika Bagh, R.A.C. Jodhpur.
- (2) Shrimati Shashbala W/o Shri Asharam Maheshwari, Yellow Bunglow, Insidre Jalorigate, Jodhpur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 8th March 1983

Ref. No. Rej/IAC ,(Acq.)/1718.—Whereas, I, MOHAN

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House property situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 19-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- House property situated in Masuria, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1639 dated 19-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspection Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1719.—Whereas, I, MOHAN

SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. 439 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 27-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has ont been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Shri Bhagmal S/o Shri Chandmal, through POA Shri Tikkam, Ghas Mandi, Jodhpur.
- (2) Shri Kera Ram, S/o Shri Poosaram 1st C-Road, Jodhpur.

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 439, in Link Pal Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 2076 dated 27-8-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority, Inspection Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 5-3-1982.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1720.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 56 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 2-8-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Radha Kishan S/o Shri Niranjan Dass Bhutra, Attorney of Smt. Chandkanwar W/o Sh. Prithvi Singh Rajput and Smt. Sushila Bhutra, of Jodhpur, 4, 'A' Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shiimati Samdaben D/o Shri Multanmalji Oswal, 11-C, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56, in Bakhatsagar Scheme, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide Registration No. 1816 dated 2-8-1982.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Singh Rajput and Smt. Sushila Bhutra, of Jodhpur, 4, 'A' Road, Sardarpura, Jodhpur. (Transferor) (2) Shri Shankarlal S/o Shri Multanmalji Oswal,

11-C. Shastri Nagar, Jodhpur.

(1) Shri Radha Kishan S/o Shri Niranjan Dass Bhutra, Attorney of Smt. Chandkanwar W/o Sh. Prithvi

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref., No. Rej/IAC (Acq.)/1721.—Where, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 56 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jodhpur on 27-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56, in Bakhatsagar Scheme, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1819 dated 27-7-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1722,---Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 56 situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 2-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons parally:

(1) Shri Radha Kishan S/o Shri Niranjan Dass Bhutra, Attorney of Smt. Chandkanwar W/o Sh. Prithvi Singhji Rajput and Smt. Sushila Bhutra, of Jodhpur, 4, 'A' Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Kallash Chandra S/o Sh. Shankarlalji 11-C, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 56, in Bakhatsagar Scheme, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1815 dated 2-8-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269 (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1723.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 19 situated at Jodhpur (and more fully described in the Scheduled appeared hereto)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 21-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagnaram S/o Sh. Prabhulal Panch Batti Colony, Jodhpur.
- (2) Shri Morchan Singh S/o Kanaram Chaudhary, Panehbhatti Colony, Ratnaget, Jodhpur, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 19, situated in Panch Batti Colony, Jodhpur and more fuly described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 1672 dated 21-7-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 7-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Sobhagya Chand Mafna S/O Sh. Kundan Malji Bafna, 'C' Road, Sardarpura, Jodhpur. (Transferor)

(2) Shrimati Kamla Devi W/o Shri Liladharji Jain. R/o Barmer, Jodhpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I CENTRAL REVENUE BUILDING. STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. N. Rej/IAC (Acq.)/1728.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

House No. 398-B/A situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

Jodhpur on 26-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 398-B/A situated in Sardarpura 'C' Road Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1726 dated 26th July

> MOHAN SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-3-1983

Strate.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1725.—Whereas, I. MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 398 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jodhpur on 26-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concediment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—64—26GI/83

Shri Sobhaga Chand Bafna
 S/O Sh. Kundanmalji Bafna,
 'C' Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Liladhar S/O Sh. Karanmalji Jain, R/O Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 398 B, situated in Sardarpura, 'C' Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1728 dated 26-7-82.

MOHAN SINGM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 5-3-1983,

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1726.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 398-B situated at Jodhpur and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 26-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 . (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Shri Sobhagya Chand Bafna, S/O Sh. Mundanmalji Bafna, R/o 'C' Road, Sardarpura, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri Liladhar S/O Sh. Karanmalji Jain, R/O Jodhpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 398 B, situated in Sardarpura, 'C' Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1727 dated 26-7-1962.

MOHAN SINGH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 5-3-1983. Seal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Sobhagya Chand Bafna, S/O Sh. Kundanmalji Bafna, Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamla Devi W/o Shrl Liladharil Jain R/O Barmer At present Jolhpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1727.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 398-B situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which there is a period of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 398 B, situated at Sardarpura, 'C' Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1724 dated 26-7-82.

THE SCHEDULE

MOHAN SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-3-1983,

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1724.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 398 situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sobhagya Chand Bafna, S/O Sh. Kundanmalji Bafna, 'C Road, Sardarpura, Jodhpur.

(Transferor)

1

(2) Shrimati Kamla Devl W/o Shri Liladharji Jain R/o Barmer. At present Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be 1

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 398 B, situated in Sardarpura, 'C' Road, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1725 dated 17-5-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Date: 5-3-1983.

FORM 1.T.11.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME,
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1629.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. . 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Mandi, Poli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 29-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer parties has not been truly stated it transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferent for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the gaid Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Labh Chand S/o Sh. Motilal Golecha,

(Transferor)

(2) Gajanand Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Pali, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

101 -44-

THE SCHEDULE

Agri, land measuring 15 bigha Khasra No. 493, Bakri Road, in Village Mandi, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1079 dated 29-7-1982.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 5-3-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.) 1735.-Whereas, I

MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. D-65 situated at Jaipur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur. on 6-7-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shrimati Prabhati Devi, W/O Shri Hanuman Ramji lal. Sh. Rajesh Chandra, Manmohan lal, Rajendra Kumar & Shri Lal Chand, Sons of Shri Hanuman RamjiSharma, R/O M. I. Road, Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Vinod veer Singh Bhati, son of Shri Balveer Singh, R/o Murti Bhawan, Near Shalimar Cinema, Jeipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Plot No. D-65 situated in Chomu House, Sardar Patel Marg, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1528 dated 6-7-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-3-83. Scal:

 Sushil Kumar, Shri Rajendra Kumar, sons of Shri Laxmi Chand Gupta, R/O, C-78, Bapu Nagar, Jaiour.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No.: Raj/IAC (Acq.) 1736.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. Land situated at Jaipur. Sanganer (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur Sanganer. on 3-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta: Act, 1957 (27 of 1957);

(2) 1. Chotilal, S/O Shri Bheru Patel

2. Sh. Nanagram 3. Sh. Sewaram

4. Sh. Durgalal

5. Sh. Roop Narain (Minor)
6. Shri Amritial (Minor)
7. Sh. Damodar (Minor) sons of Sr. Chotilal R/O New Sanganer Road, Sodala.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of .45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land measuring 7 bigha 18 biswa in khasra No.708/ 1453 & No. 693 situated in Village Bankrota, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. 426 dated 16 m

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 10-3-83.

(1) Dinesh Chand Grover, S/O Shri Braham Dutt Grover, R/o Lokbharati, 15-A, Mahatma Gandhi Marg, Allahabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Kapoor chand Agrawal,
 2. Sh. Nand Kishore
 Agrawal, Sons of Sr. Banshidher Agrawal, C-64,
 Amba Bari, Jaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

جام على المحالية المباثلة

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING
STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acg.) 1729.—Whereas, I, MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

C-64 situated at Jalpur.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur. on 22-7-1982

Japur. On 22-7-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. C-64, situated in Amba Bari Jaipur, and more fully described in the sale deed refistered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1706 dated 22-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.) 1746.—Whereas, I,

MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. Land situated at Srinagar.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under he Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Srinagar on 20-7-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act to the following persons, namely :---

65-26GI/83

(1) Harphul, S/o Shri Kheta, R/o Cak 7-E, Chhoti, Srinagar.

(Transferor)

Sr. Ram Pratap S/o Sh. Haunman
 Sh. Mani Ram, S/o Sh. Manoj Kumar
 Sh. Balram, S/O Sh. Maniram
 Sh. Nandram, S/o Sh. Brijlal Sh. Balram, S/O Sh. Brijlal Sh. Balram,

S/O Sh. Maniram Sh. Ramlal S/o Sh. Kesra Ram, and Others, Srinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri Land measuring 47 bigha situated at Chak 5E Chhoti Srinagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Srinagar, vide restration No.1245 dated 20-7-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-3-83,

Scal ;

(1) Shri Prabhu Dayal, Sh. Babulal Sh. Ramji Lal & Smt. Nathi Devi R/o Duleshwar Garden, Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Purohit, S'/o Shri Bishanlal Purohit, Plot No. 44-B Duleshwar Garden, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop.: may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq) 1730.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 1908) in the Jaipur on 6-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 44-B in Duleshwar Garden, Sardar Patel Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur, vide registration No. 1573 dated 6-7-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

Date: 10-3-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1731.--Whereas, I,

MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 44-B situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 15-7-1932, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shrimati Bhanwari Devi, w/o Shri Kanhiyalal, House No. 716, Chokari Topkhana Desh, Jaipur. (Transferor)
- (2) Ashok Kumar Purohit, S/o Shri Bishanlal Purohit, Plot No. 44-B, Duleshwar Garden, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 44-B in Duleshwar Garden, Sardar Patel Marg, C-Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1632 dated 15-7-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-3-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Kashmirilal, S/o. Shri Jeewandas, Kota. (Transferor)

(2) Shri R. K. Agarwal, Shri Shekhar Agarwal and Shri Chandra Kant Agarwal, C/o Sri Ram Rayons, Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

> > Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Rel/IAC(Acq) /1740.—Whereas, J. MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 659 situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 15-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 659, situated in L.I.G.H. Scheme, Dadabarl, Kota, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota, vide registration No. 849 dated 15-7-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-3-83.

Shrimati Manju Lohia, W/o Shri K, K, Lohia, Ballabhnagar, Kota.

(Transferor)

(2) Shrimati Jamana Nazz, W/o Shri Mohaim Hussain & Shri Abbas Hussain, S/o Abdul Hussain, Khatehwale, Kota.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1687.—Whereas, I,

MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
No. Land Plot No. 10 situated at Kota
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kota on 16-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4,800 sq. ft. situated in plot No. 10, Motor Repair Extension Scheme, Ihalawar Road, Kota, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Kota, vide registration No. 1332 dated 16-10-82.

MOHAN SINGH Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-3-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Raj/IAC/(Acq.)/1748.—Whereas, I,

MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the important of the said Act') is the said Act'. movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Shop No. 62 situated at Hanumangarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hanumangarh on July 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Shyam Sunder S/o Shri Mosiarilal Mahajan R/o Nohar
 - (Transferor)
- (2) Shri Shankarlal Pawan Kumar, S/o Shri Prayagchand Agarwal, R/o Nohar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 62, situated in Grain Market, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh, vide registration July, 1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-3-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/1747.--Whereas, I, MOHAN SINGH

MOHAN SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Shop No. 13 situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 3-7-82

Sriganganagar on 3-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Dinanath

2. Sh. Jagdish Pd. Ss/o Shri Chunnilal 3. Lila Devi, W/o Shri Chunnilal 4. Ghanshyamdas

Sh. Nagarmal Ss/o Sh. Babu Ram Aggarwal, Sriganganagar, C/o Nohara No. 13, Sriganga-

(Transferor)

(2) Shri Kishorilal, S/o Sh. Fateh Chand & Smt. Sashi Devi, W/o Shri Nirmal, C/o. Jhunjhunu Wala & Co. Shop No. 6, Dhanmandi, Sriganganagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, Lukker Mandi, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar, vide registration No. 1213 dated 3-7-82.

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-3-83.

. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Shyam Sunder S/o Shri Hosiarilal Mahajan, R/o Nohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Ganga Devi, W/o Shri Ranchand Agarwal, R/o Nohar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 10th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/1749.-Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 62 situated at Hanumangarh

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on July 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) racinitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 62 situated in Grain Market, Hanumangarh, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Hanumangarh, vide registration, July, 1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 10-3-83.

1 17 10317

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1642.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Agri. land situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pali on 21-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

66-26GI/83

- (1) Sh. Hari Singh, S/o Sh. Bheer Singh Rajput,
- (2) Kamla Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4½ bigha situated in IInd Phase Industrial Area, Pali and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1259, dated 21-8-1982.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 5-3-83 Şeal

- (1) Sh. Hari Singh S/o Sh. Bheer Singh Rajput, Pali.
 - (Transferor)
- (2) Kamla Girah Nirman Sahkari Samiti Ltd., Pali.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 5th March 1983

Ref. No. Raj/IAC (Acq.)/1641.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Agri. land situated at Pali

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Pali on 18-8-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other pasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the lactor moome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4½ bigha situated in IInd Phase Industrial Area, Behind Power House, Pali, and More fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali, vide registration No. 1259 dated 18-8-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 5-3-83

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pali on 27-8-82

FORM ITNS-

(1) Grodhan Singh, S/o Sh. Bhakawar Singh Rajput, Pali.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferor)

(2) Kalpvarsh Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Pali.

may be made in writing to the undersigned:

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 7th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1648.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Pali

bearing No. Land situated at Pali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 bigha in Sumerpur Road (Industrial Area) Poli, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Pali vide registration No. 1064 dated 28-7-82.

MOHAN SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—49—16GI/83

Date: 7-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1750.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 505, situated at Jaipur

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 22-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparatus consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sharda Bhargava W/o Late Prof. Bd I Bhargava through G.P.A. Sh. Harshbarshan Bhargava, 1. Vivekenand Marg, Jaipur.
- (2) Janki Devi W/o Sh. Naraindas Chananani, 505, Acharya Kripalani Marg, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot No. 505, situated in Acharya Kripalani Marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1733 dated 22-7-82.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 15-3-83

(1) Shrimati Sharda Bhargaya W/o Late Prof. B. D. Bhargaya, through G.P.A. So. Harghyardhan Bhargaya, 1, Vivekanand Marg, Jaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ratan S/o Sh. Narain Das Chandani 505, Acharaya Kripalani Marg. Adarsh Nagar, Jaipur.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, JAIPUR Jaipur, the 15th March 1983

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1751.—Whereus, I, MOHAN SINGH,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Plot No. 505 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 6-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/4th share of Plot No. 505-situated in Acharaya Kriplani marg, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1473 dated 6-7-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1752.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 505, situated at Jaipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 6-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aroresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sharda Bhargava W/o Late Prof. B. D. Bhargava, Through G.P.A. Sh. Harshvardhan Bhargava, 1, 505 Vivekanand Marg. Jaipur.

(Transferor)

(2) Kumar S/o Sh. Naraindas Chandnani 503, Acharaya Kirpalani, Marg. Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot No. 505, situated in Acharaya Marg-Jaipur and more fully described in the Sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1474 dated 6-7-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur-

Date: 15-3-83

- (1) Shrimati Sharda Bhargava W/o Late Prof. B. D. Bhargava, 1, Vivekanand Marg, Jaipur. (Transferor)
- (2) Vasdev S/o Naraindas Chandnani 505, Acharya, Kripalani Marg. Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th March 1983

Ref. No. Rej/IAC/(Acq.)/1753.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a far miarket value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing

No. Plot No. 505, situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Jaipur on 22-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of plot No. 505 situated in Acharya Kripalani Marg, Jaipur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur, vide registration No. 1735 dated 22-7-82.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 11.3

persons, namely :-

Date: 15-3-82

(1) Shri' Mohan Lal S/o Sh. Labhchand R/o Srikaranbur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Saroj Rani W/o Sh. Rajkumar, R/o Srikeranpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1757.--Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 17 situated at Srikaranpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikaranpur on 8-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter. 1,

THE SCHEDULE

1/4th share of shop No. 17, in Dhan Mandi, Srikaranpur Distt Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Srikaranpur vide regn. No. 771 dated 8-7-82.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 16-3-83

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAIL ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1754.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 17 situated at Srikaranpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikaranpur on 8-7-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—67—26GI/83

(1) 1. Sh. Pushapa Chand
2. Kishanlal
3. Sh. Shantilal Sons of Sh. Sampatlal

R/o Srikaranpur.

(2) Smt. Parveen Rani W/o Sh. Chiman lal R/o Stikaranpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of shop No. 17, in Dhan Mandi, Srikaranpur Distt. Sriganganagar and more fully described in the sale deed Regd. by the S.R. Srikaranpur vide regd. No. 772 dated 8-7-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-3-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

· · · GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1756.—Whereas, 1, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Shop No. 17 situated at Srikaranpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikaranpur on 7-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesold exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-_ing_persons, namely :---

- (1) Pushpa Chand
 - 2. Sh. Kishan Lal
 3. Sh. Shantilal Sons of Sh. Sampatlai, R /o Srikaranpur.

(Transferor)

(2) Sh. Naresh Kumar S/o Sh. Bhagchand Arora R/o Srikaranpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the 'ld property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share of shop No. 17, in Dhan Mandi, Srikaranpur, Distt. Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Srikaranpur vide registration No. 765 dated 7-7-82.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-3-83

(1) Mohanlal S/o Sh. Labh Chand R/o Srikaranpur.

(Transferor)

(2) Ramesh Kumar S/o Sh. Bhagchand, R/o Srikaranpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1755.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Phoome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 17 situated at Srikaranpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Srikaranpur on 7-7-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coonsideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of th aforesaid property by the issue of this notice under pubsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

1/4th share of the Shop No. 17, in Dhan Mandi, Srikaranpur, Distt. Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Srikaranpur vide regn. No. 764 dated 7-7-82.

> MOHAN SINGH, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-3-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Dinanath 2. Sh. Jagdish Pd. Sons of Sh. Chunnilal 3. Lila Devi W/o Sh. Chunnilal 4. Ghanshyamdas 5. Sh. Nagarmal sons of Sh. Babu Ram Aggarwal, Nehara No. 13, Srigangangar. Sriganganagar Kishorilal, S/o Sh. Fateh Chand (Transferor)

(2) Kishorilal S/o Sh. Fatch Chand 2.. Smt. Sashi Devi, W/o Sh. Nirmal C/o Jhunjhunuwala & Co. Shop No. 6, Dhan Mandi, Sriganganagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 16th March 1983

Ref. No. Rcj/IAC(Acq.)/1759.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 situated at Srigangunagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srigangaganagar on 3-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Inian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 13, Lukker Mandi, Śriganganagar, and more fully-described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar, vide registration No. 1213 dated 3-7-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 16-3-83

PCHI

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Dinanath 2. Sh. Jagdish Pd. Sons of Shri Chunnilal 3. Lila Devi, W/o Sh. Chunnilal 4. Ghanshyamdas 5. Sh. Nagarmal sons of Shri Babu Ram Aggarwal, Sriganganagar C/o Nehara, Sriganganagar.

(Transferor)

 Purshatamdas S/o Sh. Fateh Chand
 Sh. Niranjan Kumar, S/o Sh. Purshotamdas Junnwala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR .

Jaipur, the 16th March 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1758.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Shop No. 13 situated at Sriganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Research Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Research at the state of the Research Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Research at Sriganganagar on 8-7-82 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for said transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made. in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indan Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sid Act, or the Wealth-tax Act, 1957

THE SCHEDULE

Shop No. 13, Lukkor Mandi, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar, vide registration No. 1214 dated 8-7-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefor in nursuance of Section 269C of the said Act. I hereby ditiate proceedings for the acquisition of the aforesaid projects by the ion, of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons finnely:—

Date: 16-3-83

FORM I.T.N.S.-

DIICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMES NOTICE UNDER

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th February 1983

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/7-82/586.--Whereas, I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I-D/231, Lajpat Nagar, New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to , believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Lachhmi P. Raisinghasi, 41, Monalisa Apartment, St. Bapaist Road, Bondra (W) Bombay-50 at present I/D/4, Lajpat Nagar, New Delhi. (1)

(Transferor)

(2) Shri Khazan Singh Bhatia son of Sh. Jamiat Singh, Bhatia r/o I/4/231, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of a days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that OF

THE SCHEDUL

I-D/231, Lajpat Nagar, New Delhi

100 sq. yds.

INDAR SINGH epetent Authority Inspection Assis ouer of Income-Tax Acquisition Range-I G-13-G:0 Cr Building, I. P. Estate Delhi/New Delhi

Date: 15-2-1983